सत्यमेव जयते

2024

वनस्पति अन्वेषण

(शैवाल, कवक एवं जीवाणु सहित)

नवीन वंश, प्रजातियाँ एवं नये अभिलेख

Plant Discoveries

(including algae, fungi & microbes)

NEW GENERA, SPECIES AND NEW RECORDS

जून - June - 2025

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
BOTANICAL SURVEY OF INDIA

प्रकृतिः रक्षति रक्षिता
Nature Protects if She is Protected

LiFE
Lifestyle for Environment

सत्यमेव जयते

वनस्पति अन्वेषण

(शैवाल, कवक एवं जीवाणु सहित)

नवीन वंश, प्रजातियाँ एवं नये अभिलेख

Plant Discoveries

(including algae, fungi & microbes)

New Genera, Species and New Records

2024

जून - June - 2025

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
BOTANICAL SURVEY OF INDIA

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

BOTANICAL SURVEY OF INDIA
Ministry of Environment, Forest & Climate Change

प्रकृतिः रक्षति रक्षिता
Nature Protects if She is Protected

LiFE
Lifestyle for Environment

वनस्पति अन्वेषण 2024 (शैवाल, कवक एवं जीवाणु सहित)	**Plant Discoveries 2024** (**including algae**, **fungi & microbes**)
© भारत सरकार	© Government of India
आई. एस. बी. एन:	ISBN : 978-81-987352-8-7
प्रकाशनः जुन, 2025	Published: June, 2025
संपादन	**Edited & Compiled by**
ए. ए. माओ, डी. के. अग्रवाला एवं शिंजिनी मुखर्जी	A. A. Mao, D. K. Agrawala & Sinjini Mukherjee
सहयोग	**Co-operation**
डॉ. कनाद दास	Dr. Kanad Das
डॉ. एस. के. सिंह	Dr. S. K. Singh
डॉ. ए. बेन्नियामिन	Dr. A. Benniamin
डॉ. रश्मि दुबे	Dr. Rashmi Dubey
डॉ. टी. ए. एम जगदीश राम	Dr. T. A. M. Jagadeesh Ram
डॉ. एम. पलनिसामी	Dr. M. Palanisamy
डॉ. एस. एल. मीणा	Dr. S. L. Meena
डॉ. देवेंद्र सिंह	Dr. Devendra Singh
डॉ. सुदिप्त कुमार दास	Dr. Sudipta Kumar Das
डॉ. मोनालिसा दे	Dr. Monalisa Dey
डॉ. विवेक सी.पी.	Dr. Vivek C.P.
डॉ. बृजेश कुमार	Dr. Brijesh Kumar
डॉ. महादेवकुमार एस.	Dr. Mahadevakumar S.
डॉ. सुकुमार भक्ता	Dr. Sukumar Bhakta
एच. किरण	H. Kiran
अर्पण दे	Arpan Dey
हिंदी अनुवाद	**Hindi Translation**
श्याम किशोर महतो, उदय वीर श्रीवास, अर्चना राय, प्रकाश होरो व कैलाश प्रसाद कुशवाहा	Shyam Kishor Mahto, Uday Veer Shrivas, Archana Rai, Prakash Horo & Kailash Prasad Kushwaha

सर्वाधिकार सुरक्षित	इस प्रकाशन का कोई भी अंश कॉपीराइट धारकों के बिना पुनर्प्रवर्तित पुनर्प्राप्ति पद्धति से भंडारण, किसी भी साधन या प्रणाली जैसे इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक रिकॉर्डिंग या अन्यथा संचारित नहीं किया जा सकता है		All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in retrieval system or transmitted in any form or by any means electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise without the permission of the copyright owners.

मुख्य पृष्ठ छायाचित्र:	**Cover photo:**
गैस्ट्रोडिया सिक्किमेन्सिस एम. खनल व एस. सरकार	*Gastrodia sikkimensis* M. Khanal & S. Sarkar
छाया चित्रः शुभदीप सरकार	Photo by: Shuvadip Sarkar
प्रकाशक	**Published by**
निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण	The Director, Botanical Survey of India
सीजीओ कॉम्प्लेक्स, सॉल्ट लेक सिटी, कोलकाता-700064	CGO Complex, Salt Lake City, Kolkata 700064
वेबसाइट : http: /bsi. gov. in	Website: http: //bsi. gov. in
ई-मेल : publication. bsi @gmail. com	Email: publication. bsi@gmail. com
मुद्रक:	**Printed by:**
कलकत्ता रेप्रो ग्राफिक्स 36/8बी, साहित्य परिषद स्ट्रीट, कोलकाता - 700006, पश्चिम बंगाल	Calcutta Repro Graphics 36/8B, Sahitya Parishad Street, Kolkata - 700006, West Bengal

सन् 1890 में स्थापित, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण अपने निर्दिष्ट कार्यक्षेत्र के अंतर्गत सर्वेक्षण, सूचीकरण, प्रलेखीकरण, वर्गिकी शोध एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता अभियानों के माध्यम से वन्य पादप विविधता के संरक्षण व सतत उपयोग हेतु वैज्ञानिक आधार प्रदान करते हुए राष्ट्र की सेवा कर रहा है।
सन् 1954 में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पुनर्गठन के उपरांत, इस विभाग के वैज्ञानिकों ने

- 01 नवीन कुल
- 56 नवीन वंशों
- 2087 नवीन प्रजातियों, उपजातियों, प्रभेदों और अभिलेखों का अन्वेषण व वर्णन किया है।

वर्ष 2024 के दौरान, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण एवं अन्य संस्थानों के पादप वर्गिकीविज्ञों ने भारत से विज्ञान के लिए नवीन अन्वेषण के रूप में

- 01 नवीन कुल
- 02 वंशों
- 226 प्रजातियों
- 19 अधःजातीय श्रेणी

तथा भारतीय वनस्पतिजात के नवीन अभिलेख के रूप में

- 08 वंशों, 184 प्रजातियों और 04 अधःजातीय श्रेणी का वर्णन किया है।

दिलचस्पी की बात है कि इस वर्ष के अन्वेषण में बागवानी, कृषि, औषधीय और सजावटी संभाव्यता वाले पौधों जैसे बिगोनिया, इम्पेशिएन्स (बाल्सम), जिन्जिबर, आर्किड, आदि की जंगली संवोधित प्रजातियों को शामिल किया है।

यह भी उल्लेखनीय है कि आईयूसीएन के मानदंडों के अनुसार बीजीय पौधों के 14 नवीन टैक्सा को नाजुक रूप से लुप्तप्राय: (सीआर), 07 को लुप्तप्राय: (ईएन), 02 को संवेदनशील (वीयू), 24 को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त तथा 2 को अल्प संकटग्रस्त के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया है।

Botanical Survey of India (BSI), established in 1890, serves the nation by providing scientific basis for conservation and sustainable utilization of wild plants through survey, inventory, documentation, taxonomic research and creating environmental awareness.
Since reorganization of BSI in 1954, the scientists of BSI have discovered

- 01 new family
- 56 new genera
- 2087 new species, subspecies and varieties and records

During 2024, the Plant Taxonomists of BSI and other institutes have discovered

- 01 new family
- 02 new genera
- 226 new species
- 19 infraspecific taxa as new to science from India

and

08 new genera, 184 new species, 04 infraspecific taxa as new records for Indian Flora.

Interestingly, this year's discoveries include wild relatives of potential horticulture, agriculture, medicinal, ornamental plants such as *Begonia*, *Impatiens* (Balsams), Zingibers, Orchids etc.

It is also pertinent to mention that in seed plants discoveries, 14 new taxa has been assessed as Critically Endangered (CR), 07 as Endangered (EN), 02 as Vulnerable (VU) and 24 as Data Deficient (DD) and 02 as Least Concerned (LC) category following the IUCN category and criteria.

मंत्री
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

भूपेन्द्र यादव
BHUPENDER YADAV

MINISTER
ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

पिछले वर्ष के दौरान देश भर से नए पादपों की प्रजातियों और संबद्ध वर्गकों का एक व्यापक संग्रह 'वनस्पति अन्वेषण 2024' के विमोचन पर भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) को हार्दिक बधाई देते हुए मुझे बहुत ख़ुशी हो रही है। भारत, दुनिया के 17 व्यापक विविध देशों में से एक है जहां वनस्पति विविधता की एक असाधारण संपदा है जो द्वीपों सहित पारिस्थितिक तंत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला में व्याप्त है। यह उल्लेखनीय संपदा न केवल पर्यावरणीय समृद्धि का स्रोत है, बल्कि पारिस्थितिक स्थिरता, सांस्कृतिक विरासत और स्थायी आजीविका का एक महत्वपूर्ण आधार भी है।

'वनस्पति अन्वेषण 2024' का यह संस्करण भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के सतत समर्पण और वैज्ञानिक उत्कृष्टता का प्रमाण है। इस वर्ष के संकलन में नए वनस्पति अन्वेषणों का एक प्रभावशाली योग शामिल है, जिसमें 154 बीजीय पौधे, 4 पर्णांग, 15 हरितोद्भिद, 63 शैवाक, 156 कवक, 32 शैवाल और 9 जीवाणु शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक नवीन अन्वेषण भारत के वनस्पतियों की जटिल व्यवस्था में एक नया तत्व जोड़ती है और क्षेत्र-आधारित अनुसंधान, वर्गीकरण विशेषज्ञता और जैव विविधता प्रलेखीकरण के महत्व को और अधिक रेखांकित करती है।

ऐसे समय में जब यह ग्रह जैव विविधता के नुकसान और आवास क्षरण जैसी अभूतपूर्व पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे में इस प्रकार के वैज्ञानिक प्रलेखीकरण के महत्व को कम नहीं किया जा सकता है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि 'वनस्पति अन्वेषण 2024' अपने पिछले संस्करणों की तरह ही, यह युवा शोधार्थियों, शिक्षाविदों, संरक्षणकर्ताओं और नीति-निर्माताओं के लिए एक प्रकाशस्तंभ का काम करेगा। यह भविष्य के वनस्पति अन्वेषणों को प्रेरित करेगा, नवीन वैज्ञानिक शोधों को बढ़ावा देगा, और प्राकृतिक विरासत की हमारी गहरी समझ में वृद्धि करेगा। अन्वेषणों के प्रलेखीकरण का यह संकलन मात्र शैक्षिक उपलयिां नहीं हैं बल्कि ये ज्ञान के वे बीज हैं जो सतत विकास, पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली और जलवायु परिवर्तन के रोकथाम के लिए रणनीतियों को विकसित करने में सहायक हो सकते हैं।

मैं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों की इस प्रकाशन को सफल बनाने में उनके कठोर और लग-नशील कार्य के लिए सराहना करता हूं। उनके प्रयास वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लाभ के लिए प्राकृतिक संसाधनों के स्थायी उपयोग को सुनिश्चित करते हुए भारत के इन संसाधनों के संरक्षण के प्रति पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के दृष्टिकोण और जनादेश को दर्शाते हैं।

मैं 'वनस्पति अन्वेषण 2024' के प्रकशन में लगे पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं देता हूं और भारत की अमूल्य पादप संपदा के बारे में हमारी समझ को समृद्ध करने में उनसे निरंतर योगदान का आशा करता हूं।

(भूपेन्द्र यादव)

पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड़, नई दिल्ली-110003, फोन : 011-20819190, 011-20819187, फैक्स: 011-20819299
Paryavaran Bhawan, Jor Bagh Road, New Delhi-110003, Tel.: 011-20819190, 011-20819187, Fax : 011-20819299
ईमेल / E-mail : mefcc@gov.in

मंत्री
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

भूपेन्द्र यादव
BHUPENDER YADAV

MINISTER
ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
GOVERNMENT OF INDIA

Message

It gives me great pleasure to convey my warmest congratulations to the Botanical Survey of India (BSI) on the release of 'Plant Discoveries 2024', a comprehensive compendium of newly discovered plant species and allied taxa from across the country during the past year. India, as one of the 17 mega-diverse countries in the world, holds an extraordinary wealth of plant diversity that spans a wide range of ecosystems including the islands. This remarkable richness is not only a source of environmental prosperity but also a vital foundation for ecological stability, cultural heritage, and sustainable livelihood.

The 'Plant Discoveries 2024' edition is a testament to the continued dedication and scientific excellence of the Botanical Survey of India. This year's compilation includes an impressive total of 433 new plant discoveries, encompassing 154 seed plants, 4 pteridophytes, 15 bryophytes, 63 lichens, 156 fungi, 32 algae, and 9 microbes. Each of these discoveries adds a new thread to the intricate tapestry of India's flora and further underscores the importance of field-based research, taxonomic expertise, and biodiversity documentation.

At a time when the planet faces unprecedented environmental challenges like biodiversity loss and habitat degradation, the importance of such scientific documentation cannot be overstated. I firmly believe that Plant Discoveries 2024, like its previous editions, will serve as a beacon for young researchers, academicians, conservationists, and policymakers. It will inspire further botanical exploration, foster innovative scientific inquiry, and promote a deeper understanding of our natural heritage. The discoveries documented herein are not merely academic achievements, they are the seeds of knowledge that can grow into strategies for sustainable development, ecosystem restoration, and climate resilience.

I commend the scientists of the Botanical Survey of India for their rigorous and passionate work in bringing this publication to fruition. Their efforts reflect the vision and mandate of the Ministry of Environment, Forest and Climate Change to conserve India's natural resources while ensuring their sustainable use for the benefit of present and future generations.

I extend my best wishes to the entire team behind 'Plant Discoveries 2024' and look forward to their continued contributions in enriching our understanding of India's invaluable plant wealth.

(Bhupender Yadav)

पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड़, नई दिल्ली-110003, फोन : 011-20819190, 011-20819187, फैक्स: 011-20819299
Paryavaran Bhawan, Jor Bagh Road, New Delhi-110003, Tel.: 011-20819190, 011-20819187, Fax : 011-20819299
ईमेल / E-mail : mefcc@gov.in

कीर्तवर्धन सिंह
KIRTI VARDHAN SINGH

एक कदम स्वच्छता की ओर

सत्यमेव जयते

राज्य मंत्री
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
विदेश मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTER OF STATE
ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
EXTERNAL AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

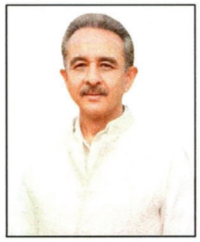

संदेश

भारत को ईश्वर द्वारा को समृद्ध वनस्पति और जैव विविधता प्रदान किया गया है, यह कारण है कि यह विश्व के 17 व्यापक विविधता वाले देशों में से एक है। यह समृद्ध जैव विविधता हिमालय से लेकर पश्चिमी घाट, उत्तर-पश्चिम में थार मरुस्थल से लेकर तटवर्ती मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र तक सम्पूर्ण देश में व्याप्त है। यह जैविक संपदा हमारी विरासत और संस्कृति, पारिस्थितिक संतुलन से जुड़ी हुई है और इसलिए वैज्ञानिक प्रलेखीकरण और सतत उपयोग के लिए अहम है।

अन्वेषण और वैज्ञानिक प्रलेखन का यह कठिन कार्य प्रत्येक वर्ष भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण और विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, शोध से जुड़े व्यक्तियों और विद्यार्थियों के द्वारा किया जा रहा है। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण द्वारा प्रकाशित 'पादप अन्वेषण' इन नए अन्वेषणों को विज्ञान और भारत के लिए नवीन आलेखों के रुप में सूचीबद्ध करता है।

वर्ष 2024 को पुनः भारतीय क्षेत्र से 433 टैक्सा के अन्वेषणों के लिए चिन्हित किया जाता है। ये नवीन अन्वेषण हमारे देश के न केवल वनस्पति संसाधनों को उजागर करती हैं, बल्कि हमारे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की तत्काल आवश्यकता का भी आह्वान करती हैं।

मैं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के निदेशक और उनकी टीम को 'वनस्पति अन्वेषण 2024' के प्रकाशन के लिए बधाई देता हूं जो देश के वैज्ञानिक स्थिति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता को और भी मजबूत करता है। मुझे उम्मीद है कि यह वैज्ञानिक प्रलेख वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को उनके वैज्ञानिक अन्वेषणों में सहायक होगा और आम जन को पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण और सतत प्रबंधन की आवश्यकता को लेकर जागरुक करेगा।

(कीर्तवर्धन सिंह)

कार्यालय : 5वां तल, आकाश विंग, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली-110003, दूरभाष : 011-20819418, 011-20819421, फैक्स : 011-20819207, ई-मेल : mos.kvs@gov.in

Office : 5th Floor, Aakash Wing, Indira Paryavaran Bhawan, Jor Bagh Road, New Delhi-110003, Tel.: 011-20819418, 011-20819421, Fax : 011-20819207, E-mail : mos.kvs@gov.in

कार्यालय : कमरा नं.141, साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली-110001, दूरभाष : 011-23011141, 23014070, 23794337, फैक्स : 011-23011425, ई-मेल : mos.kvs@gov.in

Office : Room No. 141, South Block, New Delhi-110001, Tel. : 011-23011141, 23014070, 23794337, Fax : 011-23011425, E-mail : mos.kvs@gov.in

निवास : 23, बी.आर. मेहता लेन, नई दिल्ली-110001, दूरभाष : 011-23782979

Residence : 23, B.R. Mehta Lane, New Delhi-110001, Tel.: 011-23782979

कीर्तवर्धन सिंह
KIRTI VARDHAN SINGH

सत्यमेव जयते

एक कदम स्वच्छता की ओर

राज्य मंत्री
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
विदेश मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTER OF STATE
ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
EXTERNAL AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

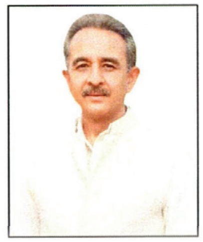

Message

India is blessed with rich floral and faunal diversity, thereby recognised as one of the 17 megadiverse countries. This rich biodiversity is spread across the country, from The Himalayas to Western Ghats, Thar Desert in North-West to Mangrove ecosystem in the coast. This biological wealth is intermingled with our heritage and culture, ecological balance and therefore calls for scientific documentation and sustainable utilization.

This daunting task of exploration and scientific documentation is being carried out by scientists of the Botanical Survey of India and other scientists from various institutions, research persons, and students every year. The Plant Discoveries published by the Botanical Survey of India enlist these new discoveries to science, new records to India in a lucid manner.

The year 2024 is again marked with the discovery of 433 taxa from the Indian Territory. These new discoveries not only highlight the botanical resources of our country, but also call for urgent need of conservation of our natural resources.

I congratulate the Director along with his team for bringing out the Plant Discoveries 2024 which further promotes the country's scientific stature and India's commitment to conservation of natural resources. I am hopeful that this scientific document will help the scientists, research scholars, students in scientific exploration and common public in awareness of need for conservation and sustainable management of the ecosystem.

(Kirti Vardhan Singh)

कार्यालय: 5वां तल, आकाश विंग, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली-110003, दूरभाष: 011-20819418, 011-20819421, फैक्स: 011-20819207, ई-मेल : mos.kvs@gov.in
Office : 5th Floor, Aakash Wing, Indira Paryavaran Bhawan, Jor Bagh Road, New Delhi-110003, Tel.: 011-20819418, 011-20819421, Fax : 011-20819207, E-mail : mos.kvs@gov.in
कार्यालय: कमरा नं.141, साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली-110001, दूरभाष: 011-23011141, 23014070, 23794337, फैक्स : 011-23011425, ई-मेल : mos.kvs@gov.in
Office : Room No. 141, South Block, New Delhi-110001, Tel. : 011-23011141, 23014070, 23794337, Fax : 011-23011425, E-mail : mos.kvs@gov.in
निवास: 23, बी.आर. मेहता लेन, नई दिल्ली-110001, दूरभाष: 011-23782979
Residence : 23, B.R. Mehta Lane, New Delhi-110001, Tel.: 011-23782979

तन्मय कुमार
TANMAY KUMAR

सत्यमेव जयते

सचिव
भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST
AND CLIMATE CHANGE

संदेश

पिछले वर्ष अन्वेषित नवीन पादप प्रजातियों के प्रलेखीकरण युक्त इस उल्लेखनीय संग्रह के प्रकाशन पर मुझे भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) को बधाई देते हुए अति प्रसन्नता हो रही है। यह प्रकाशन हमारे राष्ट्र की अविश्वसनीय जैव विविधता को उजागर करने में भूमिका निभाने वाले हमारे वैज्ञानिकों, शोध-कर्ताओं और वर्गिकीविज्ञों के अथक प्रयासों का प्रमाण है।

भारत अपने विशाल और विविध पारिस्थितिक तंत्र युक्त, वनस्पति विविधता का एक खजाना है और इस क्षेत्र में की गए प्रत्येक नवीन अन्वेषण पारिस्थितिक संतुलन, संरक्षण आवश्यकताओं और वनस्पति संसाधनों के स्थायी उपयोग के प्रति हमलोगों में एक महत्वपूर्ण अध्याय को समावेशित करती है। इस पुस्तक में संकलित सार न केवल वैज्ञानिक ज्ञान को समृद्ध करते हैं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन प्राकृतिक विचित्रताओं को संरक्षित करने की दिशा में हमारे प्रतिबद्धता को भी मजबूत करते हैं।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय वनस्पति अनुसंधान और जैव विविधता संरक्षण के लिए अपने समर्थन के प्रति दृढ़ है। मैं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण को उसके इस अग्रणी कार्य की सराहना करता हूं और सभी हितधारकों-वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और नागरिकों से हमारी बहुमूल्य वनस्पति विरासत की रक्षा में हाथ बटाने का आग्रह करता हूं।

'वनस्पति अन्वेषण 2024' के इस प्रकाशन में भारत के 433 नवीन अन्वेषणों का प्रलेखन किया गया है जिसमें 154 बीजीय पौधे, 4 पर्णांग, 15 हरितोद्भिद, 63 शैवाक, 156 कवक, 32 शैवाल और 9 जीवाणु शामिल हैं । मुझे विश्वास है कि पूर्व के संस्करणों की तरह, यह पुस्तक भी निस्संदेह आगे के अन्वेषण, वैज्ञानिक नवाचार और संरक्षण से जुड़े पहल को प्रेरित करेगी, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए भारत की असाधारण वनस्पति विरासत की रक्षा के लिए हमारी प्रतिबद्धताओं के लक्ष्य को प्राप्त करेगी।

(तन्मय कुमार)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 16 जून, 2025

इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड़, नई दिल्ली-110 003 फोन : (011)-2081-9408, 2081-9308, फैक्स : (011)-2081-9238
INDIRA PARYAVARAN BHAWAN, JOR BAGH ROAD, NEW DELHI-110 003, PH. : 011-2081-9408, 2081-9308, FAX : 011-2081-9238
E-mail : secy-moef@nic.in, Website : moef.gov.in

तन्मय कुमार
TANMAY KUMAR

सत्यमेव जयते

सचिव
भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST
AND CLIMATE CHANGE

Message

It gives me immense pleasure to extend my congratulations to the Botanical Survey of India (BSI) on the publication of this remarkable compendium documenting the newly discovered plant species over the past year. This publication stands as a testament to the relentless efforts of our scientists, researchers, and taxonomists in unravelling the incredible biodiversity of our nation.

India, with its vast and varied ecosystems, is a treasure trove of floral diversity, and each new discovery adds a vital piece to our understanding of ecological balance, conservation needs, and sustainable utilization of plant resources. The findings compiled in this book not only enrich scientific knowledge but also reinforce our commitment to preserving these natural wonders for future generations.

The Ministry of Environment, Forest and Climate Change remains steadfast in its support for botanical research and biodiversity conservation. I commend the Botanical Survey of India for its pioneering work and urge all stakeholders-scientists, policymakers, and citizens to join hands in protecting our precious plant heritage.

The publication 'Plant Discoveries 2024' documents 433 new plant discoveries from India, including 154 seed plants, 4 pteridophytes, 15 bryophytes, 63 lichens, 156 fungi, 32 algae and 9 microbes. I am sure that like earlier volumes, this book will undoubtedly inspire further exploration, scientific innovation, and conservation initiatives, achieving our commitments to safeguard India's extraordinary botanical heritage for generations to come.

(Tanmay Kumar)

Place: New Delhi
Dated: June 16, 2025

इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड़, नई दिल्ली-110 003 फोन : (011)-2081-9408, 2081-9308, फैक्स : (011)-2081-9238
INDIRA PARYAVARAN BHAWAN, JOR BAGH ROAD, NEW DELHI-110 003, PH. : 011-2081-9408, 2081-9308, FAX : 011-2081-9238
E-mail : secy-moef@nic.in, Website : moef.gov.in

नमिता प्रसाद
NAMEETA PRASAD

संयुक्त सचिव
भारत सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
Joint Secretary
Government of India
Ministry of Environment, Forest & Climate Change

सत्यमेव जयते

दिनांक 13 जून, 2025

प्राक्कथन

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण द्वारा संकलित और प्रकाशित 'वनस्पति अन्वेषण 2024' को प्रस्तुत करना अपार गर्व और संतुष्टि का विषय है। यह प्रकाशन पिछले वर्ष के दौरान भारत से किए गए पादपों के नवीन प्रजातियों और नवीन आलेखित वर्गकों का एक संकलन है जो हमारे अमूल्य जैविक संसाधनों के प्रलेखीकरण, संरक्षण और स्थायी उपयोग के लिए हमारे राष्ट्र के वैज्ञानिक समुदाय की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारत, दुनिया के व्यापक विविध देशों में से एक है जो पारिस्थितिक तंत्र की एक उल्लेखनीय श्रृंखला और एक समृद्ध वनस्पति विरासत से संपन्न है। इस अंक में उल्लिखित प्रत्येक अन्वेषण न केवल राष्ट्र की वनस्पति संपदा के बारे में हमारी समझ को बढ़ाती है, बल्कि बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों के सामने वनस्पतियों की विविधता के निरंतर अन्वेषण, प्रलेखीकरण और संरक्षण के महत्व को भी रेखांकित करती है।

मैं समर्पित वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और फील्ड वनस्पतिज्ञों का हार्दिक सराहना करती हूं जिनके अथक प्रयासों ने इस संकलन को संभव बनाया है। उनके कार्य संरक्षण रणनीतियों का मार्गदर्शन करने, पर्यावरण नीति का समर्थन करने और जैव विविधता प्रबंधकों की भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसा कि हम जलवायु परिवर्तन और पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण की जटिलताओं का संचालन व नियंत्रण करते हैं ऐसे में 'वनस्पति अन्वेषण' जैसे प्रकाशन निर्धारितप्रतिक्रियाओं को आकार देने और प्रकृति-आधारित समाधानों के महत्व को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।मुझे उम्मीद है कि यह पुस्तक वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों, नीति निर्माताओं और हमारी प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध सभी लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में काम करेगी।

'वनस्पति अन्वेषण 2024' सम्पूर्ण भारत से प्रलेखित 433 नवीन अन्वेषणों का एक उल्लेखनीय विवरण प्रस्तुत करता है जिसमें 154 बीजीय पौधे, 4 पर्णांग, 15 हरितोद्भिद, 63 शैवाक, 156 कवक, 32 शैवाल और 9 जीवाणु शामिल हैं। मुझे विश्वास है कि, पिछले संस्करणों की तरह, यह संस्करण भी निरंतर वनस्पति अन्वेषण, वैज्ञानिक नवाचार और संरक्षण प्रयासों के लिए उत्प्रेरक का काम करेगा, जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए भारत की समृद्ध और अद्वितीय वनस्पति विविधता की रक्षा और संरक्षण के हमारे संकल्प को मजबूत करेगा।

अपने महान मिशन में निरंतर सफलता के लिए भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण को शुभकामनाएं देते हुए।

नमिता

(नमिता प्रसाद)

इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड़, नई दिल्ली-110 003
फोन : 011-20819247, फैक्स : 011-208199391
INDIRA PARYAVARAN BHAWAN, JOR BAGH ROAD, NEW DELHI-110 003
Ph : 011-20819247, Fax : 011-208199391 E-mail : nameeta.prasad@gov.in

प्रकृति रक्षति रक्षिता
Nature Protects if She is Protected

LiFE
Lifestyle for Environment

नमिता प्रसाद
NAMEETA PRASAD

सत्यमेव जयते

संयुक्त सचिव
भारत सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
Joint Secretary
Government of India
Ministry of Environment, Forest &
Climate Change

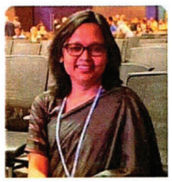

Dated: 13th June, 2025

Foreword

It is a matter of immense pride and satisfaction to present the 'Plant Discoveries 2024', compiled and published by the Botanical Survey of India. This publication, which compiles the newly discovered plant species and newly recorded taxa from India during the past year, reflects the unwavering commitment of our nation's scientific community to the documentation, conservation and sustainable utilization of our invaluable biological resources.

India, as one of the world's megadiverse countries, is endowed with a remarkable range of ecosystems and a rich floral heritage. Each discovery recorded in this volume not only enhances our understanding of the nation's botanical wealth but also underscores the importance of continued exploration, documentation, and conservation of plant diversity in the face of mounting environmental challenges.

I extend my heartfelt appreciation to the dedicated scientists, researchers, and field botanists whose tireless efforts have made this compilation possible. Their work plays a pivotal role in guiding conservation strategies, supporting environmental policy, and inspiring future generations of biodiversity stewards. As we navigate the complexities of climate change and ecosystem degradation, publications like Plant Discoveries are vital in shaping informed responses and reinforcing the significance of nature-based solutions. I hope this book will serve as a valuable resource for scientists, students, policymakers, and all those committed to the preservation of our natural heritage.

The publication 'Plant Discoveries 2024' presents a remarkable account of 433 newly documented plant discoveries from across India, comprising 154 seed plants, 4 pteridophytes, 15 bryophytes, 63 lichens, 156 fungi, 32 algae, and 9 microbes. I am confident that, like the previous editions, this volume will also serve as a catalyst for continued botanical exploration, scientific innovation, and conservation efforts-strengthening our resolve to protect and preserve India's rich and unique plant diversity for future generations.

With best wishes to the Botanical Survey of India for its continued success in its noble mission.

(Nameeta Prasad)

इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली-110 003
फोन : 011-20819247, फैक्स : 011-208199391
INDIRA PARYAVARAN BHAWAN, JOR BAGH ROAD, NEW DELHI-110 003
Ph : 011-20819247, Fax : 011-208199391 E-mail : nameeta.prasad@gov.in

LiFE
Lifestyle for Environment

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
Botanical Survey of India
E-mail : publication. bsi@gmail. com

सत्यमेव जयते

प्रस्तावना | PREFACE

वर्ष 2024 में भारत के विभिन्न क्षेत्रों में भारी बाढ़ से लेकर चक्रवात रेमल तथा वायनाड और अंकोला में विनाशकारी भूस्खलन जैसे कई प्रभावशाली पर्यावरणीय घटनाएं घटित हुई हैं। साथ ही, इस वर्ष पर्यावरणीय स्थिरता, जैव विविधता ह्रास, प्रदूषण और संपोषणीयता तक पहुंचने के लिए निरंतर प्रयास में, कई मजबूत पहल लागू किए गए । हमने बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान 'एक पेड माँ के नाम' देखा है, जिसमें 109 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए हैं जिसने भारत के हरित आवरण को बढ़ाया है और कार्बन स्टॉक को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मैंग्रोव इनिसिएटिव फॉर शोरलाइन हैबिटेट्स एण्ड टैन्जिबल इन्कमस (एमआइएसएचटीआई) के अंतर्गत, वर्ष 2024 के अंत तक, 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 22,561 हेक्टेयर नष्ट की गए मैंग्रोव क्षेत्रों को बहाल कर दिया गया है। वर्ष 2024 में भारत के संरक्षित क्षेत्र बढ़कर 1,022 हो गए, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 5. 43% है। बाघ अभयारण्यों की संख्या बढ़ाकर 57 किया जाना भारत के बाघों की संख्या के संरक्षण की दिशा में एक बहुत बड़ा योगदान है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के अंतर्गत, भारत ने 23 शहरों में कणीय पदार्थ (पीएम) के स्तर 40% तक कम करने में सफलता पाया है। प्रदूषण नियंत्रण के लिए 11,200 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया गया, और वास्तविक समय में वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए प्राणा पोर्टल लॉन्च किया गया।26 सितंबर, 2024 को, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 1991 की योजना को प्रतिस्थापित करते हुए इको-मार्क नियमों को अधिसूचित किया किया गया। 'लाइफ' (पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली) पहल के अनुरूप, नए नियमों का उद्देश्य पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा देना, कम ऊर्जा खपत, संसाधन दक्षता और एक गतिशील अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करना है। तटीय और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र, वन अग्नि प्रबंधन, डॉल्फिन संरक्षण आदि को बढ़ावा देने के लिए अन्य महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। ये पहल पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। इसके अलावा, नीति आयोग द्वारा जारी एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 द्वारा यह स्पष्ट है कि वर्ष 2030 तक सतत

The year 2024 has seen several impactful environment incidents starting from massive floods in different regions of India to cyclone Remal to the devastating landslides of Wayanad and Ankola. At the same time, this year in the continuous effort to counterbalance the environmental stability, biodiversity loss, pollution and to reach sustainability, several strong management initiatives came into force. We have witnessed the massive plantation drive 'Ek Ped Maa Ke Naam', in which over 109 crore saplings have been planted, enhancing India's green cover and contributing significantly in increasing the carbon stock. Under Mangrove Initiative for Shoreline Habitats & Tangible Incomes (MISHTI), by the end of 2024, approximately 22,561 hectares of degraded mangrove areas have been restored across 13 states and Union Territories. India's network of protected areas grew to 1,022 in 2024, covering 5. 43% of the country's total geographic area. The number of tiger reserves increased to 57, contributing to the conservation of India's tiger population. Under National Clean Air Programme (NCAP), India achieved a 40% reduction in particulate matter (PM) levels in 23 cities. A fund of Rs. 11,200 crore was allocated for pollution control, and the PRANA portal was launched for real-time monitoring of air quality. On September 26, 2024, the MoEF&CC notified the Eco-mark Rules, replacing the 1991 scheme. Aligned with the 'LiFE' (Lifestyle for Environment) initiative, the new rules aim to promote environment-friendly products, encouraging lower energy consumption, resource efficiency, and a circular economy. Other significant steps have been taken to bolster conservation efforts for Coastal and Marine Ecosystems, Forest Fire Management, Dolphin Conservation etc. These initiatives reflect India's commitment to environmental conservation and sustainable development. Furthermore, India's preparedness for achieving the Sustainable Development Goals (SDGs) by 2030 has shown notable progress, as highlight-

विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने की भारत की तैयारी ने उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है। देश का समग्र एसडीजी स्कोर वर्ष 2020-21 में 66 से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 71 हो गया जो विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है। वर्ष 2024 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ और सीसी) के अंतर्गत भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) ने देश के पादप संपदा का व्यापक सर्वेक्षण और प्रलेखीकरण के माध्यम से वनस्पति संरक्षण, अनुसंधान और सार्वजनिक भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण पहल किया है; इसने 'एसिस्टेंस टू बॉटनिक गार्डेन स्कीम' के अंतर्गत सम्पूर्ण भारत में वनस्पति उद्यानों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके और अपने विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों में पूरे वर्ष कई आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से उक्त सभी कार्यों को किया है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों और देश भर के अन्य शोधार्थियों ने अनेक प्रजातियों का अन्वेषण किया है जो विज्ञान के लिए नवीन हैं साथ ही भारत के लिए नवीन वितरण परक आलेख हैं। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण ने इन सभी नए अन्वेषणों (शैवाल, कवक और जीवाणु सहित) को अपने वार्षिक संग्रह 'वनस्पति अन्वेषण 2024' में समेकित किया है। वर्ष 2024 के दौरान, कुल 433 प्रजातियों और अधः जातीय श्रेणी के पुष्पीय पौधों, पर्णांगों, हरितोद्भीदों, कवकों, शैवकों, शैवालों और जीवाणुओं को भारतीय वनस्पति में शामिल कर लिया गया है। इसमें आवृतबीजी द्वारा 154 वर्गकों का योगदान है जो कुल अन्वेषणों के 36. प्रतिशत से अधिक है। वर्तमान वर्ष में प्रजातियों के अन्वेषणों की संख्या 'वनस्पति अन्वेषण' के प्रकाशन का प्रारम्भिक वर्ष 2007 और पिछले सभी वर्षों से अधिक है। मैं विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर वनस्पति अन्वेषण (शैवाल, कवक और सूक्ष्मजीवों सहित) के 18वें संस्करण को प्रस्तुत करते हुए मैं प्रसन्न हूं। यह भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) द्वारा वर्ष 2007 में प्रारंभ किया गया एक वार्षिक संग्रह श्रृंखला है जिसे अब प्रत्येक वर्ष प्रकाशित किया जा रहा है। ये नवीन अन्वेषण व्यक्तिगत शोधपत्रों के रुप में विभिन्न वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हैं जिनका पता लगाना आम जनता के लिए मुश्किल है। यह पुस्तक सभी सूचनाओं को एक ही स्थान पर उपल कराने के अलावा, हमारे देश में होने वाले वनस्पति अनुसंधान के बारे में विद्यार्थियों और शिक्षाविदों में सार्वजनिक जागरूकता फैलाने और शिक्षित करने का भी इरादा रखता है। राष्ट्र की पादप विविधता की संख्यात्मक क्षमता को जानने के लिए यह एक तैयार संदर्भ के रूप में भी कार्य करता है। वानस्पतिक बिरादरी द्वारा प्रभावकारी प्रतिक्रियाओं के साथ इसकी अत्यधिक सराहना की गयी है। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण तीन मिलियन से अधिक पादप प्रतिरुपों का एक प्रमुख संरक्षक है और यह अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और प्ररूप सामग्रियों के लंबे भंडारण की सुविधाओं से लैस मानक पादपालयों में शामिल है । हाँलाकि विनिर्दिष्ट पादपालयों में नव अन्वेषित वर्गकों के वाउचर प्रतिरुपों का संग्रहण न होना अभी भी जारी है जो जैविक विविधता अधिनियम, 2002 का स्पष्ट उल्लंघन है। इसलिए, लेखकों विशेषकर भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के लेखकों से राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुसार

ed by the SDG India Index 2023-24 released by NITI Aayog. The country's overall SDG score improved from 66 in 2020-21 to 71 in 2023-24, reflecting significant advancements in various sectors.

In 2024, the Botanical Survey of India (BSI), under the Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC) undertook several significant initiatives aimed at enhancing plant conservation, research and public engagement through conducting extensive survey and documentation of floral wealth of the country; by providing financial support for botanic gardens across India through 'Assistance to Botanic Garden Scheme'; and by conducting several outreach activities throughout the year in its different regional centres across India. Like every year, the scientists of BSI and other researchers across the country have discovered several species new to science and new distributional records for India. Botanical Survey of India has consolidated all these new findings into its yearly compendium 'Plant Discoveries 2024 (including algae, fungi and microbes)'. During the year 2024, total 433 species and infraspecific categories of flowering plants, pteridophytes, bryophytes, fungi, lichens, algae and microbes have been added to the Indian Flora. Angiosperms contributed 154 taxa which is more than 36 percent of total discoveries. The species discovery in the current year outnumbers all the previous occasions since this consolidation started in the year 2007.

I am elated to present the 18th edition of Plant Discoveries (including algae, fungi & microbes) on the occasion of World Environment Day 2025. This is an annual compendium series started by Botanical Survey of India (BSI) in the year 2007 and since then it is being published every year. These new discoveries remain scattered in individual papers in a vast array of scientific journals which is difficult for general public to explore. Apart from making all these information available at one place this publication also intends to spread public awareness and educate the students & academicians about the floristic research happening in our country. This also acts as a ready reference to know the numerical strength of nation's plant diversity. This has been highly appreciated with the overwhelming response from the botanical fraternity.

Botanical Survey of India is a custodian of more than three million plant specimens and one of the designated repositories equipped with cutting edge infrastructure and protracted storage facilities of type material. However, non-submission of voucher specimen(s) of a newly described taxon to the designated herbaria is still continuing, which is a clear violation of the Biological Diversity Act, 2002. Therefore, it is sincerely expected from the authors to act according the national guidelines and deposit

ईमानदारी से कार्य करने और नामित संग्रहक भंडारों में प्रतिरुपों को जमा करने की उम्मीद की जाती है। इस पुस्तक में दी गई सूचनाएं और कुछ तस्वीरें एक्टा बॉटेनिका हंगेरिका, एक्टा फाइटोटैक्सा जियोबॉटेनिका, एडन्सोनिया, एनल्स डेल जार्डिन बॉटेनिको डे मैड्रिड, एनल्स बॉटेनिकि फेनिकी, एनल्स ऑफ प्लांट साइंसेस, द जर्नल ऑफ द आर्किड सोसायटी ऑफ इंडिया, एंटोनी वैन लीउवेनहॉक, आर्काइव्ज़ ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, एशियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री, बायोडाइवर्सिटी रिसर्च एंड कंजर्वेशन, बायोलॉजी बुलेटिन, क्रिप्टोगैम बायोडाइवर्सिटी एंड असेसमेंट, क्रिप्टोगैमी माइकोलॉजी, करेंट साइंस, चेक माइकोलॉजी, एडिनबर्ग जर्नल ऑफ बॉटनी, यूरोपियन जर्नल ऑफ टैक्सोनॉमी, फेड्डस रेपर्टोरियम, एफईएमएस माइक्रोबायोलॉजी लेटर्स, फोलिया जियोबॉटेनिका, फोट्टिया, फंगल डायवर्सिटी, गार्डेंस बुलेटिन सिंगापुर, हटोरिया, इंडियन फर्न जर्नल, इंडियन फॉरेस्टर, इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री, इंडियन जर्नल ऑफ जियो मैरिन साइंसेस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइफ साइंस, इंडियन फाइटोपैथोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टमैटिक इवॉल्यूशनरी माइक्रोबायोलॉजी, जर्नल ऑफ एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्सिटी, जर्नल ऑफ माइकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी, जर्नल ऑफ न्यू बायोलॉजिकल रिपोर्ट्स, जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा, कार्स्टेनिया, कवका, कियू बुलेटिन, लंकेरस्टेरियाना, माइक्रोस्कोपी रिसर्च एंड टेक्नीक, मंगोलियन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेस, माइको एशिया, माइकोलॉजिया, माइकोलॉजिकल प्रोग्रेस, माइकोसाइंस, माइकोटैक्सॉन, नेशनल ऐकडेमिक साइंस लेटर, नीलम्बो, न्यूक्लियस, न्यू फाइटोलॉजिस्ट, नॉर्डिक जर्नल ऑफ बॉटनी, नोवा हेड्विजिया, पर्सूनिया, फाइकोलॉजिया, फाइटोकीज़, फाइटोटैक्सा, प्लांट आर्काइव्ज़, प्लांट साइंस टुडे, प्लिओनी, रीडिया, स्पीशिज, स्टडीज इन फन्जाई, सिस्टमैटिक बॉटनी, ताइवानिया, द चेकलिस्ट, द जर्नल ऑफ जैपनीज़ बॉटनी, द जर्नल ऑफ माइकोपैथोलॉजिकल रिसर्च, तुर्कजानिनोविया, टर्किश जर्नल ऑफ बॉटनी, विगेटस, वाईएमईआर और जूज प्रिंट से साभार लिए गए हैं। इसके अलावा विभिन्न पुस्तकों जैसे लिवरवर्ट्स एंड हॉर्नवर्ट्स फ्लोरा ऑफ सिक्किम से भी विषय वस्तु लिए गए हैं।

मैं इन प्रकाशित शोध कार्यों को साझा करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं और आशा करता हूं कि भविष्य में भी हमें अपेक्षित सहयोग मिलता रहेगा। इस प्रकाशन में प्रयुक्त हिंदी शब्द वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा मानकीकृत वनस्पतिविज्ञान शब्द-संग्रह से साभार लिए गए हैं। अंत में मैं संपूर्ण वैज्ञानिक समुदाय तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का भी 'वनस्पति अन्वेषण, 2024' के प्रकाशन में सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

निदेशक

the type specimens in the designated repositories, preferably at Botanical Survey of India.

Information and some of the photographs included in this book have been sourced from the papers published in Acta Botanica Hungarica, Acta Phytotaxa Geobotanica, Adansonia, Anales del Jardín Botánico de Madrid, Annales Botanici Fennici, Annales of Plant Sciences, The Journal of The Orchid Society of India, Antonie van Leeuwenhoek, Archives of Microbiology, Asian Journal of Forestry, Biodiversity Research & Conservation, Biology Bulletin, Cryptogam Biodiversity and Assessment, Cryptogamie Mycologie, Current Science, Czech Mycology, Edinburgh Journal of Botany, European Journal of Taxonomy, Feddes Repertorium, FEMS Microbiology Letters, Folia Geobotanica, Fottea, Fungal Diversity, Gardens' Bulletin Singapore, Hattoria, Indian Fe ern Journal, Indian Forester, Indian Journal of Forestry, Indian Journal of Geo Marine Sciences, International Journal of Life Science, Indian Phytopathology, International Journal of Systemic Evolutionary Microbiology, Journal of Asia-Pacific Biodiversity, Journal of Botanical Society of Bengal, Journal of Indian Botanical Society, Journal of Mycology and Plant Pathology, Journal of New Biological Reports, Journal of threatened Taxa, Karstenia, KAVAKA, Kew Bulletin, Lankersteriana, Microscopy research & Technique, Mongolian Journal of Biological Sciences, Myco Asia, Mycologia, Mycological Progress, Mycoscience, Mycotaxon, National Academic Science Letter, Nelumbo, Nucleus, New Phytologist, Nordic Journal of Botany, Nova Hedwigia, Persoonia, Phycologia, Phytokeys, Phytotaxa, Plant Archives, Plant Science Today, Pleione, Rheedea, Species, Studies in Fungi, Systematic Botany, Taiwania, The Checklist, The Journal of Japanese Botany, The Journal of Mycopathologycal Research, Turczaninowia, Turkish Journal of Botany, Vegetos, YMER, Zoo's Print. In addition to these, contents have also been taken from various books such as Liverworts and Hornworts Flora of Sikkim. I acknowledge them all for sharing these published research works and hope they will continue to do so in future. All the Hindi terms used in this publication have been taken from the standardized Botanical Glossary published by Commission for Scientific and Technical Terminology. The support of the entire Botanical fraternity and Ministry of Environment, Forest and Climate Change in bringing out the Plant Discoveries 2024 is highly appreciated and acknowledged.

Director

समूह /Group	भारप में वर्गकों की संख्या / No. of taxa in India	पादप विविधता का प्रतिशत/ Percentage of plant diversity in India
विषाणु/ बैक्टेरियाVirus/ Bacteria	1297	2.31
शैवाल/Algae	9117	16.22
कवक/Fungi	15986	28.46
शैवाक/ Lichens	3151	5.61
हरितोद्भिद/Bryophytes	2850	5.07
पर्णांग/Pteridophytes	1325	2.36
अनावृतबीजी/Gymnosperms	83	0.15
आवृतबीजी/Angiosperms	22368	39.82
कुल/Total	**56177**	**100**

तालिका 1. पादप विविधता का प्रतिशत / Table 1. Percentage of plant diversity in India

आमुख | PREAMBLE

वर्ष 2024 में भारत सरकार की अगुआई में चलाए गए प्रमुख अभियानों में सबसे प्रभावशाली था राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान *'एक पेड़ माँ के नाम'*। 5 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किये गये इस अभियान के माध्यम से पर्यावरणीय अमल के साथ-साथ व्यक्तिगत श्रद्धांजलि के रूप में लोगों को अपनी माँ के सम्मान में एक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया गया है। जलवायु परिवर्तन पर ध्यान देने, जैव विविधता को बढ़ाने, वायु की गुणवत्ता में सुधार लाने और पारिस्थितिक पुनःस्थापन को बढ़ावा देने के लिए इस पहल में पेड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया गया है। यह अभियान संधारणीय विकास और पर्यावरण प्रबंधन की दिशा में एक मजबूत कदम है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के नेतृत्व में, इस अभियान में सितंबर 2024 तक 80 करोड़ पौध लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया था। देश भर के सरकारी एजेंसियों, ग्राम संस्थाओं, स्थानीय समुदायों और विभिन्न हितधारकों के सामूहिक प्रयासों से यह लक्ष्य अपनी निर्धारित समय-सीमा से पहले ही सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया गया है। यह अभियान वृक्षारोपण को न केवल अपनी माँ के प्रति प्रेम, सम्मान और आदर के भाव के रूप में बढ़ावा देता है, बल्कि नागरिकों से पेड़ों और अपने ग्रह की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता का संकल्प लेने का भी आह्वान करता है। भूमि क्षरण पर अंकुश लगाते हुए विकृत पारिस्थितिकी तंत्र को पुन:स्थापित करके, *'एक पेड़ माँ के नाम'* ठोस प्रभाव डाल रहा है। इतनी बड़ी संख्या में पेड़ लगाने से कार्बन प्रच्छादन में बहुत बड़ी मदद, मृदा अपरदन में कमी और समग्र वायु गुणवत्ता में सुधार हो रही है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह समुदाय द्वारा संचालित संरक्षण प्रयासों की शक्ति को दर्शाता है, यह दर्शाता है कि कैसे जमीनी स्तर पर एकीकृत कार्रवाई से सार्थक पर्यावरणीय परिवर्तन हो सकती है।

1980 में स्थापित भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) देश की पादप संपदाओं का अन्वेषण और प्रलेखन करने के लिए प्रमुख उत्तरदायी संस्था है। इसके मुख्य कार्य में भारत भर में संरक्षित क्षेत्रों की आर्थिक महत्व की पादप प्रजातियों के अभिनिर्धारण पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए वनस्पतिजात का सर्वेक्षण, सूचीकरण और अध्ययन करना शामिल है। अभी तक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण ने प्रभावोत्पादक 56,177 पादप प्रजातियों का प्रलेखन किया है जो भारत की समृद्ध जैव विविधता को दर्शाते हैं। इसके अलावा, देश भर के विभिन्न अन्य शोध संस्थाएं नये वर्गकों और वितरणपरक अभिलेखों का अन्वेषण और वर्णन करके वनस्पतिजात के प्रलेखन में अपना योगदान दे रही हैं। पादप वर्गिकी की गतिशील प्रकृति और अद्यतन जानकारी की जरूरत को देखते हुए, इन निष्कर्षों को शोधकर्ताओं, संरक्षणकर्ताओं और नीति निर्माताओं के लिए एकीकृत मंच पर समेकित रूप से सुलभ कराना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण नवीन अन्वेषित वर्गकों के साथ-साथ नए वितरणपरक अभिलेखों को संकलित करके वार्षिक स्तर पर 'वनस्पति अन्वेषण' प्रकाशित करता है।

नवीनतम संकलित आंकड़ों के अनुसार, भारत में ज्ञात वनस्पतियों की कुल संख्या 56177 है जिनमें 22368 आवृतबीजी, 83 अनावृतबीजी, 1325 पर्णांग, 2850 हरितोद्भिद, 3151 शैवाक, 15986 कवक, 9117 शैवाल और 1297 जीवाणु हैं। भारत से ज्ञात वनस्पतियों की वर्तमान समूहवार संख्या और भारतीय वनस्पतिजात में उनके प्रतिशत के विवरण तालिका 1 में दिए गए हैं।

वर्ष 2024 के दौरान, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण और अन्य शोध संस्थाओं के वैज्ञानिकों ने भारतीय वनस्पतिजात में 1 कुल, 10 वंशों, 410 प्रजातियों और 23 अध:जातीय वर्गकों का अन्वेषण किया है। इनमें से 245 वर्गक विज्ञान के लिए

Among the major initiatives undertaken by the Government of India in 2024, one of the most impactful was the nationwide tree plantation campaign, *'Ek Ped Maa Ke Naam'*. Launched by Prime Minister Narendra Modi on June 5, 2024, in celebration of World Environment Day, the campaign encourages individuals to plant a tree in honour of their mother—combining a personal tribute with environmental action. This initiative underscores the vital role of trees in addressing climate change, enhancing biodiversity, improving air quality, and promoting ecological restoration. It represents a strong push toward sustainable development and environmental stewardship. Led by the Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEFCC), the campaign set an ambitious target: planting 80 crore saplings by September 2024. This target has now been successfully achieved even before its deadline through the collective efforts of government agencies, village institutions, local communities, and various stakeholders nationwide.The campaign not only promotes tree planting as an act of love, respect, and honour for one's mother but also calls on citizens to pledge their commitment to protecting trees and the planet. By halting land degradation and restoring degraded ecosystems, *'Ek Ped Maa Ke Naam'* is making a tangible impact. Planting such a vast number of trees significantly contributes to carbon sequestration, reduces soil erosion, and improves overall air quality. Most importantly, it reflects the power of community-driven conservation efforts, demonstrating how unified action at the grassroots level can lead to meaningful environmental change.

The Botanical Survey of India (BSI), established in 1980, is the premier organization responsible for the exploration and documentation of the country's plant resources. Its core mandate includes surveying, inventorying, and studying the flora across India, including in protected areas, with a special focus on identifying plant species of economic importance.To date, BSI has documented an impressive 56,177 plant species, reflecting the rich biodiversity of India. In addition to BSI's efforts, various other research institutions across the country contribute significantly to the on-going documentation of flora—through the discovery of new taxa and distributional novelties.Given the dynamic nature of plant taxonomy and the need for up-to-date information, it is essential to consolidate these findings on a unified platform accessible to researchers, conservationists, and policymakers. To address this, BSI annually compiles and publishes the newly discovered plant taxa along with new distributional novelties in the form of 'Plant Discoveries'.

The latest complied data of the plant diversity in India stands at 56177 taxa including 22368 angiosperms, 83 Gymnosperms, 1325Pteridophytes, 2850 Bryophytes, 3151 Lichens, 15986 Fungi, 9117 Algae and 1297 Microbes. The group wise current number of taxa known from India and their percentage contribution to the known Indian plants has been presented in table 1.

During the year 2024, Scientists of BSI and other organizations have discovered 1 family, 10 genera, 410 species, 23 infraspecific taxa as new to Indian flora. Of these 245 taxa are new to science

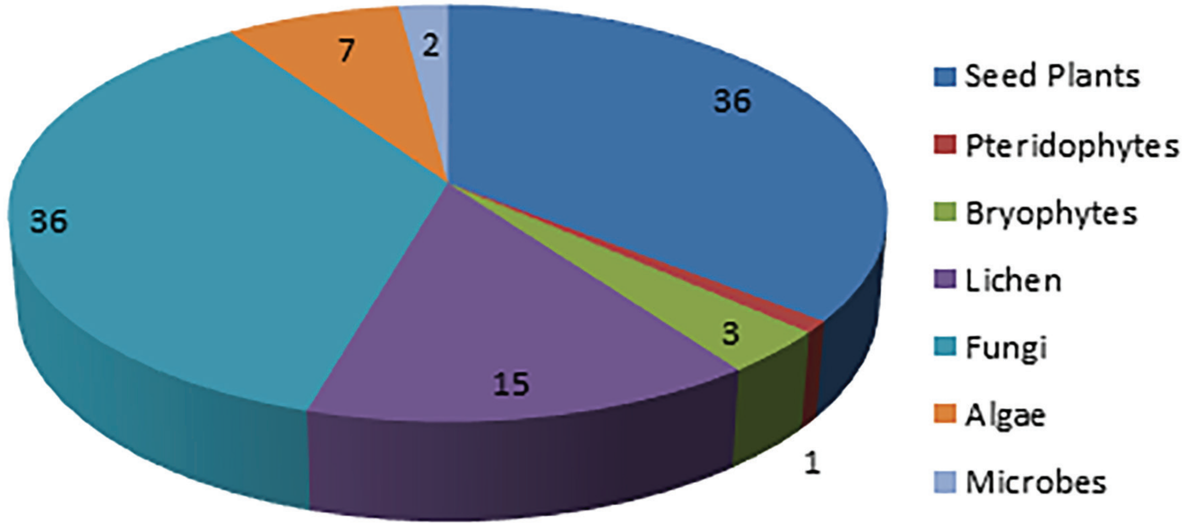

चित्र 1. वनस्पति अन्वेषण 2023 में विभिन्न पादप वर्गों का प्रतिशत / Fig. 1. Percentage of different plant groups in Plant Discoveries 2023

नए हैं जबकि 188 वर्गक भारत के लिए नवीन वितरणपरक अभिलेख हैं। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित इन अन्वेषणों में, 36 % बीजीय पौधे, 36% कवक, 07 % शैवाल, 15% शैवाक, 3% हरितोद्भिद, 2% जीवाणु और बाकी 1% पर्णांग हैं। सभी पादप वर्गों में, बीजीय पौधों और कवकों के अन्वेषण की संख्या सबसे अधिक है।

वर्ष 2024 के दौरान, पश्चिमी हिमालय से कुल 24% अन्वेषण किए गए। इसके बाद, पश्चिमी घाट से पूर्वी हिमालय से 21%, उत्तर-पूर्व पर्वतमालाओं से 14%, पूर्वी हिमालय से 10%, पश्चिमी तट से 8%, पूर्वी समतल मैदानों से 7%, पूर्वी घाट से 5%, पूर्वी तट से 4%, मध्य पर्वतीय क्षेत्रों से 2%, उत्तरी समतल मैदानों से 2%, दक्षिणी दक्कन, उत्तरी दक्कन और पूर्वी दक्कन में से प्रत्येक से 1% अन्वेषण किए गए। राज्यवार विश्लेषण में, सर्वाधिक 58 वनस्पतियां केरल से अन्वेषित हुई जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः महाराष्ट्र (45) और उत्तराखंड (40) से सर्वाधिक अन्वेषण किए गए।

and 188 taxa are new distributional record from India. 36% of novelties published in various National and International journals are of fungi and seed plants each, 07% algae, 15% lichen, 3% bryophytes, 2% microbes and remaining 1% pteridophytes. Among plant groups, Seed Plants and fungi contributed the maximum discoveries.

25% of total discoveries were made from Western Himalayas during the year 2024. This is followed by Western Ghats (21%), North East Ranges (14%), Eastern Himalaya (10%), West Coast (8%),Eastern Plains (7%),Eastern Ghats (5%), East Coast (4%),Central Highlands and Northern Plains each 2%, South Deccan, North Deccan and East Deccan 1% each. In state wise analysis, maximum discoveries were made from Kerala (58) followed by Maharashtra (45) and Uttarakhand (40).

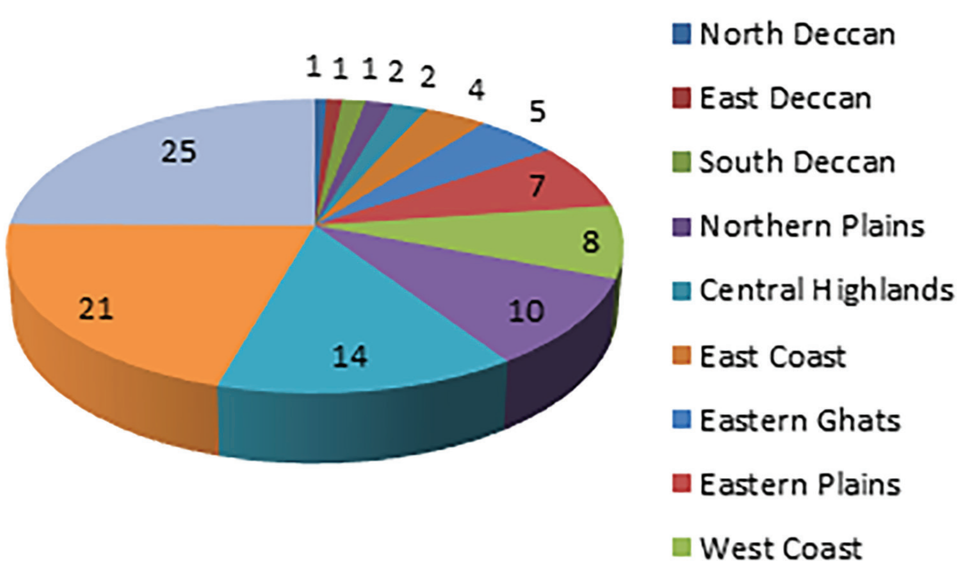

चित्र 2. वनस्पति अन्वेषण 2023 में भारत के विभिन्न पादप-भौगोलिक क्षेत्रों का प्रतिशत / Fig. 2. Percentage from different phyto-geographical regions of India in Plant Discoveries 2023

Courtesy: Shuvadip Sarkar

बीजीय पौधे / SEED PLANTS

Didymoplexiella siamensis (Rolfe ex Downie) Seidenfaden

बीजीय पौधे | SEED PLANTS

परंपरागत रूप से पुष्पी (आवृतबीजी) और अनावृतबीजी पौधों में वर्गीकृत बीजीय पौधे (स्पर्मेटोफाइट्स) पृथ्वी के सबसे विकसित स्थलीय पौधे हैं। अभी तक भारत की बीजीय पादपों की विविधता में आवृतबीजी प्रजातियों की अभिलिखित संख्या 22368 है जबकि अनावृतबीजी प्रजातियों की अभिलिखित संख्या 83 है। बीजीय पौधे कुल भारतीय वनस्पतिजात का लगभग 40 प्रतिशत हैं। इस क्रमवार सार-संग्रह में वर्ष 2024 के दौरान, भारत से विज्ञान के लिए नवीन अन्वेषण के रूप में 01 वंश, 99 प्रजातियों, 04 उपजातियों, 10 प्रभेदों और 01 रूपों तथा नवीन वितरणपरक अभिलेख के रूप में 02 वंशों, 39 प्रजातियों और 01 प्रभेद को संकलित किया गया है। राज्यवार और संघशासित प्रदेशवार व्याप्ति विवरण निम्नानुसार है : अरुणाचल प्रदेश से 29; केरल से 21; महाराष्ट्र से 15; सिक्किम से 12; तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में से प्रत्येक से 10; मेघालय और उत्तराखंड में से प्रत्येक से 06; आंध्र प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और मिज़ोरम में से प्रत्येक से 05; हिमाचल प्रदेश से 04; अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, असम, नागालैंड और तेलंगाना में से प्रत्येक से 03; झारखंड, कर्नाटक, त्रिपुरा में से प्रत्येक से 02 एवं गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में से प्रत्येक से 01 सम्मिलित हैं।

Seed plants (Spermatophytes) are the most evolved land plants on earth and are traditionally divided into flowering plants (angiosperms) and gymnosperms. Current estimate of seed plant diversity in India stands at 22368 species of angiosperms and 83 species of gymnosperms. The seed plants account for about 40 percent of the total Indian flora. The collated information presented here for the year 2024 includes 01 genus, 99 species, 04 sub-species, 10 varieties and 01 forma as new discoveries and 02 genera, 39 species and 01 varieties as distributional novelties reported from India. State and UT-wise distribution patterns include 29 from Arunachal Pradesh, 21 from Kerala, 15 from Maharashtra, 12 from Sikkim, 10 each from Tamil Nadu and West Bengal, 06 each from Meghalaya and Uttarakhand, 05 each from Andhra Pradesh, Jammu & Kashmir, Ladakh and Mizoram, 04 from Himachal Pradesh, 03 each from Andaman & Nicobar Islands, Assam, Nagaland, Telangana, 02 each from Jharkhand, Karnataka, Tripura and 01 each from Gujarat, Madhya Pradesh and Uttar Pradesh.

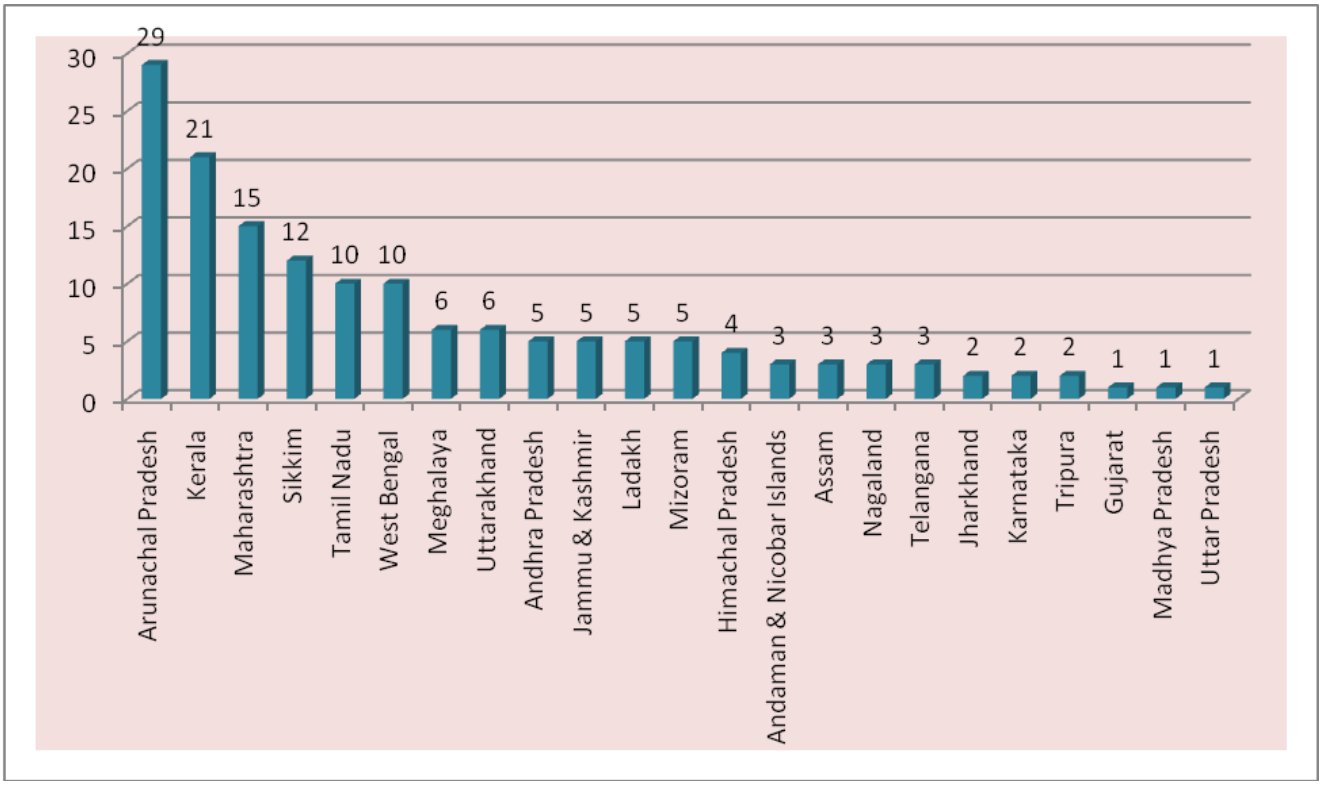

भारतीय राज्य एवं संघ-क्षेत्रों से अन्वेषित बीजीय पौधों की संख्या
NUMBER OF SEED PLANTS DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs.

नवीन अन्वेषण / NEW DISCOVERIES

नवीन वंश / NEW GENUS

कांजीलालिया संजप्पा व पुषालकर, फ्लोरा ऑफ इंडिया 6: 258. 2024 (फैबेसी)

इस नवीन वंश का वर्णन 1935 में खासिया, पूर्व बंगाल से ग्रिफिथ द्वारा संगृहीत प्ररूप प्रजाति *कांजीलालिया ग्रिफिथियाइ* (बेकर के बाद बेंथ.) संजप्पा व पुषालकर के आधार पर किया गया है। चयन प्ररूप रॉयल बॉटेनिक गार्डेन्स, कियू, इंग्लैंड (K) में संगृहीत है। इस वंश का नामकरण उत्तर-पूर्वी भारत के पादप अन्वेषण में अद्वितीय योगदान और 'फ्लोरा ऑफ असम' के रूप में वहाँ (अभी तक असम) की वनस्पतिजात का प्रलेखन करने के लिए भारतीय वनस्पतिशास्त्री व वन अधिकारी उपेंद्र नाथ कांजीलाल (1859–1928) के सम्मान में किया गया है।

Kanjilalia Sanjappa & Pusalkar, Flora of India 6: 258. 2024 (Fabaceae)

The new genus is described based on the type specimen *Kanjilalia griffithii* (Baker ex Benth.) Sanjappa & Pusalkar collected by Griffith in 1935 from Khasia, East Bengal. The lectotype is deposited at Royal Botanic Gardens, Kew, England, United Kingdom (K). The genus is named after Upendra Nath Kanjilal (1859–1928), Indian Botanist and Forest Officer, for his unparallel contribution in plant exploration and documentation of the flora of Northeast India (Erstwhile ASSAM), Published as 'Flora of Assam'.

नवीन प्रजातियां / NEW SPECIES

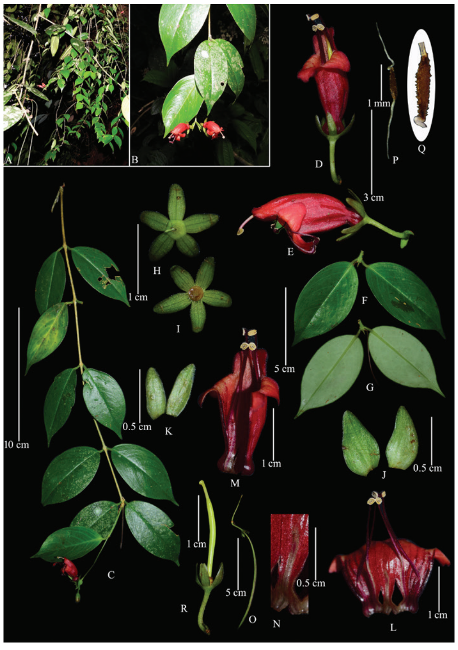

ऐस्काइनेन्थस चयांगताजोएन्सिस चाउलू, ए. शेनॉय व ए. रे, फाइटोटैक्सा 678(1): 66. 2024 (जेस्नीरिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग जिले के चयांगताजो के पास लगभग 1300 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश (ARUN) और समप्ररूप ARUN, CAL में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'चयांगताजो' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी रखा गया है।

Aeschynanthus chayangtajoensis Chowlu, A. Shenoy & A. Ray, Phytotaxa 678(1): 66. 2024 (Gesneriaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made near Chayangtajo, East Kameng District, Arunachal Pradesh at *c.* 1300 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN), isotypes are in ARUN, CAL. The specific epithet refers to the type locality. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

ऐस्काइनेन्थस माओई देबता व ए. शेनॉय, ब्रिटोनिया https://doi. org/10. 1007/s12228-024-09790-2 (जेस्नीरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1,190 मीटर की उंचाई पर हुनली, लोअर दिबांग वैली जिला, अरुणाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश (ARUN) के पादपालय में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण पूर्वोत्तर भारत में पादप अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के निदेशक डॉ आशिहो ए. माओ के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अस्थायी तौर पर अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Aeschynanthus maoi Debta & A. Shenoy, Brittonia https://doi. org/10. 1007/s12228-024-09790-2 (Gesneriaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made near Hunli, Lower Dibang Valley District, Arunachal Pradesh, at *c.* 1,190 m altitude. The holotype and isotype are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN). The new species is named in honour of Dr. Ashiho Asosii Mao, Director of the Botanical Survey of India (BSI), Kolkata, for his immense and valuable contributions to the field of botanical research in Northeast India. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

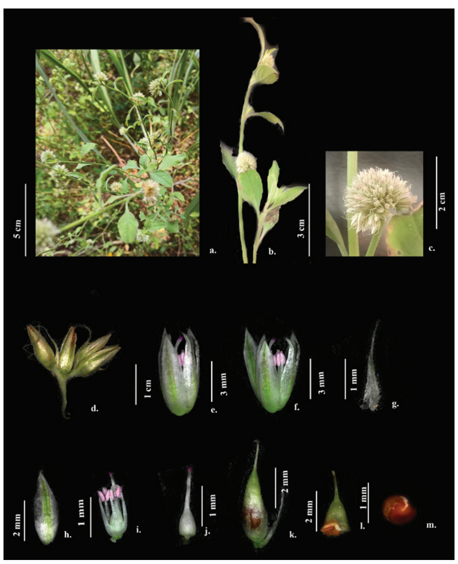

ऐल्मेनिया जानकियाइ सिंधु आर्य व वी. एस. ए. कुमार, फाइटोटैक्सा 661(2): 198. 2024 (एमारन्थेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन ±8 मीटर की ऊँचाई पर कोल्लम जिला, केरल में चावरा से शंकरमंगलम की ओर बीजेएम सरकारी कॉलेज के पास किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप विश्वविद्यालय कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल (UCBD) एवं समप्ररूप CALI, KFRI, RO में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण भारत की प्रथम महिला वनस्पतिशास्त्री और वनस्पति विज्ञान में डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला श्री एडावलथ कक्कट जानकी अम्मल के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Allmania janakiae Sindhu Arya & V. S. A. Kumar, Phytotaxa 661(2): 198. 2024 (Amaranthaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made near BJM Government College, from Chavara towards Sankaramangalam, Kollam District, Kerala at ±8 m altitude. The holotype is deposited in University College Thiruvananthapuram, Kerala (UCBD), isotypes are in CALI, KFRI, RO. The specific epithet honours Shri Edavalath Kakkat Janaki Ammal who was India's first female botanist and Indian women to receive doctorate degree in Botany. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

ऐनाफेलिस मुन्नारेन्सिस सी. रेम्या व माया, फाइटोटैक्सा 637(1): 113. 2024 (ऐस्टेरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 2498 मीटर की ऊंचाई पर मीसापुलिमाला, इडुक्की ज़िला, केरल में पहाड़ी नदी के किनारे से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास हर्बेरियम, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप CALI, TBGT में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल केरल के इडुक्की जिले के 'मुन्नार हिल स्टेशन' के नाम पर आधारित है।

Anaphalis munnarensis S. Remya & Maya, Phytotaxa 637(1): 113. 2024 (Asteraceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Meesapulimala, Idukki District, Kerala at 2498 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in CALI, TBGT. The new species is named after the hill station Munnar, Idukki District, Kerala.

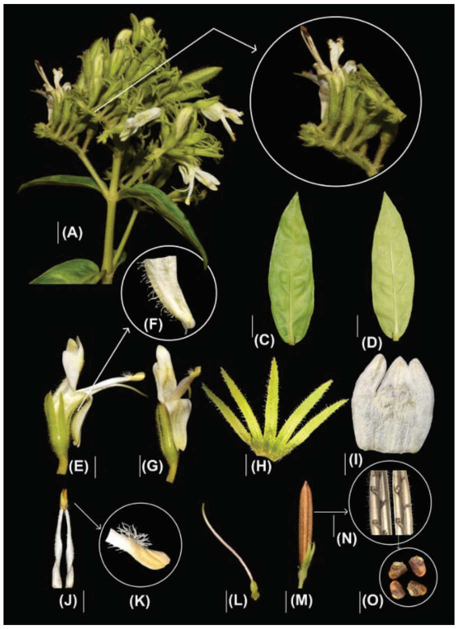

ऐन्ड्रोग्रैफिस थेनिएन्सिस करुप. व भारत, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04218. 2024 (ऐकेन्थेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन तमिलनाडु के मेगामलाई, मेगामलाई वन्यजीव अभयारण्य के रास्ते में लगभग 800 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप द मदुरा कॉलेज (स्वायत्त), मदुरै, तमिलनाडु (SGH) के पादपालय में और समप्ररूप MH में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल तमिलनाडु राज्य के थेनी जिले के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नई प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी रखा गया है।

Andrographis theniensis Karupp. & Bharath, Nordic J. Bot. e04218. 2024 (Acanthaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made on the way to Megamalai, Megamalai Wildlife Sanctuary, Tamil Nadu at *c.* 800 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of The Madura College (Autonomous), Madurai, Tamil Nadu (SGH), isotype is in MH. The specific epithet is after the Theni District of Tamil Nadu State where the plant specimens were collected. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

ऐनाइलीमा सेसाइल नंदीकर, एम. पेल. व गुरव, कॉमेलिन. इंडिया 31. 2024 (कोमेलिनेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन तमिलनाडु में गुडलूर से ऊटाकामुंड के रास्ते में 1200–1500 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समरूप BSI, SUK, RB, NGCPR, US में संगृहीत हैं। इसका नामकरण अवृंत से उपावृंत संपुट की विशेषता पर आधारित है।

Aneilema sessile Nandikar, M. Pell. & Gurav, Commelin. India: 31. 2024 (Commelinaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made on the way to Ootacamund from Gudalur, Tamil Nadu at 1200–1500 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BSI, SUK, RB, NGCPR, US. The specific epithet refers to the sessile to sub sessile capsules.

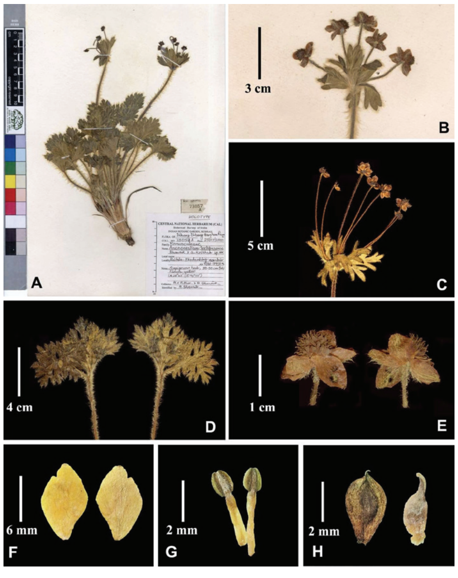

ऐनिमोनेस्ट्रम तीतापुरेन्से भौमिक व जी. कृष्णा, ताइवानिया 69(3): 412. 2024 (रैननकुलेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सियांग के रुइताला-एकोडुम्बिंग पर्वत शिखर पर 3340-3950 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BSIS में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'तीतापुरी' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नई प्रजाति को संकटापन्न (EN) की श्रेणी रखा गया है।

Anemonastrum teetapurense Bhaumik & G. Krishna, Taiwania 69(3): 412. 2024 (Ranunculaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Ruitala-Ekodumbing mountain top, Upper Siang, Arunachal Pradesh at 3340–3950 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in BSIS. The specific epithet is after its place of occurrence, 'Teetapuri'. The new species is assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

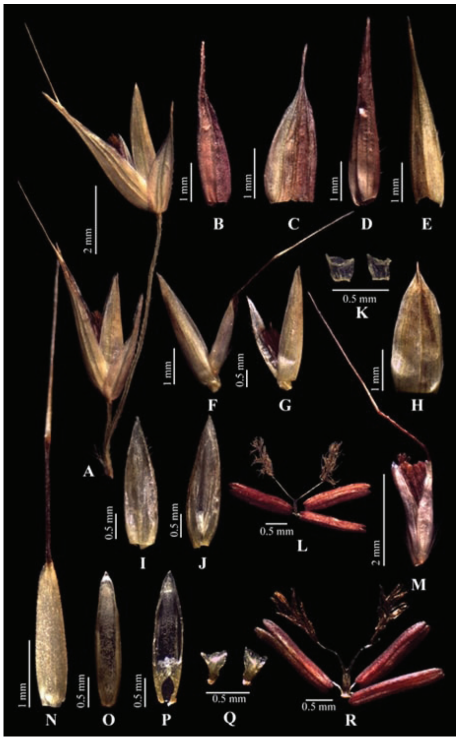

अरुंडिनेल्ला नामप्रिकेन्सिस सुपर्णा साहा, डी. मैती, अर्नब बनर्जी, एम. डी. द्विवेदी व डी. प्रधान, फाइटोटैक्सा 647(3): 279. 2024 (पोएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन उत्तरी सिक्किम चुंगथांग में 1790 मीटर की ऊंचाई पर नदी की ओर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल (CUH) के पादपालय में और समप्ररूप CUH, CAL में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल उत्तरी सिक्किम के एक छोटे से गांव 'नामप्रीक' के नाम पर आधारित है।

Arundinella namprikensis Suparna Saha, D. Maity, Arnab Banerjee, M. D. Dwivedi et D. Pradhan, Phytotaxa 647(3): 279. 2024 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made after Chungthang, towards river, North Sikkim at 1790 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botany Department, Calcutta University, Kolkata, West Bengal (CUH), isotypes are in CUH, CAL. The specific epithet is after 'Namprik', a small village of North Sikkim, one of the type localities of the new species.

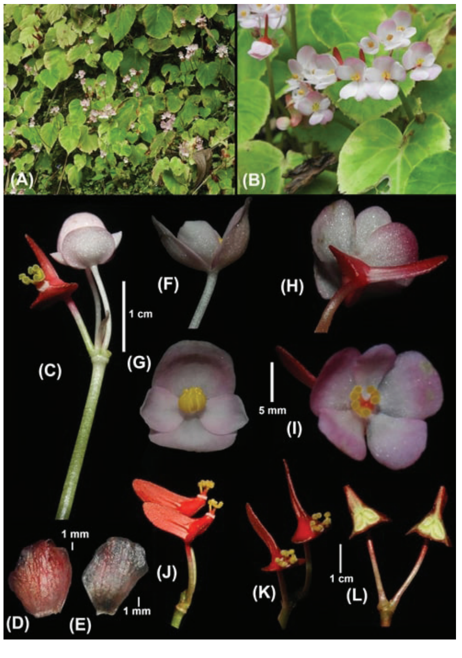

बिगोनिया बिजंतियाइ डी. बोरा, ताराम व एम. ह्यूजेस, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04493. 2024 (बिगोनिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अरुणाचल प्रदेश राज्य के लोअर दिबांग घाटी में हुनली से 1000 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप ASSAM में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण समर्पित पादप उत्पादक श्रीमती बिजंती बोरा के सम्मान में किया गया है, जिन्होंने असम में अपने घर में इस प्रजाति को उगाकर इसका वर्णन किया। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अल्प संकटग्रस्त (LC) की श्रेणी में रखा गया है।

Begonia bijantiae D. Borah, Taram & M. Hughes, Nordic J. Bot. e04493. 2024 (Begoniaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Hunli, Lower Dibang Valley, Arunachal Pradesh at 1000 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in ASSAM. The species is named after Mrs. Bijanti Borah, a dedicated plant grower who grew the species in her home in Assam, which helped the authors to describe the species. The new species is assessed as Least Concern (LC) following IUCN guidelines.

बिगोनिया मैक्रेन्था बी. दास, जे. सैकिया व डी. बानिक, फाइटोटैक्सा 665(1): 47. 2024 (बिगोनिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 633 मीटर की ऊंचाई पर हायुलियांग, लोहित जिला, अरुणाचल प्रदेश की तरफ तेजु से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय के पादपालय (ASSAM) में और समप्ररूप CSIR-NEIST में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके बड़े शानदार स्त्रीकेसरी पुष्पों की विशिष्टता पर आधारित है।

Begonia macrantha B. Das, J. Saikia & D. Banik, Phytotaxa 665(1): 47. 2024 (Begoniaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Tezu towards Hayuliang, Lohit District, Arunachal Pradesh at 633 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM), isotype is in CSIR-NEIST. The specific epithet is derived from the large showy pistillate flowers.

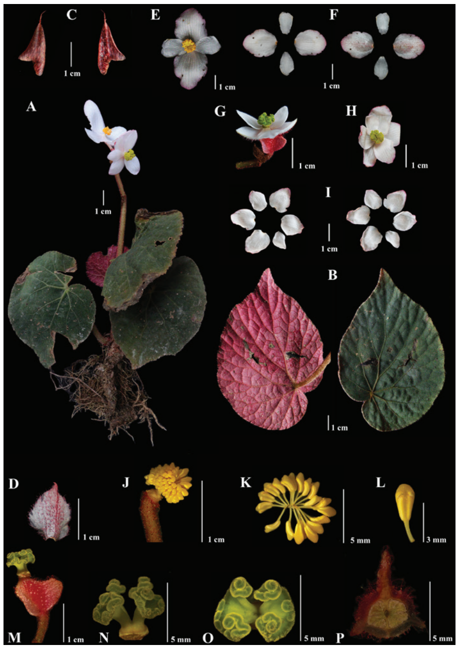

बिगोनिया नरहरियाइ बी. हाजोंग, एन. भट व पी. भराली, फाइटोटैक्सा 637(3): 286. 2024 (बिगोनिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अरुणाचल प्रदेश के लोहित जिले के देमवे में 980 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (ASSAM) के पादपालय में और समप्ररूप ARUN में संगृहीत हैं। इस नई प्रजाति का नामकरण सीएसआईआर-एनईआईएसटी परिसर में पूर्वोत्तर भारत के जैव संसाधनों के लिए जननद्रव्य (जर्मप्लाज्म) संरक्षण केंद्र की स्थापना में अपार योगदान और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिए उनकी अविश्वसनीय प्रतिबद्धता के लिए सीएसआईआर-नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एनईआईएसटी), जोरहाट के निदेशक, प्रोफेसर गरिकापति नरहरि शास्त्री के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Begonia naraharii B. Hajong, N. Bhat & P. Bharali, Phytotaxa 637(3): 286. 2024 (Begoniaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Demwe, Lohit District, Arunachal Pradesh at 980 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM), isotype is in ARUN. The specific epithet 'naraharii' honors Prof. Garikapati Narahari Sastry, Director of CSIR-North East Institute of Science and Technology (NEIST), Jorhat, in recognition of his immense contribution to establishing the Germplasm Conservation Centre for the Bioresources of Northeast India at CSIR-NEIST campus and his unwavering commitment to improving the well-being of the people in the northeastern region of India. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

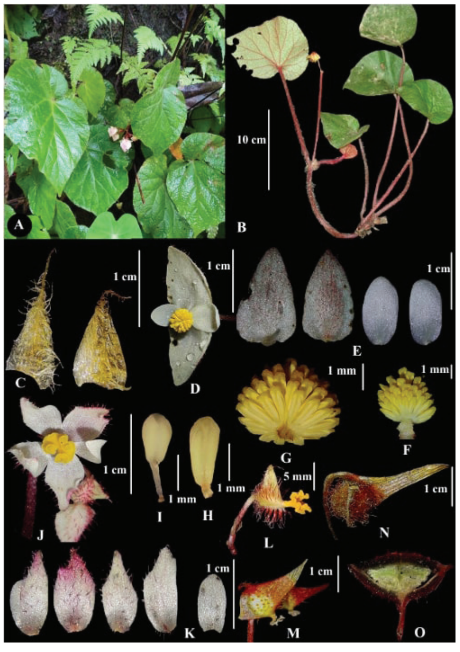

बिगोनिया त्रिपुरेन्सिस दीक्षित, बी. दत्ता व डी. बोरा, फाइटोटैक्सा 640(2): 178. 2024 (बिगोनिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन डंबूर झील, गोमती, त्रिपुरा के पास 115 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप ASSAM में संगृहीत हैं। इस नई प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल उत्तर पूर्व भारत में त्रिपुरा राज्य के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Begonia tripurensis Dixit, B. Datta & D. Borah, Phytotaxa 640(2): 178. 2024 (Begoniaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made near Dumboor Lake, Gomati, Tripura at 115 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in ASSAM. The specific epithet refers to the state Tripura, in North East India from where the plants of type specimen were collected. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

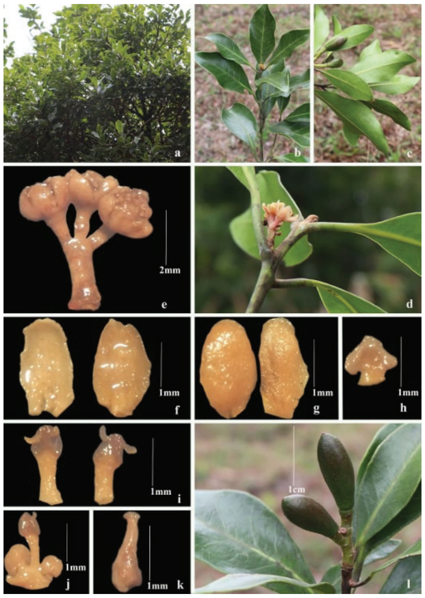

बेल्शमीडिया केरलाना रॉबी व बालन, रीडिया 34(2): 83. 2024 (लॉरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन चेमुंजी पहाड़ी, तिरुवनंतपुरम जिला, केरल में लगभग 1400 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास हर्बेरियम, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप BAM, KFRI में संगृहीत हैं। इस नई प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्त स्थल के राज्य 'केरल' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Beilschmiedia keralana Robi & Balan, Rheedea 34(2): 83. 2024 (Lauraceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Chemunji Hills, Thiruvananthapuram District, Kerala at *c.* 1400 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in BAM, KFRI. The specific epithet 'keralana' is named after the type state Kerala. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

बिस्टोर्टा अरुणाचलेन्सिस मोना. दास व एस. एस. दाश, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04303. 2024 (पॉलीगोनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 3697 मीटर की ऊँचाई पर तवांग जिला, अरुणाचल प्रदेश में से ला के समीप तवांग के रास्ते से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप एवं समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के राज्य 'अरुणाचल प्रदेश' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Bistorta arunachalensis Mona. Das & S. S. Dash, Nordic J. Bot. e04303. 2024 (Polygonaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made on the way of Tawang, near Se La, Tawang District, Arunachal Pradesh at 3697 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet 'arunachalensis' refers to the state, Arunachal Pradesh, where the species was collected. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

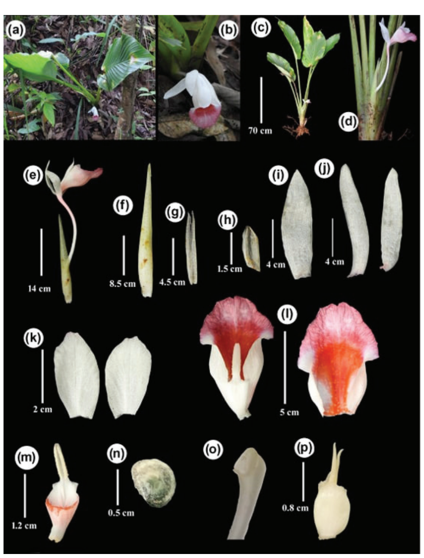

बोसेनबर्जिया अशिहोई सुपर्णा, समीर पाटिल व वी. दीपू, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04319. 2024 (जिन्जिबेरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मेघालय के री भोई के लुमदिएंगसाई गांव में 850 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (ASSAM) के पादपालय में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण भारतीय पौधों पर शोध में बहुमूल्य योगदान के लिए भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के निदेशक डॉ. आशिहो ए. माओ के सम्मान में किया गया है।

Boesenbergia ashihoi Suparna, Sameer Patil & V. Deepu, Nordic J. Bot. e04319. 2024 (Zingiberaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Lumdiengsai Village, Ri Bhoi, Meghalaya at 850 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). The specific epithet is dedicated to Dr. Ashiho A. Mao, The Director of Botanical Survey of India, for his valuable contributions to Indian Plant Research.

बोसेनबर्जिया कलाकाडेन्सिस सर्वानन व कालियामूर्ति, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04445. 2024 (जिन्जिबेरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 850 मीटर की ऊँचाई पर लुमडिएंगसाई गाँव, री भोई, मेघालय से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग, मेघालय (ASSAM) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण भारतीय पादप अनुसंधान में उल्लेखनीय योगदान के लिए भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के निदेशक डॉ. आशिहो ए. माओ के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Boesenbergia kalakadensis Saravanan & Kaliamoorthy, Nordic J. Bot. e04445. 2024 (Zingiberaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Lumdiengsai Village, Ri Bhoi, Meghalaya at 850 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). The specific epithet is dedicated to Dr. Ashiho A. Mao, The Director of Botanical Survey of India, for his valuable contributions to Indian Plant Research. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

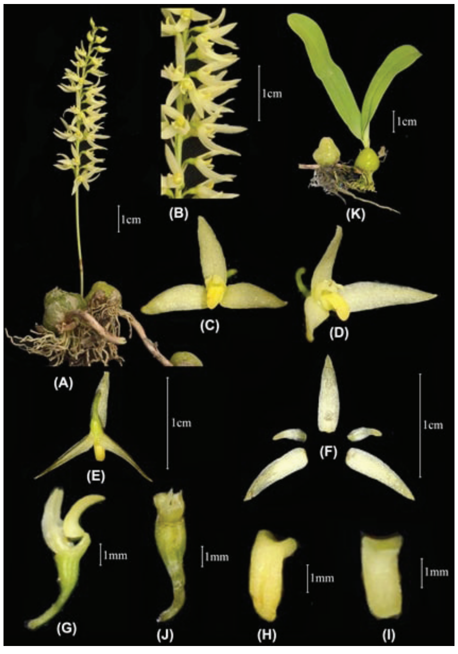

बल्बोफाइलम गोपालिएनम एम. सॉवम्लियाना, के. गोगोई व कुमार, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04256. 2024 (ऑर्किडेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मिजोरम के चम्फाई जिले के लुरह तलंग में 1600 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (ASSAM) के पादपालय में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इस क्षेत्र में पारिस्थितिकी, वर्गिकी और संरक्षण में अपार योगदान के लिए प्रोफेसर गोपाल सिंह रावत, पूर्व निदेशक और डीन (वन्यजीव विज्ञान संकाय) के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Bulbophyllum gopalianum M. Sâwmliana, K. Gogoi & Kumar, Nordic J. Bot. e04256. 2024 (Orchidaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Lurh Tlang, Champhai District, Mizoram at 1600 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). The specific epithet is dedicated to Prof. Gopal Singh Rawat, ex-Director and Dean (Faculty of Wildlife Sciences) of the Wildlife Institute of India, for his immense contribution to ecology, taxonomy and conservation in the region. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

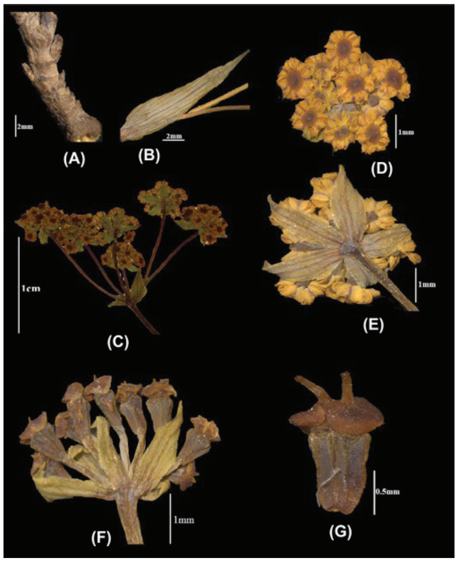

बूप्लूरम मिलमेन्स पी. अग्निहोत्री व के. यादव, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04244. 2024 (एपिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन उत्तराखंड राज्य के पिथौरागढ़ जिले में मिलम घाटी से 3418 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप सीएसआईआर राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल कुमाऊं हिमालय, उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के मिलम घाटी के नाम पर आधारित है।

Bupleurum milamense P. Agnihotri & K. Yadav, Nordic J. Bot. e04244. 2024 (Apiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Milam Valley, Pithoragarh District, Uttarakhand at 3418 m altitude. The holotype and isotype are deposited in the herbarium of CSIR National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet is named after the type locality, Milam Valley in Pithoragarh District of Kumaon Himalaya, Uttarakhand.

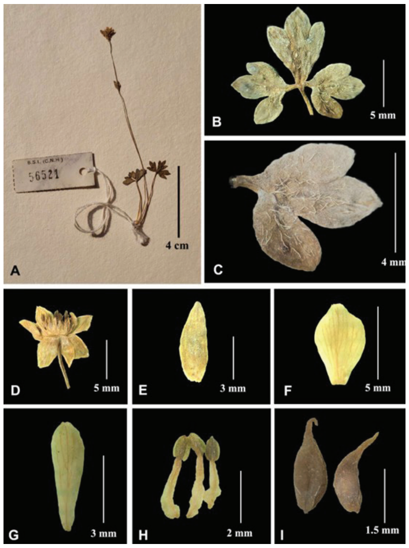

कैलिऐन्थेमम पाठकियाइ जी. कृष्णा व भौमिक, ताइवानिया 69(3): 416. 2024 (रैननकुलेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अरुणाचल प्रदेश राज्य के ऊपरी सियांग जिले में पावो से तीतापुरी के बीच 3700–4500 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण दिहांग दिबांग बायोस्फीयर रिजर्व (DDBR), अरुणाचल प्रदेश पर महत्वपूर्ण योगदान के लिए भारत के वनस्पतिज्ञ स्वर्गीय डॉ. एम. के. पाठक के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Callianthemum pathakii G. Krishna & Bhaumik, Taiwania 69(3): 416. 2024 (Ranunculaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Pavo to Teetapuri, Upper Siang District, Arunachal Pradesh at 3700–4500 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The species is named after Late Dr. M. K. Pathak, Botanist, explorer of India, for his significant contribution to Dihang Dibang Biosphere Reserve (DDBR), Arunachal Pradesh. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

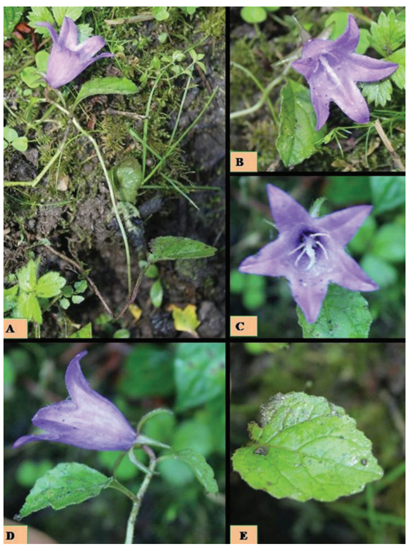

कैम्पेन्यूला डेन्सिसिलिएटा आचार्य बालकृष्ण, हर्ष सिंह, बी. जोशी व आर. के. मिश्रा, फाइटोटैक्सा 652(3): 231. 2024 (कैम्पेन्यूलेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन उत्तराखंड के यमुनोत्री के खरसाली गांव में 2800 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार, उत्तराखंड (PRFH) के पादपालय में और समप्ररूप BSD में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके चषिका पालि के घने रोयेंदार उपांत की विशिष्टता पर आधारित है।

Campanula densiciliata Acharya Balkrishna, Harsh Singh, B. Joshi & R. K. Mishra, Phytotaxa 652(3): 231. 2024 (Campanulaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Kharsali Village, Yamunotri, Uttarakhand at 2800 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Patanjali Research Foundation, Haridwar, Uttarakhand (PRFH), isotype is in BSD. The specific epithet 'densiciliata' is derived from its densely hairy margin of the calyx lobes.

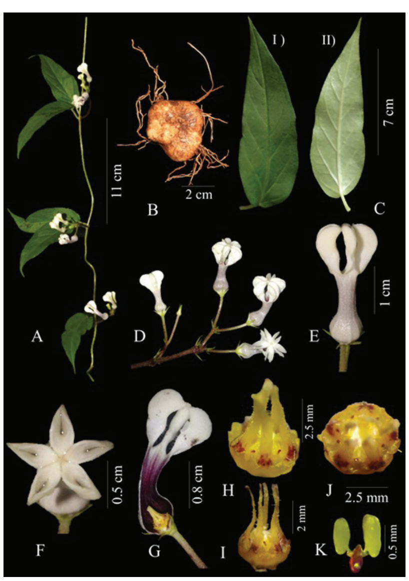

सेरोपेजिया शिवरायीयाना ए. पी. जंगम, कंबले व एन. वी. पवार, फाइटोटैक्सा 662(1): 103. 2024 (ऐपोसाइनेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के विशालगढ़ किले में 700 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप SUK, BSI में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण छत्रपति शिवराय या छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम से प्रसिद्ध मराठा साम्राज्य के महान राजा और अद्वितीय योद्धा छत्रपति शिवाजी शाहजी भोसले के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नई प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Ceropegia shivrayiana A. P. Jangam, Kambale & N. V. Pawar, Phytotaxa 662(1): 103. 2024 (Apocynaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Vishalgad Fort, Kolhapur District, Maharashtra at 700 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in SUK, BSI. The specific epithet 'shivrayiana' honours the great King of Maratha empire and an unparalleled Warrior Chhatrapati Shivaji Shahaji Bhosale, who was popularly known as Chhatrapati Shivray or Chhatrapati Shivaji Maharaj. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

क्लोरोफाइटम कोल्लिएन्स एस. सूसाईराज, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04254. 2024 (ऐस्पैरागेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन तमिलनाडु के नमक्कल जिले के कोल्ली हिल्स में 1320 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप रैपिनैट हर्बेरियम, सेंट जोसेफ कॉलेज, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु (RHT) में और समप्ररूप MH में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल तमिलनाडु के नमक्कल जिले के कोल्लीमलाई के नाम पर आधारित है।

Chlorophytum kolliense S. Soosairaj, Nordic J. Bot. e04254. 2024 (Asparagaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Kolli Hills, Namakkal District, Tamil Nadu at 1320 m altitude. The holotype is deposited in Rapinat Herbarium, St. Joseph's College, Tiruchirapalli, Tamil Nadu (RHT), isotype is in MH. The specific epithet refers to Kollimalai, Namakkal District of Tamil Nadu, from where the new species was collected and described.

क्लिस्टेन्थस दीक्षाभूमियाना जे. वी. गडपे, सोमकुवर व ए. ए. चतुर्व, इंडियन फॉरेस्टर 150(8): 817. 2024 (फाइलेन्थेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन भंडारा जिला, महाराष्ट्र के अंबागढ़ किला क्षेत्र में अंबागढ़ गांव के जंगल के पास से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र (BSI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'प्रसिद्ध भौगोलिक संकेतक' विदर्भ क्षेत्र, महाराष्ट्र के नाम पर आधारित है।

Cleistanthus deekshabhoomiana J. V. Gadpay., Somkuwar & A. A. Chaturv., Indian Forester 150(8): 817. 2024 (Phyllanthaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Ambagad Village Forest near Ambagad Fort Areas, Bhandara District, Maharashtra. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra (BSI). The specific epithet is named after the 'Famous Geographical Indicator' in Vidarbha region of Maharashtra from where the type specimen was collected.

कॉक्लोस्पर्मम पालकोंडेन्से ए. एम. रेड्डी, नगेंद्र व के. प्रसाद, ऐन्न. बॉट. फेन्न. 61(1): 232. 2024 (बिक्सेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 410 मीटर की ऊंचाई पर पालकोंडा पहाड़ी, कडपा जिला, आन्ध्र प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में तथा समप्ररूप BSID और योगी वेमना विश्वविद्यालय, आन्ध्र प्रदेश में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल आन्ध्र प्रदेश के 'पालकोंडा पहाड़ी' के नाम पर आधारित है।

Cochlospermum palakondense A. M. Reddy, Nagendra & K. Prasad, Ann. Bot. Fenn. 61(1): 232. 2024 (Bixaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Palakonda Hills, Kadapa District, Andhra Pradesh at 410 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BSID and Yogi Vemana University, Andhra Pradesh. The specific epithet is named after the Palakonda Hills in the Eastern Ghats of Andhra Pradesh, where it was found.

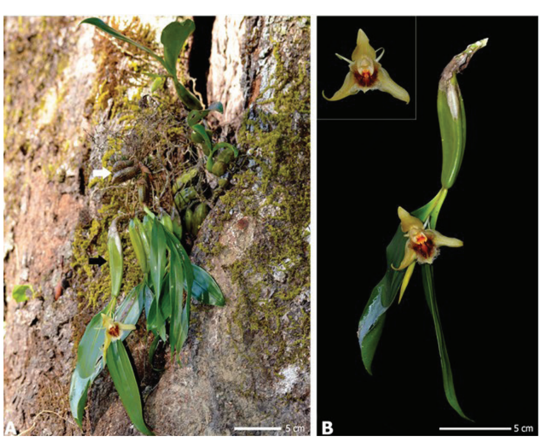

सेलोगाइन त्रिपुरेन्सिस अदित, फाइटोटैक्सा 668(1): 92. 2024 (ऑर्किडेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन त्रिपुरा राज्य के उत्तरी त्रिपुरा जिले के फुलडुंगसेई में जम्पुई हिल्स से 845 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप दिल्ली विश्वविद्यालय (DUH) के पादपालय में संगृहीत है। इसका नामकरण इसके प्राप्ति स्थल उत्तर-पूर्वी भारत के 'त्रिपुरा राज्य' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इन नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी रखा गया है।

Coelogyne tripurensis Adit, Phytotaxa 668(1): 92. 2024 (Orchidaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Phuldungsei, Jampui Hills, North Tripura District, Tripura at 845 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of University of Delhi (DUH). The specific epithet is named after Tripura, a state in North-East India where the type locality is situated. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

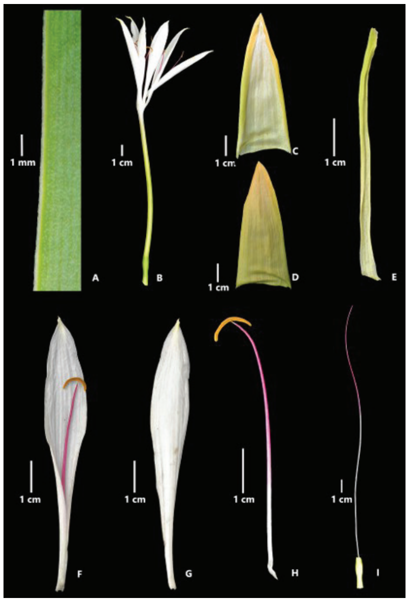

क्रीनम आंध्रिकम रसिंगम, सुस्मिता, जे. रंजना, पी. रंजीतकुमार व पार्थिबन, ए., फाइटोटैक्सा 671(2): 208. 2024 (एमेरिलीडेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1141 मीटर की ऊँचाई पर अल्लूरी सीतारामाराजू जिला, आंध्र प्रदेश में सपराला पहाड़ी के दृश्य बिंदु से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) एवं समप्ररूप BSID में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके संग्रह स्थल 'आंध्र प्रदेश राज्य' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Crinum andhricum Rasingam, Susmitha, J. Ranjana, P. Ranjithkumar & Parthiban, A., Phytotaxa 671(2): 208. 2024 (Amaryllidaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made near view point, Sapparla Hills, Alluri Seetharamaraju District, Andhra Pradesh at 1141 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in BSID. The species is named after the state of Andhra Pradesh, from where the species was collected and described. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

क्रोटालेरिया अंडमानिका एफ. सलीम, एल. जे. सिंह व ए. के. पांडे, ताइवानिया 69(1): 68. 2024 (फैबेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के मध्य अंडमान में तुगापुर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान और निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (PBL) के पादपालय में और समप्ररूप PBL, CAL में संगृहीत हैं। इस नई प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Crotalaria andamanica F. Saleem, L. J. Singh, & A. K. Pandey, Taiwania 69(1): 68. 2024 (Fabaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Tugapur, Middle Andaman, Andaman & Nicobar Islands. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Andaman & Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL), isotypes are in PBL, CAL. The new species has been named after the type locality. The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

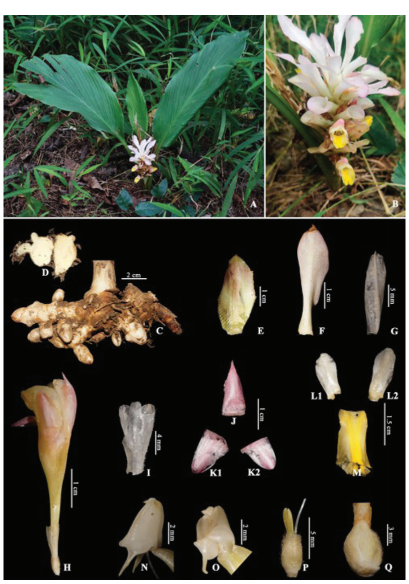

कुरकुमा उंगमेन्सिस एम. साबु, हरीश व पी. तियातेम्सू, फाइटोटैक्सा 663(2): 91. 2024 (जिन्जिबेरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1173 मीटर की ऊंचाई पर तुएनसांग, मोकोकचुंग जिला, नागालैंड की ओर तीन किलोमीटर की दूरी पर उंगमा गांव से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मालाबार वनस्पति उद्यान, कोझिकोड, केरल के पादापालय (MBGH) में और समप्ररूप ASSAM में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'उंगमा गांव' के नाम पर आधारित है।

Curcuma ungmensis M. Sabu, Hareesh & P. Tiatemsu, Phytotaxa 663(2): 91. 2024 (Zingiberaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Ungma Village, three kms towards Tuensang, Mokokchung District, Nagaland at 1173 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium, Malabar Botanical Garden, Kozhikode, Kerala (MBGH), isotypes are in ASSAM. The specific epithet 'ungmensis' refers to the name of the village Ungma where the type materials were collected.

साइर्टेन्ड्रोमोइया सुधांशुई चाउलू, ए. शेनॉय व नुरालिएव, फाइटोटैक्सा 642(1): 105. 2024 (फ्राइमेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले के मुन्ना कैंप में डेरंग से फाडम गांव में 1590 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप ARUN में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण डॉ. सुधांशु शेखर दास, वैज्ञानिक और तकनीकी प्रमुख, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के सम्मान में किया गया है, जिन्होंने पूर्वी हिमालय के वनस्पतिजात की विविधता और पारिस्थितिकी पर उल्लेखनीय कार्य किया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Cyrtandromoea sudhansui Chowlu, A. Shenoy & Nuraliev, Phytotaxa 642(1): 105. 2024 (Phrymaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Dirang to Phadam village, Munna Camp, West Kameng District, Arunachal Pradesh at 1590 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in ARUN. The species is named after Dr. Sudhansu Sekhar Dash, Scientist and Technical Head, Botanical Survey of India, who has immensely worked on floristic diversity and ecology in the Eastern Himalayas. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

डिक्लिप्टेरा पॉलीमॉर्फा धारप, शिगवान व दातर, कियू बुले. डीओआई 10. 1007 / एस. 12225-024-10203-6 (ऐकेन्थेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1037 मीटर की ऊंचाई पर महाराष्ट्र के तालेगांव दाभाडे के पास डोंगरवाड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अगरकर रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे, महाराष्ट्र (AHMA) के पादपालय में और समप्ररूप BLAT, BSI, CAL में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण पुष्पक्रम, सहपत्र और प्रकृति सहित कई रूपात्मक विशेषताओं की उच्च परिवर्तनशीलता की विशिष्टता पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Dicliptera polymorpha Dharap, Shigwan & Datar, Kew Bull. DOI 10. 1007/ s12225-024-10203-6 (Acanthaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Dongarwadi near Tale gaon Dabhade, Maharashtra at 1037 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AHMA), isotypes are in BLAT, BSI, CAL. The specific epithet 'polymorpha' is a reference to the high variability of several morphological features, including inflorescence, bracts and habit. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

डिडाइमोकार्पस जानकियाइ रूथ. व वी. गौड़ा, नॉर्डिक जे. बॉट. 2024(9)-ई04353: 3. 2024 (जेस्नीरिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 2315 मीटर की ऊंचाई पर अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी कामेंग जिले के दिरांग, बोमडिला के रास्ते में मॉस से ढके हुए चट्टानों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश के पादपालय में और समप्ररूप ASSAM, BHPL में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण वनस्पति विज्ञान विशेषकर पादप संकरण और कोशिका विज्ञान के क्षेत्र में योगदान के लिए अग्रणी भारतीय वनस्पतिशास्त्री डॉ. ई. के. जानकी अम्मल के सम्मान में किया गया है।

Didymocarpus janakiae Rhuth. & V. Gowda, Nordic J. Bot. 2024(9)-e04353: 3. 2024 (Gesneriaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made on moss-covered rocks, on the way to Dirang, Bomdila, West Kameng District at 2315 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Indian Institute of Science Education and Research, Bhopal, Madhya Pradesh, isotypes are in ASSAM, BHPL. The specific epithet honours Dr. E. K. Janaki Ammal, who is a pioneering Indian botanist; known for her contributions to the field of botany, especially plant breeding, genetics and cytology.

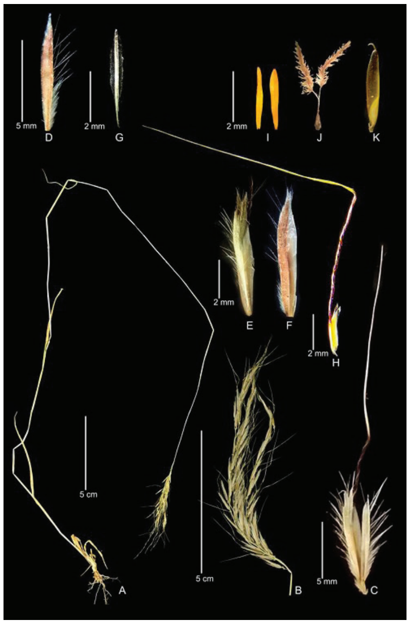

डाइमेरिया आनंदीबाईएना पैथेन, भुक्तर, चोरघे, गोसावी, काशेट्टी व एस. बी. पाटिल, फाइटोटैक्सा 661(2): 151. 2024 (पोएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन में लगभग 98 मीटर की ऊंचाई पर महाराष्ट्र राज्य के सिंधुदुर्ग जिले के वैभववाड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समरूप VH, BSI में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण आनंदीबाई रावराणे कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय, वैभववाड़ी, सिंधुदुर्ग (M.S.) के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Dimeria anandibaiana Paithane, Bhuktar, Chorghe, Gosavi, Kashetti & S. B. Patil, Phytotaxa 661(2): 151. 2024 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Vaibhavwadi, Sindhudurg District, Maharashtra at *c.* 98 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in VH, BSI. The specific epithet honours Anandibai Bhikaji Raorane Arts, Commerce and Science College, Vaibhavwadi, Sindhudurg (M.S.). The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

इलेटेरिया फैसिफेरा एम. साबू व स्कोर्निक., टैक्सन 73(5): 1199. 2024 (जिन्जिबेरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1450 मीटर की उंचाई पर देविअर मेट्टू ,पेरियार टाइगर रिज़र्व, इडुक्की जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल के पादपालय (CALI) में संगृहीत है।

Elettaria facifera M. Sabu & Škorničk., Taxon 73(5): 1199. 2024 (Zingiberaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Deviar Mettu, Periyar Tiger Reserve, Idukki District, Kerala at 1450 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Department of Botany, Calicut University, Malappuram, Kerala (CALI).

इलेटेरिया ट्यूलिपिफेरा एम. साबू व स्कोर्निक, टैक्सन 73(5): 1207. 2024 (जिन्जिबेरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन वझुकापाड़ा अगस्तमलाई ,तिरुवंतपुरम जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल (CALI) के पादपालय में संगृहीत है।

Elettaria tulipifera M. Sabu & Škorničk., Taxon 73(5): 1207. 2024 (Zingiberaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Vazhukkapara Agasthiamalai, Tiruvananthapuram District, Kerala. The holotype is deposited in the herbarium of Department of Botany, Calicut University, Malappuram, Kerala (CALI).

एम्ब्लिका चक्रवर्ती सुनील, के. एम. पी. कुमार व नवीन कुमा., नॉर्डिक जे. बॉट. 2024(7)-ई04154: 2. 2024 (फाइलैन्थेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लगभग 788 मी की ऊंचाई पर आदिचिलथोट्टी, एडामलायर वन क्षेत्र, एर्नाकुलम जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास हर्बेरियम, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप LWG, CMPR, SNMH में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के भूतपूर्व वैज्ञानिक डॉ. तापस चक्रवर्ती के सम्मान में किया गया है।

Emblica chakrabartyi Sunil, K. M. P. Kumar & Naveen Kum., Nordic J. Bot. 2024(7)-e04154: 2. 2024 (Phyllanthaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made on the way to Adichilthotty, Edamalayar Forest Range, Ernakulam District at *c.* 788 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in LWG, CMPR, SNMH. The specific epithet is named after Dr. Tapas Chakrabarty, former scientist, Botanical Survey of India.

ईरेग्रोस्टिस श्रीरंगियाइ वी. वाघ व लोहित, नॉर्डिक जे. बॉट. 2024(1)-ई04160: 2. 2024 (पोएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 129 मी की ऊंचाई पर चिकनीपुरा, बाह, आगरा, उत्तर प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप सीएसआईआर राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण पादप वर्गिकी और आनुवंशिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के डॉ. श्रीरंग यादव के सम्मान में किया गया है।

Eragrostis shrirangii V. Wagh & Lohit, Nordic J. Bot. 2024(1)-e04160: 2. 2024 (Poaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Chikanipura, Bah, Agra, Uttar Pradesh at 129 m altitude. The holotype and isotype are deposited in the herbarium of CSIR National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The species is named in honour of Dr Shrirang Yadav, Shivaji University, Kolhapur, for his outstanding contributions in the field of plant taxonomy and genetics.

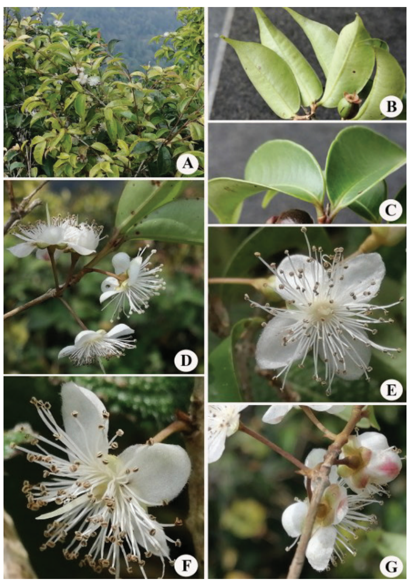

यूजेनिया एलप्पारेन्सिस रोबी, बालन व सुजानापाल, फाइटोटैक्सा 668(3): 272. 2024 (मर्टेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन केरल राज्य के इडुक्की जिले के एलप्पारा में लगभग 1496 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास हर्बेरियम, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समरूप BAM, KFRI में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'एलप्पारा' के नाम पर आधारित हैं। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Eugenia elapparensis Robi, Balan & Sujanapal, Phytotaxa 668(3): 272. 2024 (Myrtaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Elappara, Idukki District, Kerala at *c.* 1496 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in BAM, KFRI. The specific epithet is after the type locality, Elappara, Idukki district, Kerala. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

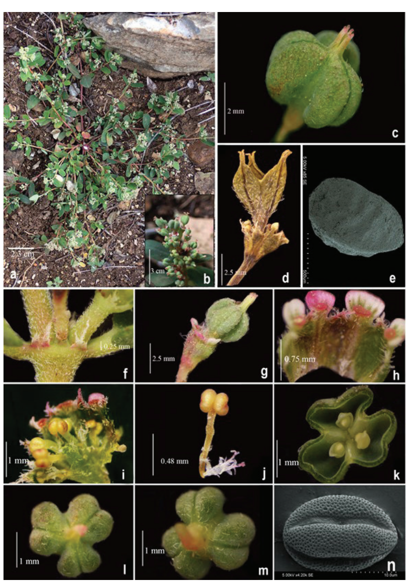

यूफॉर्बिया आकॉल्यूमेला सरोजिन. व राजा कुल्लयिसव., रीडिया 34(4): 216. 2024 (यूफॉर्बिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले के मब्बूचिंतलापल्ली में 358 मीटर की ऊँचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास पादपालय, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप BSID, SKU में संगृहीत हैं। इस प्रजाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'आकॉल्यूमेला' इसके संपुट में कॉल्यूमेला की अनुपस्थिति को दर्शाता है।

Euphorbia acolumella Sarojin. & Raja Kullayisw., Rheedea 34(4): 216. 2024 (Euphorbiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Mabbuchintalapalli, Kadapa District, Andhra Pradesh at 358 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in BSID, SKU. The specific epithet 'acolumella' refers to absence of columella in the capsule.

यूफॉर्बिया ड्यूरियाइ सरोजिन. व राजा कुल्लैइसव., ताइवानिया 69(4): 530. 2024 (यूफॉर्बिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन तेलंगाना राज्य के यदाद्री-भोंगीर जिले में धर्मवन नेचर आर्क से 450 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना (BSID) में और समप्ररूप MH, SKU में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण विलियम फ्रेडरिक ड्यूर के सम्मान में किया गया है, जिन्होंने वर्ष 2000 में अपने परिवार सहित हैदराबाद, तेलंगाना राज्य में आने के बाद दक्कन पठार की वनस्पतियों का आनंद लिया था।

Euphorbia duerrii Sarojin. & Raja Kullayisw., Taiwania 69(4): 530. 2024 (Euphorbiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Dharmavana Nature Ark, Yadadri-Bhongir District, Telangana State at 450 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad, Telangana (BSID), isotypes are in MH, SKU. The species epithet 'duerrii' honors William Frederick Dürr who has enjoyed the flora of the Deccan Plateau since moving with his family to Hyderabad, Telangana State in the year 2000.

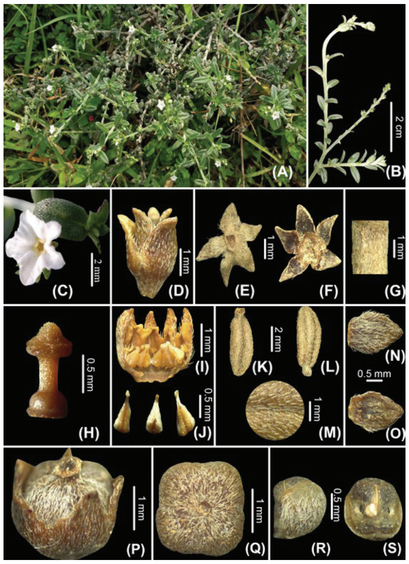

यूप्लोका वाइटियाना पी. जावद व एंसी, नॉर्डिक जे. बॉट ई03920. 2024 (हेलियोट्रॉपिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन तमिलनाडु के कोयंबत्तूर जिले के इचानारी, सलेम एर्नाकुलम राजमार्ग से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सेंट अल्बर्ट कॉलेज (स्वायत्त) कोच्चि, केरल (SAC) के पादपालय में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसे सर्वप्रथम संगृहीत करके सचित्र वर्णित करने वाले रॉबर्ट वाइट के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी रखा गया है।

Euploca wightiana P. Javad & Ancy, Nordic J. Bot. e03920. 2024 (Heliotropiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Echanari, Salem Ernakulam Highway, Coimbatore District, Tamil Nadu. The holotype is deposited in the herbarium of St. Albert's College (Autonomous) Kochi, Kerala (SAC). The specific epithet 'wightiana' commemorates Robert Wight, who first collected and illustrated the specimen. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

एक्जैकम इंडिकम एम. के. पाठक व भौमिक, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04342. 2024 (जेन्शिएनेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अरुणाचल प्रदेश की दिबांग घाटी में चोलापानी और कमोलिन शिविरों के बीच किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप CAL, BSIS में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Exacum indicum M. K. Pathak & Bhaumik, Nordic J. Bot. e04342. 2024 (Gentianaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made between Cholapani and Kamolin Camps, Dibang Valley, Arunachal Pradesh. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in CAL, BSIS. The species is named after the country of its origin.

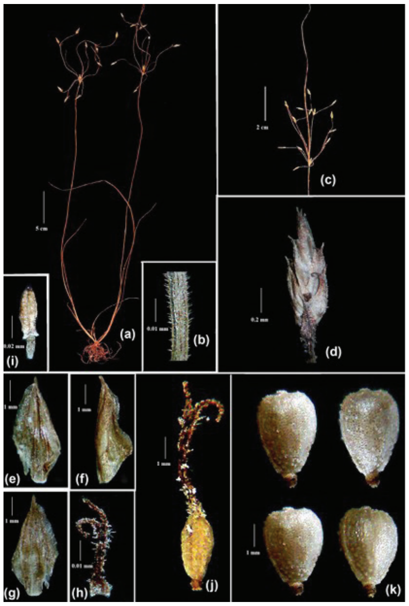

फिम्ब्रिस्टाइलिस पचमढ़िएन्सिस मुजफ्फर, ए.पी. तिवारी व आर.एल.एस. सिकरवार, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04171. 2023 (साइपरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के पनारपानी क्षेत्र, पचमढ़ी बायोस्फीयर रिजर्व में 750 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BSA मे संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल मध्य प्रदेश राज्य के ‘पचमढ़ी पहाड़ी’ नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Fimbristylis pachmarhiensis Mujaffar, A.P. Tiwari & R.L.S. Sikarwar, Nordic J. Bot. e04171. 2023 (Cyperaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Panarpani Area, Pachmarhi Biosphere Reserve, Hoshangabad District, Madhya Pradesh at 750 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in BSA. The specific name is derived from its type locality, which is the Pachmarhi Hills situated in the state of Madhya Pradesh. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

गैस्ट्रोडिया इंडिका एम. खनाल, फाइटोटैक्सा 663(1): 27. 2024 (ऑर्किडेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पंगथांग, गंगटोक, सिक्किम में 2015 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BSHC में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के देश ‘भारतवर्ष’ के नाम पर आधारित है, क्योंकि भारत से अन्वेषित व वर्णित *गैस्ट्रोडिया* वंश की यह पहली अनुन्मील्य प्रजाति है।

Gastrodia indica M. Khanal, Phytotaxa 663(1): 27. 2024 (Orchidaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Pangthang, Gangtok, Sikkim at 2015 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in BSHC. The new species is named after the country of discovery, India, as it is the first cleistogamous species of the genus *Gastrodia* discovered from India.

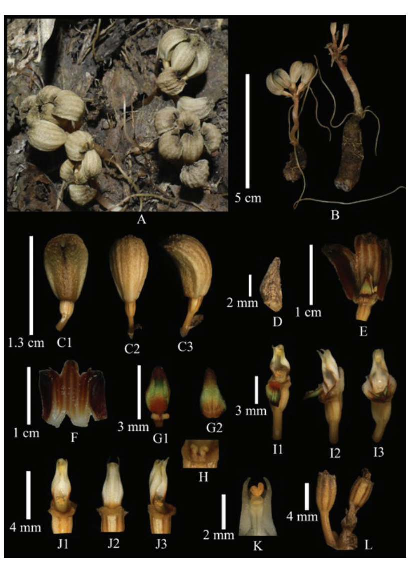

गैस्ट्रोडिया सिक्किमेन्सिस एम. खनाल व एस. सरकार, फाइटोटैक्सा 635(2): 158. 2024 (ऑर्किडेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन रे वैली, गंगटोक, सिक्किम में 1002 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BSHC में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के राज्य के नाम ‘सिक्किम’ पर आधारित है।

Gastrodia sikkimensis M. Khanal & S. Sarkar, Phytotaxa 635(2): 158. 2024 (Orchidaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Rey Valley, Gangtok, Sikkim at 1002 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in BSHC. The new species is named after the state of Sikkim from where the species is discovered.

जाइगेन्टोक्लोआ देहरादूनियाना नैथानी, इंट. जे. लाइफ साइंसेज 12(1): 12. 2024 (पोएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन आर्बोरेटम कम्पार्टमेंट नंबर 3 (बैम्बूसिटम), वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप एवं समप्ररूप वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड (DD) में संगृहीत हैं। इस वर्गक का नामकरण वानिकी अनुसंधान और शिक्षा के प्रसिद्ध केंद्र उत्तराखंड की राजधानी 'देहरादून' के नाम पर आधारित है।

Gigantochloa dehraduneana Naithani, Int. J. Life Sciences 12(1): 12. 2024 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Arboretum Compartment No. 3 (Bambusetum), Forest Research institute, Dehradun, Uttarakhand. The holotype and isotype are deposited in Forest Research Institute (FRI) Dehradun, Uttarakhand (DD). The Taxon is named on the Capital of Uttarakhand *i.e.* Dehradun which is a famous centre of Forestry Research and Education.

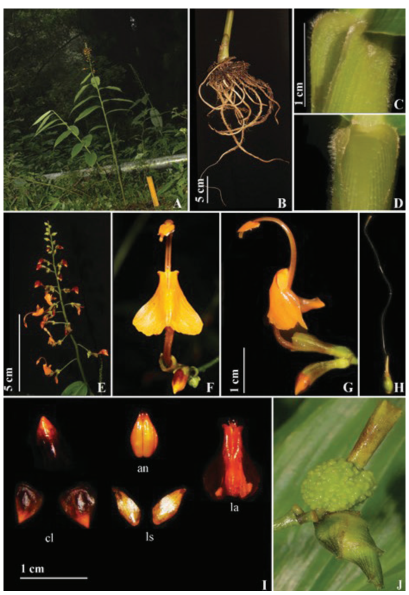

ग्लोब्बा कॉर्निकुलेटा वाई. रितु व वी. गौड़ा, फाइटोकीज़ 246: 201. 2024 (जिन्जिबेरेसी)

इस प्रजाति की अन्वेषण व वर्णन तकदाह वन, दार्जिलिंग जिला, पश्चिम बंगाल में 1220 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश (BHPL) में और समप्ररूप ASSAM में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके ओष्ठक के आधार पर सींग के आकार की संरचना की विशिष्टता को दर्शाता है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Globba corniculata Y. Ritu & V. Gowda, PhytoKeys 246: 201. 2024 (Zingiberaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Takdah Forest, Darjeeling District, West Bengal at 1220 m altitude. The holotype is deposited in Indian Institute of Science Education and Research, Bhopal, Madhya Pradesh (BHPL), isotypes is in ASSAM. The species epithet 'corniculata' refers to the presence of horn shaped structure at the base of labellum. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

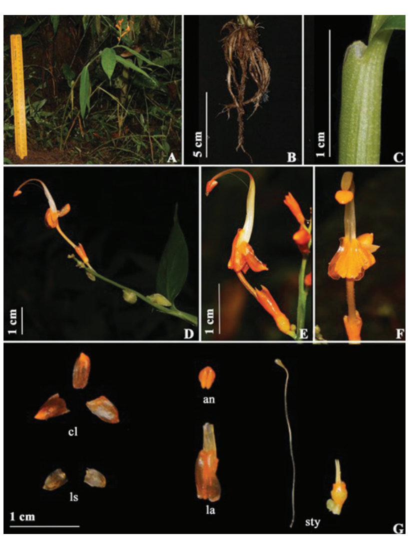

ग्लोब्बा जानकियाइ वाई. रितु और वी. गौड़ा, फाइटोकीज़ 246: 214. 2024 (जिन्जिबेरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन डबल डेकर ब्रिज, तिरना गांव, पूर्वी खासी हिल्स जिला, मेघालय में 731 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश (BHPL) में और समप्ररूप ASSAM में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण ई. के. जानकी अम्मल के सम्मान में किया गया है जिन्होंने स्थानीय पौधों के संरक्षण की वकालत करते हुए विकास परियोजनाओं के लिए की जा रही वनों की कटाई की आलोचना की थी। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Globba janakiae Y. Ritu & V. Gowda, PhytoKeys 246: 214. 2024 (Zingiberaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Double Decker Bridge, Tyrna Village, East Khasi Hills District, Meghalaya at 731 m altitude. The holotype is deposited in Indian Institute of Science Education and Research, Bhopal, Madhya Pradesh (BHPL), isotypes is in ASSAM. The species is named in honor of Dr. E. K. Janaki Ammal who was critical about deforestation carried out to make way for development projects and advocated preservation of native plants. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

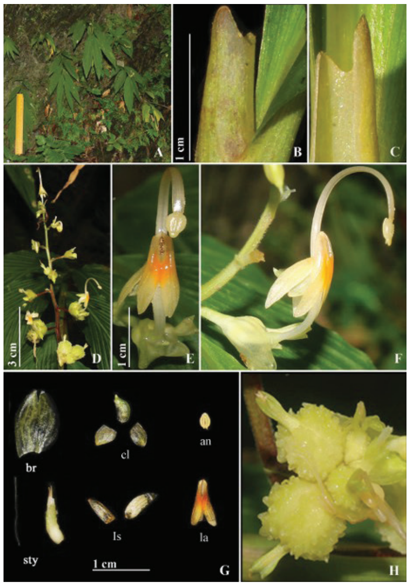

ग्लोब्बा पश्चिमबेंगालेन्सिस वाई. रितु व वी. गौड़ा, फाइटोकीज़ 246: 205. 2024 (जिन्जिबेरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लाटपंचर, दार्जिलिंग जिला, पश्चिम बंगाल में 1200 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश (BHPL) में और समप्ररूप ASSAM में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल राज्य 'पश्चिम बंगाल' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नई प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Globba paschimbengalensis Y. Ritu & V. Gowda, PhytoKeys 246: 205. 2024 (Zingiberaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Latpuncher, Darjeeling District, West Bengal at 1200 m altitude. The holotype is deposited in Indian Institute of Science Education and Research, Bhopal, Madhya Pradesh (BHPL), isotypes is in ASSAM. The species epithet refers to the Indian state of West Bengal, where this species was found. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

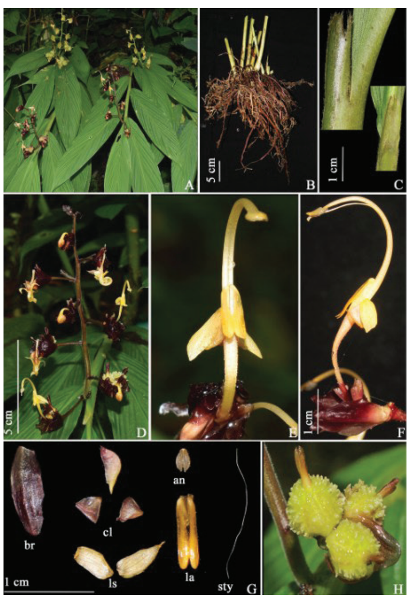

ग्लोब्बा पॉलीमॉर्फा वाई. रितु व वी. गौड़ा, फाइटोकीज़ 246: 208. 2024 (जिन्जिबेरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 600 मीटर की ऊंचाई पर पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में पंखाबाड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश (BHPL) में और समप्ररूप ASSAM में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण स्वजातीय प्रजातियों के बीच सहपत्रिका के रंग विविधता को दर्शाता है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Globba polymorpha Y. Ritu & V. Gowda, PhytoKeys 246: 208. 2024 (Zingiberaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Pankhabari, Darjeeling District, West Bengal at 600 altitude. The holotype is deposited in Indian Institute of Science Education and Research, Bhopal, Madhya Pradesh (BHPL), isotypes is in ASSAM. The species epithet refers to the floral color variation due to bracteole color variations among individuals within the same population. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

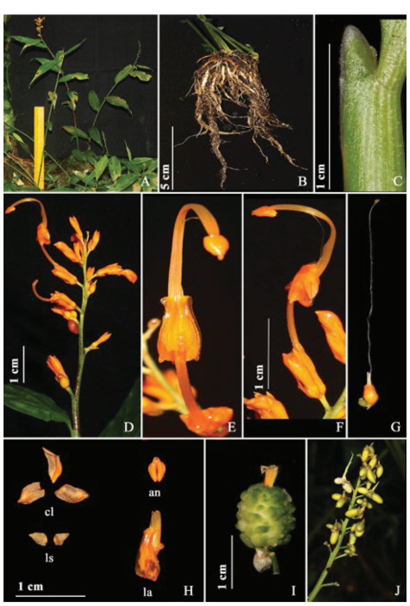

ग्लोब्बा तिरनाएन्सिस वाई. रितु व वी. गौड़ा, फाइटोकीज़ 246: 211. 2024 (जिन्जिबेरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले के डबल डेकर ब्रिज, तिरना गांव में 731 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश (BHPL) में और समप्ररूप ASSAM में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल चेरापूंजी, मेघालय के 'तिरना गांव' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को संकटापन्न (EN) श्रेणी में रखा गया है।

Globba tyrnaensis Y. Ritu & V. Gowda, PhytoKeys 246: 211. 2024 (Zingiberaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Double Decker Bridge, Tyrna Village, East Khasi Hills District, Meghalaya at 731 m altitude. The holotype is deposited in Indian Institute of Science Education and Research, Bhopal, Madhya Pradesh (BHPL), isotypes is in ASSAM. The species epithet refers to the type locality for this species, which is at the Tyrna village, Cherrapunji, Meghalaya. The new species is provisionally assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

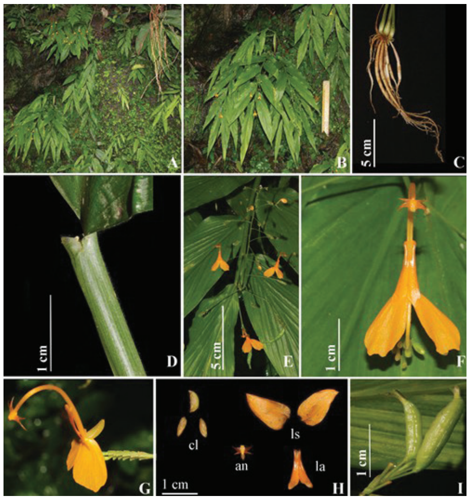

ग्लोब्बा यादवियाना वाई. रितु व वी. गौड़ा, फाइटोकीज़ 246: 217. 2024 (जिन्जिबेरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मिजोरम के मामित जिले के रीक त्लांग रोड में 300 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश (BHPL) में और समप्ररूप ASSAM में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण पहले लेखक के पिता स्वर्गीय श्री राजेश यादव की स्मृति में किया गया है, जो लेखक की विज्ञान और शिक्षा में उत्थान के कर्णधार थे। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Globba yadaviana Y. Ritu & V. Gowda, PhytoKeys 246: 217. 2024 (Zingiberaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Reiek Tlang Road, Mamit District, Mizoram at 300 m altitude. The holotype is deposited in Indian Institute of Science Education and Research, Bhopal, Madhya Pradesh (BHPL), isotypes is in ASSAM. This species epithet is in the memory of the late Mr. Rajesh Yadav, who was the father of the first author and was instrumental in the author's progress in science and education. The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

गॉम्फोस्टेमा अंडमानेन्सिस एल. जे. सिंह, एम. सी. नाइक, व जी. ए. एक्का, फेडेस रेपर्ट. 135(1): 2. 2024 (लैमिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिटिल अंडमान में डुगोंग क्रीक से लगभग 13 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप PBL में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'अंडमान द्वीप' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Gomphostemma andamanensis L. J. Singh, M. C. Naik, & G. A. Ekka, Feddes Repert. 135(1): 2. 2024 (Lamiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Dugong Creek, Little Andaman, Andaman & Nicobar Islands at *c.* 13 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in PBL. The new species is named after the type locality of 'Andaman Islands'. The species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

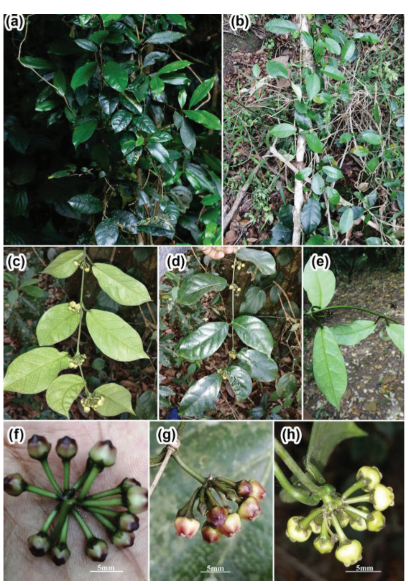

गोंग्रोनेमा शशिधरणियाइ रोबी, सलिश व वी. के. श्रीनिवास, नॉर्डिक जे. बॉट ई04377. 2024 (ऐपोसाइनेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन केरल के इडुक्की जिले के पंबदम शोला में 1906 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास हर्बेरियम, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप BAM, KFRI में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण पादप अध्ययन के क्षेत्र में योगदान के लिए डॉ. एन. शशिधरण, सेवानिवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक, केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची, केरल के सम्मान में किया गया है।

Gongronema sasidharanii Robi, Salish & V. K. Sreenivas, Nordic J. Bot. e04377. 2024 (Apocynacaeae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Pambadum Shola, Idukki District, Kerala at 1906 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in BAM, KFRI. The specific epithet 'sasidharanii' is in honour of Dr N. Sasidharan, retired senior scientist, Kerala Forest Research Institute, Peechi, Kerala for his contribution to the field of floristics.

हेलिक्राइसम एमोडि सुन्. सिंह, प्रकाश मेहता व अनंत कुमार, फाइटोटैक्सा 666(1): 75. 2024 (ऐस्टेरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग स्थित मद्धमहेश्वर घाटी में 3970 मीटर ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप एच. एन. बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड (GUH) के पादपालय में और समप्ररूप CAL में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण हिमालय के लैटिन ग्रीक नाम 'एमोडस' पर आधारित है। यह भारतीय हिमालय से अन्वेषित व वर्णित *हेलिक्राइसम* की पहली प्रजाति है।

Helichrysum emodi Sun. Singh, Prakash Mehta & Anant Kumar, Phytotaxa 666(1): 75. 2024 (Asteraceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Madhmaheshwar Valley, Rudraprayag, Uttarakhand at 3970 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium, HNB Garhwal University, Srinagar, Uttarakhand (GUH), isotype is in CAL. The species epithet 'emodi' is derived from Emodus, latinised Greek name for the Himalayas. This is the first species of *Helichrysum* discovered in the Indian Himalaya.

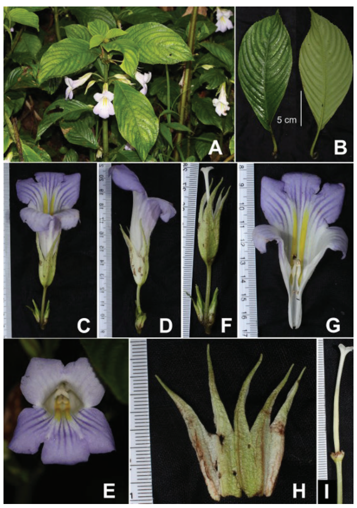

हेन्केलिया अरुणाचलेन्सिस डी. बोरा, वी. साहनी व पर्टिन, फाइटोटैक्सा 678(1): 72. 2024 (जेस्नीरिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले के मियाओ के पास 506 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप (ASSAM) में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के राज्य 'अरुणाचल प्रदेश' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार,इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Henckelia arunachalensis D. Borah, V. Sahani & Pertin, Phytotaxa 678(1): 72. 2024 (Gesneriaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made near Miao, Changlang District, Arunachal Pradesh at 506 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in ASSAM. The species is named after the state of Arunachal Pradesh. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

होलेर्हेना परिषदियाइ वी. सुरेश, सोजान व अम्बिका, फाइटोटैक्सा 664(4): 290. 2024 (ऐपोसाइनेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 181 मी की ऊंचाई पर नट्टुकल, पलक्कड़ जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप गवर्नमेंट विक्टोरिया कॉलेज, पलक्कड़, केरल (GVCH) में और समप्ररूप UCBD में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण केरल, भारत के लोगों में वैज्ञानिक मनोवृत्ति को बढ़ावा देने में सराहनीय योगदान के लिए एनजीओ, केरल शास्त्र साहित्य परिषद की स्वीकृति में किया गया है।

Holarrhena parishadii V. Suresh, Sojan & Ambika, Phytotaxa 664(4): 290. 2024 (Apocynaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Nattukal, Palakkad District, Kerala at 181 m altitude. The holotype is deposited in Government Victoria College Palakkad, Kerala (GVCH), isotype is in UCBD. The species is named in recognition of the NGO, Kerala Sasthra Sahithya Parishad, for its commendable contributions in fostering scientific temper among the people of Kerala, India.

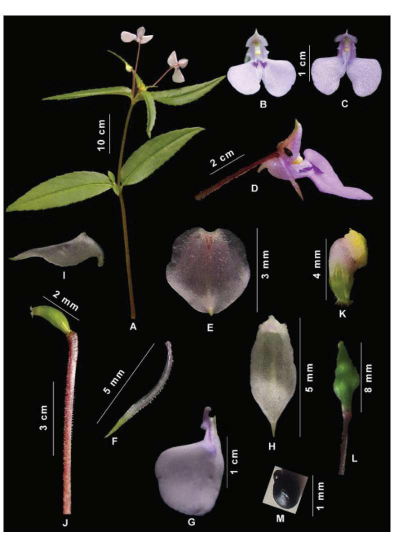

इम्पेशिएन्स ब्रह्मगिरियाना सरवानन व कलियामूर्ति, ताइवानिया 69(1): 99. 2024 (बालसेमिनैसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन केरल के वायनाड जिले के ब्रह्मगिरी पीक में लगभग 1322 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप मद्रास हर्बेरियम, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल केरल के वायनाड जिले की ब्रह्मगिरी पहाड़ी के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Impatiens brahmagiriana Saravanan & Kaliamoorthy, Taiwania 69(1): 99. 2024 (Balsaminaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Brahmagiri Peak, Wayanad District, Kerala at *c.* 1322 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH). The specific epithet 'brahmagiriana' refers to the type locality, the Brahmagiri Hills in the Wayanad District of Kerala. The species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

इम्पेशिएन्स चेरुथोनिएन्सिस वी. एस. ए. कुमार व सिंधु आर्या, ऐन्न. बॉट. फेन्न. 61(1): 132. 2024 (बालसेमिनैसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 600 मीटर की ऊंचाई पर चेरुथोनी क्षेत्र, इडुक्की ज़िला, केरल में पहाड़ी नदी के किनारे से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप यूनिवर्सिटी कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल (UCBD) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल केरल के इडुक्की जिले की 'चेरुथोनी घाटी' के नाम पर आधारित है।

Impatiens cheruthoniensis V. S. A. Kumar & Sindhu Arya, Ann. Bot. Fenn. 61(1): 132. 2024 (Balsaminaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made along the streams of highland, Cheruthoni Area, Idukki District, Kerala at 600 m altitude. Holotype and isotype are deposited in University College, Thiruvananthapuram, Kerala (UCBD). The species epithet 'cheruthoniensis' is derived from the Cheruthoni River, a prominent river in the Idukki District of Kerala.

इम्पेशिएन्स इडुक्कियाना वी. एस. ए. कुमार व सिंधु आर्या, ऐन्न. बॉट. फेन्न. 61(1): 132. 2024 (बालसेमिनैसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 600 मीटर की ऊंचाई पर अडिमाली क्षेत्र, इडुक्की ज़िला, केरल में पहाड़ी नदी के किनारे से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप यूनिवर्सिटी कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल (UCBD) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल केरल के 'इडुक्की जिला' के नाम पर आधारित है।

Impatiens idukkiana V. S. A. Kumar & Sindhu Arya, Ann. Bot. Fenn. 61(1): 132. 2024 (Balsaminaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made along streams in highland, Adimali Area, Idukki District, Kerala at 600 m altitude. Holotype and isotype are deposited in University College, Thiruvananthapuram, Kerala (UCBD). The species epithet 'idukkiana' is derived from Idukki District, Kerala from where the species was discovered.

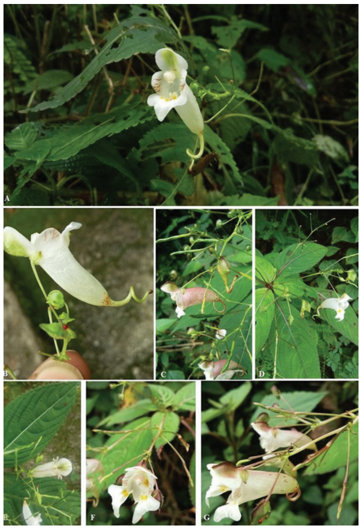

इम्पेशिएन्स लॉन्गिकॉडा हर्ष सिंह व आशीष कुमार, फाइटोटैक्सा 638(1): 88. 2024 (बालसेमिनैसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1500 मीटर की ऊंचाई पर गंगोलीहाट, भुलीगाँव, कुमाऊँ, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप सीएसआईआर राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके पुष्पी लोष्ठक की विशिष्टता पर आधारित है।

Impatiens longecauda Harsh Singh & Aashish Kumar, Phytotaxa 638(1): 88. 2024 (Balsaminaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Gangolihat, Bhuligaon, Kumaon, Uttarakhand at 1500 m altitude. The holotype and isotype are deposited in the herbarium of CSIR National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet highlights the plant's notably long floral spur, a distinctive feature that sets it apart from closely related species.

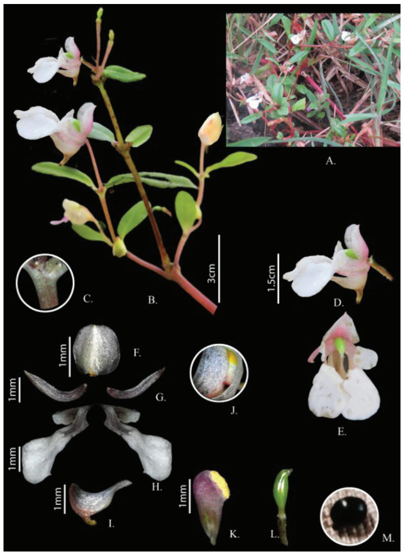

इम्पेशिएन्स मिन्नमपाराएन्सिस सिंधु आर्य, अंबिका, एलेन एलेक्स, वी. सुरेश, सोजन व वी. एस. ए. कुमार, फाइटोटैक्सा 650(1): 84. 2024 (बालसेमिनेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन ± 600 मीटर की ऊँचाई पर मिन्नमपारा, पलक्कड़ जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप एवं समप्ररूप विश्वविद्यालय कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल (UCBD) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल नेल्लियाम्पि पहाड़ी में स्थित जैव विविधता से समृद्ध स्थान 'मिन्नमपारा' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को संकटापन्न (EN) श्रेणी में रखा गया है।

Impatiens minnamparaensis Sindhu Arya, Ambika, Alen Alex, V. Suresh, Sojan & V. S. A. Kumar., Phytotaxa 650(1): 84. 2024 (Balsaminaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Minnampara, Palakkad District, Kerala at ± 600 m altitude. The holotype and isotype are deposited in University College Thiruvananthapuram, Kerala (UCBD). The specific epithet corresponds to the type locality Minnampara, which is a biodiversity rich spot in the Nelliyampathy hills. The new species is assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

इम्पेशिएन्स नियो-अन्सिनेटा वी. एस. ए. कुमार व सिंधु आर्य, फाइटोटैक्सा 644(1): 2. 2024 (बालसेमिनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन ±1600 मीटर की ऊँचाई पर अगस्त्यमाला चोटी, तिरुवनंतपुरम, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप एवं समप्ररूप विश्वविद्यालय कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल (UCBD) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण निकट संबद्ध वर्गक *आई. अन्सिनेटा* के संशोधित नाम पर आधारित है। यह नई प्रजाति प्रत्यक्ष रूप से *आई. अन्सिनेटा* के सदृश है, लेकिन रूपरेखा में भिन्नता होता है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को संकटापन्न (EN) श्रेणी में रखा गया है।

Impatiens neo-uncinata V. S. A. Kumar & Sindhu Arya, Phytotaxa 644(1): 2. 2024 (Balsaminaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Agasthyamala Peak, Thiruvananthapuram District, Kerala at ±1600 m altitude. The holotype and isotype are deposited in University College Thiruvananthapuram, Kerala (UCBD). The specific epithet is a modified name of the closely allied taxon *I. uncinata*. The new species apparently resembles *I. uncinata* but has distinct traits for delineation. The new species is assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

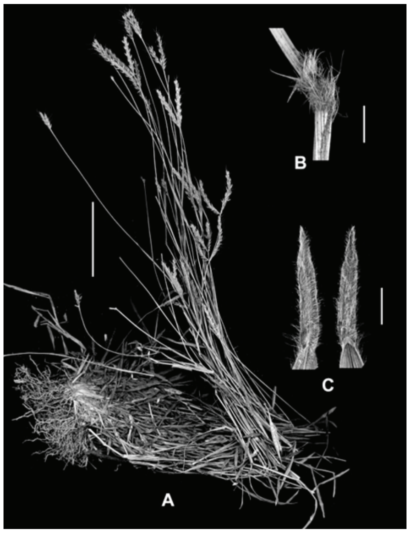

इस्काइमम प्रसन्नाइ नागराजू, पमार्थी व आर. कुमार सिंह, जे. जेप. बॉट. 99(5): 311. 2024 (पोएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन तेलंगाना के मुलुगु जिले के एतुरिनगरम वन्यजीव अभयारण्य में 166 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना (BSID) में और समप्ररूप CAL में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण प्रसिद्ध घास वर्गिकीविज्ञ डॉ. पी. वी. प्रसन्ना, भूतपूर्व वैज्ञानिक 'जी', भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, भारत के सम्मान में किया गया है।

Ischaemum prasannae Nagaraju, Pamarthi & R. Kr. Singh, J. Jap. Bot. 99(5): 311. 2024 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Eturinagaram Wildlife Sanctuary, Mulugu District, Telangana at 166 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad, Telangana (BSID), isotype is in CAL. The new species is named after Dr. P. V. Prasanna, Ex-Scientist G, Botanical Survey of India, a noted grass taxonomist from India.

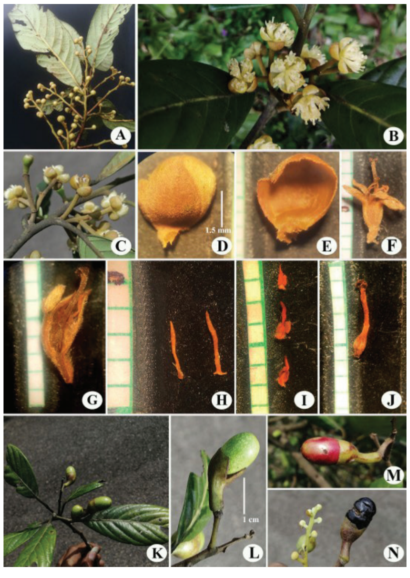

लिटसिया वागामोनिका रोबी व रेवथि वी., फाइटोटैक्सा 645(3): 295. 2024 (लॉरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लगभग 1000 मीटर की ऊंचाई पर वागामोन पहाड़ी, कोट्टायम जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप बिशप अब्राहम मेमोरियल कॉलेज, थुरुहटिकैड, पथानामथिट्टा, केरल (BAM) के पादपालय में और समप्ररूप MH, KFRI में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'वागामोन' के नाम पर आधारित है।

Litsea vagamonica Robi & Revathy V., Phytotaxa 645(3): 295. 2024 (Lauraceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Vagamon Hills, Kottayam District, Kerala at *c.* 1000 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of Bishop Abraham Memorial College, Thuruhticad, Pathanamthitta, Kerala (BAM), isotypes are in MH, KFRI. The specific epithet 'vagamonica' named after its type locality Vagamon in Kerala.

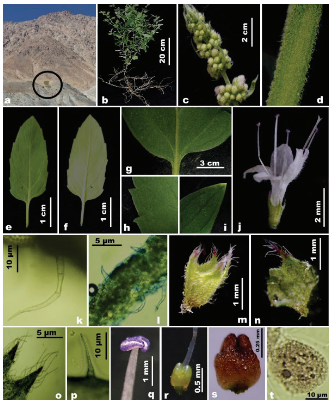

मेन्था चौजूनेन्सिस ए. एच. गनी, तजामुल इस्लाम व ए. ए. खुरू, फाइटोटैक्सा 666(2): 157. 2024 (लैमिएसी)

इस प्रजाति की अन्वेषण व वर्णन सुरु घाटी (चौजून पर्वत), कारगिल जिला, लद्दाख में 3150 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (KASH) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल कारगिल जिला, लद्दाख के सुरु घाटी के 'चौजून पर्वत' के नाम पर आधारित है।

Mentha choujunensis A. H. Ganie, Tajamul Islam & A. A. Khuroo, Phytotaxa 666(2): 157. 2024 (Lamiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Suru valley (Choujun mountain), Kargil District, Ladakh at 3150 m altitude. The holotype and isotype are deposited in the herbarium of Botany Department, Kashmir University, Jammu & Kashmir (KASH). The specific epithet 'choujunensis' is derived from the Choujun Mountain of Suru valley, Kargil district (Ladakh) from where the taxon is described for the first time.

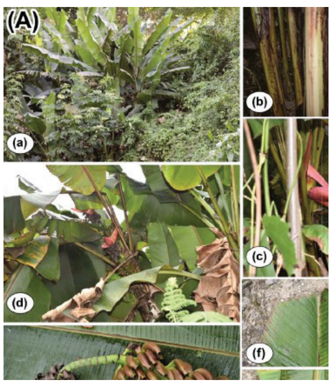

म्यूजा ब्रैक्टिएटा एस. एस. सिंह, गजूरेल व टैड, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04271. 2024 (म्यूज़ेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिले के ओमपुली गांव के तोरू सर्कल में 779 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप (ASSAM) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राक्ष में मौजूद दीर्घस्थायी नर सहपत्रों की विशेषता पर आधारित है।

Musa bracteata S. S. Singh, Gajurel & Taid, Nordic J. Bot. e04271. 2024 (Musaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Ompuli Village, Toru Circle, Papum Pare District, Arunachal Pradesh at 779 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in ASSAM. The specific epithet is after its persistent male bracts present in the rachis.

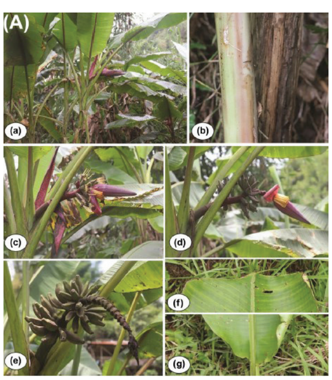

म्यूजा सियांगेन्सिस टैड, एस. एस. सिंह व गजुरेल, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04271. 2024 (म्यूज़ेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सियांग जिले के नोगोपोक गांव के मेबो सर्कल में 158 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समरूप (ASSAM) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल अरुणाचल प्रदेश राज्य की 'सियांग घाटी' के नाम पर आधारित है।

Musa siangensis Taid, S. S. Singh & Gajurel, Nordic J. Bot. e04271. 2024 (Musaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Ngopok Village, Mebo Circle, East Siang District, Arunachal Pradesh at 158 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in ASSAM. The specific epithet is after its type locality, the Siang valley of the state of Arunachal Pradesh.

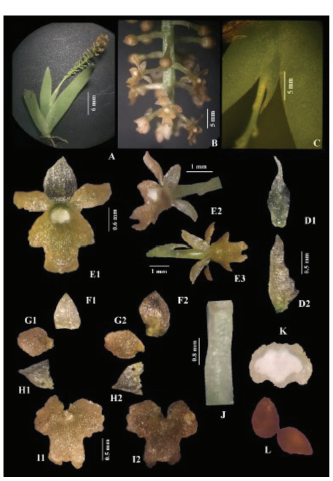

ओबेरोनिया मर्णकुलीएन्सिस श्रेयस व कोत्रेशा, रिचार्डियाना 8 : 22. 2024 (ऑर्किडेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मर्णकुली गांव, शिमोगा जिला, कर्नाटक से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक के पादपालय (UASB) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल तलगुप्पा, सागर तालुक, शिमोगा जिला के 'मार्णकुली गांव' के नाम पर आधारित है।

Oberonia marnkuliensis Shreyas & Kotresha, Richardiana 8:22. 2024 (Orchidaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Marnkuli Village, Shivmogga District, Karnataka. The holotype is deposited in the Herbarium of University of Agricultural Sciences, Bengaluru, Karnataka (UASB). The specific epithet is based on the region where the plant was collected, Marnkuli hill, 'Marnkuli village' that is situated near Talaguppa, Sagara Taluk, Shivmogga District.

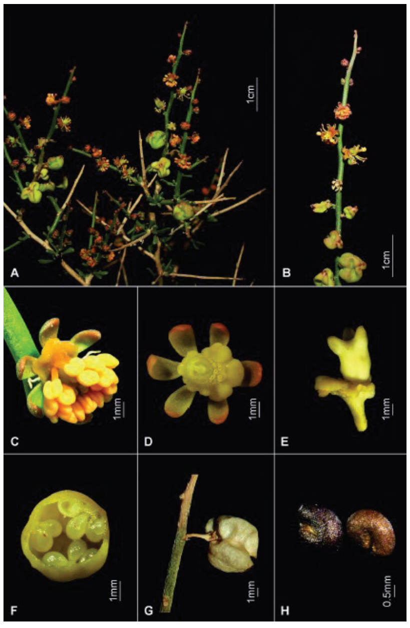

ओक्राडेनस लखपतेन्सिस पटेल आर. एम. व प्रजापति एस. आर., फाइटोटैक्सा 633(1): 94. 2024 (रीसेडेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन गुजरात के कच्छ जिले के उमरसर, लखपत तालुका में 53 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BSJO, CAL में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्तिस्थल 'लखपत तालुका' (प्रशासनिक प्रभाग की एक स्थानीय इकाई) के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को संकटापन्न (EN) श्रेणी में रखा गया है।

Ochradenus lakhpatensis Patel RM & Prajapati SR, Phytotaxa 633(1): 94. 2024 (Resedaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Umarsar, Lakhpat Taluka, Kachchh District, Gujarat at 53 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BSJO, CAL. The specific epithet is derived from the name of the taluka (a local unit of administrative division), where the type locality and all the known populations of *O. lakhpatensis* are located. The new species is assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

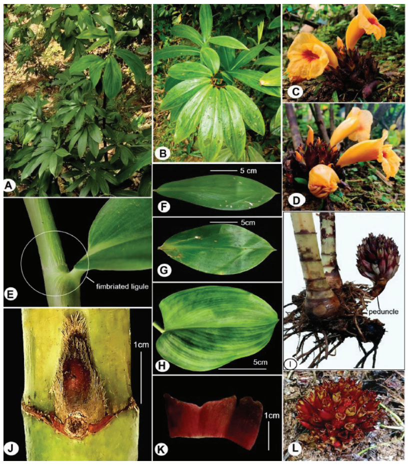

पैराहेलेनिया मिज़ोरमेन्सिस लालफाक्वामा, एस. डी. खोमद्रम व एस. डी. यमखाम, जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 285. 2024 (कॉस्टेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मिजोरम के लांगतलाई जिले में न्गेंगपुई वन्यजीव अभयारण्य से 26 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है । मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (ASSAM) के पादपालय में और समरूप MZUH, MUMP में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के राज्य 'मिजोरम' के नाम पर आधारित है । आई.यू.सी.एन. मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Parahellenia mizoramensis Lalfakawma, S. D. Khomdram & S. D. Yumkham, J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 285. 2024 (Costaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Ngengpui Wildlife Sanctuary, Lawngtlai District, Mizoram at 26 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM), isotypes are in MZUH, MUMP. The specific epithet refers to the state of Mizoram from where the species was collected. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

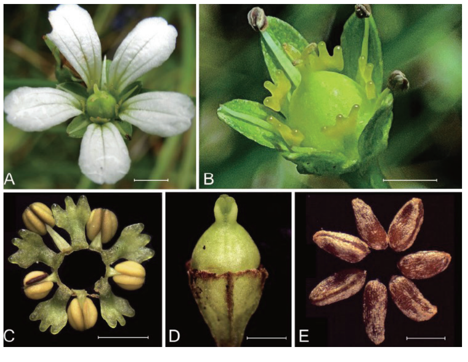

पार्नेशिया तीस्ता डी. मैती, एस. साहा, ए. बनर्जी, ए. के. हलदर, जे. घोष, मिड्डे, मानसी मंडल व एम. डी. द्विवेदी, जे. जेप. बॉट. 99(6): 358. 2024 (सेलास्ट्रेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन सिक्किम के मंगन जिले के चुंगथांग में लगभग 2050 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल (CUH) के पादपालय में और समप्ररूप CUH, CAL, SSFH में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्तिस्थल सिक्किम राज्य की जीवन रेखा पवित्र नदी 'तीस्ता' के नाम पर आधारित है। यह प्रजाति नदी के उत्तर-पूर्वी ढलान के किनारे उगती हुई पाई गई। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Parnassia teesta D. Maity, S. Saha, A. Banerjee, A. K. Halder, J. Ghosh, Midday, Manasi Mandal & M. D. Dwivedi, J. Jap. Bot. 99(6): 358. 2024 (Celastraceae)

This species has been discovered and described based on the collection made after Chungthang, Mangan District, Sikkim at *c.* 2050 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botany Department, Calcutta University, Kolkata, West Bengal (CUH), isotypes are in CUH, CAL, SSFH. The species epithet celebrates the holy River Teesta, the lifeline of the state of Sikkim. The new species was found to grow along north-eastern slope of the river. The species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

पार्थेनोसिसस शशियाइ एंटो व निम्मी, इंडियन फॉरेस्टर 150(7): 718. 2024 (वाइटेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 250 मीटर की ऊँचाई पर असुरंकुंडु बांध, त्रिशूर, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल के पादपालय (CALI) एवं समप्ररूप MH, CAL, STC में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण दक्षिण भारत की वर्गिकी में उत्कृष्ट योगदान के लिए केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची, त्रिशूर के सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. शशिधरन के सम्मान में किया गया है।

Parthenocissus sasii Anto & Nimmi, Indian Forester 150(7): 718. 2024 (Vitaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Asurankundu Dam, Thrissur, Kerala at 250 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Department of Botany, Calicut University, Malappuram, Kerala (CALI), isotypes are in MH, CAL, STC. The specific epithet is in honour of Dr. Sasidharan, Scientist (Rtd.), Kerala Forest Research Institute, Peechi, Thrissur for his outstanding contribution to the taxonomy of South India.

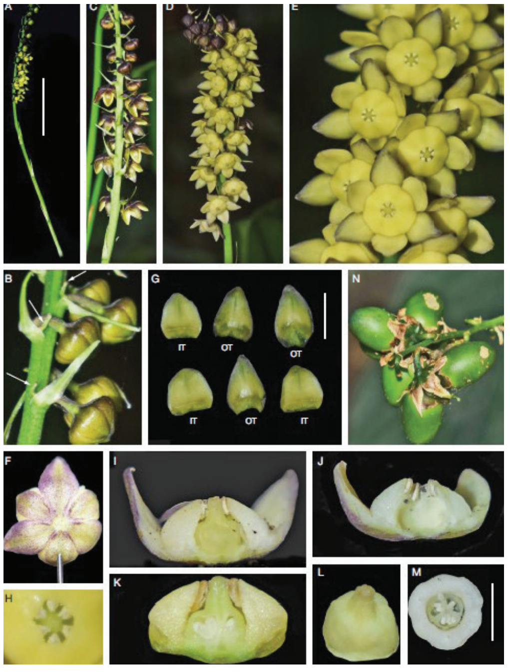

पेलियोसेन्थीज महेश्वरियाना डी. बोरा, एन. तनाका व ताराम, अदनसोनिया 3, 46(1): 2. 2024 (ऐस्पैरागेसी)

इस प्रजाति की अन्वेषण व वर्णन पश्चिम कामेंग, पश्चिम कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश में 800–900 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (ASSAM) के पादपालय में और समप्ररूप ARUN में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण बिश्वनाथ, असम के समर्पित पादप उत्पादक श्री महेश्वर बोरा के सम्मान में किया गया है, जिन्होंने पहले लेखक की पौधों की खोज के लिए क्षेत्र के दूरदराज के इलाकों में किए गए यात्राओं को वित्त पोषित किया है।

Peliosanthes maheswariana D. Borah, N. Tanaka & Taram, Adansonia 3, 46(1): 2. 2024 (Asparagaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from West Kameng, West Kameng District, Arunachal Pradesh at 800–900 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM), isotype is in ARUN. The species is named in honor of Shri. Maheswar Borah, a dedicated plant grower of Biswanath, Assam, who has funded the trips of the first author to remote localities of the region in search of plants.

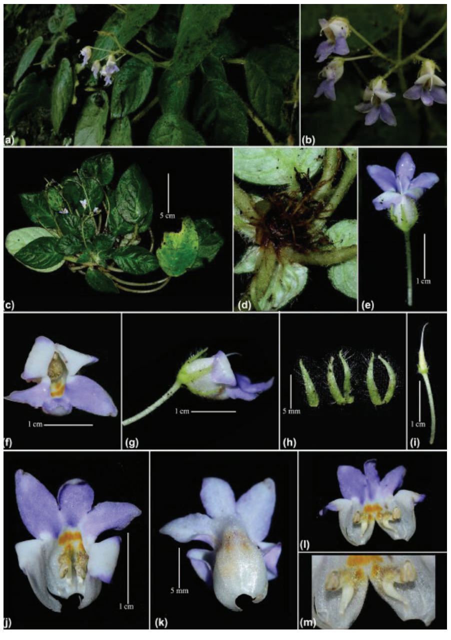

पेट्रोकॉस्मिया अरुणाचलेन्से चाउलू व ए. शेनॉय, नॉर्डिक जे. बॉट ई04423. 2024 (जेस्नीरिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग के मंडला में 1895 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप ARUN में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के राज्य 'अरुणाचल प्रदेश' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदडों के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Petrocosmea arunachalense Chowlu & A. Shenoy, Nordic J. Bot. e04423. 2024 (Gesneriaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Mandla, West Kameng, Arunachal Pradesh at 1895 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in ARUN. The specific epithet refers to the state of Arunachal Pradesh, where the species was discovered. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

पेउसिडेनम वसुदेवनियाइ के.एम.पी. कुमार, रामप्रदीप, हरीश, जबीना व माया, फाइटोटैक्सा 644(1): 74. 2024 (ऐपिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लगभग 1450 मी की ऊंचाई पर मट्टुमाला हिल्स, नेल्लियामपति, पलक्कड़ जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सीएसआईआर राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में और समप्ररूप MH, CMPR, GVCH में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण आवृतबीजी वर्गिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रख्यात वर्गिकीविज्ञ, पादप चितेरा और प्रेरणादायक शिक्षक स्वर्गीय आर. वसुदेवन नायर (वनस्पति विज्ञान विभाग, गॉवर्नमेंट विक्टोरिया कॉलेज, पलक्कड़ जिला, केरल) के सम्मान में किया गया है।

Peucedanum vasudevanii K.M.P. Kumar, Rampradeep, Hareesh, Jabeena & Maya, Phytotaxa 644(1): 74. 2024 (Apiaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Mattumala Hills, Nelliyampathy Forest, Palakkad District, Kerala at *c.* 1450 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of CSIR National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG), isotypes are in MH, CMPR, GVCH. The specific epithet is named after the Late Professor R. Vasudevan Nair (Department of Botany, Govt. Victoria College, Palakkad, Kerala), an eminent taxonomist, plant illustrator, and an inspiring teacher, for his outstanding contribution to the field of Angiosperm taxonomy.

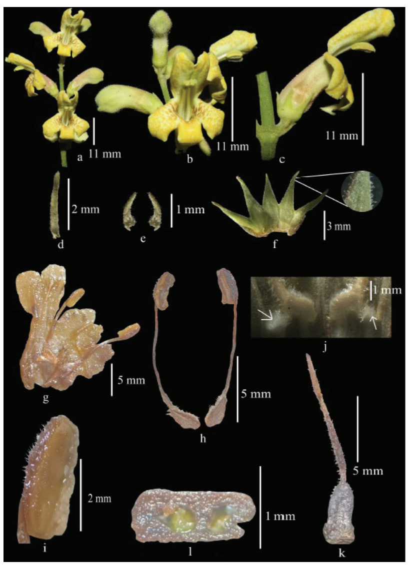

फ्लोगेकैंथस सुधांशुशेखरियाइ आर. मैती व एस. गोस्वामी, इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री 46(4): 200. 2023 (ऐकेन्थेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन ईटानगर, पापुम पारे, अरूणाचल प्रदेश में ईटानगर जैविक उद्यान टिकट काउंटर के सामने से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप एवं समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण भारतीय हिमालयी क्षेत्र में पादपी और पारिस्थितिक अध्ययन में उल्लेखनीय योगदान के लिए भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिक डॉ. सुधांशु शेखर दाश के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Phlogacanthus sudhansusekharii R. Maity & S. Goswami, Indian Journal of Forestry 46(4): 200. 2023 (Acanthaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made opposite to Itanagar Biological Park Ticket counter, Itanagar, Papum Pare, Arunachal Pradesh. The holotype and isotype are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet of this new species is named honouring Dr. Sudhansu Sekhar Dash, Scientist, Botanical Survey of India for his immense contribution to the floristic and ecological studies in Indian Himalayan Region. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

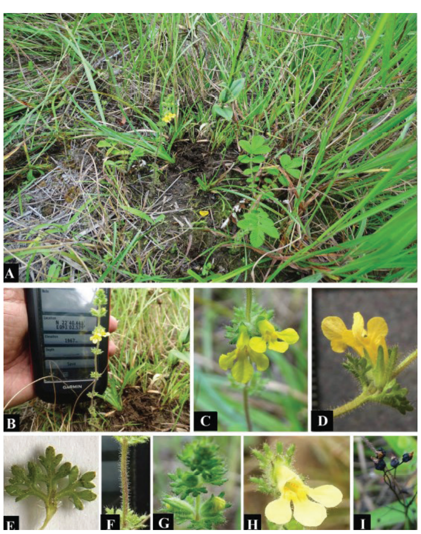

फ्थिरोस्पर्मम लुशाईयोरम आर. सेनगुप्ता व एस. एस. दास, फाइटोटैक्सा 645(2): 173. 2024 (ओरोबैंकेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मिजोरम के लांगतलाई जिले के फार पाक के पास फावंगपुई नेशनल पार्क में 1967 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण जैव विविधता संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए 'मिजोरम की लुशाई जनजाति' की परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Phtheirospermum lushaiorum R. Sengupta & S. S. Dash, Phytotaxa 645(2): 173. 2024 (Orobanchaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Phawngpui National Park, Near Far Pak, Lawngtlai District, Mizoram at 1967 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet 'lushaiorum' is named after the 'Lushai' tribe of Mizoram. The specific epithet honours the traditions and cultural heritage of the Lushai tribe of Mizoram for their commitment towards biodiversity conservation. The species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

पोआ साचेन्सिस पी. अग्निहोत्री, संगम शर्मा व डी. प्रसाद, नॉर्डिक जे. बॉट. 2024(1)-ई04179: 2. 2024 (पोएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 4038 मी की ऊंचाई पर साच दर्रा, पांगी घाटी, चंबा जिला, हिमाचल प्रदेश से 3 किमी पहले पांगी घाटी मार्ग पर किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप सीएसआईआर राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'साच दर्रा' के नाम पर आधारित है।

Poa sachensis P. Agnihotri, Sangam Sharma & D. Prasad, Nordic J. Bot. 2024(1)-e04179: 2. 2024 (Poaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made on the way to Pangi Valley, about 3 km before Sach Pass, Pangi Valley, Chamba District, Himachal Pradesh at 4038 m altitude. The holotype and isotype are deposited in the herbarium of CSIR National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The new species is named after the type locality, Sach pass.

पॉलीगोनम चतुर्भुजेनम के. सी. मोहन, ऐन्न. बॉट. फेन्न. 61(1): 25. 2024 (पॉलीगोनेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन सेंट्रल बोडालजिरा बीट, गोल पहाड़ी द्वीप, पूर्वी पेंच रेंज, पेंच टाइगर रिजर्व, महाराष्ट्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना (BSID) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण भारतीय वानिकी पर योगदान के लिए केंद्रीय अंचल, भारतीय वन सर्वेक्षण, नागपुर के क्षेत्रीय निदेशक चतुर्भुज बेहेरा के सम्मान में किया गया है।

Polygonum chaturbhujanum K. C. Mohan, Ann. Bot. Fenn. 61(1): 25. 2024 (Polygonaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Central Bodalzira Beat, Gol Pahadi Islands, East Pench Range, Pench Tiger Reserve, Maharashtra. Holotype and isotype are deposited in Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad, Telangana (BSID). The specific epithet is in honour of Chaturbhuja Behera, Regional Director of Central Zone, Forest Survey of India, Nagpur, for his contributions to Indian forestry.

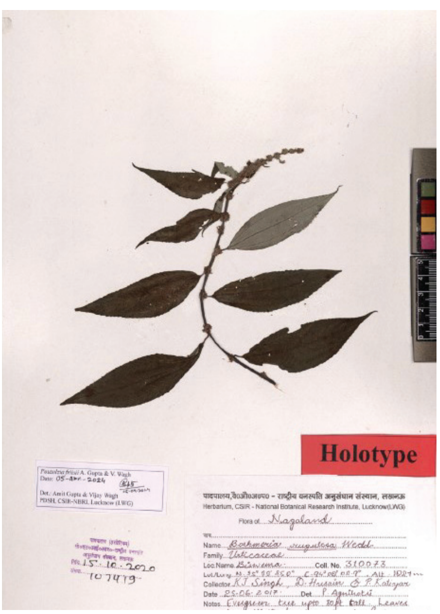

पॉज़ोल्ज़िया फ्रीसियाइ ए. गुप्ता व वी. वाघ, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04474. 2024 (अर्टिकेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन नागालैंड के कोहिमा के विस्वेमा में 1827 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप सीएसआईआर राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम, डेनमार्क से जुड़े डॉ. आई. बी. फ्रिस के सम्मान में किया गया है जो वर्ष 1980–1997 के दौरान कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के प्राध्यापक थे। उन्होंने अर्टिकेसी कुल के कई वंशों को संशोधित किया और कई नए वर्गकों का अन्वेषण व वर्णन किया।

Pouzolzia friisii A. Gupta & V. Wagh, Nordic J. Bot. e04474. 2024 (Urticaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Viswema, Kohima, Nagaland at 1827 m altitude. The holotype and isotype are deposited in the herbarium of CSIR National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The new species is named after Dr. I. B. Friis, who was professor at University of Copenhagen 1980–1997 and was associated with Natural history museum of Denmark. He revised several genera of the family Urticaceae and discovered several new taxa.

सैमोगिटॉन हिर्सुटस भेल्लम व मगोत्रा, नॉर्डिक जे. बॉट. 2024(2)-ई04093: 3. 2024 (ऐपिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 280 मी की ऊंचाई पर मंडल, जम्मू जिला, जम्मू और कश्मीर के पास जम्मू नदीतल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (HBJU) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके पर्ण और स्तंभ के दीर्घलोमी लोमावरण की विशिष्टता पर आधारित है।

Psammogeton hirsutus Bhellum & Magotra, Nordic J. Bot. 2024(2)-e4093: 3. 2024 (Apiaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Jammu river beds near Mandal, Jammu District, Jammu & Kashmir at 280 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of the Department of Botany, University of Jammu, Jammu & Kashmir (HBJU). The specific epithet hirsutus refers to hirsute indumenta on leaves and stem.

सैमोगिटॉन रानियाइ-मगोत्राइ भेल्लम, नॉर्डिक जे. बॉट. 2024(9)-ई04176: 3. 2024 (ऐपिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 285 मी की ऊंचाई पर मंडल, जम्मू जिला, जम्मू और कश्मीर के पास किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू तवी, जम्मू और कश्मीर के जानकी अम्मल पादपालय (RRLH) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण कोशिका विज्ञान, वर्गिकी, जैव विविधता और पादप संरक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रख्यात पादप वर्गिकीविज्ञ प्रो. /डॉ. रानी मगोत्रा के सम्मान में किया गया है।

Psammogeton raniae-magotrae Bhellum, Nordic J. Bot. 2024(9)-e04176: 3. 2024 (Apiaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made near Mandal, Jammu District, Jammu & Kashmir at 285 m altitude. The holotype is deposited in the Janaki Ammal Herbarium, Indian Institute of Integrative Medicine, Jammu-Tawai, Jammu & Kashmir (RRLH). The specific epithet honours Prof. /Dr. Rani Magotra an eminent plant taxonomist for her contribution in cytology, taxonomy, biodiversity and plant conservation.

रोजा अहरबलेन्सिस आई. ए. वानी, के. सिंह व गैरोला, नॉर्डिक जे. बॉट. 2024(7)-ई04216: 3. 2024 (रोजेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 2245 मी की ऊंचाई पर अहरबल गांव, दमहल हाँजीपुरा तहसील, कुलगाम जिला, जम्मू और कश्मीर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू तवी, जम्मू और कश्मीर के जानकी अम्मल पादपालय (RRLH) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल जलप्रपात के लिए प्रसिद्ध कश्मीर का नियाग्रा फॉल्स 'अहरबल गांव' के नाम पर आधारित है।

Rosa aharbalensis I. A. Wani, K. Singh & Gairola, Nordic J. Bot. 2024(7)-e04216: 3. 2024 (Rosaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Aharbal Village, Damhal Hanjipura Tehsil, Kulgam District, Jammu & Kashmir at 2245 m altitude. The holotype and isotype are deposited in the Janaki Ammal Herbarium, Indian Institute of Integrative Medicine, Jammu-Tawai, Jammu & Kashmir (RRLH). the specific epithet refers to the type locality, Aharbal which is a village famous for its waterfall (Niagra of Kashmir).

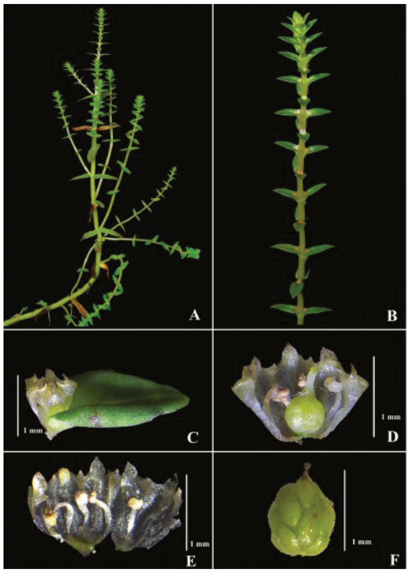

रोटेला कोंकणेन्सिस अरुण प्र., चंदोरे व सरदेसाई, ब्रिट्टॉनिया 76(1): 42. 2024 (लीथ्रेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन आबासाहेब मराठे कॉलेज, हतिवाले गांव, राजापुर तहसील, रत्नागिरि, महाराष्ट्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BSI, SPPU, SUK में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल भारत के उत्तर-पश्चिमी तट 'कोंकण क्षेत्र' के नाम पर आधारित है।

Rotala konkanensis Arun Pr., Chandore & Sardesai, Brittonia 76(1): 42. 2024 (Lythraceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Abasaheb Marathe College Campus, Hativale Village, Rajapur Tehsil, Ratnagiri District, Maharashtra The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BSI, SPPU, SUK. The specific epithet alludes to the geographical name, the Konkan region (northwestern coast) of India, which includes the type locality.

सागिना नीलगिरिका ए. सुब्रम. व माया, फाइटोटैक्सा 676(1): 75. 2024 (कैरियोफिलेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 2615 मीटर की ऊंचाई पर डोड्डाबेट्टा पहाड़ी, नीलगिरि, तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास हर्बेरियम, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप CALI, GVCH में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'नीलगिरि पहाड़ी' के नाम पर आधारित है।

Sagina nilagirica A. Subram. & Maya, Phytotaxa 676(1): 75. 2024 (Caryophyllaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Doddabetta Hills, Nilgiris District, Tamil Nadu at 2615 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in CALI, GVCH. The taxon is named after the type locality, Nilgiri hills.

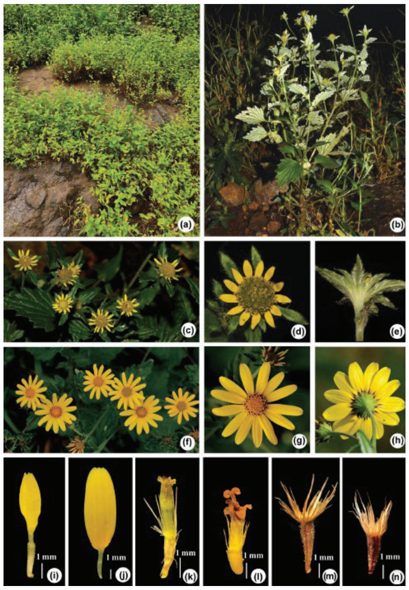

सेनेसियो अंजनेरिकस जेसवानी, एस. आर. यादव व लेखक, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04366. 2024 (ऐस्टेरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन महाराष्ट्र के नासिक जिले के अंजनेरी पहाड़ी में 1036 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BSI, SUK में संगृहीत हैं। इसका नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'अंजनेरी पहाड़ी' के नाम पर आधारित है।

Senecio anjanericus Jeswani, S. R. Yadav & Lekhak, Nordic J. Bot. e04366. 2024 (Asteraceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Anjaneri Hills, Nashik District, Maharashtra at 1036 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BSI, SUK. The specific epithet refers to the Anjaneri Hills, the type locality of the species.

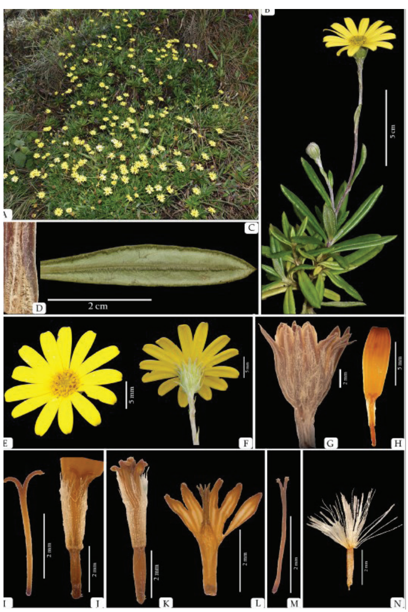

सेनेसियो सिस्पारेन्सिस पी. मुरुगन, बी. कार्तिक, मुरुग. व मुरुगन, फाइटोटैक्सा 637(2): 207. 2024 (ऐस्टेरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन केरल के पलक्कड़ जिले के सिस्पारा, साइलेंट वैली नेशनल पार्क में लगभग 2200 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास हर्बेरियम, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप CAL में संगृहीत हैं। इसका नामकरण इसके प्राप्ति स्थल साइलेंट वैली नेशनल पार्क, पलक्कड़, केरल के 'सिस्पारा घाट (सिस्पारा वन शिविर)' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को संकटापन्न (EN) श्रेणी में रखा गया है।

Senecio sisparensis P. Murugan, B. Karthik, Murug. & Murugan, Phytotaxa 637(2): 207. 2024 (Asteraceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Sispara, Silent Valley National Park, Palakkad District, Kerala at *c.* 2200 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotype is in CAL. the specific epithet refers to the type locality, *i.e.* the Sispara Ghats (Sispara Forest Camp), which is located in the Silent Valley National Park, Palakkad, Kerala. The new species is assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

सेनेगैलिया अजया आलम व लोखो, फाइटोटैक्सा 668(2): 188. 2024 (फैबेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में अजय नदी से 46 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप विश्व भारती पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्व-भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'अजय नदी' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Senegalia ajaya Alam & Lokho, Phytotaxa 668(2): 188. 2024 (Fabaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Ajay River, Birbhum District, West Bengal at 46 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in Visva-Bharati Herbarium, Department of Botany, Visva-Bharati University, Santiniketan, West Bengal. The species epithet 'ajaya' is named after the river Ajay, as the type specimens were collected on its riverbank from Birbhum district, West Bengal. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

सोनेरिला अंचुरुलिका जे. मैथ्यू, स्पेशिज 25: ई43एस1727. 2024 (मेलास्टोमैटेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन केरल के इडुक्की जिले के अंचुरुली की पहाड़ियों में 1360 मीटर ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास हर्बेरियम, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप KUBH में संगृहीत हैं। इसका नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'अंचुरुली पहाड़ी' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को संकटापन्न (EN) श्रेणी में रखा गया है।

Sonerila anchurulica J. Mathew, Species 25: e43s1727. 2024 (Melastomataceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Kerala, Idukki district, Anchuruli Hills, 1360 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotype is in KUBH. The specific epithet 'anchurulica' refers to the type locality of the new species. The new species is assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

स्टीलारिया बेंगालेन्सिस सिंधु आर्य व हर्ष सिंह, फाइटोटैक्सा 668(2): 178. 2024 (कैरियोफ़ाईलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन संगसेरा वन क्षेत्र, कलिम्पोंग जिला, पश्चिम बंगाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप विश्वविद्यालय कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल (UCBD) में एवं समप्ररूप UCBD, RO में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के राज्य 'पश्चिम बंगाल' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Stellaria bengalensis Sindhu Arya & Harsh Singh, Phytotaxa 668(2): 178. 2024 (Caryophyllaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Sangsera Forest Range, Kalimpong District, West Bengal. The holotype is deposited in University College Thiruvananthapuram, Kerala (UCBD), isotypes are in UCBD, RO. The specific epithet 'bengalensis' corresponds to the state West Bengal which is the type locality of the new species. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

स्टीलारिया मैक्लिन्टॉकियाइ वी. एस. ए. कुमार, सिंधु आर्य, वी. सुरेश, सोजन व एलेन एलेक्स, फाइटोटैक्सा 645(1): 57. 2024 (कैरियोफ़ाईलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन संगसेरा वन रेंज, कलिम्पोंग जिला, पश्चिम बंगाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप विश्वविद्यालय कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल (UCBD) में एवं समप्ररूप UCBD, RO में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के राज्य 'पश्चिम बंगाल' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अस्थायी तौर पर अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Stellaria mcclintockiae V. S. A. Kumar, Sindhu Arya, V. Suresh, Sojan & Alen Alex, Phytotaxa 645(1): 57. 2024 (Caryophyllaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Sangsera Forest Range, Kalimpong District, West Bengal. The holotype is deposited in University College Thiruvananthapuram, Kerala (UCBD), isotype is in UCBD, RO. The specific epithet 'bengalensis' corresponds to the state West Bengal which is the type locality of the new species. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

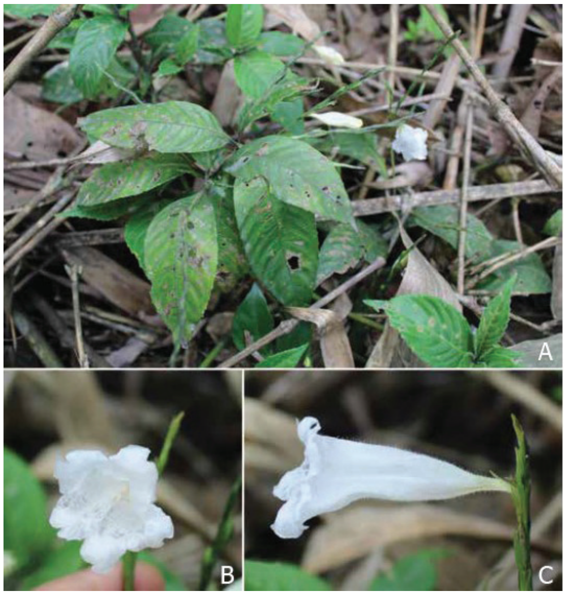

स्ट्रोबिलेन्थीज सियांगेंसिस जे.आर.आई. वुड, गामी व डी. बोरा, गार्ड. बुल. सिंगापुर 76(2): 297. 2024 (ऐकेन्थेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले के कायिंग में 472 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप ASSAM में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'सियांग' के आधार पर किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Strobilanthes siangensis J.R.I. Wood, Gammi & D. Borah, Gard. Bull. Singapore 76(2): 297. 2024 (Acanthaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Kaying, Siang District, Arunachal Pradesh at 472 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in ASSAM. The specific epithet is after type district. The species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

स्वर्शिया जयंतियाइ अंबेर श्रीवास्त. व खुराईजाम, फाइटोटैक्सा 640(1): 58. 2024 (जेन्शिएनेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1200 मीटर की ऊंचाई पर नर्तियांग, जैंतिया पहाड़ी, मेघालय से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सीएसआईआर राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में और समप्ररूप BSD में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण नर्तियांग, जैंतिया पहाड़ी के जयंती शक्तिपीठ की इष्टदेवी 'जयंती' के नाम पर आधारित है।

Swertia jayantii Amber Srivast. & Khuraijam, Phytotaxa 640(1): 58. 2024 (Gentianaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Nartiang, Jaintia hills, Meghalaya at 1200 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of CSIR National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG), isotype is in BSD. The specific epithet is named after Goddess Jayanti (the presiding deity of Jayanti Shaktipeeth) in Nartiang, Jaintia hills.

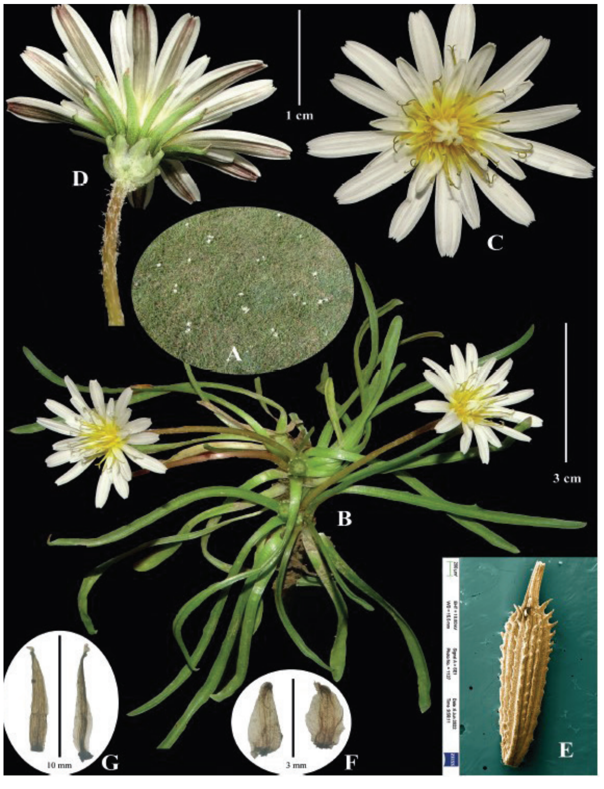

टैरेक्सेकम इंटेग्रिफोलिअम समीर पाटिल व सुशील के. सिंह, नीलम्बो डीओआई: 10. 202324/नीलम्बो/वी66/2024/173390. 2024 (ऐस्टेरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 4790 मी की ऊंचाई पर ढाबा, लद्दाख के पास पंग वर्षाधीन नदी तल घाटी से 28 किमी पहले व्हिस्की नाला से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून, उत्तराखंड (BSD) में और समरूप BSD, CAL, DD में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके अस्पष्ट पर्णवृंत वाले संकीर्ण रैखिक, अछिन्न कोर, नालीदार पर्णों की विशिष्टता पर आधारित है जो पूरे वंश के लिए असामान्य और अनोखा है।

Taraxacum integrifolium Sameer Patil & Sushil K. Singh, Nelumbo DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/173390 (Asteraceae)

This species has been discovered and described based on collection made 28 km before Pang, dry river bed valley, in Whisky Nala, Near Dhaba, Ladakh at 4790 m altitude. Holotype is deposited in Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun, Uttarakhand (BSD), isotypes are in BSD, CAL, DD. The specific epithet 'integrifolium' is derived from the characteristic leaves of the plant *i.e.* 'narrow linear, entire, canaliculate leaves with indistinct petiole' a very unusual and unique character not seen in the entire genus.

टैरेक्सेकम नीलगिरिकम समीर पाटिल व सुशील के. सिंह, नीलम्बो डीओआई: 10. 202324/नीलम्बो/वी66/2024/173390. 2024 (ऐस्टेरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 2067 मी की ऊंचाई पर कट्टाबेट्टू-एलिथोराई, नीलगिरी जिला, तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'नीलगिरि जिला' के नाम पर आधारित है।

Taraxacum nilgiricum Sameer Patil & Sushil K. Singh, Nelumbo DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/173390 (Asteraceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Kottabettu-Illithorai, Nilgiri district, Tamil Nadu at 2067 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet 'nilgiricum' is derived from the locality 'Nilgiri district' from where the plant was collected

टेरेना चार्ल्सियाइ एस. माया व सुनीलक., फाइटोटैक्सा 660(2): 192. 2024 (रूबिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1200 मी की ऊंचाई पर केशवनपारा, नेल्लियामपति, पलक्कड़ जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सीएसआईआर राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में और समप्ररूप KUBH में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण तृतीय लेखक (प्रो. वी.टी. एंटोनी) के पुत्र चार्ल्स एंटोनी, जिसका देहांत हाल ही में वर्ष 2019 में हुई, की स्मृति में किया गया है।

Tarenna charlesii S. Maya & Sunilk., Phytotaxa 660(2): 192. 2024 (Rubiaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Kesavanpara, Nelliyampathi Hills, Palakkad District, Kerala at 1200 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of CSIR National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG), isotype is in KUBH. The specific epithet is named after Charles Antony, the son of the third author (Prof. V. T. Antony), who passed away recently in 2019.

टेरेना इडुक्कियाना रॉबी व बालन, फाइटोटैक्सा 661(1): 97. 2024 (रूबिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लगभग 1189 मी की ऊंचाई पर एलाप्पारा, इडुक्की जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची, केरल (KFRI) में और समप्ररूप CATH, BAM, MH में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के जिला 'इडुक्की' के नाम पर आधारित है।

Tarenna idukkiana Robi & Balan, Phytotaxa 661(1): 97. 2024 (Rubiaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Elappara, Idukki District, Kerala at *c.* 1189 m altitude. The holotype is deposited in The Kerala Forest Research Institute, Peechi, Kerala (KFRI), isotypes are in CATH, BAM, MH. The specific epithet refers to the type locality, including district name.

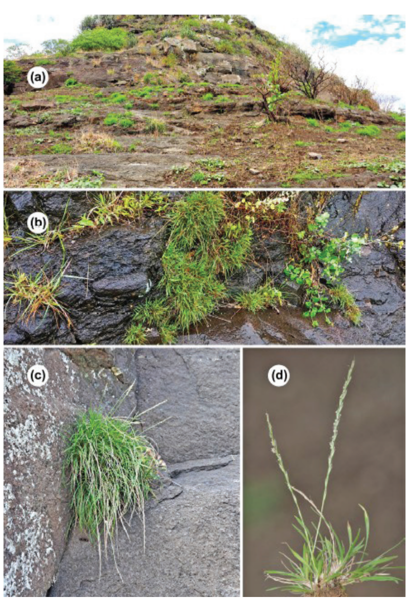

ट्राइपोगोन सालुंखेइ गोसावी, माधव व चंदोर, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04352. 2024 (पोएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन महाराष्ट्र के नासिक जिले के सिन्नार तहसील के अकोले के रास्ते में सोनेवाड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BSI, SUK में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण आवृतबीजी वर्गिकी विशेषकर घास वर्गिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कृष्णा महाविद्यालय, कराड, सतारा के प्राचार्य और वनस्पति विज्ञान विभाग के विभाध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत बी. सालुंखे के सम्मान में किया गया है।

Tripogon salunkhei Gosavi, Madhav & Chandore, Nordic J. Bot. e04352. 2024 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Sonewadi, on the way to Akole, Sinnar Tehsil, Nashik District, Maharashtra. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BSI, SUK. The specific epithet 'salunkhei' honours Dr. Chandrakant B. Salunkhe, principal and head of the Department of Botany in Krishna Mahavidyalaya, Rethare BK., Karad, Satara for his remarkable contribution in the field of angiosperm taxonomy and particularly in grasses.

यूशानिया बोमडिलाइना एच. बी. नैथानी, फाइटोटैक्सा 644(2): 174. 2024 (पोएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 2229 मीटर की ऊंचाई पर सलारी गांव, पश्चिमी कामेंग जिला, बोमडिला, अरुणाचल प्रदेश के पास बोमडिला से 9. 5 किमी दूर तवांग मार्ग पर किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) देहरादून, उत्तराखंड के पादपालय (DD) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण पश्चिमी कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यालय 'बोमडिला' के नाम पर आधारित है।

Yushania bomdilaena H. B. Naithani, Phytotaxa 644(2): 174. 2024 (Poaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made 9. 5 km after Bamdila on Tawang Road, near Salari Village, Bamdila, West Kameng District at 2229 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Forest Research Institute (FRI) Dehradun, Uttarakhand (DD). The specific epithet is named after the place Bomdila (Bomdi La), Head Quarter of West Kameng District, Arunachal Pradesh.

नवीन उपजातियां / NEW SUB-SPECIES

कोमेलीना कुर्जियाइ उपजाति **इंडिका** नंदीकर, कॉमेलिन. इंडिया: 73. 2024 (कोमेलिनेसी)

इस उपजाति का अन्वेषण व वर्णन महाराष्ट्र के कोल्हापुर में पन्हाला घाट रोड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समरूप BSI, NGCPR में संगृहीत हैं। इस उपजाति का नामकरण भारत में इसकी उत्पत्ति और व्याप्ति को दर्शाता है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस उपजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Commelina kurzii subsp. **indica** Nandikar, Commelin. India: 73. 2024 (Commelinaceae)

This subspecies has been discovered and described based on the collection made from Panhala Ghat Road, Kolhapur, Maharashtra. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BSI, NGCPR. The specific epithet denotes its origin and occurrence in India. The subspecies is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

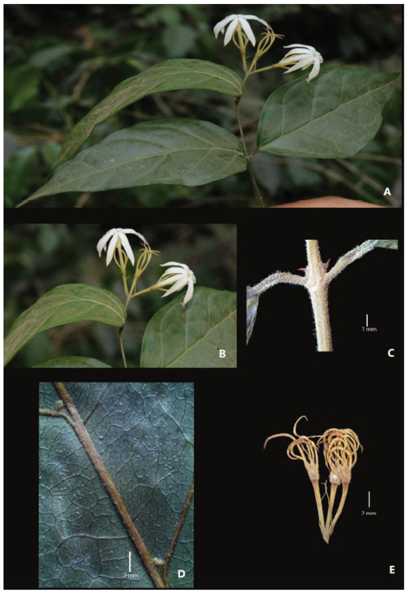

जैस्मीनम एडेनोफ़ाईलम उपजाति **सपरलाएन्से** रसिंगम, रंजना व सुष्मिता, इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री 47(2): 112. 2024 (ओलिएसी)

इस उप-प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 958 मीटर की ऊंचाई पर सपरला गांव, अल्लूरी सीताराम राजू जिला, आंध्रप्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप एवं समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) एवं समप्ररूप BSID में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Jasminum adenophyllum subsp. **saparlaense** Rasingam, Ranjana & Susmitha, Indian Journal of Forestry 47(2): 112. 2024 (Oleaceae)

This subspecies has been discovered and described based on the collection made from Saparla Village, Alluri Sitharama Raju District, Andhra Pradesh at 958 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in BSID. The subspecific epithet corresponds to the type locality.

मर्डानिया स्पाइरेटा उपजाति **नेग्लेक्टा** नंदीकर, कॉमेलिन. इंडिया: 177. 2024 (कोमेलिनेसी)

इस उपजाति का अन्वेषण व वर्णन महाराष्ट्र के कोल्हापुर के पन्हाला से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समरूप BSI, SUK, NGCPR में संगृहीत हैं। पहले के वनस्पतिज्ञों ने इस उपजाति को अनदेखा किया था, इसलिए इसका नामकरण 'नेग्लेक्टा' किया गया है।

Murdannia spirata subsp. **neglecta** Nandikar, Commelin. India: 177. 2024 (Commelinaceae)

This subspecies has been discovered and described based on the collection made from Panhala, Kolhapur, Maharashtra. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BSI, SUK, NGCPR. The specific epithet is so named as it was overlooked by previous botanists.

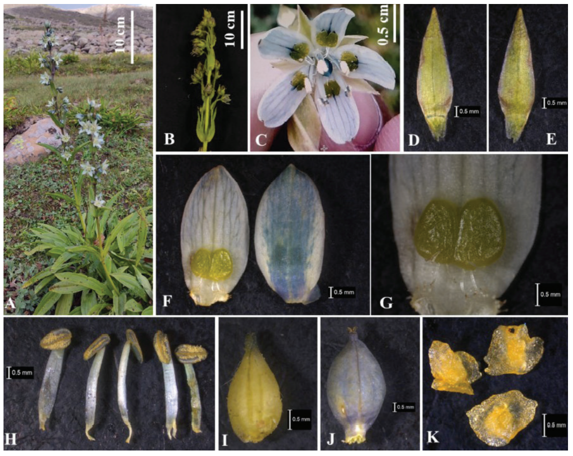

स्वर्शिया काश्मीरेन्सिस उपजाति **डारियाइ** तजामुल इस्लाम, बिलाल ए. रसरे व अंजार ए. खुरू, फाइटोटैक्सा 638(1): 80. 2024 (जेन्शिएनेसी)

इस उपजाति का अन्वेषण व वर्णन जम्मू और कश्मीर के गांदरबल जिले के गंगाबल में 3550 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (KASH) में संगृहीत हैं। इस उपजाति का नामकरण कश्मीर हिमालय की वनस्पतिजात पर महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रोफेसर जी. एच. डार के वनस्पतियों के सम्मान में किया गया है।

Swertia kashmirensis subsp. **darii** Tajamul Islam, Bilal A. Rasray & Anzar A. Khuroo, Phytotaxa 638(1): 80. 2024 (Gentianaceae)

This sub-species has been discovered and described based on the collection made from Gangabal, Ganderbal District, Jammu & Kashmir at 3550 m altitude. The holotype and isotype are deposited in the herbarium of Botany Department, Kashmir University, Jammu & Kashmir (KASH). The subspecific epithet 'darii' is in the honor of Prof. G. H. Dar for his significant contribution to the flora of Kashmir Himalaya.

नवीन प्रभेद / NEW VARIETIES

सेरोपेजिया प्यूबीसेन्स प्रभेद **गाइरोलोबा** रंजन, अनंत कुमार व जी कृष्णा, नेलुम्बो 66(1): 2. 2024 (ऐपोसाइनेसी)

इस प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन एंबियोक, नेओरा वैली नेशनल पार्क, कलिम्पोंग में 1065 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत हैं। इस प्रभेद का नामकरण इसके दलपुंज पालि के वृत्त वक्र की विशिष्टता पर आधारित है।

Ceropegia pubescens var. **gyroloba** Ranjan, Anant Kumar & G. Krishna, Nelumbo 66(1): 2. 2024 (Apocynaceae)

This variety has been discovered and described based on the collection made from Ambiok, Neora Valley National Park, Kalimpong at 1065 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The epithet 'gyroloba' refers to gyrate nature/ the clockwise twisting corolla lobes, one of the diagnostic features that differentiate the new variety.

कोमेलीना एटेनुआटा प्रभेद **जिडीयोनियाइ** नंदीकर, कॉमेलिन. इंडिया: 54. 2024 (कोमेलिनेसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन तमिलनाडु के मद्रास के पास अवस्थित हलांथोप से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप रॉयल बोटेनिक गार्डन, केव, इंग्लैंड, यूनाइटेड किंगडम (K) में संगृहीत है। इस प्रभेद का नामकरण थॉमस थॉमसन के भाई जिडीयोन थॉमसन के नाम पर आधारित है, जिन्होंने मद्रास के पास हेलनथोप (वट कुंज) से सबसे पहले इस पौधे को एकत्र किया था। आ. ई. सी. यू. एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रभेद को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Commelina attenuata var. **gideonii** Nandikar, Commelin. India: 54. 2024 (Commelinaceae)

This variety has been discovered and described based on the collection made from Halanthope near Madras, Tamil Nadu. The holotype is deposited in Royal Botanic Garden, Kew, England, United Kingdom (K). The variety is named after Gideon Thomson, a brother of Thomas Thomson who collected this plant first from Halanthope (Banyan Grove) near Madras. The variety is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

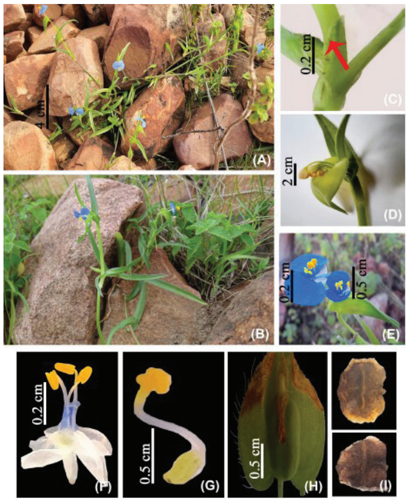

कोमेलीना बैडामिका प्रभेद **पालकोंडेन्सिस** पी. शिवरामकृष्ण, पी. युगंधर व एल. जे. सिंह, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04152. 2024 (कोमलीनेसी)

इस प्रभेद का अन्वेषण और वर्णन 591 मीटर की ऊंचाई पर पालकोंडा पहाड़ी, कडप्पा जिला, आंध्र प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) एवं समप्ररूप BSID, PBL में संगृहीत हैं। इस प्रभेद का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नए प्रभेद को संकटापन्न (EN) श्रेणी में रखा गया है।

Commelina badamica var. **palkondensis** P. Sivaramakrishna, P. Yugandhar & L. J. Singh, Nordic J. Bot. e04152. 2024 (Commelinaceae)

This variety has been discovered and described based on the collection made from Palkonda Hills, Kadapa District, Andhra Pradesh at 591 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in BSID, PBL. The varietal epithet palkondensis is derived from the type locality. The new variety is assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

डिप्केडी कोंकणेन्सिस प्रभेद **देवरुखेन्स** एच. रोड्रिग्स, एस्. आर. दत्ता व चक्राल, फाइटोटैक्सा 645(1): 10. 2024 (ऐस्पैरागेसी)

इस प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन सदावली, देवरुख, रत्नागिरी जिला, महाराष्ट्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BLAT, RDNCP, VCH में संगृहीत हैं। इस प्रभेद का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल कोंकण क्षेत्र के 'देवरुख' के नाम पर आधारित है।

Dipcadi concanense var. **devrukhense** H. Rodrigues, S. R. Dutta & Chakral, Phytotaxa 645(1): 10. 2024 (Asparagaceae)

This new variety has been discovered and described based on collection made from Sadavali, Devrukh, Ratnagiri District, Maharashtra. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BLAT, RDNCP, VCH. The varietal epithet is after the type locality.

यूफॉर्बिया एन्टीकोरम प्रभेद **लॉन्गा** सरोजिन. (यूफॉर्बिएसी)

इस प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन संकगिरि पहाड़ी, संकरी, सेलम जिला, तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना (BSID) में और समप्ररूप MH, HDNA, SKU में संगृहीत हैं। इस प्रभेद का नामकरण इसके कोटर की 4 सेमी तक अनुदैर्घ्य लंबाई की विशिष्टता पर आधारित है।

Euphorbia antiquorum var. **longa** Sarojin. (Euphorbiaceae)

This variety has been discovered and described based on collection made from Sankagiri Hills, Sankari, Salem District, Tamil Nadu. The Holotype is deposited in Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad, Telangana (BSID), isotypes are in MH, HDNA, SKU. The varietal epithet is after the longitudinal length of the sinuses up to 4 cm long.

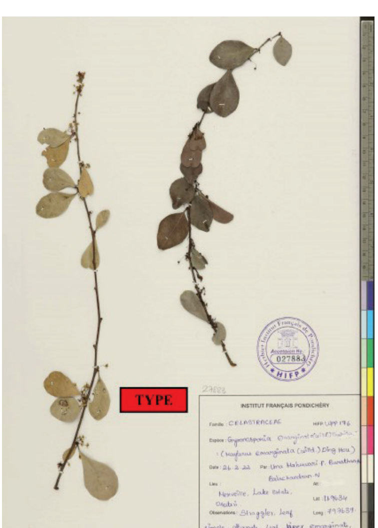

जिम्नोस्पोरिया ईमार्जिनेटा प्रभेद **कोरोमंडेलिका** एन. बालच. व पी. उमाहेश्वरी, प्ला. साइ. टूडे 11(1): 02. 2024 (सेलास्ट्रेसी)

इस प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन तमिलनाडु के ओसुडु के मर्वेले से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप फ्रांसीसी इंस्टीट्यूट ऑफ पांडिचेरी (HIFP) के पादपालय में और समरूप MH मे संगृहीत हैं। इस प्रभेद का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'कोरोमंडल तट' के नाम पर आधारित है, जहाँ पर यह प्रजाति अधिक सीमित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नई प्रजाति को अल्प संकटग्रस्त (LC) की श्रेणी में रख गया है।

Gymnosporia emarginata var. **coromandelica** N. Balach. & P. Umamaheswari, Pl. Sci. Today 11(1): 02. 2024 (Celastraceae)

This variety has been discovered and described based on the collection made from Merveille, Ossudu, Tamil Nadu. The holotype is deposited in the herbarium of the French Institute of Pondicherry (HIFP), isotype is in MH. The varietal epithet is derived from the study area Coromandel Coast, the region to which the species is largely confined. The new species is assessed as Least Concern (LC) following IUCN guidelines.

हेटेरोपोगॉन रिचीई प्रभेद **ग्लैब्रम** पोटदार, तारबेज व एम. वाई. कांबले, इंडियन फॉरेस्टर 150(1): 89. 2024 (पोएसी)

इस प्रभेद का अन्वेषण और वर्णन 1065 मीटर की ऊंचाई पर केळघर घाट, महाराष्ट्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) एवं समप्ररूप BSI, SUK में संगृहीत हैं। इस प्रभेद का नामकरण कणिशिका के अरोमिल अध:तुष को दर्शाता है।

Heteropogon ritchiei var. **glabrum** Potdar, Tarbej & M. Y. Kamble, Indian Forester 150(1): 89. 2024 (Poaceae)

This variety has been discovered and described based on the collection made from Kelghar Ghat, Maharashtra at 1065 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BSI, SUK. The varietal epithet is after glabrous lower glume of the spikelet

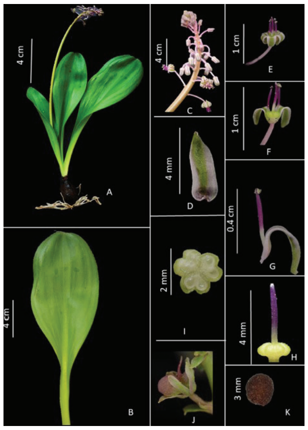

लेडेबोरिया हायासिन्थिना प्रभेद **ऑबट्यूसेटा** एस. दत्ता, चकराल व एच. रोड्रिग्स, फाइटोटैक्सा 641(1): 9. 2024 (ऐस्पैरागेसी)

इस प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन महाराष्ट्र के पालघर के तकमक से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप SHK में और समप्ररूप SHK, BLAT, RDNCP में संगृहीत हैं। इस प्रभेद का नामकरण इसकी विकसित पत्ती के कुण्ठाग्र अग्रक की विशिष्टता पर आधारित है।

Ledebouria hyacinthina var. **obtusata** S. Dutta, Chakral & H. Rodrigues, Phytotaxa 641(1): 9. 2024 (Asparagaceae)

This variety has been discovered and described based on the collection made from Takmak, Palghar, Maharashtra. The holotype is deposited in SHK, isotypes are in SHK, BLAT, RDNCP. The epithet 'obtusata' refers to the obtuse apex of the matured leaf.

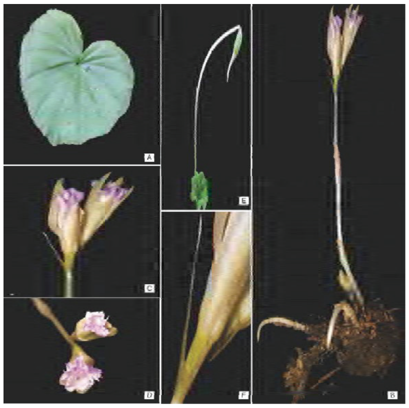

नर्विलिया सिम्प्लेक्स प्रभेद **हिमाचलेन्सिस** रिमझिम सी. व के. गोगोई, जे. ऑर्किड सोसी . इंडिया 38: 10. 2024 (ऑर्किडेसी)

इस प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में 300 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप द ऑर्किड सोसाइटी ऑफ ईस्टर्न हिमालय, असम (TOSEHIM) के पादपालय में और समरूप HAWHRC में संगृहीत हैं। इस प्रभेद का नामकरण इसके संग्रहण स्थल के राज्य 'हिमाचल प्रदेश' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रभेद को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Nervilia simplex var. **himachalensis** Rimjhim C. & K. Gogoi, J. Orchid Soc. India 38: 10. 2024 (Orchidaceae)

This variety has been discovered and described based on the collection made from Kangra District, Himachal Pradesh at 300 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of The Orchid Society of Eastern Himalaya, Assam (TOSEHIM), isotypes are in HAWHRC. The varietal epithet refers to the Himachal Pradesh from where the plant was collected. The variety is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

विन्सेटॉक्सिकम हुकरियनम प्रभेद **सुनीलाइ** डी. वीरंजनेयुलु, एम. राम मोहन व जी. रवि, जे. इंडियन बॉट. सॉक. 104(1): 61. 2024 (ऐपोसाइनेसी)

इस प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन तेलंगाना के कमरगांव, बेज्जूर आरएफ, कोमुरमभीम आसिफाबाद जिले (तत्कालीन आदिलाबाद), तेलंगाना से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) और समप्ररूप BSID में संगृहीत हैं। इस नवीन प्रभेद का नामकरण डॉ. एम. सुनीला, एनविस समन्वयक, ईपीटीआरआई, हैदराबाद, तेलंगाना के सम्मान में किया गया है।

Vincetoxicum hookerianum var. **suneelae** D. Veeranjaneyulu, M. Ram Mohan & G. Ravi, J. Indian bot. Soc. 104(1): 61. 2024 (Apocynaceae)

This variety has been discovered and described based on the collection made from Kammargaon, Bejjur RF, Komurambheem Asifabad District (erstwhile Adilabad), Telangana. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in BSID. The new variety is coined in honour to Dr. M. Suneela, ENVIS Coordinator, EPTRI, Hyderabad, Telangana.

नवीन रूप / NEW FORMA

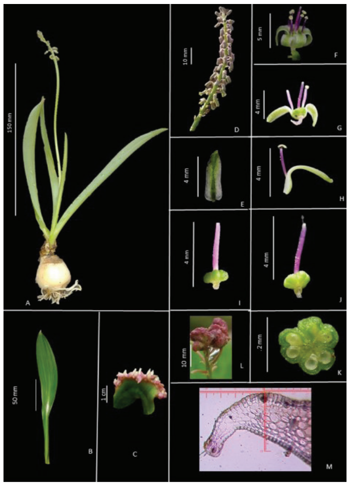

लेडेबोरिया हायासिन्थिना एफ. **रिकर्वटा** एस. दत्ता, के. चक्राल व एच. रोड्रिग्स, फाइटोटैक्सा 641(1): 18. 2024 (ऐस्पैरागेसी)

इस नवीन रूप का अन्वेषण व वर्णन महाराष्ट्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप RDNCP में संगृहीत हैं। इस नवीन रूप का नामकरण इसकी पत्ती की अनुप्रस्थ भाग के प्रतिवक्रित पर्ण उपांत की विशेषता पर आधारित है।

Ledebouria hyacinthina f. **recurvata** S. Dutta, K. Chakral & H. Rodrigues, Phytotaxa 641(1): 18. 2024 (Asparagaceae)

This forma has been discovered and described based on the collection made from Maharashtra. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in RDNCP. The epithet 'recurvata' is derived from the plant's recurved leaf margin observed in the transverse section of leaf.

नवीन वितरणपरक अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORDS

वंशगत अभिलेख / GENERIC RECORDS

डिडाइमोप्लेक्सिएला गारे (ऑर्किडेसी)

पूर्वतः इंडो-चाइना से लेकर पश्चिमी और मध्य मलेशिया एवं दक्षिणी जापान से ज्ञात इस वंश का वर्णन भारत में पहली बार सिक्किम के गंगटोक की रे वैली में 1024 मीटर के ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है । इस वंश का प्रतिनिधित्व *डिडाइमोप्लेक्सिएला सियामेन्सिस* (रॉल्फ के बाद डाउनी) सीडेनफैडेन करता है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL), भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगटोक, सिक्किम (BSHC) और सिक्किम यूनिवर्सिटी के पादपालय में संगृहीत हैं । इसे मधुसूदन खनाल, देवेंद्र कुमार, शुवादीप सरकार, संदीप रावत, रोहित दत्ता, संतोष कुमार राय और दिनेश कुमार अग्रवाल ने फेडेस रिपर्ट. 135(3): 2. 2024 में प्रकाशित किया है।

Didymoplexiella Garay (Orchidaceae)

This genus earlier known from Indo-China to Western and Central Malaysia and Southern Japan has been reported for the first time based on the collection made from Rey Valley, Gangtok, Sikkim at 1024 m altitude. The genus is represented by *Didymoplexiella siamensis* (Rolfe ex Downie) Seidenfaden. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok, Sikkim (BSHC) and in Sikkim University Herbarium. This has been published by Madhusudhan Khanal, Devendra Kumar, Shuvadip Sarkar, Sandeep Rawat, Rohit Dutta, Santosh Kumar Rai & Dinesh Kumar Agrawala in Feddes Repert. 135(3): 2. 2024.

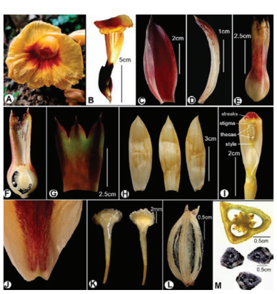

पैराहेलेनिया एन. एच. ज़िया, जुआन चेन, एल. वाई. ज़ेंग व एस. जिन ज़ेंग (कॉस्टेसी)

पूर्वतः दक्षिणी चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैंड, वियतनाम और म्यांमार से ज्ञात इस वंश का वर्णन, भारत से पहली बार मिजोरम के लॉन्गत्लाई जिले के नेंगपुई वन्यजीव अभयारण्य में 26 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस वंश का प्रतिनिधित्व *पैराहेलेनिया मिज़ोरमेन्सिस* लालफाक्वामा, एस.डी. खोमद्रम व एस.डी. यमखाम करता है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (ASSAM), मणिपुर यूनिवर्सिटी म्यूजियम ऑफ प्लांट्स (MUMP) और मिजोरम यूनिवर्सिटी हर्बेरियम (MZUH) में संगृहीत हैं। इसे लालफकावमा, संध्यारानी देवी खोमद्रम व सनातोम्बी देवी युमखाम ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 285. 2024 में प्रकाशित किया है।

Parahellenia N. H. Xia, Juan Chen, L. Y. Zeng & S. Jin Zeng (Costaceae)

This genus earlier known from Southern China, Indonesia, Malaysia, Thailand, Vietnam and Myanmar has been reported for the first time based on the collection made from Ngengpui Wildlife Sanctuary, Lawngtlai District, Mizoram at 26 m altitude. The genus is represented by *Parahellenia mizoramensis* Lalfakawma, S.D. Khomdram & S.D. Yumkham. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM), Manipur University Museum of Plants (MUMP) and Mizoram University Herbarium (MZUH). This has been published by Lalfakawma, Sandhyarani Devi Khomdram & Sanatombi Devi Yumkham in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 285. 2024.

प्रजातिगत अभिलेख / SPECIES RECORDS

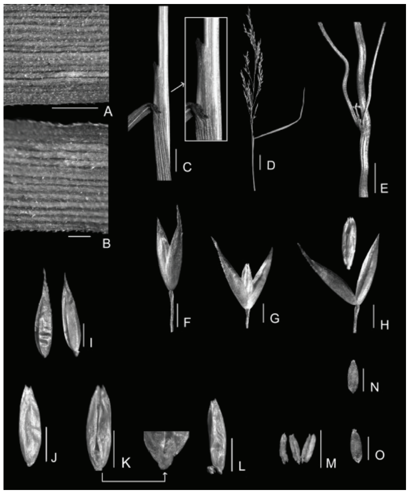

ऐग्रोस्टिस क्लेवेटा ट्रिन. (पोएसी)

पूर्वतः उत्तरी यूरोप, जापान, ताइवान और चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार पूर्वी सिक्किम के नाथुला दर्रे में 4200 मीटर की ऊंचाई पर से और छंगू (सोमगो) झील के पास 3850 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे दिलेश्वर प्रसाद, रेखा यादव, संगम शर्मा, शुभम जायसवाल व प्रियंका अग्निहोत्री ने जे. जैप. बॉट 99(1): 54. 2024 में प्रकाशित किया है।

Agrostis clavata Trin. (Poaceae)

The species earlier known from North Europe, Japan, Taiwan and China has been reported for the first time based on the collection made from Nathula Pass at 4200 m altitude and near Tsomgo Lake at 3850 m altitude, East Sikkim. The specimens are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Dileshwar Prasad, Rekha Yadav, Sangam Sharma, Shubham Jaiswal & Priyanka Agnihotri in J. Jap. Bot. 99(1): 54. 2024.

एन्थिलिस मॉन्टेना एल. (फैबेसी)

पूर्वतः अल्बानिया, अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया, बुल्गारिया, फ्रांस, ग्रीस, इटली, रोमानिया, स्पेन, स्विटजरलैंड और यूगोस्लाविया से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 4000 मीटर की ऊँचाई पर चोस्कर ला, कारगिल, लद्दाख से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप जैव विविधता अनुसंधान केंद्र, कारगिल परिसर, लद्दाख विश्वविद्यालय के पादपालय (LAD) में संगृहीत है। इसे मोहम्मद शबीर ने प्लिऑनि 18(2): 242. 2024 में प्रकाशित किया है।

Anthyllis montana L. (Fabaceae)

This species earlier known from Albania, Algeria, Austria, Bulgaria, France, Greece, Italy, Romania, Spain, Switzerland, Yugoslavia has been reported for the first time from India based on the collection made from Choskar La, Kargil, Ladakh at 4000 m altitude. The specimens are deposited in Herbarium of the Biodiversity Research Centre, Kargil Campus, University of Ladakh (LAD). This has been published by Mohd Shabir in Pleione 18(2): 242. 2024.

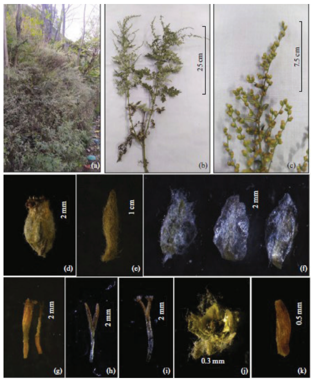

आर्टिमिजिया नियोसाइनेन्सिस बी. एच. जियाओ व टी. जी. गाओ (ऐस्टेरेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार जम्मू और कश्मीर के रामबन जिले की पीर पंजाल रेंज के बनिहाल दर्रे में 1749–1777 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप कश्मीर हर्बेरियम, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर (KASH) में संगृहीत है। इसे लियाकत आलिया, अंजार अहमद खुरू, ऐजाज एच. गनी व देबब्रत मैती ने बायोलॉजी बुलेटिन 51: 814. 2024 में प्रकाशित किया है।

Artemisia neosinensis B. H. Jiao & T. G. Gao (Asteraceae)

The species earlier known from China has been reported for the first time based on the collection made from Banihal Pass, Pir Panjal Range, Ramban District, Jammu & Kashmir at 1749–1777 m altitude. The specimens are deposited in Kashmir Herbarium, University of Kashmir, Jammu & Kashmir (KASH). This has been published by Liyaqat Alia, Anzar Ahmad Khuroo, Aijaz H. Ganie & Debabrata Maity in Biology Bulletin 51: 814. 2024.

ऐस्ट्रागेलस इनकैनस एल. (फैबेसी)

पूर्वतः फ्रांस, स्पेन और अफ्रीका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3300 मीटर की ऊंचाई पर कारगिल, पनिखर, सुरू घाटी, लद्दाख से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप जैव विविधता अनुसंधान केंद्र, कारगिल परिसर, लद्दाख विश्वविद्यालय के पादपालय (LAD) में संगृहीत है। इसे मोहम्मद शबीर ने प्लिऑनि 18(2): 244. 2024 में प्रकाशित किया है।

Astragalus incanus L. (Fabaceae)

This species earlier known from France, Spain, Africa has been reported for the first time from India based on the collection made from Kargil, Panikhar, Suru valley, Ladakh at 3300 m altitude. The specimens are deposited in Herbarium of the Biodiversity Research Centre, Kargil Campus, University of Ladakh (LAD). This has been published by Mohd Shabir in Pleione 18(2): 244. 2024.

बीसिया डेल्टोफिला सी. वाई. वू (रैननकुलेसी)

पूर्वतः दक्षिण-पूर्वी तिब्बत से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सियांग में सिंगा से सितोमा तक 1500–2400 मीटर की ऊंचाई पर से तथा सितोमा से पेमाश्री तक 2370–4000 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इसे मानस भौमिक व गोपाल कृष्ण ने ताइवानिया 69(3): 419. 2024 में प्रकाशित किया है।

Beesia deltophylla C. Y. Wu (Ranunculaceae)

The species earlier known from SE. Tibet has been reported for the first time based on the collection made from Singa to Sitoma at 1500–2400 m altitude and from Sitoma to Pemashree at 2370–4000 m altitude, Upper Siang, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Manas Bhaumik & Gopal Krishna in Taiwania 69(3): 419. 2024.

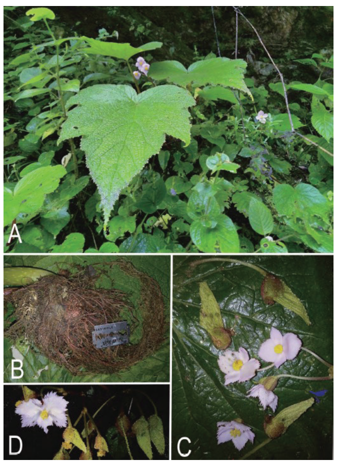

बिगोनिया मेन्चुनेन्सिस पी. ग्यालत्सेन व एम. ह्यूजेस (बिगोनिएसी)

पूर्वतः भूटान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार सिक्किम राज्य के नामची जिले के रयोंग में 2070 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालयन क्षेत्रीय केन्द्र, गंगटोक, सिक्किम (BSHC) में संगृहीत है। इसे प्रमोद राय, प्रकाश लिम्बू, पेमा ग्यालत्सेन भूटिया व मधुसूदन खनाल ने जे. जैप. बॉट. में 99(5): 340. 2024 प्रकाशित किया है।

Begonia menchunaensis P. Gyeltshen & M. Hughes (Begoniaceae)

The species earlier known from Bhutan has been reported for the first time based on the collection made from Rayoung, Namchi District, Sikkim at 2070 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok, Sikkim (BSHC). This has been published by Pramod Rai, Prakash Limboo, Pema Gyaltsen Bhutia & Madhusudhan Khanal in J. Jap. Bot. 99(5): 340. 2024.

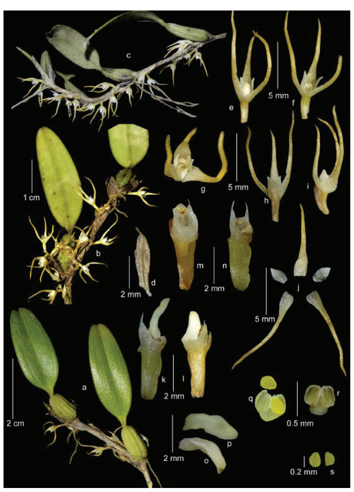

बल्बोफाइलम बेसिफ्लोरम एम. के. ली, जे. पी. डेंग व वाई. लुओ (ऑर्किडेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार अरुणाचल प्रदेश के साचुंग, पूर्वी कामेंग व सेसा आर्किड अभयारण्य, सेसा, पश्चिम कामेंग से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप आर्किड अनुसंधान केंद्र, टिपी, अरुणाचल प्रदेश (OHT) में संगृहीत है। आईयूसीएन के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को संकटापन्न (EN) की श्रेणी में रखा गया है। इसे जे. त्सेरिंग, के. चाउलू व पी. कुमार ने रीडिया 34(1): 62. 2024 में प्रकाशित किया है।

Bulbophyllum basiflorum M. K. Li, J. P. Deng & Y. Luo (Orchidaceae)

The species earlier known from China has been reported for the first time based on the collection made from Sachung, East Kameng and from Sessa Orchid Sanctuary, Sessa, West Kameng, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in Orchid Research Centre, Tipi, Arunachal Pradesh (OHT). The species is provisionally assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines. This has been published by J. Tsering, K. Chowlu & P. Kumar in Rheedea 34(1): 62. 2024.

क्राइसोस्प्लेनियम डेलवाइ फ्रैंचेट (सेक्सिफ्रैगेसी)

पूर्वतः चीन, चीन-ताइवान और म्यांमार से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार सिक्किम के ऊपरी चांदमारी, गंगटोक जिले से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे पी. राय, पी. लिम्बू व एम. खनाल ने रीडिया 34(3): 197. 2024 में प्रकाशित किया है।

Chrysosplenium delavyi Franchet (Saxifragaceae)

The species earlier known from China, China-Taiwan and Myanmar has been reported for the first time based on the collection made from Upper Chandmari, Gangtok District, Sikkim. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok, Sikkim (BSHC). This has been published by P. Rai, P. Limboo & M. Khanal in Rheedea 34(3): 197. 2024.

कोलियस गैलिएटस (वहल) बेंथ. (लैमिएसी)

पूर्वतः बोर्नियो, जावा, लेसर सुंडा द्वीप, फिलीपींस और सुमात्रा से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार ब्रह्मगिरी वन्यजीव अभयारण्य, कूर्ग, कर्नाटक के पास पूमाले एस्टेट, कक्काबे में 1095 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप फाउंडेशन ऑफ रिवाइटालाइजेशन ऑफ लोकल हेल्थ ट्रेडीशन, बेंगलुरु, कर्नाटक के पादपालय (FRLH) मे संगृहीत है। इसे एन. धत्चानमूर्ति, के. देवनाथन व एस. नूरुन्निसा बेगम ने नीलम्बो डीओआई: 10. 20324/नीलम्बो/वी66/2024/173373 में प्रकाशित किया है।

Coleus galeatus (Vahl) Benth. (Lamiaceae)

The species earlier known from Borneo, Jawa, Lesser Sunda Island, Philippines and Sumatera has been reported for the first time based on the collection made from Poomaale Estate, Kakkabe near Brahmagiri Wildlife Sanctuary, Coorg, Karnataka at 1095 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Foundation of Revitalisation of Local Health Tradition, Bengaluru, Karnataka (FRLH). This has been published by N. Dhatchanamoorthy, K. Devanathan & S. Noorunnisa Begum in Nelumbo DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/173373.

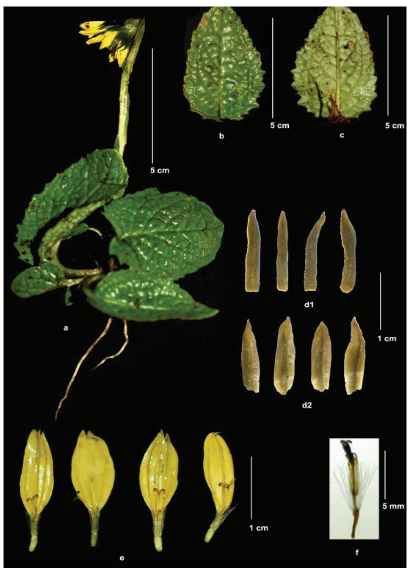

क्रीमेन्थोडियम नेपालेन्स किटाम. (ऐस्टेरेसी)

पूर्वतः नेपाल और चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार सिक्किम राज्य में उत्तरी सिक्किम की गुरुडोंगमार झील के रास्ते में 4370 मीटर ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सी. एस. आई. आर. -इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश (PLP) में संगृहीत है। इस प्रजाति को आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार अतिसंवेदनशील (VU) की श्रेणी में रखा गया है। इसे राहुल कुमार व विकास कुमार ने प्ला. साइ. टुडे 11(1): 79. 2024 में प्रकाशित किया है।

Cremanthodium nepalense Kitam. (Asteraceae)

The species earlier known from Nepal and China has been reported for the first time based on the collection made on way to Gurudongmar Lake, North Sikkim, Sikkim at 4370 m altitude. The specimens are deposited in CSIR-Institute of Himalayan Bioresource Technology, Palampur, Himachal Pradesh (PLP). The species is assessed as Vulnerable (VU) following IUCN guidelines. This has been published by Rahul Kumar & Vikas Kumar in Pl. Sci. Today 11(1): 79. 2024.

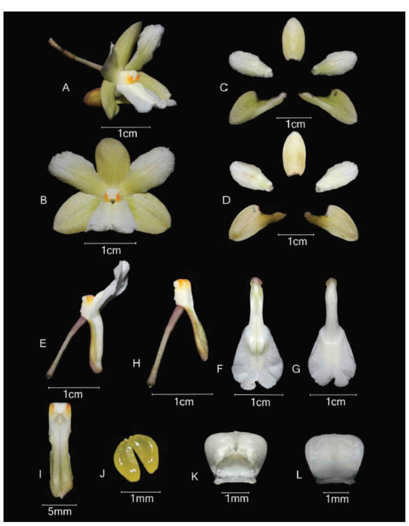

डेन्ड्रोबियम डेरी रिडल. (ऑर्किडेसी)

पूर्वतः प्रायद्वीपीय मलेशिया, सुमात्रा और बोर्नियो से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार असम के कार्बी आंगलोंग के हैमरेन से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप द ऑर्किड सोसाइटी ऑफ ईस्टर्न हिमालय, असम (TOSEHIM) के पादपालय में संगृहीत हैं। इसे ख्यानजीत गोगोई ने लंकेस्टरियाना 24(1): 34. 2024 में प्रकाशित किया है।

Dendrobium derryi Ridl. (Orchidaceae)

The species earlier known from Peninsular Malaysia, Sumatra and Borneo has been reported for the first time based on the collection made from Hamren, Karbi Anglong, Assam. The specimens are deposited in the herbarium of The Orchid Society of Eastern Himalaya, Assam (TOSEHIM). This has been published by Khyanjeet Gogoi in Lankesteriana 24(1): 34. 2024.

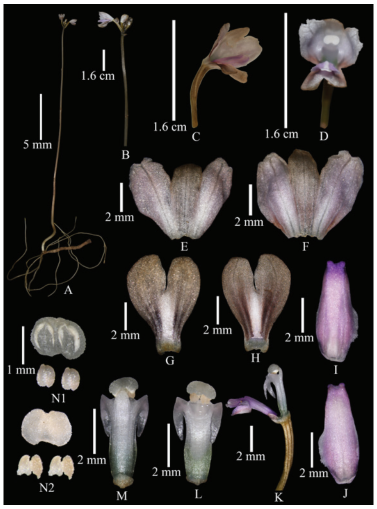

डिडाइमोप्लेक्सिएला सियामेन्सिस (रॉल्फ के बाद डाउनी) सीडेनफैडेन (ऑर्किडेसी)

पूर्वतः चीन (ताइवान सहित), थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया, वियतनाम और जापान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार सिक्किम के गंगटोक की रे वैली में 1024 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL), भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगटोक, सिक्किम (BSHC) एवं सिक्किम विश्वविद्यालय के पादपालय में संगृहीत हैं। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार इस प्रजाति को अति संकटापन्न श्रेणी (VU) में रखा गया है। इसे मधुसूदन खनाल, देवेंद्र कुमार, शुभदीप सरकार, संदीप रावत, रोहित दत्ता, संतोष कुमार राय व दिनेश कुमार अग्रवाला ने फेडस रेपर्ट. 135(3): 2. 2024 में प्रकाशित किया है।

Didymoplexiella siamensis (Rolfe ex Downie) Seidenfaden (Orchidaceae)

The species earlier known from China (including Taiwan), Thailand, Laos, Cambodia, Vietnam and Japan has been reported for the first time based on the collection made from Rey Valley, Gangtok, Sikkim at 1024 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok, Sikkim (BSHC) and in Sikkim University Herbarium. The species is assessed as Vulerable (VU) following IUCN guidelines. This has been published by Madhusudhan Khanal, Devendra Kumar, Shuvadip Sarkar, Sandeep Rawat, Rohit Dutta, Santosh Kumar Rai & Dinesh Kumar Agrawala in Feddes Repert. 135(3): 2. 2024.

एमिलिया फॉसबर्गियाइ निकोलसन (ऐस्टेरेसी)

पूर्वतः अर्जेंटीना, बहामास, बेलीज, बोलीविया, ब्राजील, कोलंबिया, कोस्टा रिका, क्यूबा, डोमिनिकन गणराज्य, इक्वाडोर, अल साल्वाडोर, फ्लोरिडा, फ्रेंच गुयाना, ग्वाटेमाला, गुयाना, हैती, होंडुरास, जमैका, लीवार्ड द्वीप, लुइसियाना, मैक्सिको, निकारागुआ, पनामा, पैराग्वे, पेरू, प्यूर्टो रिको, सूरीनाम, टेक्सास, त्रिनिदाद-टोबैगो, वेनेजुएला और विंडवार्ड द्वीप से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार मोराबाद, रांची, झारखंड में डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय परिसर के समीप से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इसे यशस्विनी राउत, मधुमिता पाल, जयंती जानकीरमन, जीवन सिंह जलाल व गोपाल कृष्ण ने इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री 47(2): 63. 2024 में प्रकाशित किया है।

Emilia fosbergii Nicolson (Asteraceae)

This species earlier known from Argentina, Bahamas, Belize, Bolivia, Brazil, Colombia, Costa Rica, Cuba, Dominican Republic, Ecuador, El Salvador, Florida, French Guiana, Guatemala, Guyana, Haiti, Honduras, Jamaica, Leeward Island, Louisiana, Mexico, Nicaragua, Panamá, Paraguay, Peru, Puerto Rico, Suriname, Texas, Trinidad-Tobago, Venezuela, Windward Island has been reported for the first time from India based on the collection made adjacent to DSPM University Campus, Morabad, Ranchi, Jharkhand. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Yasaswinee Rout, Madhumita Pal, Jayanthi Janakiraman, Jeewan Singh Jalal & Gopal Krishna in Indian Journal of Forestry 47(2): 63. 2024.

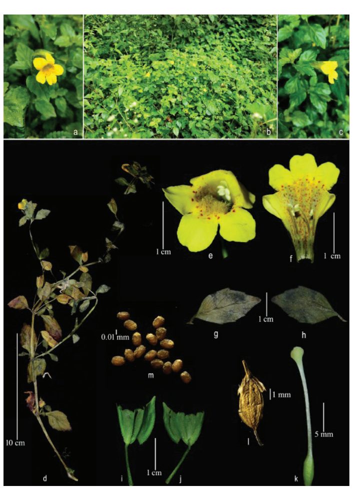

एरिथ्रेन्थे सिचुआनेन्सिस (वाई. वाई. पाइ) जी. एल. नेसॉम (फ्राइमेसी)

पूर्वतः चीन और नेपाल से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग के मंडला में 1895 मीटर ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश (ARUN) के पादपालय में संगृहीत हैं। इसे कृष्णा चाउलू, अक्षत शेनॉय व अजीत राय ने रीडिया 34(4): 222. 2024 में प्रकाशित किया है।

Erythranthe szechuanensis (Y. Y. Pai) G. L. Nesom (Phrymaceae)

The species earlier known from China and Nepal has been reported for the first time based on the collection made from Mandla, West Kameng, Arunachal Pradesh at 1895 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN). This has been published by Krishna Chowlu, Akshath Shenoy & Ajit Ray in Rheedea 34(4): 222. 2024.

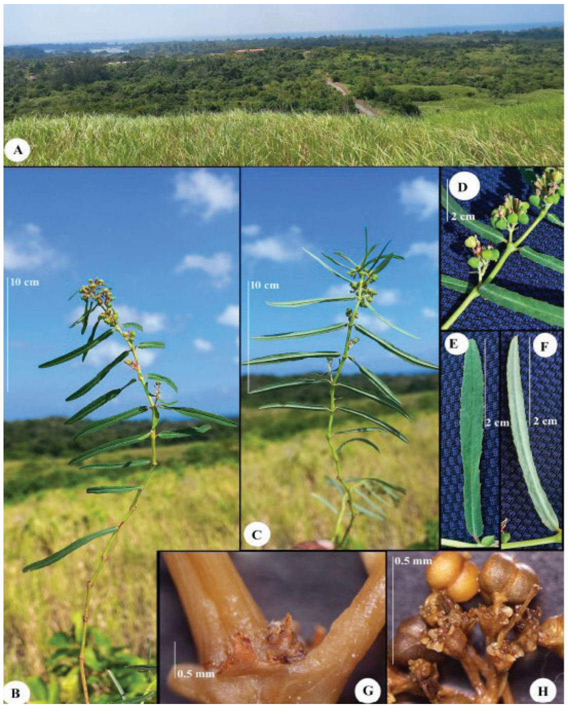

यूफॉर्बिया बाइफिडा हूक. व अर्न. (यूफॉर्बिएसी)

पूर्वतः दक्षिण-पूर्वी एशिया और आस्ट्रेलेशिया भौगोलिक क्षेत्रों से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से काकाना, कमोर्ता द्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान और निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार के पादपालय (PBL) में संगृहीत है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है। इसे मिडिगेसी अनिल कुमार, अरविंद ढोले, सरोजिनी देवी नायडु, महादेवकुमार एस., गौतम अनुज एक्का व लाल जी सिंह ने इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री 47(3): 159. 2024 में प्रकाशित किया है।

Euphorbia bifida Hook. & Arn. (Euphorbiaceae)

This species earlier known from Southeast Asia to Australasian geographical regions has been reported for the first time from India based on the collection made from Grasslands at Kakana Village, Kamorta Island, Andaman & Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair, Andaman and Nicobar Islands (PBL). The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines. This has been published by Midigesi Anil Kumar, Pankaj Arvind Dhole, Sarojini Devi Naidu, Mahadevakumar S., Gautam Anuj Ekka & Lal Ji Singh in Indian Journal of Forestry 47(3): 159. 2024.

फ्रिटिलेरिया क्रैसिकौलिस एस. सी. चेन (लिलिएसी)

पूर्वतः चीन और नेपाल से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3468 मीटर की ऊँचाई पर खेलिया किंग माउंटेन पीक, नोकलाक जिला, नागालैंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इसे शांतनु दे, लिमामनन फ़ोम, विडी जिंग, टेकामेरेन वालिंग, टोंगपांगकोकला चांग व गोपाल कृष्ण ने फेडेस रिपोर्ट 135: 354. 2024 में प्रकाशित किया है।

Fritillaria crassicaulis S. C. Chen (Liliaceae)

This species earlier known from China and Nepal has been reported for the first time from India based on the collection made from Khelia King Mountain Peak, Noklak District, Nagaland at 3468 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Santanu Dey, Limamanen Phom, Vidi Jing, Tekameren Walling, Tongpangkokla Chang & Gopal Krishna in Feddes Repert. 135: 354. 2024.

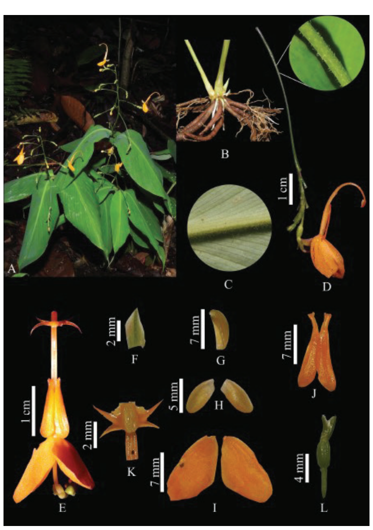

ग्लोब्बा रहमानियाइ यूसुफ़ (जिन्जिबेरेसी)

पूर्वतः बांग्लादेश से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार असम के कामरूप मेट्रो डीस्ट्रिक्ट की नीलाचल हिल्स में 250 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है । प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश (ARUN) के पादपालय में संगृहीत हैं। इसे रोहन मैती, अक्षत शेनॉय, सुधांशु शेखर दास व आशीष कुमार सोनी ने नीलम्बो 66(1): 62. 2024 में प्रकाशित किया है।

Globba rahmanii Yusuf (Zingiberaceae)

The species earlier known from Bangladesh has been reported for the first time based on the collection made from Nilachal Hills, Kamrup Metro District, Assam at 250 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN). This has been published by Rohan Maity, Akshath Shenoy, Sudhansu Sekhar Dash & Ashish Kumar Soni in Nelumbo 66(1): 62. 2024.

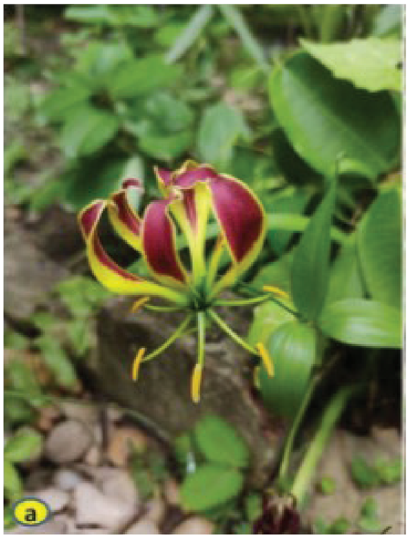

ग्लोरिओसा सिम्प्लेक्स एल. (कॉल्चिकेसी)

पूर्वतः उष्णकटिबंधीय अफ्रीकी देशों जैसे अंगोला, बोत्सवाना, बुरुंडी, कैमरून, चाड, कांगो, इथियोपिया, गैबॉन, गाम्बिया, घाना, आइवरी कोस्ट, केन्या, लीबेरिया, मेडागास्कर, मलावी, माली, मोजाम्बिक, नामीबिया, नाइजर, नाइजीरिया, रवांडा, सेनेगल, सोमालिया, सूडान, तंजानिया, युगांडा, जाम्बिया और जिम्बाब्वे से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार औषधीय पादप अनुभाग, आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल(CAL) में संगृहीत है। इसे एस. पी. पांडा, तितिर साहा, सत्यम दासगुप्ता, आर. डी. बर्मन, एस. के. अर्जुन, रवि प्रसाद व देवेंद्र सिंह ने वेजिटोस 37: 1843. 2024 में प्रकाशित किया है।

Gloriosa simplex L. (Colchicaceae)

The species earlier known from tropical African countries *viz.* Angola, Botswana, Burundi, Cameroon, Chad, Congo, Ethiopia, Gabon, Gambia, Ghana, Ivory Coast, Kenya, Liberia, Madagascar, Malawi, Mali, Mozambique, Namibia, Niger, Nigeria, Rwanda, Senegal, Somalia, Sudan, Tanzania, Uganda, Zambia and Zimbabwe has been reported for the first time based on the collection made from Medicinal Plant Section, Acharya Jagadish Chandra Bose Indian Botanic Garden, Howrah, West Bengal. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by S. P. Panda, Titir Saha, Sattom Dasgupta, R. D. Barman, S. K. Arjun, Ravi Prasad & Devendra Singh in Vegetos 37: 1843. 2024.

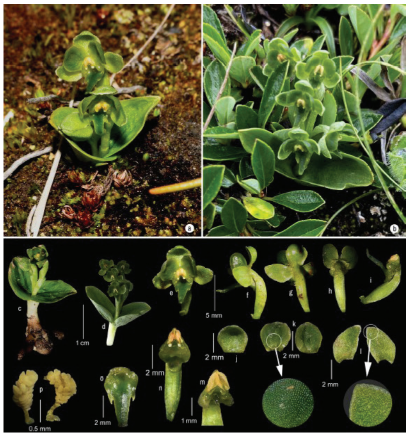

हर्मिनियम ह्यमिडिकोला (के. वाई. लैंग व डी. एस. डेंग) एक्स. एच. जिन, शूट., रस्कोटी व एल. क्यू. हुआंग (ऑर्किडेसी)

पूर्वतः चीन (गांसू, किंघाई, तिब्बत) से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार अरुणाचल प्रदेश के तवांग के बुलमा दर्रे से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है । प्रतिरूप आर्किड अनुसंधान केंद्र, टिपी, अरुणाचल प्रदेश (OHT) में संगृहीत है। इसे जे. त्सेरिंग, पी. एस. कुशवाहा व ए. भट्टाचार्जी ने रीडिया 34(2): 132. 2024 में प्रकाशित किया है।

Herminium humidicola (K. Y. Lang & D. S. Deng) X. H. Jin, Schuit., Raskoti & L. Q. Huang (Orchidaceae)

The species earlier known from China (Gansu, Qinghai, Tibet) has been reported for the first time based on the collection made from Bulma Pass, Tawang, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in Orchid Research Centre, Tipi, Arunachal Pradesh (OHT). This has been published by J. Tsering, P. S. Kushwaha & A. Bhattacharjee in Rheedea 34(2): 132. 2024.

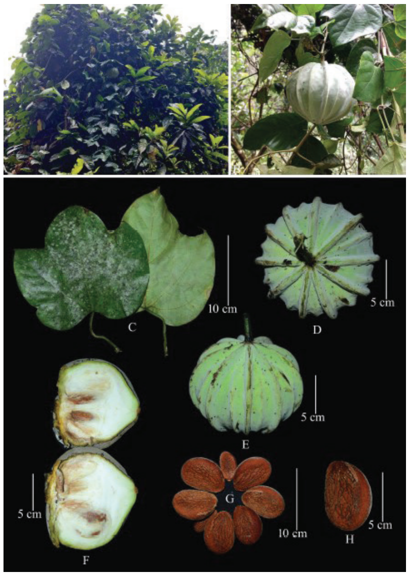

हॉजसोनिया त्साई जे. वाई. शेन, एक्स. डी. मा, डब्ल्यू. जी. वांग व बी. पन्बिस (कुकुरबिटेसी)

पूर्वतः चीन और म्यांमार से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार अरुणाचल प्रदेश के पक्के केसांग जिले के रिलोह गांव के पास 1420 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश (ARUN) के पादपालय में संगृहीत है। इसे कृष्णा चाइलू, अक्षत शेनॉय, अजीत राय, सुमन हलदर, सुधांशु शेखर दास व अल्ताफ अहमद कबीर ने नीलम्बो 66(1): 128. 2024 में प्रकाशित किया है।

Hodgsonia tsaii J. Y. Shen, X. D. Ma, W. G. Wang & B. Panbis (Cucurbitaceae)

The species earlier known from China and Myanmar has been reported for the first time based on the collection made near Rilloh village, Pakke Kessang District, Arunachal Pradesh at 1420 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN). This has been published by Krishna Chowlu, Akshath Shenoy, Ajit Ray, Suman Halder, Sudhansu Sekhar Dash & Althaf Ahamed Kabeer in Nelumbo 66(1): 128. 2024.

हाइड्रोकोटाइल वर्टिसिलेटा थनब. (एपिएसी)

उत्तर और दक्षिण अमेरिका की इस देशीय प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार बजबज, दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अस्थायी तौर पर अल्प संकटग्रस्त (LC) श्रेणी में रखा गया है। इसे अनिर्बन राय व रिजुपालिका राय ने इंडियन फॉरेस्टर 150(11): 1118. 2024 में प्रकाशित किया है।

Hydrocotyle verticillata Thunb. (Apiaceae)

This species native of North and South America has been reported for the first time from India based on the collection made from Budge-budge, South 24 Parganas, West Bengal. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The species is assessed as Least Concern (LC) following IUCN guidelines. This has been published by Anirban Roy & Rijupalika Roy in Indian Forester 150(11): 1118. 2024.

आइरिस लीवीगाटा फिश. (इरीडेसी)

पूर्वतः अमूर, बुरातिया, चीन उत्तर-मध्य, चीन दक्षिण-मध्य, चिता, इरकुत्स्क, जापान, खाबरोवस्क, कोरिया, कुरील द्वीप, मंचूरिया, प्रिमोरी, सखालिन और याकुतस्किया से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 782 मीटर की ऊँचाई पर लाम्फेलपट, इम्फाल में इपाथोकोक के खेत से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-उत्तर पूर्व विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, शाखा प्रयोगशाला, लाम्फेलपट, इम्फाल, मणिपुर के पादपालय और भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (ASSAM) के पादपालय में संगृहीत हैं। इसे हुइड्रोम बिरकुमार सिंह व आशिहो ए. माओ ने इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज 23(1): 35. 2024 में प्रकाशित किया है।

Iris laevigata Fisch. (Iridaceae)

This species earlier known from Amur, Buryatiya, China North-Central, China South-Central, Chita, Irkutsk, Japan, Khabarovsk, Korea, Kuril Island, Manchuria, Primorye, Sakhalin, Yakutskiya has been reported for the first time from India based on the collection made from farm of the Ipathoukok, Lamphelpat, Imphal at 782 m altitude. The specimens are deposited at the herbarium of CSIR-NEIST, Branch Laboratory, Lamphelpat, Imphal, Manipur and in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). This has been published by Huidrom Birkumar Singh & Ashiho A. Mao in Indian Journal of Traditional Knowledge 23(1): 35. 2024.

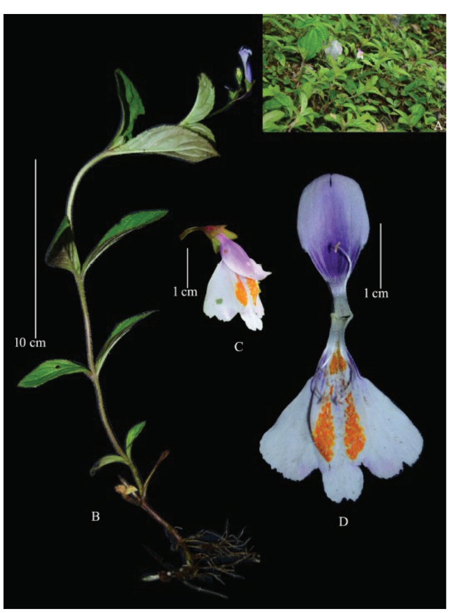

मैजस मोटुओएन्सिस डब्ल्यू. बी. जू, बो जू बिस व एक्स. एफ. गाओ (मैजेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार हुनली, लोअर दिबांग घाटी जिला, अरुणाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश (ARUN) में संगृहीत है। इसे कृष्णा चाउलू, रोहन मैती, अजीत रे व कादर अल्ताफ अहमद कबीर ने इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री 47(2): 115. 2024 में प्रकाशित किया है।

Mazus motuoensis W. B. Ju, Bo Xu bis & X. F. Gao (Mazaceae)

This species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Hunli, Lower Dibang Valley District, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited at Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN). This has been published by Krishna Chowlu, Rohan Maity, Ajit Ray & Kadher Althaf Ahamed Kabeer in Indian Journal of Forestry 47(2): 115. 2024.

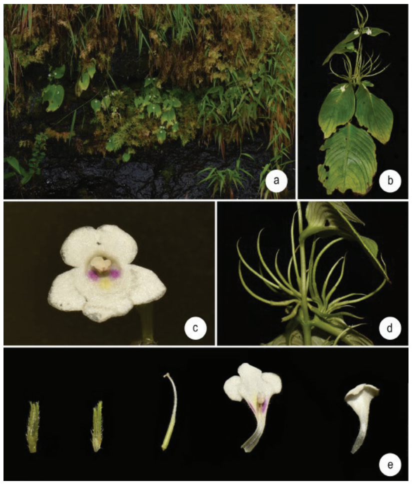

माइक्रोकाइरिटा काराकेटी डी. जे. मिडलटन व ट्राइबॉन (जेस्नीरिएसी)

पूर्वतः उत्तरी थाईलैंड और म्यांमार से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले के क्यिनरेम झरना में 928 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश (BHPL) के पादपालय में संगृहीत है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है। इसे रुथुपर्णा एस. बी. व वी. गौड़ा ने रीडिया 34(1): 40. 2024 में प्रकाशित किया है।

Microchirita karaketii D. J. Middleton & Triboun (Gesneriaceae)

The species earlier known from Northern Thailand and Myanmar has been reported for the first time based on the collection made from Kynrem Falls, East Khasi Hills District, Meghalaya at 928 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Indian Institute of Science Education and Research, Bhopal, Madhya Pradesh (BHPL). The species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines. This has been published by Rhuthuparna S. B. & V. Gowda in Rheedea 34(1): 40. 2024.

म्यूक्यूना चैम्पियनियाइ बेन्थ. (फैबेसी)

पूर्वतः हांगकांग से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार मेलघाट, अमरावती जिला, महाराष्ट्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप MPCC में संगृहीत है। इसे सागर शिंदे, जगताप सुरेश, देवकुले सुभाष, मुंगीकर राहुल व अथोइबा सिंह ने इको. एन्व. एंव. कंज. 30(1): 412. 2024 में प्रकाशित किया है।

Mucuna championii Benth. (Fabaceae)

This species earlier known from Hong Kong has been reported for the first time from India based on the collection made from Melghat, Amravati District, Maharashtra. The specimens are deposited in MPCC. This has been published by Sagar Shinde, Jagtap Suresh, Deokule Subhash, Mungikar Rahul & Athoiba Singh in Eco. Env. & Cons. 30(1): 412. 2024.

निओटिया बाइकैलोसा एक्स. एच. जिन (ऑर्किडेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार दिबांग घाटी, अरुणाचल प्रदेश में अल्पाइन घास के मैदान से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप MPCC में संगृहीत है। इसे विकास कुमार व राहुल कुमार ने वेजिटोस डीओआई: https://doi. org/10. 1007/s42535-024-00963-8 में प्रकाशित किया है।

Neottia bicallosa X. H. Jin (Orchidaceae)

This species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from alpine meadows of Dibang Valley, Arunachal Pradesh. This has been published by Vikas Kumar & Rahul Kumar in Vegetos DOI: https://doi. org/10. 1007/s42535-024-00963-8.

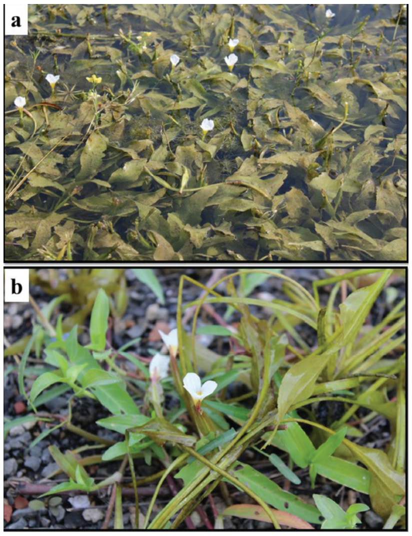

ओटेलिया अल्विफोलिया (प्लैंचोन) वाल्पर्स (हाइड्रोकैरीटेसी)

उष्णकटिबंधीय और दक्षिणी अफ्रीका तथा मेडागास्कर की इस स्थानीय प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार मोती झरना, साहिबगंज जिला, झारखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन पादपालय, हरिद्वार, उत्तराखंड (PRFH) में संगृहीत है। इसे आचार्य बालकृष्ण, भास्कर जोशी, वेद प्रिया आर्या, राजेश कुमार मिश्र, अनुपम श्रीवास्तव, अमित कुमार, इनाम मोहम्मद व रमेश कुमार ने रिचार्डियाना 8: 101. 2024 में प्रकाशित किया गया है।

Ottelia ulvifolia (Planchon) Walpers (Hydrocharitaceae)

This species native to Tropical & S. Africa, Madagascar has been reported for the first time from India based on the collection made from Moti Jharna, Sahibganj District, Jharkhand. The specimens are deposited in Patanjali Research Foundation Herbarium, Haridwar, Uttarakhand (PRFH). This has been published by Acharya Balkrishna, Bhasker Joshi, Ved Priya Arya, Rajesh Kumar Mishra, Anupam Srivastava, Amit Kumar, Inam Mohammed & Ramesh Kumar Richardiana 8: 101. 2024.

ऑक्सिट्रॉपिस गुन्टेन्सिस बी. फेडत्स. (फैबेसी)

पूर्वतः किर्गिज़स्तान और ताजिकिस्तान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार लाहौल और स्पीति जिला, हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग इलाकों से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे एल. बी. चौधरी, एम. संजप्पा व प्रशांत के. पुसलकर ने नीलम्बो डीओआई: 10. 20324/नीलम्बो/वी66/2024/173454 में प्रकाशित किया है।

Oxytropis guntensis B. Fedtsch. (Fabaceae)

This species earlier known from Kyrgyzstan and Tajikistan has been discovered from India based on the collection made from different locations of Lahaul-Spiti, Himachal Pradesh. The specimens are deposited at in the herbarium of CSIR National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by L. B. Chaudhary, M. Sanjappa & Prashant K. Pusalkar in Nelumbo DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/173454.

ऑक्सिट्रॉपिस कांसुएन्सिस बंज (फैबेसी)

पूर्वतः चीन और नेपाल से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार सिक्किम के अलग-अलग इलाकों से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) और रॉयल बॉटेनिक गार्डे,, कियू, इंग्लैंड (K) में संगृहीत है। इसे एल. बी. चौधरी, एम. संजप्पा व प्रशांत के. पुसलकर ने नीलम्बो डीओआई: 10. 20324/नीलम्बो/वी66/2024/173454 में प्रकाशित किया है।

Oxytropis kansuensis Bunge (Fabaceae)

This species earlier known from China and Nepal has been discovered from India based on the collection made from different locations of Sikkim. The specimens are deposited in the Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL) and in Royal Botanic Garden, Kew, England, United Kingdom (K). This has been published by L. B. Chaudhary, M. Sanjappa & Prashant K. Pusalkar in Nelumbo DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/173454.

ऑक्सिट्रॉपिस मैलोर्याना डन (फैबेसी)

पूर्वतः चीन और नेपाल से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार 15000 फीट की ऊंचाई पर कश्मीर (शक्सगाम घाटी), खारदुंग ला घाटी (वर्तमान में लद्दाख संघशासित प्रदेश में) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप रॉयल बॉटेनिक गार्डे, कियू, इंग्लैंड (K) में संगृहीत है। इसे एल. बी. चौधरी, एम. संजप्पा व प्रशांत के. पुसलकर ने नीलम्बो डीओआई: 10. 20324/नीलम्बो/वी66/2024/173454 में प्रकाशित किया है।

Oxytropis malloryana Dunn (Fabaceae)

This species earlier known from China and Nepal has been discovered from India based on the collection made from Kashmir (Shaksgam Expedition), North Khardong valley (presently in Union Territory of Ladakh) at 15000 ft. altitude. The specimens are deposited in Royal Botanic Garden, Kew, England, United Kingdom (K). This has been published by L. B. Chaudhary, M. Sanjappa & Prashant K. Pusalkar in Nelumbo DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/173454.

ऑक्सिट्रॉपिस मेलेनोकैलिक्स बंज (फैबेसी)

पूर्वतः चीन और मंगोलिया से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार सिक्किम के अलग-अलग इलाकों से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) और रॉयल बॉटेनिक गार्डेन, कियू, इंग्लैंड (K) में संगृहीत है। इसे एल. बी. चौधरी, एम. संजप्पा व प्रशांत के. पुसलकर ने नीलम्बो डीओआई: 10. 20324/नीलम्बो/वी66/2024/173454 में प्रकाशित किया है।

Oxytropis melanocalyx Bunge (Fabaceae)

This species earlier known from China and Mongolia has been discovered from India based on the collection made from different locations of Sikkim. The specimens are deposited in the Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL) and in Royal Botanic Garden, Kew, England, United Kingdom (K). This has been published by L. B. Chaudhary, M. Sanjappa & Prashant K. Pusalkar in Nelumbo DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/173454.

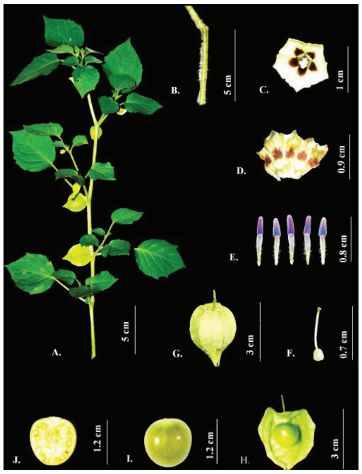

फाइसेलिस प्यूबीसेन्स एल. (सोलैनेसी)

उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय अमेरिका इस देशीय प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार उत्तर 24-परगना जिला, पश्चिम बंगाल में गस्तिया और बादु से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) और राहारा आर. के. एम. कॉलेज के पादपालय में संगृहीत है। इसे संबित चौधरी, टी. के. पाल व ए. पी. दास ने प्लिऑनि 18(2): 235. 2024 में प्रकाशित किया है।

Physalis pubescens L. (Solanaceae)

This species native of tropical and subtropical America has been reported for the first time from India based on the collection made from Gustia and Badu, North 24-parganas District, West Bengal. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL) and in Rahara R. K. M. College Herbarium. This has been published by Sambit Chowdhury, T. K. Paul & A. P. Das in Pleione 18(2): 235. 2024.

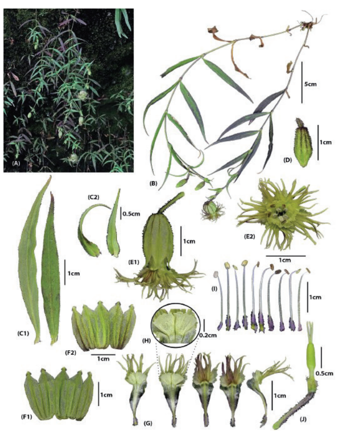

सिलीन होल्स्टीफोलिआ बोक्केट व केटर (कैरियोफिलेसी)

पूर्वतः चीन और जापान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार सिक्किम के अलग-अलग इलाकों में अर्थात 3200 मीटर की ऊंचाई पर मेनला से नीचे 13 मील और कार्पोनांग और क्योंगनोसला उच्चपर्वतीय अभयारण्य से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगटोक, सिक्किम (BSHC) के पादपालय में संगृहीत है। इसे नोरबू शेरपा, गीतामनी छेत्री, जे. एच. फ्रैंकलिन बेंजामिन, निवेदिता दास व राजीव गोगोई ने नीलम्बो डीओआई: 10. 20324/नीलम्बो/वी66/2024/173402 में प्रकाशित किया है।

Silene holosteifolia Bocquet & Chater (Caryophyllaceae)

This species earlier known from China and Nepal has been discovered from India based on the collection made from different locations of Sikkim *viz.* 13th Mile and Karponang, below Menla at 3200 m altitude; Kyongnosla Alpine Sanctuary. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok, Sikkim (BSHC). This has been published by Norbu Sherpa, Geetamani Chhetri, J. H. Franklin Benjamin, Nibedita Das & Rajib Gogoi in Nelumbo DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/173402

स्माइलेक्स बोर्नीन्सिस ए. डी. सी. (स्माइलैकेसी)

पूर्वतः बोर्नियो से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिले के किमिन से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम (GUBH) के पादपालय में संगृहीत है। इसे किशोर डेका, सागरिका दास व भाबेन तांती ने जे. थ्रेट. टैक्सा 16(3): 25004. 2024 में प्रकाशित किया है।

Smilax borneensis A. DC. (Smilacaceae)

The species earlier known from Borneo has been reported for the first time based on the collection made from Kimin, Papum Pare District, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in the herbarium of Gauhati University, Guwahati, Assam (GUBH). This has been published by Kishor Deka, Sagarika Das & Bhaben Tanti in J. Threat. Taxa 16(3): 25004. 2024.

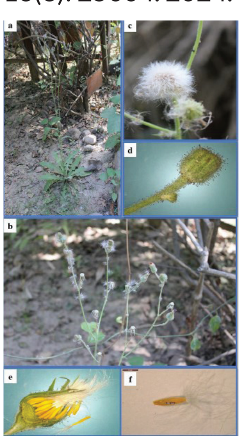

सोनचस पैलूस्ट्रिस लिनिअस (ऐस्टेरेसी)

यूरोप से पश्चिमी साइबेरिया और ईरान की इस स्थानीय प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार शांतरशाह, हरिद्वार जिला, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन पादपालय, हरिद्वार, उत्तराखंड (PRFH) में संगृहीत है। इसे आचार्य बालकृष्ण, भास्कर जोशी, राजेश कुमार मिश्र, अनुपम श्रीवास्तव, अमित कुमार, इनाम मोहम्मद व रमेश कुमार ने रिचार्डियाना 8: 67. 2024 में प्रकाशित किया गया है।

Sonchus palustris Linnaeus (Asteraceae)

This species native to Europe to west Siberia, Iran has been reported for the first time from India based on the collection made from Shantarshah, Haridwar District, Uttarakhand. The specimens are deposited in Patanjali Research Foundation Herbarium, Haridwar, Uttarakhand (PRFH). This has been published by Acharya Balkrishna, Bhasker Joshi, Rajesh Kumar Mishra, Anupam Srivastava, Amit Kumar, Inam Mohammed & Ramesh Kumar in Richardiana 8: 67. 2024.

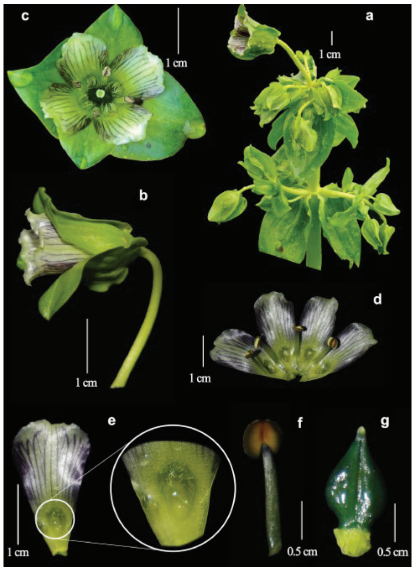

स्वर्शिया स्यूडोहूकरी हैरी स्मि. (जेन्शिएनेसी)

पूर्वतः भूटान और नेपाल से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार अरुणाचल प्रदेश के तवांग में 4103 मीटर ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-उत्तर पूर्व विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, जोरहाट, असम (CSIR-NEIST) में संगृहीत है। इसे बी. हाजोंग व पी. भराली ने रीडिया 34(1): 51. 2024 में प्रकाशित किया है।

Swertia pseudohookeri Harry Sm. (Gentianaceae)

The species earlier known from Bhutan and Nepal has been reported for the first time based on the collection made from Tawang, Arunachal Pradesh at 4103 m altitude. The specimens are deposited in CSIR-North East Institute of Science and Technology, Jorhat, Assam (CSIR-NEIST). This has been published by B. Hajong & P. Bharali in Rheedea 34(1): 51. 2024.

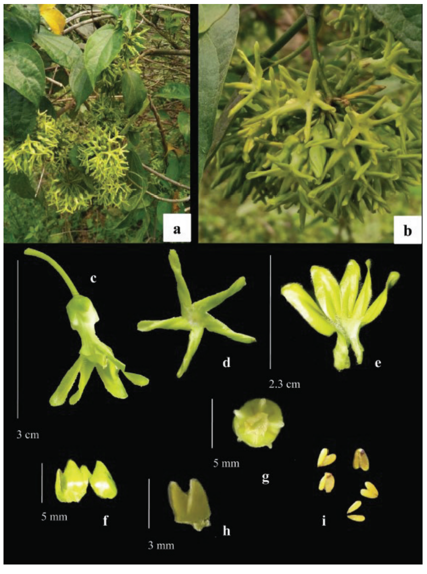

टेलोस्मा प्रोकम्बेन्स (ब्लैंको) मेर. (ऐपोसाइनेसी)

पूर्वतः चीन, फिलीपींस और वियतनाम से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार असम के तिनसुकिया जिले के तिनसुकिया शहर से दुलियाजान की ओर 10 कि. मी. दक्षिण-पश्चिम में सड़क के किनारे से किए गए संग्रह के आधार किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, शिलांग, मेघालय (ASSAM) में संगृहीत है। इसे पी. सी. नाथ व के. पगाग ने रीडिया 34(3): 201. 2024 में प्रकाशित किया है।

Telosma procumbens (Blanco) Merr. (Apocynaceae)

The species earlier known from China, Philippines and Vietnam has been reported for the first time based on the collection made 10 km south-west of Tinsukia town towards Duliajan on the roadside, Tinsukia District, Assam. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). This has been published by P. C. Nath & K. Pagag in Rheedea 34(3): 201. 2024.

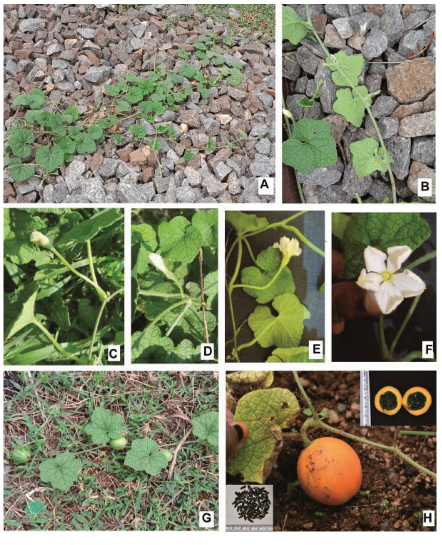

ट्राइकोसेन्थीज स्कैब्रा लौर. (कुकरबिटेसी)

पूर्वतः चीन, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, प्रायद्वीपीय मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, श्रीलंका, थाईलैंड और वियतनाम से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 26 मीटर की ऊँचाई पर एर्नावुर, तिरुवोत्रियर, चेन्नई जिला, तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप AMSL, CAL, MH, NHCP में संगृहीत हैं। इसे के. प्रदीप व वी. एस. रामचंद्रन ने जे. इकोन. टैक्सोन. बॉट. 48(3): 139. 2024 में प्रकाशित किया है।

Trichosanthes scabra Lour. (Cucurbitaceae)

This species earlier known from China, Cambodia, Indonesia, Laos, Peninsular Malaysia, Myanmar, Philippines, Sri Lanka, Thailand, Vietnam has been reported for the first time from India based on the collection made from Ernavur, Tiruvottriyur, Chennai District, Tamil Nadu at 26 m altitude. The specimens are deposited in AMSL, CAL, MH and NHCP. This has been published by K. Pradheep & V. S. Ramachandran in J. Econ. Taxon. Bot. 48(3): 139. 2024.

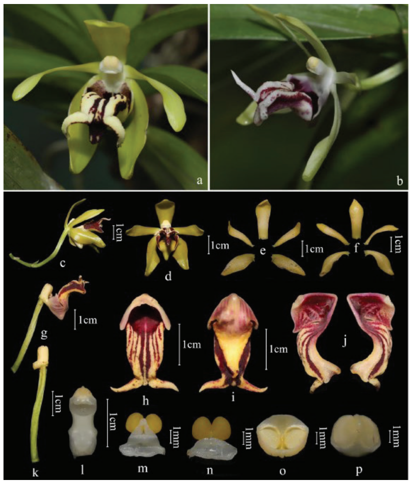

वैन्डा लॉन्गिटेपाला डी. एल. रॉबर्ट्स, एल. एम. गार्डिनर व मोट्स (ऑर्किडेसी)

पूर्वतः म्यांमार से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार अरुणाचल प्रदेश के लोअर दिबांग घाटी जिले की मिश्मी हिल्स में 1000 से 1200 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप द ऑर्किड सोसाइटी ऑफ ईस्टर्न हिमालय, असम (TOSEHIM) के पादपालय में संगृहीत है। इसे के. गोगोई, पी. मेगा व आर. सोनोवाल ने रीडिया 34(1): 56. 2024 में प्रकाशित किया है।

Vanda longitepala D. L. Roberts, L. M. Gardiner & Motes (Orchidaceae)

The species earlier known from Myanmar has been reported for the first time based on the collection made from Mishmi Hills, Lower Dibang Valley District, Arunachal Pradesh at 1000 to 1200 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of The Orchid Society of Eastern Himalaya, Assam (TOSEHIM). This has been published by K. Gogoi, P. Mega & R. Sonowal in Rheedea 34(1): 56. 2024.

प्रभेदगत अभिलेख / VARIETAL RECORDS

पोआ डायफोरा प्रभेद **ऐल्पाइना** (बोइश.) सोरेंज, कैबी व एल. जी. गिलेस्पी (पोएसी)

इस प्रभेद का वर्णन भारत से पहली बार स्पीति घाटी, हिमाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे संगम शर्मा, दिलेश्वर प्रसाद, शुभम जायसवाल व प्रियंका अग्निहोत्री ने नॉर्डिक जे. बॉट. 2024(1)-ई04179: 2. 2024 में प्रकाशित किया है।

Poa diaphora var. **alpina** (Boiss.) Soreng, Cabi & L. J. Gillespie (Poaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made from Spiti Valley, Himachal Pradesh. This has been published by Sangam Sharma, Dileshwar Prasad, Shubham Jaiswal, Priyanka Agnihotri in Nordic J. Bot. 2024(1)-e04179: 2. 2024.

पर्णांग / PTERIDOPHYTES

Dryopteris dibangensis C.Chanda & Fraser-Jenk

Courtesy: C. Chanda

पर्णांग | PTERIDOPHYTES

पर्णांग (टेरिडोफाइटस) विभिन्न प्रकार के प्रकृतवासों में पाए जाते हैं। पुष्पीय पौधों के लिए प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियों में भी पर्णांग (टेरिडोफाइटस) प्राय: सफलतापूर्वक वास कर पाते हैं। भारतीय वनस्पतिजात में पर्णांग लगभग 2. 36 प्रतिशत हैं। अब तक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारतीय पर्णांगों की लगभग 1325 प्रजातियां हैं। इस क्रमवार सार-संग्रह में वर्ष 2024 के दौरान, भारत से विज्ञान के लिए नवीन अन्वेषण के रूप में अरुणाचल प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश से 03 नवीन प्रजातियों और गुजरात से 01 प्रभेद को संकलित किया गया है।

Ferns and fern-allies (Pteridophytes) live in a wide variety of habitats and often succeed in places where environmental factors discourage growth of flowering plants. The Indian ferns account for about 2. 36 per cent of the total Indian flora. In the present state of our knowledge India has about 1325 species of ferns and fern-allies. The collated information presented here for the year 2024 includes 03 new pteridophyte species discovered from Arunachal Pradesh, Gujarat and Madhya Pradesh while 01 new variety of pteridophyte discovered from Gujarat.

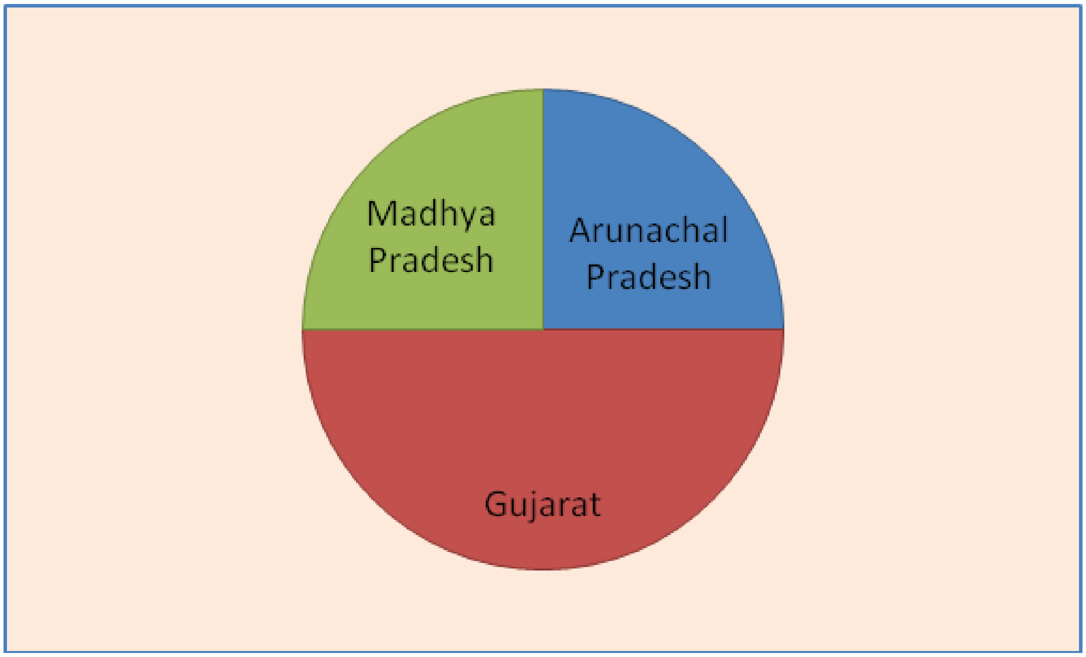

भारतीय राज्य एवं संघ-क्षेत्रों से अन्वेषित पर्णांगों की संख्या
NUMBER OF PTERIDOPHYTES DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs.

नवीन अन्वेषण / NEW DISCOVERIES

नवीन प्रजातियां / NEW SPECIES

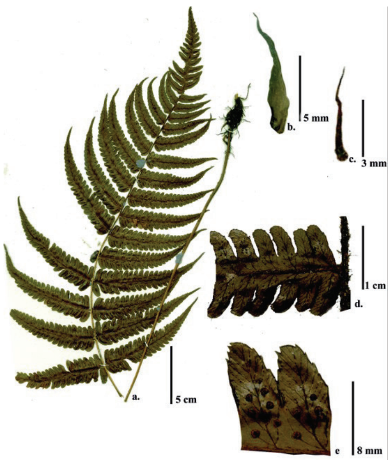

ड्राइयोप्टेरिस दिबांगेन्सि सी. चंदा व फ्रेजर-जेंक, इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री 47(1): 58. 2024 (ड्राइयोप्टेरीडेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन दिबांग वन्यजीव अभयारण्य, दिहांग-दिबांग बायोस्फीयर रिजर्व, दिनांग घाटी जिला, अरुणाचल प्रदेश में मिपी से चुलापानी के बीच किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और अपरप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर के पादपालय (ARUN) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्तिस्थल अरुणाचाल प्रदेश के 'दिबांग घाटी' के नाम पर आधारित है।

Dryopteris dibangensis C. Chanda & Fraser-Jenk., Indian Journal of Forestry 47(1): 58. 2024 (Dryopteridaceae)

The species has been discovered and described based on the collection made from Mipi to Chulapani, Dibang Wild Life Sanctuary, Dihang-Dibang Biosphere Reserve, Dinang Valley District, Arunachal Pradesh. The holotype and paratype are deposited in Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN). The specific epithet 'dibangensis' has been given after the name of the district of Dibang Valley, from where the species was discovered.

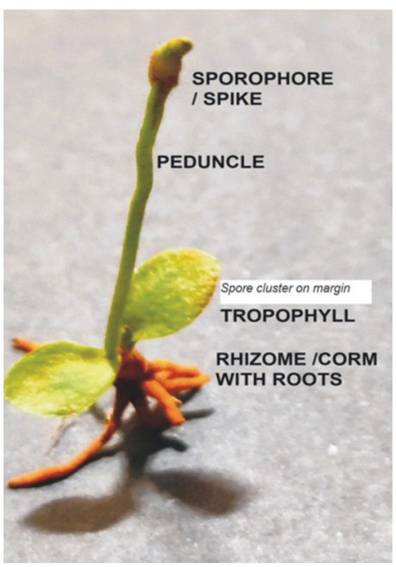

गोस्वामिया बायोस्पोरा वैद्य, रविया व एच. के. गोस्वामी, इंडियन फर्न. जे. 41(1): 108. 2024 (ओफिओग्लैसेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन गिरनार वन्यजीव अभयारण्य, जूनागढ़ जिला, गुजरात से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्वविद्यालय, खड़िया, जूनागढ़, गुजरात के जीव विज्ञान विभाग के पादपालय में तथा समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और रॉयल बॉटेनिक गार्डेन्स, कियू, इंग्लैंड के पादपालय (K) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके गोलाकार प्रकंद और मोटे जड़ों की विशिष्टता पर आधारित है।

Goswamia bispora Vadhiya, Raviya & H. K. Goswami, Indian Fern J. 41(1): 108. 2024 (Ophioglassacaeae)

The species has been discovered and described based on the collection made from Girnar Wildlife Sanctuary, Junagarh District, Gujarat. The holotype is deposited in Herbarium, Department of Life Sciences, Bhakta Kavi Narsinh Mehta University, Khadiya, Junagadh, Gujarat and Isotypes are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL) and Herbarium, Royal Botanic Gardens, Kew, England, United Kingdom (K). The species name is after its round globular rhizome and thick roots as feature of the genus Goswamia Zhang & Zhang and possession of two types of spores on the leaf margins as well as within the sporangia of sporophores of the same plant.

आइसोइटीज भीमियाइ एम. पटेल व एच. के. गोस्वामी, इंडियन फर्न. जे. 41(2): 26. 2024 (आइसोइटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन भीमबेटका क्षेत्र, भोपाल, मध्य प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप बायोनेचुरलिस्ट्स, भोपाल, मध्य प्रदेश और समप्ररूप बापालाळ वैद्य वनस्पति अनुसंधान केंद्र, जीव विज्ञान विभाग, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत, गुजरात के पादपालयों में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्तिस्थल विश्व के पुरातत्वीय महत्व वाले धरोहर स्थल मध्य प्रदेश के 'भीमबेटका' के नाम पर आधारित है।

Isoetes bhimii M. Patel & H. K. Goswami, Indian Fern J. 41(2): 26. 2024 (Isoetaceae)

The species has been discovered and described based on the collection made from Bheembetka Area, Bhopal District, Madhya Pradesh. The holotype is deposited in Herbarium of Society of Bionaturalists, Bhopal, Madhya Pradesh and isotype is in Bapalal Vaidya Botanical Research Centre, Department of Biosciences, Veer Narmad South Gujarat University, Surat, Gujarat. The species name is after the type locality Bhimbetka, a world heritage of archaeological importance.

नवीन प्रजातियां / NEW SPECIES

आइसोइटीज पंतियाइ प्रभेद **जयदीपियाइ** एम. पटेल, एम. एन. रेड्डी व एच. के. गोस्वामी, इंडियन फर्न. जे. 41(2): 26. 2024 (आइसोइटेसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन डांग जिला, गुजरात में डॉन हिल स्टेशन के पास कोडमल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप बापालाळ वैद्य वनस्पति अनुसंधान केंद्र, जीव विज्ञान विभाग, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत, गुजरात के पादपालय में संगृहीत है। इस प्रभेद का नामकरण पर्णांग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए जयदीप मजूमदार के सम्मान में किया गया है।

Isoetes pantii var. **jaideepii** M. Patel, M. N. Reddy & H. K. Goswami, Indian Fern J. 41(2): 25. 2024 (Isoetaceae)

The variety has been discovered and described based on the collection made from Kodmal near Don Hill Station, Dang District, Gujarat. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central national Herbarium, Howrah, West Bengal and isotype is deposited in Bapalal Vaidya Botanical Research Centre, Department of Biosciences, Veer Narmad South Gujarat University, Surat, Gujarat. This variety has been named after Jaideep Mazumdar for his significant contribution in the field of Pteridophytes.

हरितोद्भिद / BRYOPHYTES

Bucklandiella nitidula (Cardot) Bedn.-Ochyra & Ochyra

Courtesy: Devendra Singh

हरितोद्भिद | BRYOPHYTES

वनस्पति जगत में उभयचर के रूप में प्रचलित, हरितोद्भिद हरित पादपों में आवृतबीजी पौधों के बाद दूसरा सबसे बड़ा पादप समूह है। हरितोद्भिद जैव विविधता के रोचक संघटक हैं और ये लगभग सभी जलवायु परिस्थितियों में पाए जाते हैं। यह उन गिने-चुने वनस्पतियों में से हैं जो अंटार्कटिका महाद्वीप में पाई जाती हैं। भारत के कुल वनस्पतिजात में हरितोद्भिद लगभग 5. 07 प्रतिशत हैं। अब तक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारतीय हरितोद्भिदों की लगभग 2850 प्रजातियां हैं। समय-समय पर नई प्रजातियों के अन्वेषण के साथ इन आंकड़ों में वृद्धि हो रही है। इस क्रमवार सार-संग्रह में वर्ष 2024 के दौरान, भारत से विज्ञान के लिए नवीन अन्वेषण के रूप में 04 प्रजातियों और 01 उपजाति (केरल से 04 और तमिलनाडु से 01) तथा भारत में नवीन वितरणपरक अभिलेख के रूप में 10 प्रजातियों (अरुणाचल प्रदेश, केरल, उत्तराखंड में से प्रत्येक से 02 और तमिलनाडु से 04) को संकलित किया गया है।

Bryophytes, amphibians of the 'Plant Kingdom', are the second largest group of green plants next to angiosperms which constitute a fascinating component of biodiversity and widely spread in almost all climatic conditions. They are among the very few groups of plants found in Antarctica. The Indian bryophytes account for about 5. 07 percent of the total plant species of India. In the present state of our knowledge, India has about 2850 species of bryophytes. This data is being updated periodically with the discovery of new species. The collated information presented here for the year 2024 includes 04 species and 01 sub-species (4 Kerala and 01 from Tamil Nadu) as new to science and 10 species (02 from Arunachal Pradesh, Kerala, Uttarakhand each and 04 from Tamil Nadu) described as new distributional records.

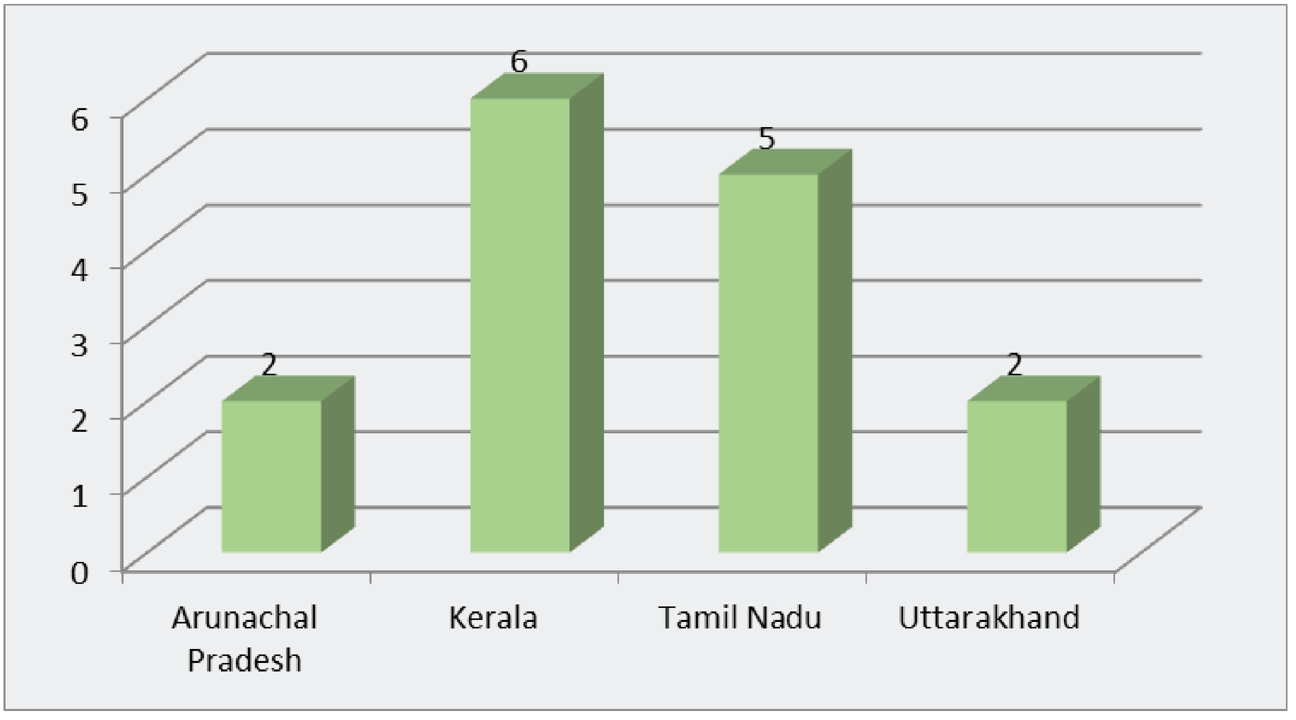

भारतीय राज्य एवं संघ-क्षेत्रों से अन्वेषित हरितोद्भिद की संख्या
NUMBER OF BRYOPHYTES DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs.

नवीन अन्वेषण / NEW DISCOVERIES

नवीन प्रजातियां / NEW SPECIES

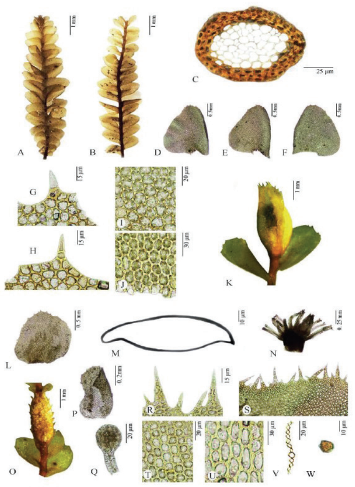

प्लैजिओचीला पोनमुडियाना ए. ई. डी. डेनियल्स व एस. आर. ऐश्वर्या, नीलम्बो डीओआई: 10. 20324/नीलम्बो/वी66/2024/173317 (प्लैजिओकाइलेसी)

इस नवीन भूमिश्रयी प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लगभग 990 मी की ऊंचाई पर पोनमुडी पहाड़ी, तिरुवनंतपुरम जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप SCCN में संगृहीत हैं। इस उपजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Plagiochila ponmudiana A. E. D. Daniels & S. R. Aishwarya, Nelumbo DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/173317 (Plagiochilaceae)

This terricolous species has been discovered and described based on collection made from Ponmudi Hills, Thiruvananthapuram District, Kerala, Western Ghats at *c.* 900 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in SCCN. The specific epithet is after the type locality.

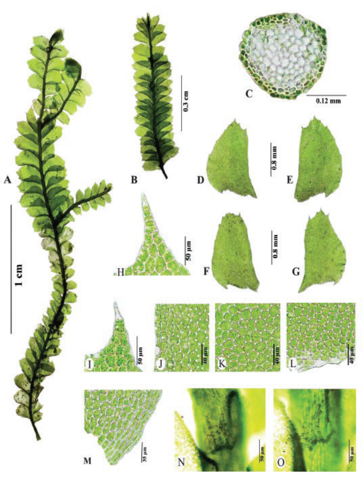

प्लैजिओचीला सिरुमलाईयाना ए. ई. डी. डेनियल्स व जेड. एच. विलियम्स, नीलम्बो डीओआई: 10. 20324/नीलम्बो/वी66/2024/173317 (प्लैजिओकाइलेसी)

इस नवीन भूमिश्रयी प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लगभग 1200 मी की ऊंचाई पर थम्बी शोलाई, सिरुमलाई पहाड़ी, डिंडीगुल जिला, तमिलनाडु, पश्चिमी घाट से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप SCCN में संगृहीत हैं। इस उपजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Plagiochila sirumalaiana A. E. D. Daniels & Z. H. Williams, Nelumbo DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/173317 (Plagiochilaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Thumbi Sholai, Sirumalai Hills, Dindigul District, Tamil Nadu, Western Ghats at *c.* 1200 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in SCCN. The specific epithet is after the type locality.

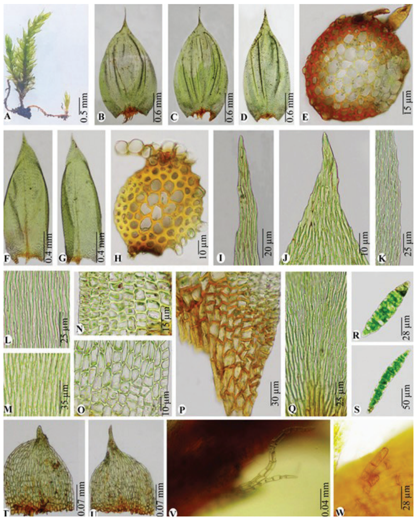

टेरोब्रायोप्सिस सिहेइयाना ए. ई. डी. डेनियल्स व एस. अथिरा, फाइटोटैक्सा 650(2): 180. 2024 (टेरोब्राइएसी)

इस नवीन वल्कवासी प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लगभग 1074 मी की ऊंचाई पर पोट्टाकुलम एस्टेट, कदमकुझि, इडुक्की जिला, केरल, पश्चिमी घाट में अलग-अलग पौधे वाले बागान में *सिजिजियम क्यूमिनियाइ* (एल.) स्कील्स (मर्टेसी) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप SCCN में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण चीन, दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों की मॉस वनस्पतिजात पर उल्लेखनीय योगदान के लिए मिसौरी बॉटनिकल गार्डन (एमओ), संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रख्यात ब्रायोविज्ञ डॉ. सी हे के सम्मान में किया गया है।

Pterobryopsis siheiana A. E. D. Daniels & S. Athira, Phytotaxa 650(2): 180. 2024 (Pterobryaceae)

This new Corticolous species has been discovered and described based on the collection made on *Syzygium cumini* (L.) Skeels (Myrtaceae), from a mixed plantation, Pottamkulam Estate, Kadamakuzhy, Idukki District, Kerala, Western Ghats at *c.* 1074 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in SCCN. The species is named after the renowned bryologist Dr. Si He of the Missouri Botanical Garden (MO), the USA, for his significant contribution to the Moss Flora of China and, South and Southeast Asian Countries.

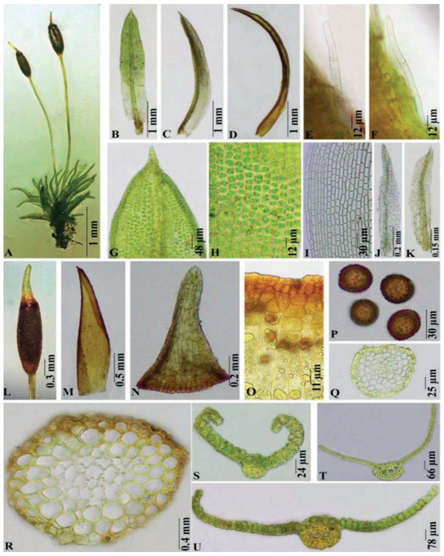

वीशिया केरलेन्सिस ए. ई. डी. डेनियल्स व एस. अथिरा, नीलम्बो 66(1): 2. 2024 (पोटिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लगभग 1034 मी की ऊंचाई पर पोट्टाकुलम एस्टेट, कदमकुझि, इडुक्की जिला, केरल, पश्चिमी घाट में मिश्रित बागान से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप SCCN में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'केरल राज्य' के नाम पर आधारित है।

Weissia keralensis A. E. D. Daniels & S. Athira, Nelumbo 66(1): 2. 2024 (Pottiaceae)

This new terricolous species has been discovered and described based on the collection made from a mixed plantation, Pottamkulam Estate, Kadamakuzhy, Idukki District, Kerala, Western Ghats at *c.* 1034 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in SCCN. The species is named after Kerala State where the collection locality is situated.

नवीन उपजाति / NEW SUB-SPECIES

प्लैजिओकाइला स्क्वैमुलोस्स उपजाति **टैमास-पॉक्सियाइ** सजिथा, मंजू व रावत, द ब्रायोलॉजिस्ट 127(1): 105. 2024 (प्लैजिओकाइलेसी)

इस नवीन अधिपादपीय उपजाति का अन्वेषण व वर्णन 990 मी की ऊंचाई पर सीतारकुंडु मार्ग, नेल्लियामपति, पालक्काड जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप कालीकट विश्वविद्याल, कोझिकोड, केरल के पादपालय (CALI) में और समप्ररूप LWG में संगृहीत हैं। इस उपजाति का नामकरण डॉ. टैमास पॉक्स के सम्मान में किया गया है।

Plagiochila squamulosa subsp. **tamas-pocsii** Sajitha, Manju & Rawat, The Bryologist 127(1): 105. 2024 (Plagiochilaceae)

This new epiphytic sub-species has been discovered and described based on the collection made from Seetharkundu Route, Nelliyampathy, Palakkad District, Kerala at 990 m. altitude. The holotype is deposited in the herbarium of University of Calicut, Kozhikode, Kerala (CALI), isotype is in LWG. The subspecies is named after the famous Hungarian bryologist Dr. Tama´s Po´cs.

नवीन वितरणपरक अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORDS

प्रजातिगत अभिलेख / SPECIES RECORDS

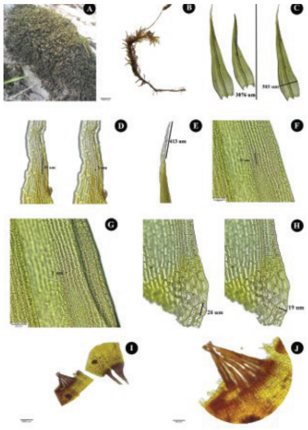

बकलैंडिएला निटिडुला (कार्डोट) बेड्न. -ओकाइरा व ओकाइरा (ग्रिमिएसी)

पूर्वतः चीन और जापान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3426 मी की ऊंचाई पर केदारनाथ, रुद्रप्रयाग जिला, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप दिल्ली विश्वविद्यालय के पादपालय (DUH) में संगृहीत है। इसे अंशुल ध्यानी, कुमार शांतनु, देवेंद्र सिंह व प्रेम लाल उनियाल ने नीलम्बो 66(1): 72. 2024 में प्रकाशित किया है।

Bucklandiella nitidula (Cardot) Bedn. -Ochyra & Ochyra (Grimmiaceae)

This species earlier known from China and Japan has been reported for the first time from India based on the collection made from Kedarnath, Rudraprayag District, Uttarakhand at 3426 m. altitude. The specimen is deposited in the herbarium of University of Delhi (DUH). This has been published by Anshul Dhyani, Kumar Shantanu, Devendra Singh & Prem Lal Uniyal in Nelumbo 66(1): 72. 2024.

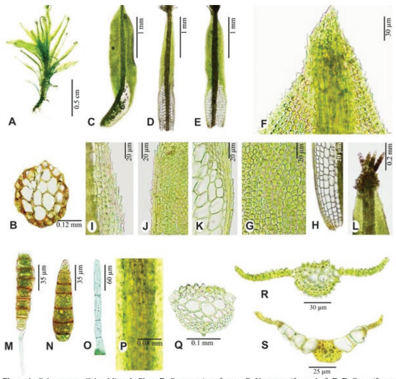

Figure 1. *Calymperes pallidum* Mitt.: **A,** Plant; **B,** Cross section of stem; **C,** Non-gemmiferous leaf; **D–E,** Gemmiferous leaves; **F,** Leaf apical cells; **G,** Leaf median cells; **H,** Leaf basal cells; **I,** Leaf marginal cells near apex; **J,** Leaf median cells at margin; **K,** Leaf marginal cells near base; **L,** Gemmae at leaf apex; **M–N,** Gemmae; **O,** Axillary hair; **P,** Adaxial surface of costa; **Q,** Cross section of costa showing absence of stereids; **R,** Cross section of leaf (at middle); **S,** Cross section of leaf (at base). [A. E. D. Daniels & Z. H. Williams *389*]

कैलिम्पिरीज पैलिडम मिट्ट. (कैलिम्पेरेसी)

पूर्वतः अफ्रीका, अमेरिका, कैरेबियन द्वीप, कोमोरोस द्वीप, रियूनियन द्वीप, मॉडागास्कर, मॉरीशस द्वीप, मयोट द्वीप, सेशेल्स और एशिया में ब्रुनेई, चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया, मालदीव, सिंगापुर और वियतनाम से ज्ञात इस वल्कवासी प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार लगभग 1100 मी की ऊंचाई पर सिरुमलाई पहाड़ी, पलपन्निकाडु, डिंडीगुल जिला, तमिलनाडु, पश्चिमी घाट में *इलियोकार्पस ट्यूबर्कुलेटस* रॉक्स. (इलियोकार्पेसी) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, नागरकोइल, तमिलनाडु (SCCN) में संगृहीत है। इसे जेड. एच. विलियम्स व ए. ई. डी. डेनियल्स ने ट्रॉप. प्ल. रिस. 11(2): 58. 2024 में प्रकाशित किया है।

Calymperes pallidum Mitt. (Calymperaceae)

This corticolous species earlier known from Africa, America, Caribbean Island, Comoros Island, La Réunion Isand, Madagascar, Mauritius Island, Mayotte Island, Seychelles and Asia: Brunei, China, Indonesia, Malaysia, Maldives, Singapore, Vietnam has been reported for the first time from India based on the collection made on *Elaeocarpus tuberculatus* Roxb. (Elaeocarpaceae), Sirumalai Hills Palapannaikaadu, Dindigul District, Tamil Nadu, Western Ghats at *c.* 1100 m altitude. The specimen is deposited in the herbarium of Scott Christian College, Nagercoil, Tamil Nadu (SCCN). This has been published by Z. H. Williams & A. E. D. Daniels in Trop. Pl. Res. 11(2): 58. 2024.

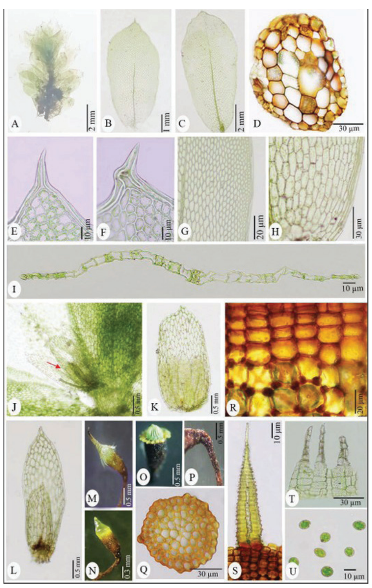

डिस्टिकोफाइलम मिट्टेनियाइ बॉश व सैंडी लैक. (डाल्टोनिएसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार लगभग 900 मी की ऊंचाई पर पोनमुडी, तिरुवनंतपुरम जिला, केरल, पश्चिमी घाट से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, नागरकोइल, तमिलनाडु (SCCN) में संगृहीत है। इसे एस. आर. ऐश्वर्या व ए. ई. डी. डेनियल्स ने नीलम्बो 66(1): 67. 2024 में प्रकाशित किया है।

Distichophyllum mittenii Bosch & Sande Lac. (Daltoniaceae)

This species earlier known from Australia has been reported for the first time from India based on the collection made from Ponmudi, Thiruvananthapuram District, Kerala, Western Ghats at *c.* 900 m altitude. The specimen is deposited in the herbarium of Scott Christian College, Nagercoil, Tamil Nadu (SCCN). This has been published by S. R. Aishwarya & A. E. D. Daniels in Nelumbo 66(1): 67. 2024.

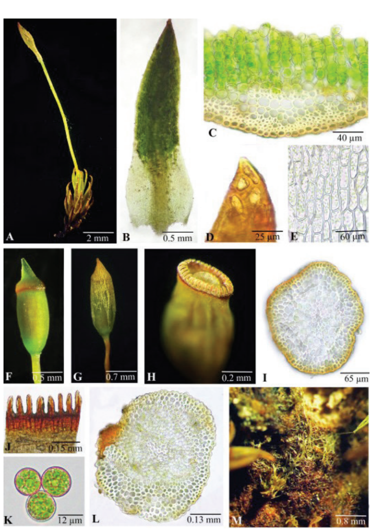

पोगोनेटम कैपेन्से (हैम्पे) ई. जईगर (पॉलीट्राइकेसी)

पूर्वतः अफ्रीका और मेडागास्कर से ज्ञात इस भूमिश्रयी प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार लगभग 2090 मी की ऊंचाई पर वूडी रिजॉर्ट्स परिसर, कोडईकनाल, पालनी पहाड़ी, डिंडीगुल जिला, तमिलनाडु, पश्चिमी घाट से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, नागरकोइल, तमिलनाडु (SCCN) में संगृहीत है। इसे डी. टी. टी. डेनियल्स, सी. पी. बेन व ए. ई. डी. डेनियल्स ने फाइटोटैक्सा 650(3): 297. 2024 में प्रकाशित किया है।

Pogonatum capense (Hampe) A. Jaeger (Polytrichaceae)

This terricolous species earlier known from Africa and Madagascar has been reported for the first time from India based on the collection made on an abandoned cement path, in degraded forests from Woodys Resort Campus, Kodaikanal, Palani Hills, Dindigul District, Tamil Nadu, Western Ghats at *c.* 2090 m altitude. The specimen is deposited in the herbarium of Scott Christian College, Nagercoil, Tamil Nadu (SCCN). This has been published by D. T. T. Daniels, C. P. Ben & A. E. D. Daniels in Phytotaxa 650(3): 297. 2024.

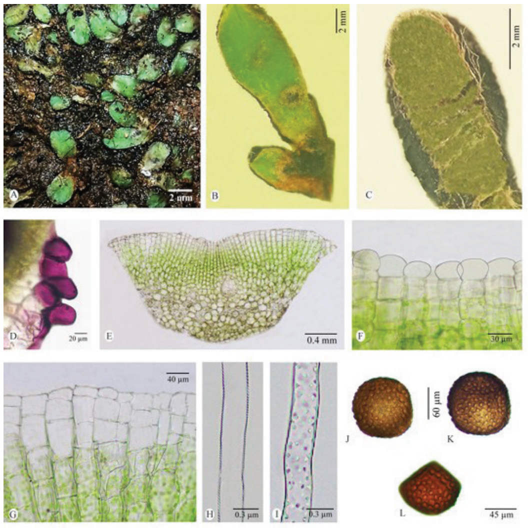

रिक्सिया एट्रोमार्जिनेटा लेवियर (रिक्सिएसी)

पूर्वतः अफ्रीका, यूरोप, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, प्रशांत महासागर द्वीप और पाकिस्तान सहित पश्चिमी, मध्य और दक्षिण एशिया से ज्ञात इस भूमिश्रयी प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार लगभग 400 मी की ऊंचाई पर डिंडीगुल जिला, तमिलनाडु, पश्चिमी घाट से और कप्पात पहाड़ी, गदग जिला, कर्नाटक से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, नागरकोइल, तमिलनाडु (SCCN) और कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक के पादपालय (UASB) में संगृहीत हैं। इसे ज़ेड. एच. विलियम्स, ए. ई. डी. डेनियल्सव डी. सी. कार्गिल ने फाइटोटैक्सा 649(3): 288. 2024 में प्रकाशित किया है।

Riccia atromarginata levier (Ricciaceae)

This Terricolous species earlier known from Africa, Europe, North and South America, Pacific Ocean Islands, West, Central and South Asia including Pakistan has been reported for the first time from India based on the collection made from Dindigul District, Tamil Nadu, Western Ghats at *c.* 400 m altitude and from Kappath Hill, Gadag District, Karnataka. The specimen is deposited in the herbarium of Scott Christian College, Nagercoil, Tamil Nadu (SCCN) and in the herbarium of University of Agricultural Sciences, Bengaluru, Karnataka (UASB). This has been published by Z. H. Williams, A. E. D. Daniels & D. C. Cargill in Phytotaxa 649(3): 288. 2024.

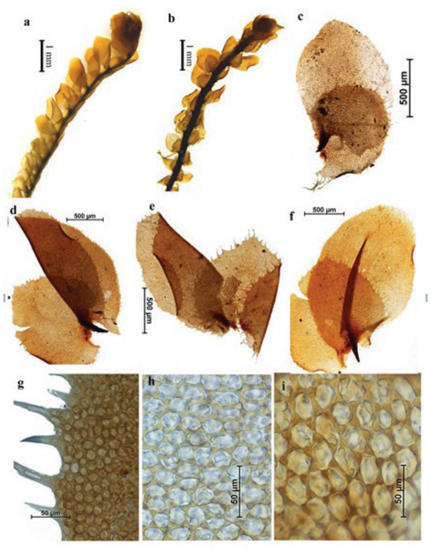

स्कैपेनिया भूटानेन्सिस अमाक. (स्कैपेनिएसी)

पूर्वतः चीन और भूटान तथा नेपाल के हिमालयी क्षेत्र से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार नागुला झील, तवांग, अरुणाचल प्रदेश के पास छाल, मृदा आच्छादित चट्टान और मृदा से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे कृष्ण कुमार रावत, रम्या रंजन पाल व विनय साहू ने नीलम्बो DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/172926 में प्रकाशित किया है।

Scapania bhutanensis Amak. (Scapaniaceae)

This species earlier known from China, Himalayan region of Bhutan and Nepal has been reported for the first time from India based on the collection made on bark, soil covered rock, soil near Nagula Lake, Tawang, Arunachal Pradesh. The specimen is deposited in the Bryophyte Herbarium, CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Krishna Kumar Rawat, Ramya Ranjan Paul & Vinay Sahu in Nelumbo DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/172926.

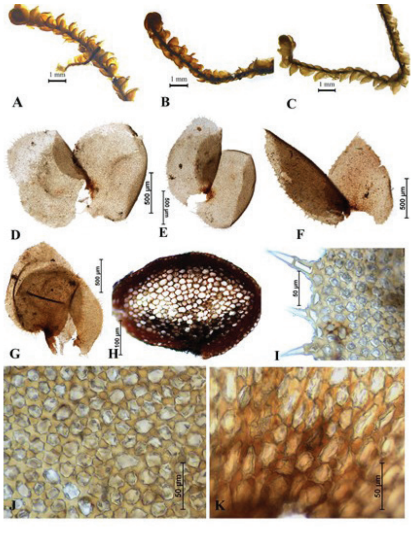

स्कैपेनिया कार्ल-म्यूलेरी ग्रोल्ल, एर्गबन, फोर्श. (स्कैपेनिएसी)

पूर्वतः चीन और नेपाल से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार नागुला झील, तवांग, अरुणाचल प्रदेश के पास मृदा से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे कृष्ण कुमार रावत, रम्या रंजन पाल व विनय साहू ने नीलम्बो DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/172926 में प्रकाशित किया है।

Scapania karl-muelleri Grolle, Ergebn, Forsch. (Scapaniaceae)

This species earlier known from China and Nepal has been reported for the first time from India based on the collection made on soil near Nagula Lake, Tawang, Arunachal Pradesh. The specimen is deposited in the Bryophyte Herbarium, CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Krishna Kumar Rawat, Ramya Ranjan Paul & Vinay Sahu in Nelumbo DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/172926.

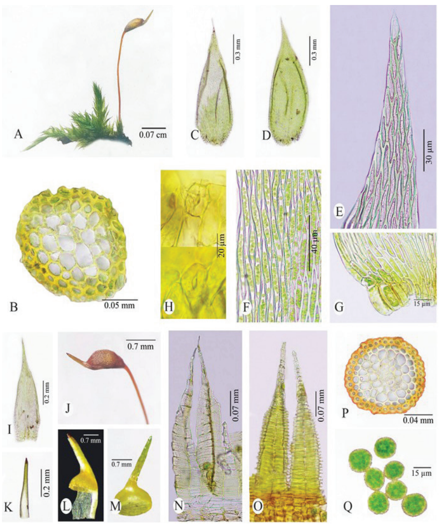

सीमेटोफाइलम सबस्ट्रुमुलोसम (हैम्पे) ई. ब्रिटॉन (सीमेटोफाइलेसी)

पूर्वतः अफ्रीका, यूरोप और एशिया में रूस से ज्ञात इस काष्ठवासी प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार लगभग 1100 मी की ऊंचाई पर करुप्पुकोविल, सिरुमलाई, डिंडीगुल जिला, तमिलनाडु, पश्चिमी घाट तथा लगभग 2110 मी की ऊंचाई पर ग्लेनमोरगन, ऊधगमण्डलम, नीलगिरी जिला, तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, नागरकोइल, तमिलनाडु (SCCN) में संगृहीत है। इसे जेपिंथ हैमेंथ विलियम्स, बालसुब्रमनियन धन्यश्री व एल्बर्ट एबेंजर दुलीप डेनियल्स ने इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री 47(3): 155. 2024 में प्रकाशित किया है।

Sematophyllum substrumulosum (Hampe) E. Britton (Sematophyllaceae)

This Lignicolous species earlier known from Africa, Europe and Asia: Russia has been reported for the first time from India based on the collection made from Karuppukovil, Sirumalai, Dindigul District, Tamil Nadu, Western Ghats at *c.* 1100 m altitude and from Glenmorgan, Udhagamandalam, Nilgiri District at *c.* 2110 m altitude. The specimen is deposited in the herbarium of Scott Christian College, Nagercoil, Tamil Nadu (SCCN). This has been published by Zepinth Hamenth Williams, Balasubramanian Dhanyasree & Albert Ebenezer Dulip Daniels in Indian Journal of Forestry 47(3): 155. 2024.

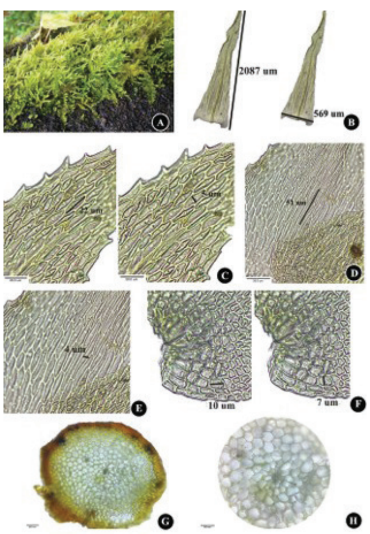

ट्रेकिपोडॉप्सिस फॉर्मोसेना नोग. (मिटियोरिएसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 2157 मी की ऊंचाई पर त्रियुगीनारायण, रुद्रप्रयाग जिला, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप दिल्ली विश्वविद्यालय के पादपालय (DUH) में संगृहीत है। इसे अंशुल ध्यानी, कुमार शांतनु, देवेंद्र सिंह व प्रेम लाल उनियाल ने नीलम्बो 66(1): 71. 2024 में प्रकाशित किया है।

Trachypodopsis formosana Nog. (Meteoriaceae)

This species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Triyuginarayan, Rudraprayag District, Uttarakhand at 2157 m. altitude. The specimen is deposited in the herbarium of University of Delhi (DUH). This has been published by Anshul Dhyani, Kumar Shantanu, Devendra Singh & Prem Lal Uniyal in Nelumbo 66(1): 71. 2024.

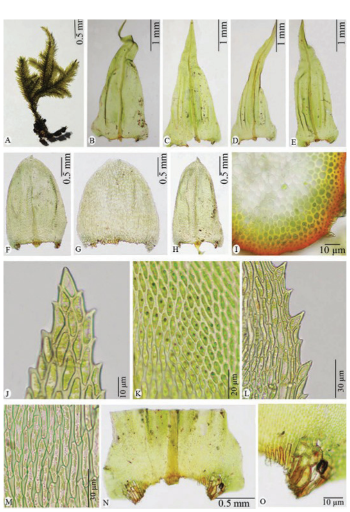

ट्रेकिपोडॉप्सिस नॉरमैंडियाइ (ब्रोथ. व पैरिस) एम. फ्लीश. (ट्रेकिपोडेसी)

पूर्वतः अफ्रीका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार लगभग 900 मी की ऊंचाई पर पोनमुडी, तिरुवनंतपुरम जिला, केरल, पश्चिमी घाट से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, नागरकोइल, तमिलनाडु (SCCN) में संगृहीत है। इसे एस. आर. ऐश्वर्या व ए. ई. डी. डेनियल्स ने नीलम्बो 66(1): 54. 2024 में प्रकाशित किया है।

Trachypodopsis normandii (Broth. & Paris) M. Fleisch. (Trachypodaceae)

This species earlier known from Africa has been reported for the first time from India based on the collection made from Ponmudi, Thiruvananthapuram District, Kerala, Western Ghats at *c.* 900 m altitude. The specimen is deposited in the herbarium of Scott Christian College, Nagercoil, Tamil Nadu (SCCN). This has been published by S. R. Aishwarya & A. E. D. Daniels in Nelumbo 66(1): 54. 2024.

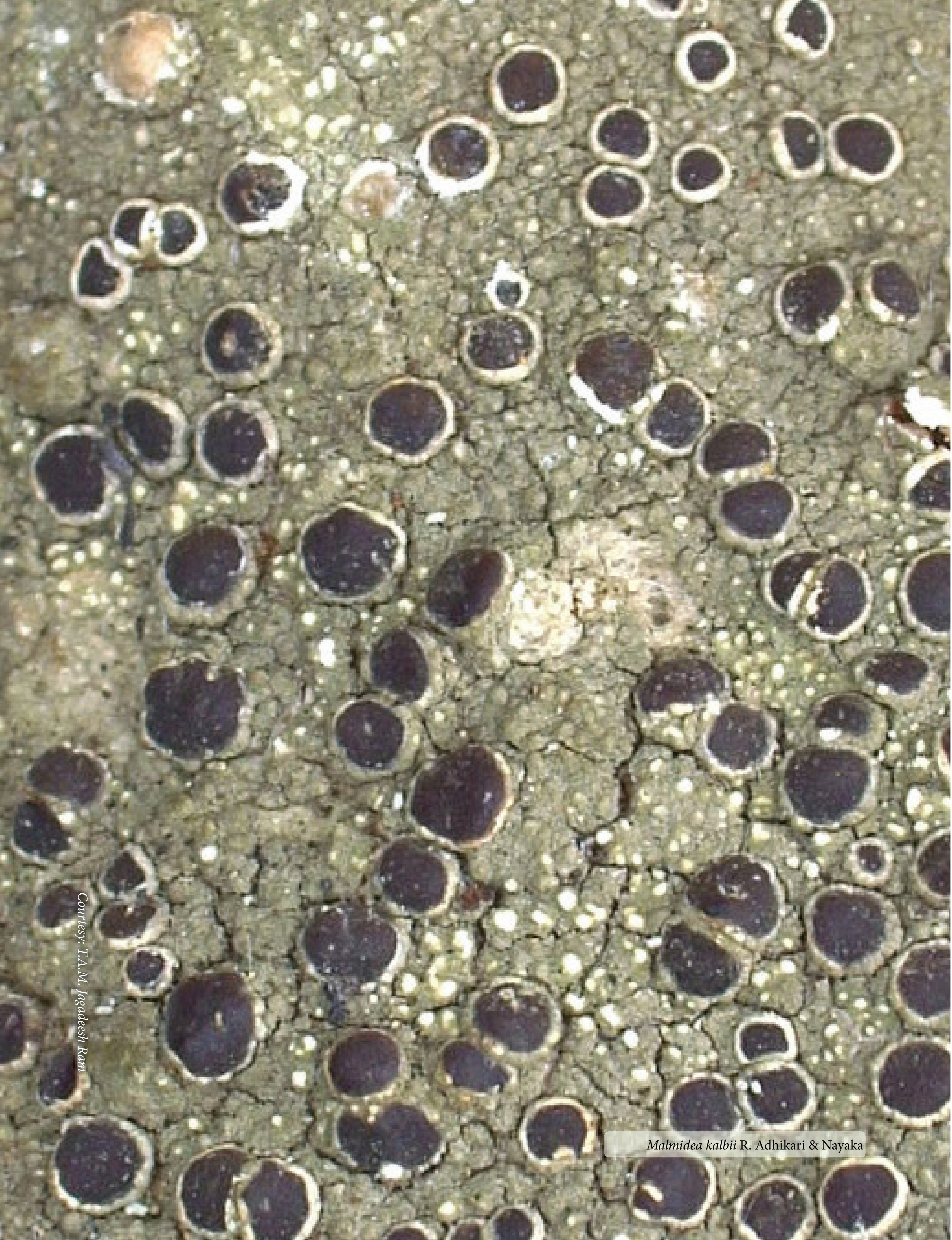

Courtesy: T.A.M. Jagadeesh Ram

Malmidea kalbii R. Adhikari & Nayaka

Malmidea palghatensis R. Adhikari & Nayaka

शैवाक | LICHEN

शैवाक का कवक और सामान्यतः हरे शैवालों अथवा सायनोजीवाणु जैसे प्रकाश संश्लेषी सहयोगी के साथ सहजीवी संबंध होताहै। शैवाक सर्वव्याप्त होते हैं। फिर भी इनकी कई प्रजातियां पर्यावरण में हो रही गड़बड़ियों के प्रति संवेदनशील होती हैं और इसलिए ये वायु प्रदूषण के प्रभाव को आंकने में काफी उपयोगी हो सकते हैं। भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 5. 61 प्रतिशत शैवाक हैं। अब तक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारतीय शैवाकों की लगभग 3151 प्रजातियां हैं। इस क्रमवार सार-संग्रह में वर्ष 2024 के दौरान, भारत से विज्ञान के लिए नवीन अन्वेषण के रूप में 18 प्रजातियों (अरुणाचल प्रदेश, गोवा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, मणिपुर, मिजोरम और सिक्किम में से प्रत्येक से 01; ओडिशा और उत्तर प्रदेश में से प्रत्येक से 02; केरल और उत्तराखंड में से प्रत्येक से 03) तथा भारत में नवीन वितरणपरक अभिलेख के रूप में 01 वंश और 45 प्रजातियों (अरुणाचल प्रदेश, गोवा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, मणिपुर, नागालैंड, तमिलनाडु, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में से प्रत्येक से 01; केरल और उत्तर प्रदेश में से प्रत्येक से 02; अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह और पंजाब में से प्रत्येक से 03; कर्नाटक से 04; महाराष्ट्र से 09 एवं असम से 13) को संकलित किया गया है।

Lichens are symbiotic association of fungus with a photosynthetic partner usually green alga or cyanobacterium. They are widespread. However, many species are sensitive to environmental disturbances and may be useful in assessing the effect of air pollution. The Lichens account for about 5. 61 percent of the total Indian Flora. As perthe latest estimation, Indian flora represents 3151 species of Lichens. The collated information presented here for the year 2024 includes 18 species (01 each from Arunachal Pradesh, Goa, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir, Karnataka, Manipur, Mizoram and Sikkim, 02 from Odisha and Uttar Pradesh, 03 from Kerala and Uttarakhand) described as new to science from India and 01 genus and 45 species (01 each from Arunachal Pradesh, Goa, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir, Manipur, Nagaland, Tamil Nadu, Uttarakhand and West Bengal, 02 each from Kerala and Uttar Pradesh, 03 each from Andaman & Nicobar Islands and Punjab, 04 from Karnataka, 09 from Maharashtra and 13 from Assam) as distributional novelties from India.

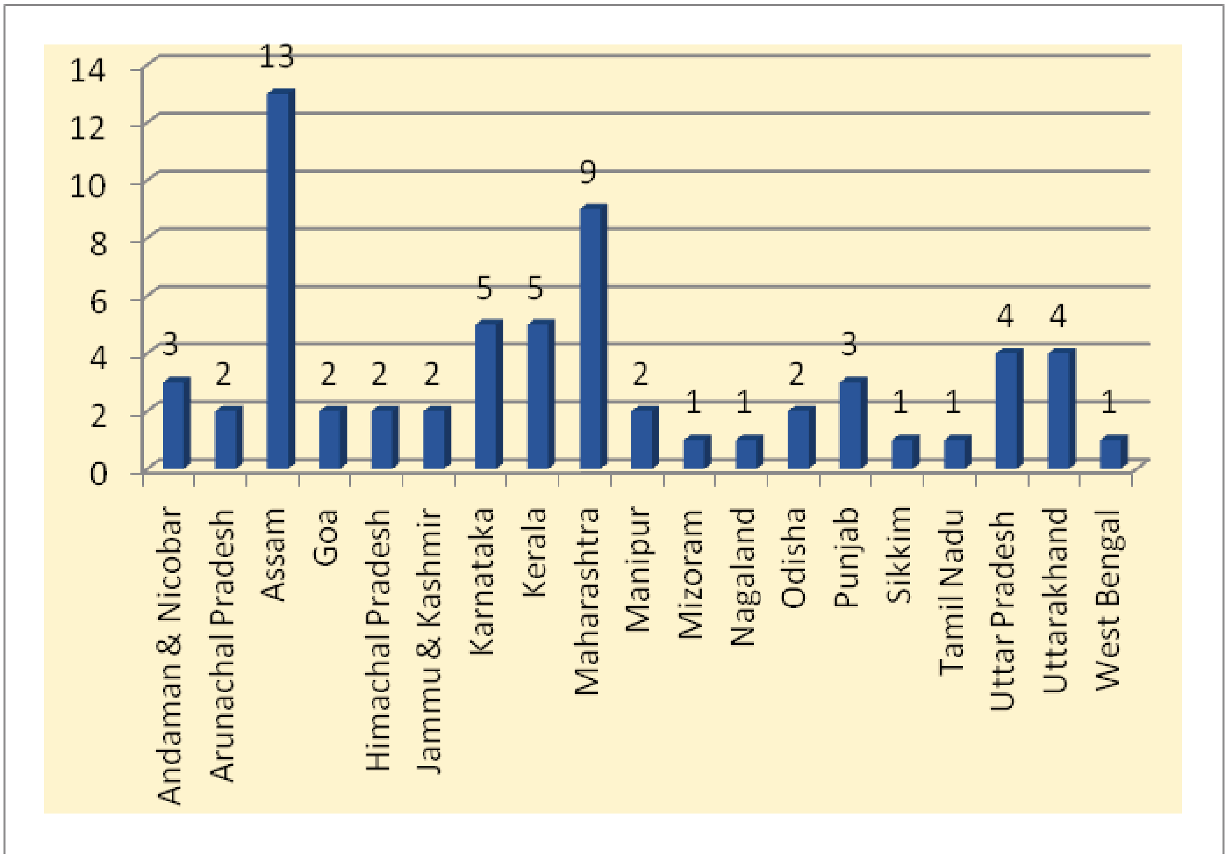

भारतीय राज्य एवं संघ-क्षेत्रों से अन्वेषित शैवाक और शैकवासी कवक की संख्या

NUMBER OF LICHEN AND LICHENICOLOUS FUNGI DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs.

नवीन अन्वेषण / NEW DISCOVERIES

नवीन प्रजातियां / NEW SPECIES

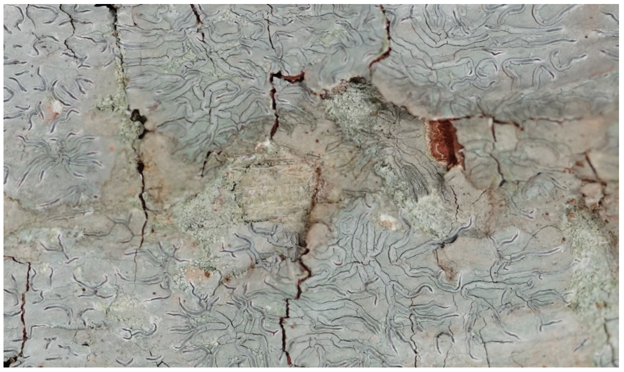

ऐलोग्राफा एफ्यूसोसोरेडिका पी. ए. अंसील, राजेशक., ल्यूकिंग व बी. ओ. शर्मा, फाइटोटैक्सा 664(1): 36. 2024 (ग्रैफीडेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मुन्नार, इड्डुकी जिला, केरल में 1500 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अगरकर कवक विज्ञान पादपालय, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके नि:सरण वल्कुटहीन थैलस, सोरीडियमी थैलस की विशिष्टता पर आधारित है।

Allographa effusosoredica P. A. Ansil, Rajeshk., Lücking & B. O. Sharma, Phytotaxa 664(1): 36. 2024 (Graphidaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Munnar, Idukki District, Kerala at 1500 m altitude. The holotype is deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). The specific epithet 'effusosoredica' refers to the effuse ecorticate, sorediate thallus.

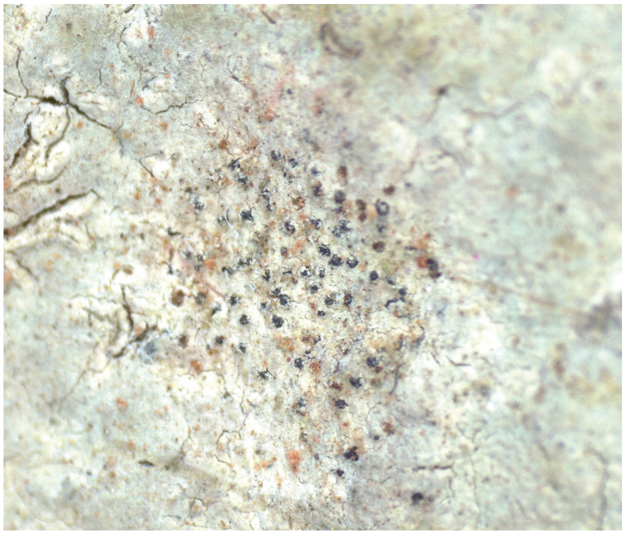

एनिसोमेरिडियम सबफियोस्पर्मम जी. के. मिश्रा, उप्रेती व नायक, प्ला. साइ. टुडे 11(3): 548. 2024 (मोनोब्लास्टिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन रिछोला, माला वन क्षेत्र, पीलीभीत जिला, उत्तर प्रदेश से 1 किमी दूर साल वृक्ष की छाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप और समप्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण समरूप प्रजाति ए. *फियोस्पर्मम* के नाम पर आधारित है।

Anisomeridium subphaeospermum G. K. Mishra, Upreti & Nayaka, Pl. Sci. Today 11(3): 548. 2024 (Monoblastiaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made on Sal bark, 1 km after Richhola, Maala Forest Area, Pilibhit District, Uttar Pradesh. The holotype and isotype are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This specific epithet is based on name of similar species *A. phaeospermum*.

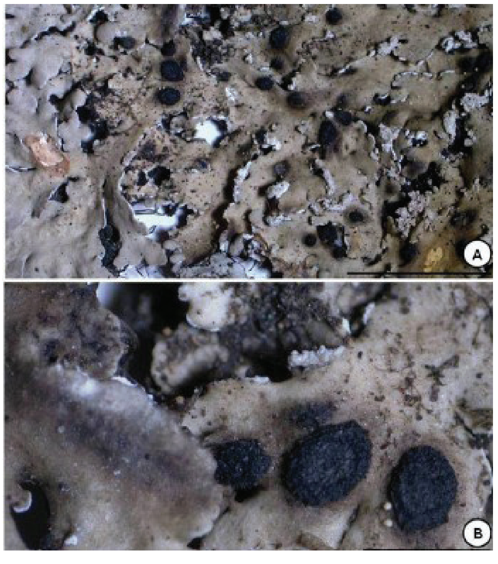

आर्थोफैकॉप्सिस झरबेन्कोई वाई. जोशी, जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 281. 2024 (फाइसिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन महेंद्रगिरि की तलहटी, गंजम जिला, ओडिशा में बुरुखाट क्षेत्र से *हेटेरोडर्मिया डिसेक्टा* निवहित चट्टान से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इस वंश की दूसरी प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन करने वाले डॉ. एम. झरबेन्को के सम्मान में किया गया है।

Arthophacopsis zhurbenkoi Y. Joshi, J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 281. 2024 (Physciaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made on thallus of *Heterodermia dissecta* colonizing rock, Burukhat area, foot hill of Mahendragiri, Ganjam District, Odisha. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet is named in honour of Dr. M. Zhurbenko, who discovered the second species within this genus.

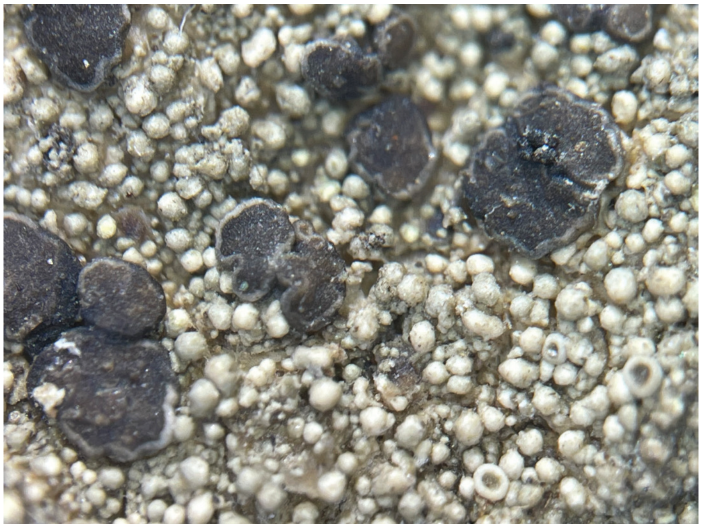

माल्मिडिया ग्लोबोसा आर. अधिकारी व नायक, द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 48. 2024 (माल्मीडिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 2122 मीटर की ऊँचाई पर मिज़ोरम के चंपई जिला के मुरलेन राष्ट्रीय उद्यान से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके गोलाकार मांसांकुर को दर्शाता है।

Malmidea globosa R. Adhikari & Nayaka, The Lichenologist 56: 48. 2024 (Malmideaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Murlen National Park, Champhai District, Mizoram at 2122 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet 'globosa' refers to its globose verrucae.

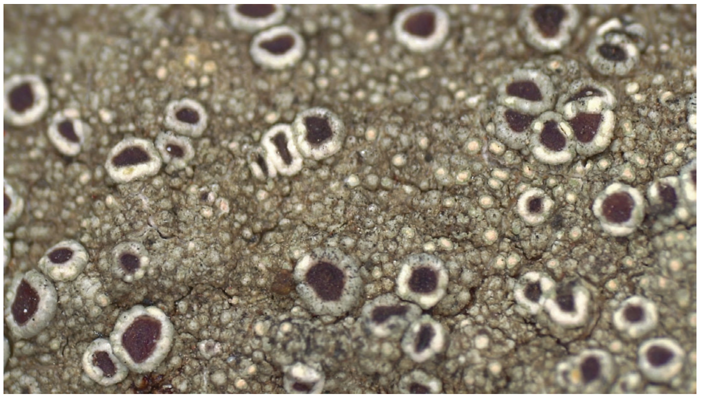

माल्मिडिया इनक्रैस्टिस्पोरा आर. अधिकारी, एस. जोसेफ व नायक, द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 49. 2024 (माल्मीडिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन सिंगारगाओ क्रॉस, कैसल रॉक, उत्तर कन्नड़, कर्नाटक से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्रमुख रूप से मोटे सिरे वाले ऐस्कस बीजाणु की विशिष्टता पर आधारित है।

Malmidea incrassatispora R. Adhikari, S. Joseph & Nayaka, The Lichenologist 56: 49. 2024 (Malmideaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Singargao Cross, Castle Rock, Uttara Kannada, Karnataka. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet 'incrassatispora' refers to the ascospores having prominently thickened ends.

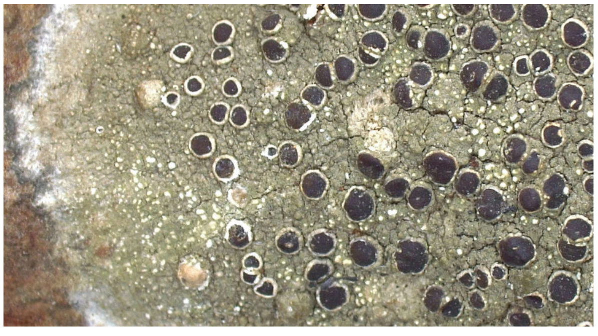

माल्मिडिया कल्बियाइ आर. अधिकारी व नायक, द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 50. 2024 (माल्मीडिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 726 मीटर की ऊंचाई पर ओडिशा के कंधमाल जिला के रायकिया में मंदसरू घाटी के पास से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण प्रसिद्ध जर्मन शैवाकविज्ञ प्रोफेसर डॉ. क्लॉस कल्ब के सम्मान में किया गया है।

Malmidea kalbii R. Adhikari &Nayaka, The Lichenologist 56: 50. 2024 (Malmideaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made near Mandasaru Valley, Raikia, Kandhamal District, Odisha at 726 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet is in honour of Prof. Dr Klaus Kalb, a renowned German lichenologist.

माल्मिडिया ल्यूटिया आर. अधिकारी, इंग्ले व नायक, द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 50. 2024 (माल्मीडिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 2440 मीटर की ऊंचाई पर उत्तराखंड के बागेश्वर जिला में जटोली से खाती गांव के रास्ते में किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके हल्के पीले रंग के एपोथेशियल डिस्क को दर्शाता है।

Malmidea lutea R. Adhikari, Ingle & Nayaka, The Lichenologist 56: 50. 2024 (Malmideaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made en route to Jatoli from Khati Village, Bageshwar District, Uttarakhand at 2440 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet 'lutea' refers to the pale-yellow colour of the apothecial disc in this species.

माल्मिडिया पालघाटेन्सिस आर. अधिकारी व नायक, द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 52. 2024 (माल्मीडिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 600 मीटर की ऊँचाई पर परम्बिकुलम वन्यजीव अभयारण्य, पालघाट, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Malmidea palghatensis R. Adhikari & Nayaka, The Lichenologist 56: 52. 2024 (Malmideaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Parambikulam Wildlife Sanctuary, Palghat, Kerala at 600 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet 'palghatensis' is based on the name of the locality from where the holotype is collected.

माल्मिडिया रूब्रा आर. अधिकारी व नायक, द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 53. 2024 (माल्मीडिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बहादुर हिल रिजर्व फॉरेस्ट, पश्चिम सियांग जिला, अरुणाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके मांसांकुर के नारंगी-लाल रंग के भज्जा की विशिष्टता पर आधारित है।

Malmidea rubra R. Adhikari & Nayaka, The Lichenologist 56: 53. 2024 (Malmideaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Bahadur Hill Reserve Forest, West Siang District, Arunachal Pradesh. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet 'rubra' is based on its orange-red coloured medulla of verrucae.

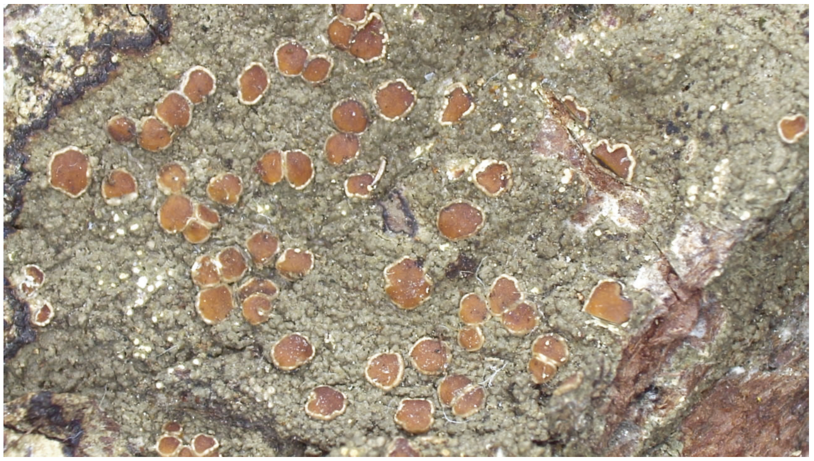

माल्मिडिया सबइंडिका आर. अधिकारी व नायक, द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 53. 2024 (माल्मीडिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1500 मीटर की ऊँचाई पर रुमटेक, पूर्वी सिक्किम, सिक्किम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण *माल्मिडिया इंडिका* के साथ घनिष्ठ सादृश्य को दर्शाता है।

Malmidea subindica R. Adhikari & Nayaka, The Lichenologist 56: 53. 2024 (Malmideaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Rumtek, East Sikkim, Sikkim at 1500 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet 'subindica' refers to the close resemblance of the species to *Malmidea indica*.

माल्मिडिया उप्रेतियाइ आर. अधिकारी, इंग्ले व नायक, द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 54. 2024 (माल्मीडिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन भगवान महावीर वन्यजीव अभयारण्य, मोलेम, गोवा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण प्रख्यात भारतीय शैवाकविज्ञ डॉ. डी. के. उप्रेती के सम्मान में किया गया है।

Malmidea upretii R. Adhikari, Ingle & Nayaka, The Lichenologist 56: 54. 2024 (Malmideaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Bhagwan Mahavir Wildlife Sanctuary, Mollem, Goa. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet is named in honour of Dr D. K. Upreti, an eminent Indian lichenologist.

माल्मिडिया वेरुकोसा आर. अधिकारी, आर. नगांगोम व नायक, द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 55. 2024 (माल्मीडिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 2440 मीटर की ऊँचाई पर उत्तराखंड के बागेश्वर जिला में जटोली से खाती गांव के रास्ते में किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसमें प्रमुख और संगामी मांसांकुर दर्शाता है।

Malmidea verrucosa R. Adhikari, R. Ngangom & Nayaka, The Lichenologist 56: 55. 2024 (Malmideaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made en route to Jatoli from Khati Village, Bageshwar District, Uttarakhand at 2440 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet 'verrucosa' refers to the presence of prominent and confluent verrucae.

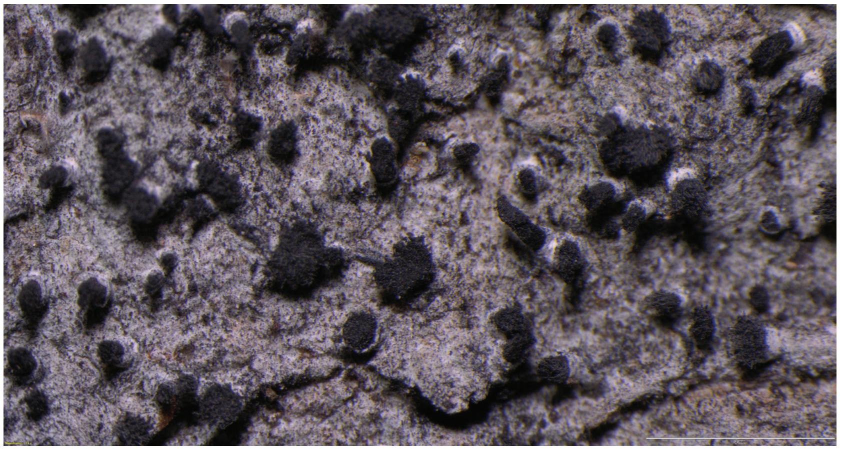

मैजीडियोथीसियम केयबुलेन्से नुसरत व पिनोकियो, नीलम्बो DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/173381 (पाइरीनूलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 771 मीटर की ऊँचाई पर चिंगमेइचिंग, केयबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान, बिष्णुपुर, मणिपुर में एक पेड़ की छाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप धनमंजुरियन पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, डी. एम. कॉलेज ऑफ साइंस, धनमंजुरी विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर (DMH) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'केयबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान' के नाम पर आधारित है।

Mazaediothecium keibulense Nusrat & Pinokiyo, Nelumbo DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/173381 (Pyrenulaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from bark of a tree, Chingmeiching, Keibul Lamjao National Park, Bishnupur, Manipur at 771 m altitude. The holotype is deposited in Dhanamanjurian Herbarium, Department of Botany, D. M. College of Science, Dhanamanjuri University, Imphal, Manipur (DMH). This specific epithet 'keibulense' was named after the type locality Keibul of Keibul Lamjao National Park of Bishnupur district, Manipur.

पेल्टुला शेलियाइ कुमार, भंडारी व फलसवाल, ऐक्टा बॉट. हंग. 66(3–4): 225–231. 2024 (पेल्टुलेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन चेनब घाटी, डोडा जिला, जम्मू और कश्मीर के गाद अवस्तर क्षेत्र में शेल चट्टान से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस प्रजाति का नामकरण 'शेल' चट्टान पर आधारित है जहाँ गाद अवस्तर पर इस शैवाक का संग्रह किया गया था।

Peltula shalae Kumar, Bhandari & Falswal, Acta Bot. Hung. 66 (3–4): 225–231. 2024 (Peltulaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made on shale rock-a sedimentary substrate characteristic of the region, Chenab Valley, Doda District, Jammu & Kashmir. The specific epithet derives from 'shale' referencing the sedimentary rock substrate on which this lichen was discovered.

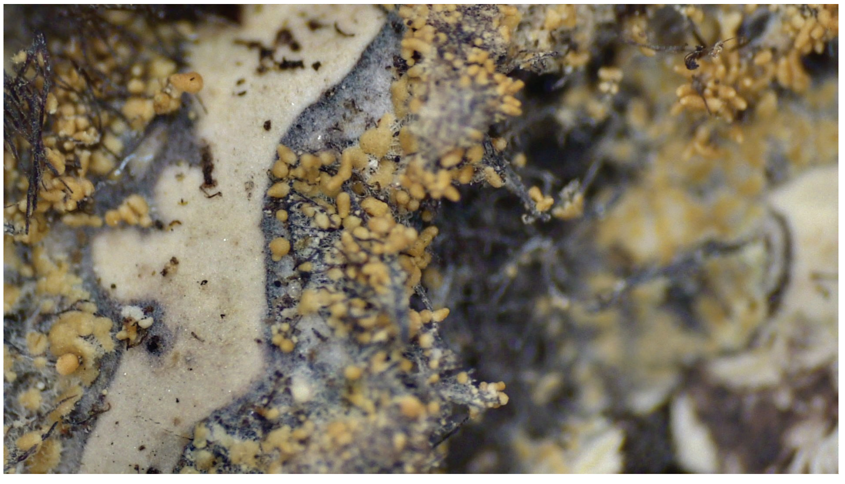

फाइलोस्पोरा फियोफाइसिआई पी. मौर्य, जी. के. मिश्र व डी. के. उप्रेती, बायोलॉजी बुलेटिन 51(3): 538. 2024 (रैमालाइनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1800 मी की ऊंचाई पर थाकाला जंगल, गोरी-गंगा कैचमेंट क्षेत्र, पिथौरागढ़ जिला, उत्तराखंड में *फियोफाइसिआ हिस्पिडुला* से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी पादप '*फियोफाइसिआ*' के नाम पर आधारित है।

Phyllopsora phaeophysciae P. Maurya, G. K. Mishra & D. K. Upreti, Biology Bulletin 51(3): 538. 2024 (Ramalinaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Thakala forest, Gori-Ganga Catchment, Pithoragarh District, Uttarakhand at 1800 m altitude on *Phaeophyscia hispidula*. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet 'phaeophysciae' refers to the host *Phaeophyscia* on which it grows.

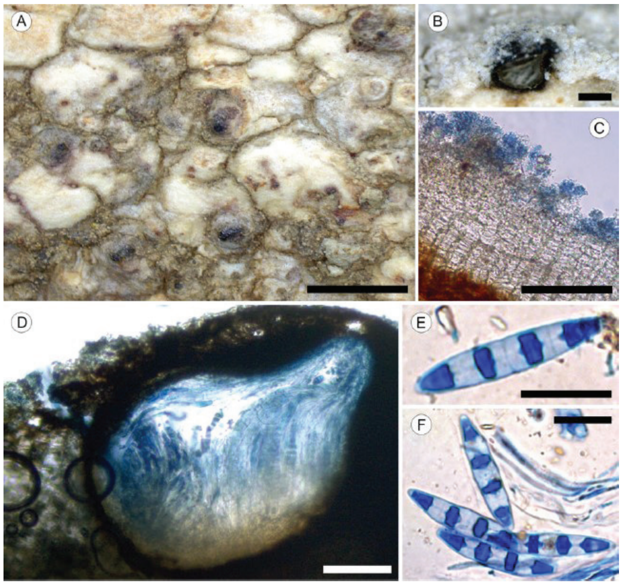

स्यूडोपाइरेनुला हिमालयाना इंग्ले, नायक व उप्रेती, द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 22. 2024 (ट्राइपेथीलिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 500 मीटर की ऊंचाई पर जीन नाला, हमीरपुर जिला, हिमाचल प्रदेश में *फीनिक्स सिल्वेस्ट्रिस* की छाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'हिमालय क्षेत्र' को दर्शाता है।

Pseudopyrenula himalayana Ingle, Nayaka & Upreti, The Lichenologist 56: 22. 2024 (Trypetheliaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made on bark of *Phoenix sylvestris*, Jean Nala, Hamirpur District, Himachal Pradesh at 500 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The species epithet refers to the type locality within the Himalayan region.

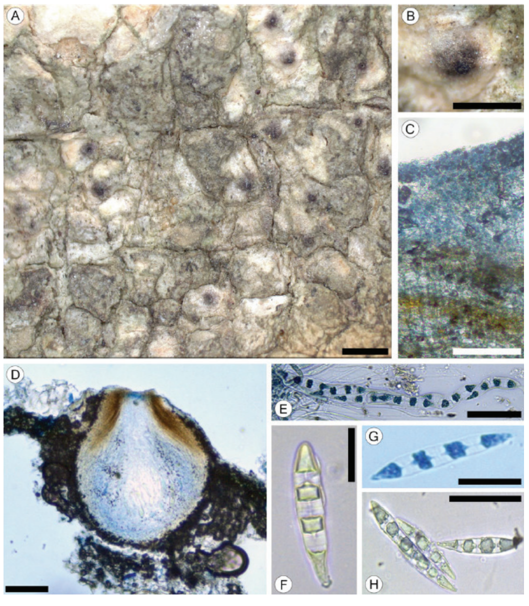

स्यूडोपाइरेनुला मेगास्पोरा इंग्ले, नायक व उप्रेती, द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 23. 2024 (ट्राइपेथीलिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 284 मीटर की ऊंचाई पर उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिला के हाथीनाला में एक पेड़ की छाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके बड़े ऐस्कस बीजाणु को दर्शाता है।

Pseudopyrenula megaspora Ingle, Nayaka & Upreti, The Lichenologist 56: 23. 2024 (Trypetheliaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made on bark of tree, Hathinala, Sonbhadra District, Uttar Pradesh at 284 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet refers to the large ascospores of the species.

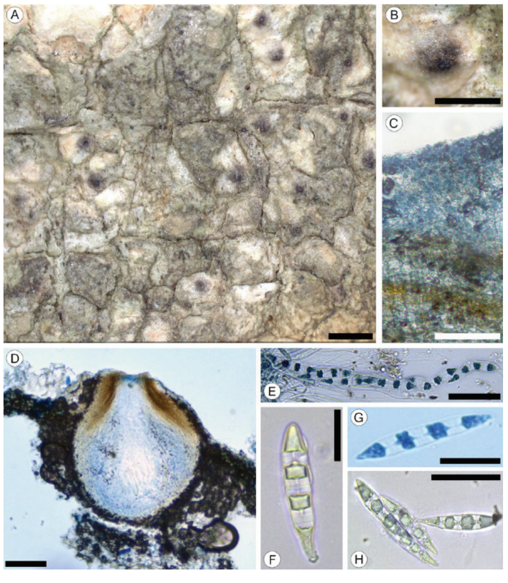

सोलेनोस्पोरा राइजोमॉर्फा ए. क्राइस्टी, सेक्युएरा व एस. जोसेफ, फाइटोटैक्सा 652(3): 242. 2024

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 2029 मी की ऊंचाई पर इरविकुलम राष्ट्रीय उद्यान, इडुक्की जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप पादपालय, केरल वन अनुसंधान संस्थान, केरल के पादपालय (KFRI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके थैलस में मूलिका की उपस्थिति की विशिष्टता पर आधारित है।

Solenopsora rhizomorpha A. Christy, Sequiera & S. Joseph, Phytotaxa 652(3): 242. 2024.

This new species has been discovered and described based on collection made from Eravikulam National Park, Munnar, Idukki District, Kerala at 2029 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of Kerala Forest Research Institute, Peechi, Kerala (KFRI). The specific epithet 'rhizomorpha' refers to the presence of rhizines in the thallus.

नवीन वितरणपरक अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORDS

वंशगत अभिलेख / GENERIC RECORDS

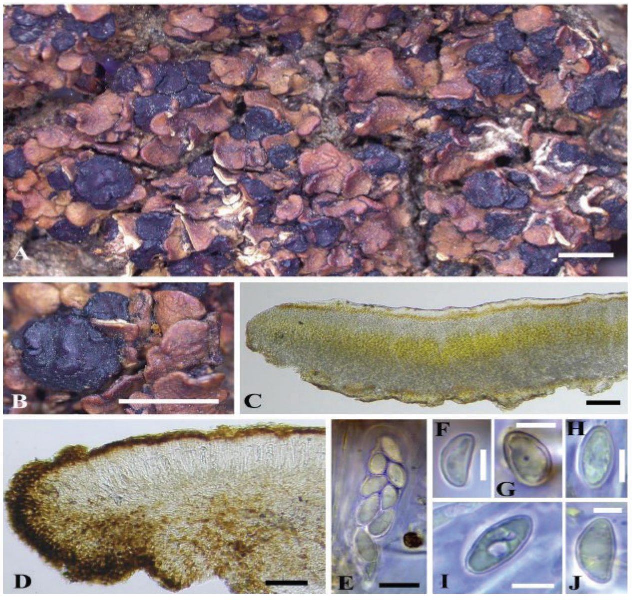

रोमजूलेरिया टिम्डल (लैसिडिएसी)

पूर्वतः मध्य पूर्व, यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस वंश का वर्णन भारत में पहली बार 2700–2800 मीटर की उंचाई पर के बालताल, गंदेरबल जिला, जम्मू और कश्मीर से संगृहीत प्ररूप प्रजाति *रोमजूलेरिया ल्यूरिडा* (एक.) टिम्डल के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम के पादपालय (BUBH) में संगृहीत है। इसे विशाल कुमार, दलिप कुमार उप्रेती, संजीव नायका व यश पाल शर्मा ने कवका 60: 56. 2024 में प्रकाशित किया है।

Romjularia Timdal (Lecideaceae)

The genus earlier known from Middle East, Europe, North Africa and North America has been reported for the first time from India based on the type species *Romjularia lurida* (Ach.) Timdal collected from Baltal, Ganderbal District, Jammu & Kashmir at 2700–2800 m altitude on rocks. The specimen is deposited in the Herbarium of Bodoland University, Kokrajhar, Assam (BUBH). It has been published by Vishal Kumar, Dalip Kumar Upreti, Sanjeeva Nayaka & Yash Pal Sharma in Kavaka 60: 56. 2024.

प्रजातिगत अभिलेख / SPECIES RECORDS

एगोनिमिया ब्रायोफिलॉप्सिस (वैन.) हाफेलनर (वेरुकैरिएसी)

पूर्वतः यूरोप से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार लबानपुर, कोकराझार जिला, असम से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम के पादपालय में संगृहीत है। इसे पुंगबिलि इस्लेरी, मोनिका ठाकुर, विशाल कुमार, सुपर्णा बिश्वास, गौरव कुमार मिश्रा, संजीव नायका, सिल्जो जोसेफ व रेबेका डायमरी ने वेजिटोस 37: 2039. 2024 में प्रकाशित किया है।

Agonimia bryophilopsis (Vain.) Hafellner (Verrucariaceae)

The species earlier known from Europe has been reported for the first time from India based on the collections made from Labanyapur, Kokrajhar District, Assam. The specimens are deposited in the Herbarium of Bodoland University, Kokrajhar, Assam. It has been published by Pungbili Islary, Monika Thakur, Vishal Kumar, Suparna Biswas, Gaurav Kumar Mishra, Sanjeeva Nayaka, Siljo Joseph & Rebecca Daimari in Vegetos 37: 2039. 2024.

एलोग्रैफा सिनेरिया (फी) ल्यूकिंग व काल्ब (ग्रेफीडेसी)

पूर्वत: नियोट्रॉपिक्स और पूर्वी पैलियोट्रॉपिक्स से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 960 मीटर की ऊँचाई पर कराडिचोला, शोलायर, त्रिशूर जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप केरल वन अनुसंधान संस्थान, केरल के पादपालय (KFRI) में संगृहीत है। इसे वी. नयना प्रकाश, के. प्रणव, अरुण क्रिस्टी, सिलजो जोसेफ, के. ए. श्रीजीत, वी. बी. श्रीकुमार व टी. एस. जिंसी ने बायोलॉजी बुलेटिन 51(4): 951. 2024 में प्रकाशित किया है।

Allographa cinerea (Fée) Lücking & Kalb (Graphidaceae)

The species earlier known from Neotropics and Eastern Paleotropics has been reported for the first time from India based on the collection made from Karadichola, Sholayar, Thrissur District, Kerala at 960 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Kerala Forest Research Institute, Kerala (KFRI). This has been published by V. Nayana Prakash, K. Pranav, Arun Christy, Siljo Joseph, K. A. Sreejith, V. B. Sreekumar & T. S. Jincy in Biology Bulletin 51(4): 951. 2024.

एनिसोमेरिडियम ऐडनेक्सम (मुल. आर्ग.) आर.सी. हैरिस (मोनोब्लास्टिएसी)

पूर्वत: ब्राजील और हांगकांग से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार गुजरात, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में *हेरिशिएरा फोमज, होपिआ पॉन्गा, मैंगिफेरा इंडिका* और *प्रोसोपिस प्रजाति* से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे गौरव के. मिश्रा, अखिलेश कुमार मौर्य, संजीव नायक व दलीप के. उप्रेती ने प्ला. साइ. टुडे 11(3): 544. 2024 में प्रकाशित किया है।

Anisomeridium adnexum (Müll. Arg.) R.C. Harris (Monoblastiaceae)

The species earlier known from Brazil and Hong Kong has been reported for the first time from India based on the collection made on *Heritiera fomes*, *Hopea ponga*, *Mangifera indica* and *Prosopis* sp., in tropical regions of the states of Gujarat, Karnataka, Uttar Pradesh and Uttarakhand. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Gaurav K. Mishra, Akhilesh Kumar Maurya, Sanjeeva Nayaka & Dalip K. Upreti in Pl. Sci. Today 11(3): 544. 2024.

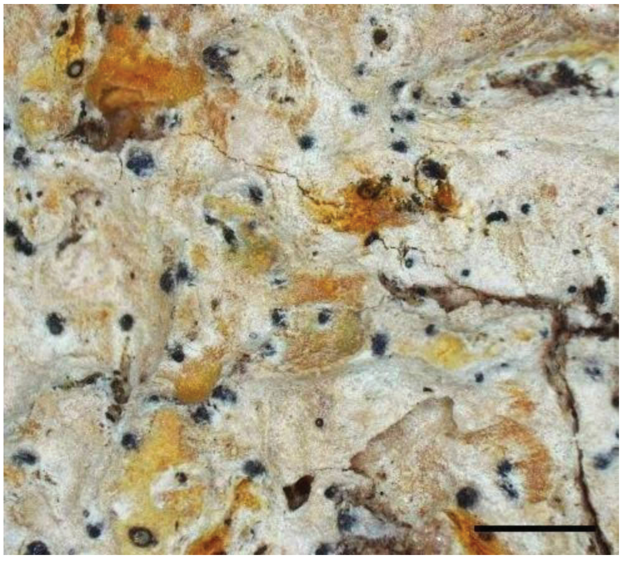

एनिसोमेरिडियम अमेरिकानम (मासल.) आर. सी. हैरिस (मोनोब्लास्टिएसी)

पूर्वत: ऑस्ट्रेलिया, सीलोन और क्यूबा से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन का भारत में पहली बार गोवा विश्वविद्यालय परिसर, उत्तरी गोवा, गोवा में छाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे गौरव के. मिश्रा, अखिलेश कुमार मौर्य, संजीव नायक व दलीप के. उप्रेती ने प्ला. साइ. टुडे 11(3): 547. 2024 में प्रकाशित किया है।

Anisomeridium americanum (Massal.) R. *C.* Harris (Monoblastiaceae)

The species earlier known from Australia, Ceylon and Cuba has been reported for the first time from India based on the collection made on bark, Goa University Campus, North Goa, Goa. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Gaurav K. Mishra, Akhilesh Kumar Maurya, Sanjeeva Nayaka & Dalip K. Upreti in Pl. Sci. Today 11(3): 547. 2024.

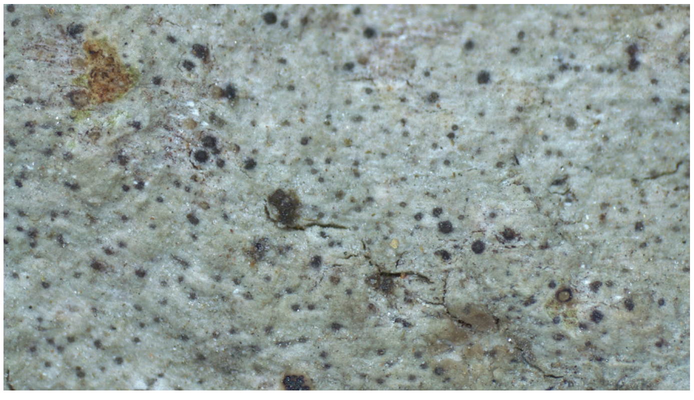

एनिसोमेरिडियम क्वैटर्नेरियम (आर. सी. हैरिस) आर. सी. हैरिस (मोनोब्लास्टिएसी)

पूर्वत: लुइसियाना से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार बरौली, पुराबाजार, आजमगढ़ रोड, फैजाबाद जिला, उत्तर प्रदेश में *मैंगिफेरा इंडिका* के स्तंभ से किए गए संग्रह के आधार पर रिपोर्ट किया गया । प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे गौरव के. मिश्रा, अखिलेश कुमार मौर्य, संजीव नायक व दलीप के. उप्रेती ने प्ला. साइ. टुडे 11(3): 548. 2024 में प्रकाशित किया है।

Anisomeridium quaternarium (R. *C.* Harris) R. *C.* Harris (Monoblastiaceae)

The species earlier known from Louisiana has been reported for the first time from India based on the collection made on trunk of *Mangifera indica*, Barauli, Purabazar, Azamgarh road, Faizabad istrict, Uttar Pradesh. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Gaurav K. Mishra, Akhilesh Kumar Maurya, Sanjeeva Nayaka & Dalip K. Upreti in Pl. Sci. Today 11(3): 548. 2024.

एनिसोमेरिडियम सबनेक्टेन्डम (नाइल.) आर. सी. हैरिस (मोनोब्लास्टिएसी)

पूर्वत: ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, मलेशिया और संयुक्त राज्य अमरीका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार उत्तर कन्नड़ जिला, कर्नाटक में *सिज़ीजियम त्रावणकोरिकम* की छाल और उत्तर प्रदेश के कामीपुर वन में *प्रोसोपिस* की छाल से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे गौरव के. मिश्रा, अखिलेश कुमार मौर्य, संजीव नायक व दलीप के. उप्रेती ने प्ला. साइ. टुडे 11(3): 548. 2024 में प्रकाशित किया है।

Anisomeridium subnectendum (Nyl.) R. *C.* Harris (Monoblastiaceae)

The species earlier known from Australia, Brazil, Malaysia and U. S. A. has been reported for the first time from India based on the collection made on bark of *Syzygium travancoricum*, Uttara Kannada District, Karnataka and on bark of *Prosopis*, Kamipur Forest, Uttar Pradesh. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Gaurav K. Mishra, Akhilesh Kumar Maurya, Sanjeeva Nayaka & Dalip K. Upreti in Pl. Sci. Today 11(3): 548. 2024.

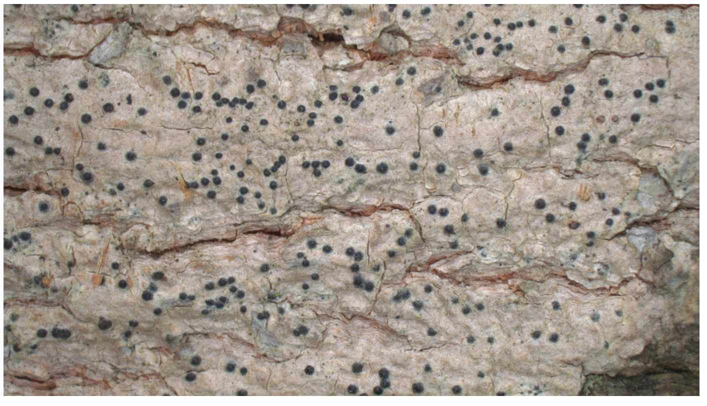

एनिसोमेरिडियम टकराइ आर. सी. हैरिस (मोनोब्लास्टिएसी)

पूर्वत: फ्लोरिडा से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 900 मीटर की ऊंचाई पर भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) परिसर, बैंगलोर शहर, कर्नाटक में *टोबुबिया* की छाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे गौरव के. मिश्रा, अखिलेश कुमार मौर्य, संजीव नायक व दलीप के. उप्रेती ने प्ला. साइ. टुडे 11(3): 549. 2024 में प्रकाशित किया है।

Anisomeridium tuckerae R. *C.* Harris (Monoblastiaceae)

The species earlier known from Florida has been reported for the first time from India based on the collection made on bark of *Tobubia*, IISc Campus, Bangalore City, Karnataka at 900 m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Gaurav K. Mishra, Akhilesh Kumar Maurya, Sanjeeva Nayaka & Dalip K. Upreti in Pl. Sci. Today 11(3): 549. 2024.

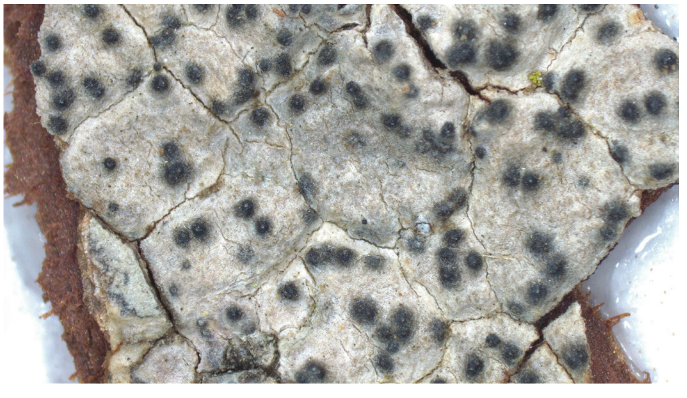

एनिसोमेरिडियम यूनीसीरिएले (ज़हलब्र.) आर. सी. हैरिस (मोनोब्लास्टिएसी)

पूर्वत: दक्षिण अफ्रीका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 800 मीटर की ऊँचाई पर इम्फाल, पूर्वी जिला, मणिपुर में छाल से और 2700–3000 मीटर की ऊँचाई पर खलिया टॉप, मुनस्यारी, पिथौरागढ़ जिला, उत्तराखंड में *क्वेर्कस सेमीकार्पिफोलिया* से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे गौरव के. मिश्रा, अखिलेश कुमार मौर्य, संजीव नायक व दलीप के. उप्रेती द्वारा प्ला. साइ. टुडे 11(3): 549. 2024 में प्रकाशित किया है।

Anisomeridium uniseriale (Zahlbr.) R. *C.* Harris (Monoblastiaceae)

The species earlier known from South Africa has been reported for the first time from India based on the collection made on bark, Keikol, Imphal, East District, Manipur at 800 m altitude and on *Quercus semecarpifolia*, Khalia Top, Munsiyari, Pithoragarh District, Uttarakhand at 2700–3000 m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Gaurav K. Mishra, Akhilesh Kumar Maurya, Sanjeeva Nayaka & Dalip K. Upreti in Pl. Sci. Today 11(3): 549. 2024.

ऐप्टरूटिया इलेटियर (स्टर्ट.) ऐप्टरूट (ट्राइपोथीलिएसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, मलेशिया, न्यूज़ीलैंड, साबाह और श्रीलंका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार उल्टापानी, कोकराझार जिला, असम से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम के पादपालय (BUBH) में और सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत हैं। इसे पुंगबिलि इस्लेरी, मोनिका ठाकुर, विशाल कुमार, सुपर्णा बिश्वास, गौरव कुमार मिश्रा, संजीव नायका, सिल्जो जोसेफ व रेबेका डायमरी ने वेजिटोस 37: 2038. 2024 में प्रकाशित किया है।

Aptrootia elatior (Stirt.) Aptroot (Trypetheliaceae)

The species earlier known from Australia, France, Malaysia, New Zealand, Sabah and Sri Lanka has been reported for the first time from India based on the collections made from Ultapani, Kokrajhar District, Assam. The specimens are deposited in the Herbarium of Bodoland University, Kokrajhar, Assam (BUBH) and CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Pungbili Islary, Monika Thakur, Vishal Kumar, Suparna Biswas, Gaurav Kumar Mishra, Sanjeeva Nayaka, Siljo Joseph & Rebecca Daimari in Vegetos 37: 2038. 2024.

ऐस्ट्रोथीलियम रूब्रोक्रिस्टेलिनम ऐप्टरूट व कैसर्स (ट्राइपोथीलिएसी)

पूर्वतः ब्राजील से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार उल्टापानी, कोकराझार जिला, असम से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम के पादपालय (BUBH) में और सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत हैं। इसे पुंगबिलि इस्लेरी, मोनिका ठाकुर, विशाल कुमार, सुपर्णा बिश्वास, गौरव कुमार मिश्रा, संजीव नायका, सिल्जो जोसेफ व रेबेका डायमरी ने वेजिटोस 37: 2038. 2024 में प्रकाशित किया है।

Astrothelium rubrocrystallinum Aptroot & Cáceres (Trypetheliaceae)

The species earlier known from Brazil has been reported for the first time from India based on the collections made from Ultapani, Kokrajhar District, Assam. The specimen is deposited in the Herbarium of Bodoland University, Kokrajhar, Assam (BUBH) and CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Pungbili Islary, Monika Thakur, Vishal Kumar, Suparna Biswas, Gaurav Kumar Mishra, Sanjeeva Nayaka, Siljo Joseph & Rebecca Daimari in Vegetos 37: 2038. 2024.

बैक्ट्रोस्पोरा पैलुडीकोला कांटविलास

पूर्वत: तस्मानिया से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 119 मीटर की ऊँचाई पर मानस राष्ट्रीय उद्यान, बांसबाड़ी रेंज, बारपेटा जिला, असम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे प्रशांत कुमार बेहरा, सिलजो जोसेफ, संजीव नायक व राजवीर सिंह चौहान ने प्ला. साइ. टुडे 11(2): 334. 2024 में प्रकाशित किया है।

Bactrospora paludicola Kantvilas

The species earlier known from Tasmania has been reported for the first time from India based on the collection made from Manas National Park, Bansbari Range, Barpeta District, Assam at 119 m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Prashant Kumar Behera, Siljo Joseph, Sanjeeva Nayaka & Rajveer Singh Chauhan in Pl. Sci. Today 11(2): 334. 2024.

बैथीलियम कैरोलिनिएनम (टक.) हैरिस (ट्राइपोथीलिएसी)

पूर्वतः कोलम्बिया, मेक्सिको, पनामा और संयुक्त राज्य अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार लबानपुर और उल्टापानी, कोकराझार जिला, असम से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम के पादपालय (BUBH) में संगृहीत है। इसे पुंगबिलि इस्लेरी, मोनिका ठाकुर, विशाल कुमार, सुपर्णा बिश्वास, गौरव कुमार मिश्रा, संजीव नायका, सिल्जो जोसेफ व रेबेका डायमरी ने वेजिटोस 37: 2038. 2024 में प्रकाशित किया है।

Bathelium carolinianum (Tuck.) Harris (Trypetheliaceae)

The species earlier known from Colombia, Mexico, Panama, USA has been reported for the first time from India based on the collections made from Labanyapur and Ultapani, Kokrajhar District, Assam. The specimens are deposited in the Herbarium of Bodoland University, Kokrajhar, Assam (BUBH). It has been published by Pungbili Islary, Monika Thakur, Vishal Kumar, Suparna Biswas, Gaurav Kumar Mishra, Sanjeeva Nayaka, Siljo Joseph & Rebecca Daimari in Vegetos 37: 2038. 2024.

कैलोप्लेका थ्रेकोपोन्टिका वोनड्राक व सॉन

पूर्वतः यूरोप से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार पंचगनी पठार, सतारा जिला, महाराष्ट्र से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप अगरकर शोध संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र के पादपालय (AMH) में संगृहीत है। इसे गार्गी एस. पंडित ने नोवा हेडविजिया 119: 479. 2024 में प्रकाशित किया है।

Caloplaca thracopontica Vondrák & Šoun

The species earlier known from Europe has been reported for the first time from India based on the collections made from Panchgani Plateau, Satara District, Maharashtra. The specimens are deposited in the Herbarium of Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). It has been published by Gargee S. Pandit in Nova Hedwigia 119: 479. 2024.

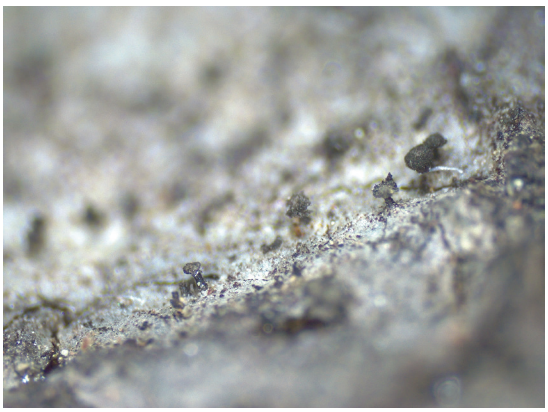

कीनोथेका ब्रुन्नियोला (एक.) मुल. आर्ग. (कोनियोसाइबेसी)

पूर्वतः जापान, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, यूरेशिया, उत्तरी अमेरिका, मध्य और दक्षिण अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 515–540 मी की ऊंचाई पर फंगटोली गाँव, पठानकोट जिला, पंजाब से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे नैन्सी, गौरव कुमर मिश्रा, नकुल भारद्वाज, आस्था भाटिया व दलिप कुमार उप्रेती ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड एन्वायर्नमेंट 10(4): 107. 2024 में प्रकाशित किया है।

Chaenotheca brunneola (Ach.) Müll. Arg. (Coniocybaceae)

The species earlier known from Japan, Africa, Australia, Eurasia, North America, Central and South America has been reported for the first time from India based on the collection made from Phangtoli Village, Pathankot District, Punjab at 515–540 m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Naincy, Gaurav Kumar Mishra, Nakul Bhardwaj, Astha Bhatia & Dalip Kumar Upreti in International Journal of Plant and Environment 10(4): 107. 2024.

एन्डोकार्पन सब्नाइटीसेन्स ब्रियूस

पूर्वतः उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार कास पठार, सतारा जिला, महाराष्ट्र से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप अगरकर शोध संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र के पादपालय (AMH) में संगृहीत है। इसे गार्गी एस. पंडित ने नोवा हेडविजिया 119: 487. 2024 में प्रकाशित किया है।

Endocarpon pseudosubnitescens Breuss

The species earlier known from North America has been reported for the first time from India based on the collection made from Kas Plateau, Satara District, Maharashtra. The specimen is deposited in the Herbarium of Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). It has been published by Gargee S. Pandit in Nova Hedwigia 119: 487. 2024.

फल्वोफाइटोन डेजर्टोरम (स्पेरिअस) एर्ट्ज व टेहलर (रोसेलोग्रैफेसी)

पूर्वतः चिली से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार उल्टापानी, कोकराझार जिला, असम से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम के पादपालय (BUBH) में संगृहीत है। इसे पुंगबिलि इस्लेरी, मोनिका ठाकुर, विशाल कुमार, सुपर्णा बिश्वास, गौरव कुमार मिश्रा, संजीव नायका, सिल्जो जोसेफ व रेबेका डायमरी ने वेजिटोस 37: 2037. 2024 में प्रकाशित किया है।

Fulvophyton desertorum (Sparrius) Ertz & Tehler (Roccellographaceae)

The species earlier known from Chile has been reported for the first time from India based on the collection made from Ultapani, Kokrajhar District, Assam. The specimen is deposited in the Herbarium of Bodoland University, Kokrajhar, Assam (BUBH). It has been published by Pungbili Islary, Monika Thakur, Vishal Kumar, Suparna Biswas, Gaurav Kumar Mishra, Sanjeeva Nayaka, Siljo Joseph & Rebecca Daimari in Vegetos 37: 2037. 2024.

ग्रैफिस इमर्सा मुल. -आर्ग. (ग्राफीडेसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कोस्टा रिका, अल साल्वाडोर, फ्रांस, मेक्सिको, पापुआ न्यू गिनी, क्वींसलैंड और रियूनियन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार उल्टापानी, कोकराझार जिला, असम से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम के पादपालय (BUBH) में संगृहीत है। इसे पुंगबिलि इस्लेरी, मोनिका ठाकुर, विशाल कुमार, सुपर्णा बिश्वास, गौरव कुमार मिश्रा, संजीव नायका, सिल्जो जोसेफ व रेबेका डायमरी ने वेजिटोस 37: 2036. 2024 में प्रकाशित किया है।

Graphis emersa Müll. Arg. (Graphidaceae)

The species earlier known from Australia, Brazil, Costa Rica, El Salvador, France, Mexico, Papua New Guinea, Queensland and Réunion has been reported for the first time from India based on the collection made from Ultapani, Kokrajhar District, Assam. The specimen is deposited in the Herbarium of Bodoland University, Kokrajhar, Assam (BUBH). It has been published by Pungbili Islary, Monika Thakur, Vishal Kumar, Suparna Biswas, Gaurav Kumar Mishra, Sanjeeva Nayaka, Siljo Joseph & Rebecca Daimari in Vegetos 37: 2036. 2024.

जाइएलिडिया फ्रिटज़ी (स्टीन) वेज़्दा (गॉम्फिलेसी)

पूर्वत: इटली और केन्या से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 101 मीटर की ऊँचाई पर काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, बागोरी रेंज, नागांव जिला, असम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे प्रशांत कुमार बेहरा, सिलजो जोसेफ, संजीव नायक व राजवीर सिंह चौहान ने प्ला. साइ. टुडे 11(2): 336. 2024 में प्रकाशित किया है।

Gyalidea fritzei (Stein) Vězda (Gomphillaceae)

The species earlier known from Italy and Kenya has been reported for the first time from India based on the collection made from Kaziranga National Park, Bagori Range, Nagaon District, Assam at 101 m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Prashant Kumar Behera, Siljo Joseph, Sanjeeva Nayaka & Rajveer Singh Chauhan in Pl. Sci. Today 11(2): 336. 2024.

हेपिया कॉन्चीलोबा जाहलब्र. (पेल्टुलेसी)

पूर्वतः रूस और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार महाराष्ट्र में दुर्गवाडी पठार, जुन्नर, पुणे जिला और कास पठार, सतारा जिला से किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप अगरकर शोध संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र के पादपालय (AMH) में संगृहीत है। इसे गार्गी एस. पंडित ने नोवा हेडविजिया 118: 489. 2024 में प्रकाशित किया है।

Heppia conchiloba Zahlbr. (Peltulaceae)

The species earlier known from Russia and North America has been reported for the first time from India based on the collections made from Durgawadi plateau, Junnar, Pune District and Kas Plateau, Satara District, Maharashtra. The specimens are deposited in the Herbarium of Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). It has been published by Gargee S. Pandit in Nova Hedwigia 118: 489. 2024.

हेपिया सोलोराइनोइडीज (नाइल.) नाइल. (पेल्टुलेसी)

पूर्वतः एशिया, अफ्रीका और यूरोप से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार कास पठार, सतारा जिला, महाराष्ट्र से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप अगरकर शोध संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र के पादपालय (AMH) में संगृहीत है। इसे गार्गी एस. पंडित ने नोवा हेडविजिया 118: 490. 2024 में प्रकाशित किया है।

Heppia solorinoides (Nyl.) Nyl. (Peltulaceae)

The species earlier known from Asia, Africa and Europe has been reported for the first time from India based on the collections made from Kas Plateau, Satara District, Maharashtra. The specimens are deposited in the Herbarium of Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). It has been published by Gargee S. Pandit in Nova Hedwigia 118: 490. 2024.

मैल्मीडिया बेसिडिनोइडीज (ल्यूकिंग) काल्ब व ल्यूकिंग (माल्मिडिएसी)

पूर्वतः ब्राजील, इक्वाडोर, फ्रेंच गुयाना, गुयाना और थाईलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार उल्टापानी और लबानपुर, कोकराझार जिला, असम से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम के पादपालय (BUBH) में संगृहीत है। इसे पुंगबिलि इस्लेरी, मोनिका ठाकुर, विशाल कुमार, सुपर्णा बिश्वास, गौरव कुमार मिश्रा, संजीव नायका, सिल्जो जोसेफ व रेबेका डायमरी ने वेजिटोस 37: 2036. 2024 में प्रकाशित किया है।

Malmidea bacidinoides (Lücking) Kalb & Lücking (Malmideaceae)

The species earlier known from Brazil, Ecuador, French Guiana, Guyana and Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made from Ultapani and Labanyapur, Kokrajhar District, Assam. The specimens are deposited in the Herbarium of Bodoland University, Kokrajhar, Assam (BUBH). It has been published by Pungbili Islary, Monika Thakur, Vishal Kumar, Suparna Biswas, Gaurav Kumar Mishra, Sanjeeva Nayaka, Siljo Joseph & Rebecca Daimari in Vegetos 37: 2036. 2024.

माल्मिडिया फेनिसिस (वैन.) काल्ब, रिवस प्लाटा व लुम्बश (माल्मिडिएसी)

पूर्वत: फिलीपींस से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार लॉन्ग आइलैंड, मध्य अंडमान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा मटिगर, सिद्धापुर, उत्तर कन्नड़, कर्नाटक से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे राकेश अधिकारी, रोशिनीकुमार नगंगोम, कोमल के. इंग्ले, सिलजो जोसेफ व संजीव नायक ने द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 56. 2024 में प्रकाशित किया है।

Malmidea fenicis (Vain.) Kalb, Rivas Plata & Lumbsch (Malmideaceae)

The species earlier known from Philippines has been reported for the first time from India based on the collection made from Long Island, Middle Andaman, Andaman & Nicobar Islands and from Mattigar, Siddapur, Uttara Kannada, Karnataka. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Rakesh Adhikari, Roshinikumar Ngangom, Komal K. Ingle, Siljo Joseph & Sanjeeva Nayaka in The Lichenologist 56: 56. 2024.

मैल्मीडिया गाइएलेक्टोइडीज (वैन.) काल्ब व ल्यूकिंग (माल्मिडिएसी)

पूर्वतः ब्राजील, कोलम्बिया, गुयाना और संयुक्त राज्य अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार उल्टापानी, सरलपारा और लबानपुर, कोकराझार जिला, असम से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम के पादपालय (BUBH) में और सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत हैं। इसे पुंगबिलि इस्लेरी, मोनिका ठाकुर, विशाल कुमार, सुपर्णा बिश्वास, गौरव कुमार मिश्रा, संजीव नायका, सिल्जो जोसेफ व रेबेका डायमरी ने वेजिटोस 37: 2037. 2024 में प्रकाशित किया है।

Malmidea gyalectoides (Vain.) Kalb & Lücking (Malmideaceae)

The species earlier known from Brazil, Colombia, Guyana, USA has been reported for the first time from India based on the collection made from Ultapani, Saralpara and Labanyapur, Kokrajhar District, Assam. The specimens are deposited in the Herbarium of Bodoland University, Kokrajhar, Assam (BUBH) and CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Pungbili Islary, Monika Thakur, Vishal Kumar, Suparna Biswas, Gaurav Kumar Mishra, Sanjeeva Nayaka, Siljo Joseph & Rebecca Daimari in Vegetos 37: 2037. 2024.

माल्मिडिया लेप्टोलोमा (मुल. आर्ग.) कल्ब व ल्यूकिंग (माल्मिडिएसी)

पूर्वत: ऑस्ट्रेलिया, बोलीविया, ब्राजील और सोलोमन द्वीप से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार लॉन्ग आइलैंड, मध्य अंडमान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे राकेश अधिकारी, रोशिनीकुमार नगंगोम, कोमल के. इंग्ले, सिलजो जोसेफ व संजीव नायक ने द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 56. 2024 में प्रकाशित किया है।

Malmidea leptoloma (Müll. Arg.) Kalb & Lücking (Malmideaceae)

The species earlier known from Australia, Bolivia, Brazil and the Solomon Islands has been reported for the first time from India based on the collection made from Long Island, Middle Andaman, Andaman & Nicobar Islands. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Rakesh Adhikari, Roshinikumar Ngangom, Komal K. Ingle, Siljo Joseph & Sanjeeva Nayaka in The Lichenologist 56: 56. 2024.

माल्मिडिया पाइयाइ (काल्ब) काल्ब (माल्मिडिएसी)

पूर्वत: ऑस्ट्रेलिया और थाईलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1754 मीटर की ऊँचाई पर कोन्या गाँव, तुएनसांग जिला, नागालैंड और चंद्रबनी वन्यजीव संस्थान परिसर, देहरादून जिला, उत्तराखंड से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे राकेश अधिकारी, रोशिनीकुमार नगंगोम, कोमल के. इंग्ले, सिलजो जोसेफ व संजीव नायक ने द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 56. 2024 में प्रकाशित किया है।

Malmidea piae (Kalb) Kalb (Malmideaceae)

The species earlier known from Australia and Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made from Konya Village, Tuensang District, Nagaland at 1754 m altitude and from Chandrabani Wildlife Institute of India Campus, Dehradun District, Uttarakhand. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Rakesh Adhikari, Roshinikumar Ngangom, Komal K. Ingle, Siljo Joseph & Sanjeeva Nayaka in The Lichenologist 56: 56. 2024.

माल्मिडिया पाइपेरिना (ज़हलब्र.) एप्टरूट व ब्रूस (माल्मिडिएसी)

पूर्वत: ब्राजील, श्रीलंका और ताइवान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 90 मीटर की ऊँचाई पर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में बाजलुंगटा, मध्य अंडमान और टी. एल. डी. रेंज, दक्षिण अंडमान से; 60 मीटर की ऊँचाई पर चपनाला गाँव, नागांव जिला, असम से एवं मिजोरम विश्वविद्यालय (एमजेडयू) परिसर, मिजोरम से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे राकेश अधिकारी, रोशिनीकुमार नंगंगोम, कोमल के. इंग्ले, सिलजो जोसेफ व संजीव नायक ने द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 57. 2024 में प्रकाशित किया है।

Malmidea piperina (Zahlbr.) Aptroot & Breuss (Malmideaceae)

The species earlier known from Brazil, Sri Lanka and Taiwan has been reported for the first time from India based on the collection made from Bajalungta, Middle Andaman and T. L. D. range, South Andaman, at 90 m altitude, Andaman & Nicobar Islands; Chapanala Village, Nagaon District, Assam at 60 m altitude; MZU Campus, Mizoram. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Rakesh Adhikari, Roshinikumar Ngangom, Komal K. Ingle, Siljo Joseph & Sanjeeva Nayaka in The Lichenologist 56: 57. 2024.

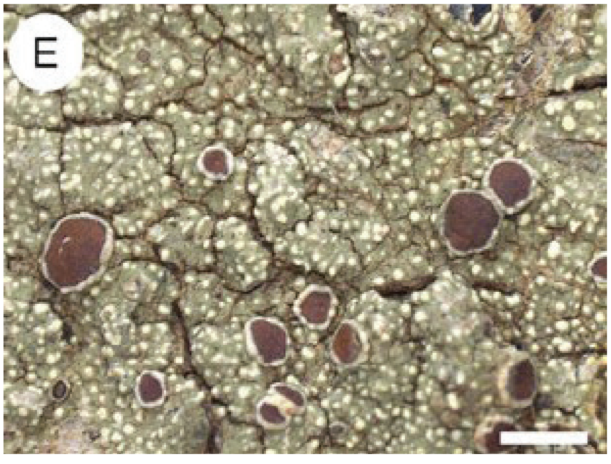

माल्मिडिया रियूनियोनिस काल्ब (माल्मिडिएसी)

पूर्वत: रीयूनियन द्वीप से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 640 मीटर की ऊंचाई पर सिंगारगाओ क्रॉस, दांडेली, उत्तर कन्नड़, कर्नाटक से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे राकेश अधिकारी, रोशिनीकुमार नगंगोम, कोमल के. इंग्ले, सिलजो जोसेफ व संजीव नायक ने द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 57. 2024 में प्रकाशित किया है।

Malmidea reunionis Kalb (Malmideaceae)

The species earlier known from Reunion Island has been reported for the first time from India based on the collection made from Singargao Cross, Dandeli, Uttara Kannada, Karnataka at 640 m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Rakesh Adhikari, Roshinikumar Ngangom, Komal K. Ingle, Siljo Joseph & Sanjeeva Nayaka in The Lichenologist 56: 57. 2024.

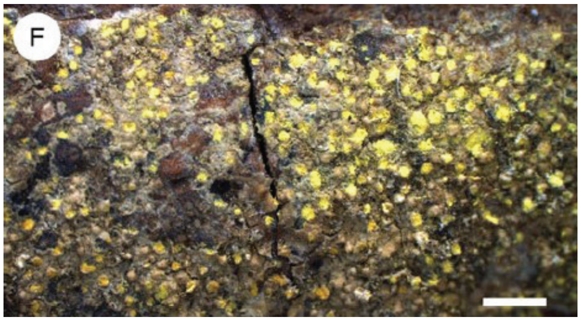

माल्मिडिया सल्फ्यूरियोसोरेडिएटा एम. कैसरेस, डी. ए. मोटा व एप्टरूट (माल्मिडिएसी)

पूर्वत: ब्राजील से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार बाराटांग द्वीप, नीलांबुर, दक्षिण अंडमान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे राकेश अधिकारी, रोशिनीकुमार नगंगोम, कोमल के. इंग्ले, सिलजो जोसेफ व संजीव नायक ने द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 57. 2024 में प्रकाशित किया है।

Malmidea sulphureosorediata M. Cáceres, D. A. Mota & Aptroot (Malmideaceae)

The species earlier known from Brazil has been reported for the first time from India based on the collection made from Baratang Island, Nilambur, South Andaman Group, Andaman & Nicobar Islands. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Rakesh Adhikari, Roshinikumar Ngangom, Komal K. Ingle, Siljo Joseph & Sanjeeva Nayaka in The Lichenologist 56: 57. 2024.

माल्मिडिया वाइनोसा (एस्चव.) काल्ब, रिवास प्लेटा व लुम्बश (माल्मिडिएसी)

पूर्वत: बरमूडा, बोलीविया, ब्राजील, गुयाना और फ्लोरिडा से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 400 मीटर की ऊंचाई पर वन्नातिपराई, मेघमलाई वन्यजीव अभयारण्य, कम्बम जिला, तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे राकेश अधिकारी, रोशिनीकुमार नंगगोम, कोमल के. इंग्ले, सिलजो जोसेफ व संजीव नायक ने द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 57. 2024 में प्रकाशित किया है।

Malmidea vinosa (Eschw.) Kalb, Rivas Plata & Lumbsch (Malmideaceae)

The species earlier known from Bermuda, Bolivia, Brazil, Guyana and Florida has been reported for the first time from India based on the collection made from Vannatiiparai, Meghamalai Wildlife Sanctuary, Kambam District, Tamil Nadu at 400 m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Rakesh Adhikari, Roshinikumar Ngangom, Komal K. Ingle, Siljo Joseph & Sanjeeva Nayaka in The Lichenologist 56: 57. 2024.

मिरियोलेसिस डिस्पर्सा (पर्स.) स्लिवा, झाओ जिन व लुम्बश

इस शैकवासी शैवाक का वर्णन भारत में पहली बार 3483 मी की ऊंचाई पर नीति गांव, चमोली जिला, उत्तराखंड में *डर्मेटोकार्पन* प्रजाति के थैलस और 2471 मीटर की ऊंचाई पर धारचूला, पिथौरागढ़, उत्तराखंड में पस्ती गांव से पायंग गांव के रास्ते में *एकैरोस्पोरा* प्रजाति के थैलस से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशी, सुनिता बिष्ट, पूजा बंसल व शिम्मी मीणा ने कवका 60(4): 75. 2024 में प्रकाशित किया है।

Myriolecis dispersa (Pers.) Śliwa, Zhao Xin & Lumbsch

The lichenicolous lichen species has been reported for the first time from India based on the collection made on thallus of *Dermatocarpon* sp., Niti village, Chamoli District, Uttarakhand at 3483 m altitude and on thallus of *Acarospora* sp., on way to Payang Village from Pasti Village, Dharchula, Pithoragarh District, Uttarakhand at 2471 m altitude. The specimens are deposited in University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). This has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Shimmi Meena in Kavaka 60(4): 75. 2024.

मिरियोट्रेमा क्लासिकम ल्यूकिंग (ग्रेफीडेसी)

पूर्वतः कोस्टा रिका, गुयाना और थाईलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार उल्टापानी, कोकराझार जिला, असम से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम के पादपालय (BUBH) में संगृहीत है। इसे पुंगबिलि इस्लेरी, मोनिका ठाकुर, विशाल कुमार, सुपर्णा बिश्वास, गौरव कुमार मिश्रा, संजीव नायका, सिल्जो जोसेफ व रेबेका डायमरी ने वेजिटोस 37: 2036. 2024 में प्रकाशित किया है।

Myriotrema classicum Lücking (Graphidaceae)

The species earlier known from Costa Rica, Guyana and Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made from Ultapani, Kokrajhar District, Assam. The specimen is deposited in the Herbarium of Bodoland University, Kokrajhar, Assam (BUBH). It has been published by Pungbili Islary, Monika Thakur, Vishal Kumar, Suparna Biswas, Gaurav Kumar Mishra, Sanjeeva Nayaka, Siljo Joseph & Rebecca Daimari in Vegetos 37: 2036. 2024.

पेल्टुला बोलेन्डरी (टक.) वेटमोर (पेल्टुलेसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार पंचगनी पठार, सतारा जिला, महाराष्ट्र से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप अगरकर शोध संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र के पादपालय (AMH) में संगृहीत है। इसे गार्गी एस. पंडित ने नोवा हेडविजिया 118: 492. 2024 में प्रकाशित किया है।

Peltula bolanderi (Tuck.) Wetmore (Peltulaceae)

The species earlier known from Australasia, Africa and North America has been reported for the first time from India based on the collections made from Panchgani Plateau, Satara District, Maharashtra. The specimens are deposited in the Herbarium of Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). It has been published by Gargee S. Pandit in Nova Hedwigia 118: 492. 2024.

पेल्टुला ब्राजीलिएन्सिस (जाहलब्र.) ब्यूडेल**,** कौफ व बचरन (पेल्टुलेसी)

पूर्वतः ब्राजील से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार महाराष्ट्र में धंगरवाडा बॉक्साइट खनन स्थल, कोल्हापुर जिला और कास पठार, सतारा जिला से किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप अगरकर शोध संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र के पादपालय (AMH) में संगृहीत है। इसे गार्गी एस. पंडित ने नोवा हेडविजिया 118: 492. 2024 में प्रकाशित किया है।

Peltula brasiliensis (Zahlbr.) Büdel, Kauff & Bachran (Peltulaceae)

The species earlier known from Brazil has been reported for the first time from India based on the collections made from Dhangarwada Bauxite Mining Site, Kolhapur District and Kas Plateau, Satara District, Maharashtra. The specimens are deposited in the Herbarium of Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). It has been published by Gargee S. Pandit in Nova Hedwigia 118: 492. 2024.

पेल्टुला कैटेरैक्टिआइ (ब्यूडेल व सेरुसिऑक्स) ब्यूडेल**,** कौफ व बचरन (पेल्टुलेसी)

पूर्वतः ब्राजील से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार महाराष्ट्र में धंगरवाडा बॉक्साइट खनन स्थल, कोल्हापुर जिला; कास पठार, सतारा जिला और ताम्हिणी, मुलशी, पुणे जिला से किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप अगरकर शोध संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र के पादपालय (AMH) में संगृहीत है। इसे गार्गी एस. पंडित ने नोवा हेडविजिया 118: 494. 2024 में प्रकाशित किया है।

Peltula cataractae (Büdel & Sérusiaux) Büdel, Kauff & Bachran (Peltulaceae)

The species earlier known from Brazil has been reported for the first time from India based on the collections made from Dhangarwada Bauxite Mining Site, Kolhapur District, Kas Plateau, Satara District and Tamhini, Mulshi, Pune District, Maharashtra. The specimens are deposited in the Herbarium of Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). It has been published by Gargee S. Pandit in Nova Hedwigia 118: 494. 2024.

पेल्टुला पॉलीफाइला क्यू. एक्स. यांग व एक्स. एल. वी (पेल्टुलेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार कास पठार, सतारा जिला, महाराष्ट्र से किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप अगरकर शोध संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र के पादपालय (AMH) में संगृहीत है। इसे गार्गी एस. पंडित ने नोवा हेडविजिया 118: 498. 2024 में प्रकाशित किया है।

Peltula polyphylla Q. X. Yang & X. L. Wei (Peltulaceae)

The species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collections made from Kas Plateau, Satara District, Maharashtra. The specimens are deposited in the Herbarium of Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). It has been published by Gargee S. Pandit in Nova Hedwigia 118: 498. 2024.

पेल्टुला सोनोरेन्सिस ब्यूडेल व टी. एच. नाश (पेल्टुलेसी)

पूर्वतः उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार पंचगनी पठार, सतारा जिला, महाराष्ट्र से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप अगरकर शोध संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र के पादपालय (AMH) में संगृहीत है। इसे गार्गी एस. पंडित ने नोवा हेडविजिया 118: 499. 2024 में प्रकाशित किया है।

Peltula sonorensis Büdel & T. H. Nash (Peltulaceae)

The species earlier known from North America has been reported for the first time from India based on the collections made from Panchgani Plateau, Satara District, Maharashtra. The specimens are deposited in the Herbarium of Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). It has been published by Gargee S. Pandit in Nova Hedwigia 118: 499. 2024.

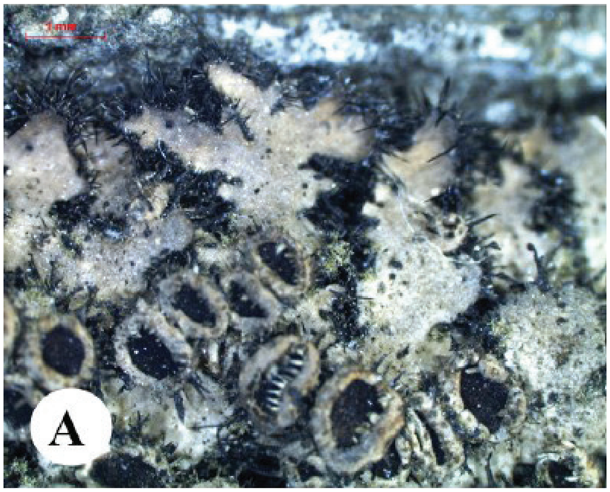

फियोफाइसिया हिर्टुओसा (क्रेम्प) एशल. (फाइसिएसी)

पूर्वत: उत्तरी अमेरिका, चीन, जापान, रूस और दक्षिण कोरिया से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 2525 मीटर की ऊँचाई पर बोमडिला टाउन, पश्चिम कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश में छाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे पूजा मौर्य, गौरव के. मिश्रा व दलीप के. उप्रेती ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 47. 2024 में प्रकाशित किया है।

Phaeophyscia hirtuosa (Kremp.) Essl. (Physciaceae)

The species earlier known from North America, China, Japan, Russia, South Korea has been reported for the first time from India based on the collection made on bark, Bomdila Town, West Kameng District, Arunachal Pradesh at 2525 m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Pooja Maurya, Gaurav K. Mishra & Dalip K. Upreti in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 47. 2024.

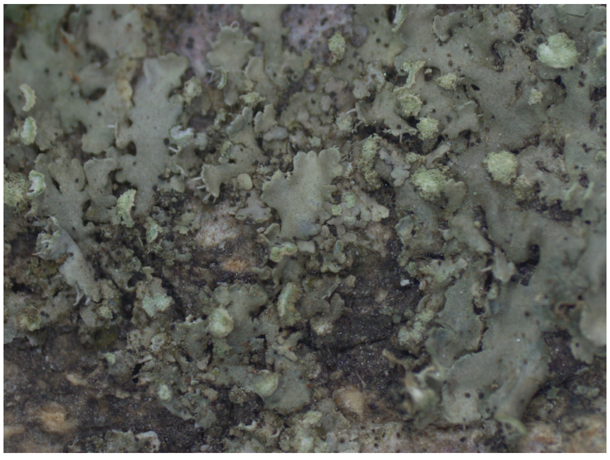

फियोफाइसिआ इनसिग्निस (मेरेश्क.) मोबर्ग (फाइसिएसी)

पूर्वतः यूरोप और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 514–522 मी की ऊंचाई पर फंगटोली गाँव, पठानकोट जिला, पंजाब से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे नैन्सी, गौरव कुमर मिश्रा, नकुल भारद्वाज, आस्था भाटिया व दलिप कुमार उप्रेती ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड एन्वायर्नमेंट 10(4): 107. 2024 में प्रकाशित किया है।

Phaeophyscia insignis (Mereschk.) Moberg (Physciaceae)

The species earlier known from Europe and North America has been reported for the first time from India based on the collection made from Phangtoli Village, Pathankot District, Punjab at 514–522 m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Naincy, Gaurav Kumar Mishra, Nakul Bhardwaj, Astha Bhatia & Dalip Kumar Upreti in International Journal of Plant and Environment 10(4): 107. 2024.

फियोफाइसिया लेसिनिएटा एशल. (फाइसिएसी)

पूर्वत: हवाई द्वीप से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार लगभग 1800 मीटर की ऊंचाई पर मुन्नार, टी एस्टेट क्षेत्र, थेनमल्लय, इडुक्की जिला, केरल के पास सड़क के किनारे दालचीनी के पेड़ की छाल से और 2100 मीटर की ऊंचाई पर उत्तराखंड के नैनीताल जिला में टिफिन टॉप के रास्ते में किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे पूजा मौर्य, गौरव के. मिश्रा व दलीप के. उप्रेती ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 51. 2024 में प्रकाशित किया है।

Phaeophyscia laciniata Essl. (Physciaceae)

The species earlier known from Hawaiian Island has been reported for the first time from India based on the collection made on bark of Cinnamon tree, along roadside, near Munnar, Tea-Estate Area, Thenmallay, Idukki District, Kerala at *c.* 1800 m altitude and from way to Tiffin Top, Nainital District, Uttarakhand at 2100 m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Pooja Maurya, Gaurav K. Mishra & Dalip K. Upreti in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 51. 2024.

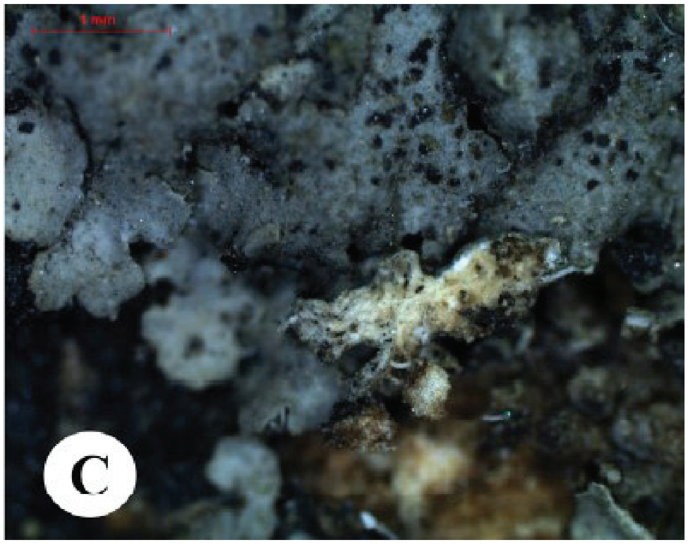

फियोफाइसिया नाशियाइ एशल. (फाइसिएसी)

पूर्वत: पश्चिमी मेक्सिको से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार गुरा कलां गाँव, पठानकोट जिला, पंजाब में आम वृक्ष की छाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे पूजा मौर्य, गौरव के. मिश्रा व दलीप के. उप्रेती ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 51. 2024 में प्रकाशित किया है।

Phaeophyscia nashii Essl. (Physciaceae)

The species earlier known from Western Mexico has been reported for the first time from India based on the collection made on bark of Mango tree, Gurah Kalan Village, Pathankot District, Punjab. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Pooja Maurya, Gaurav K. Mishra & Dalip K. Upreti in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 51. 2024.

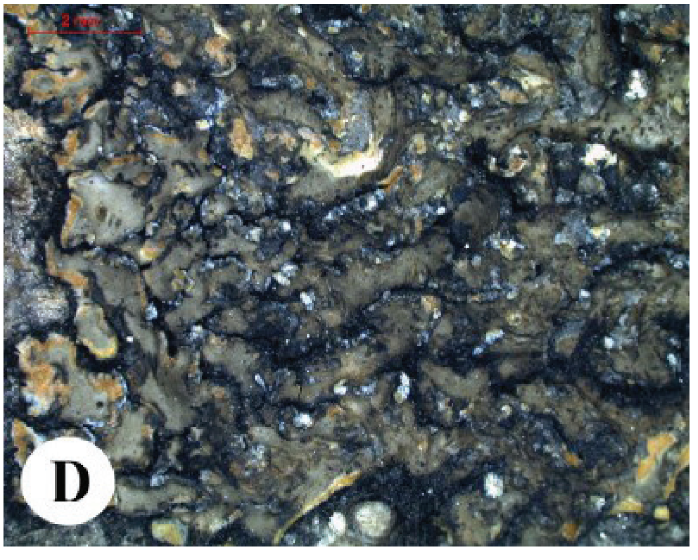

फियोफाइसिया रुब्रोपुलक्रा (डीगेल.) एशल. (फाइसिएसी)

पूर्वत: उत्तरी अमेरिका चीन, जापान और सुदूर पूर्वी रूस एशिया, दक्षिण कोरिया से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 762 मीटर की ऊँचाई पर दार्जिलिंग जिला, पश्चिम बंगाल में चूनाभट्टी और तिनधरिया के बीच छाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे पूजा मौर्य, गौरव के. मिश्रा व दलीप के. उप्रेती ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 53. 2024 में प्रकाशित किया है।

Phaeophyscia rubropulchra (Degel.) Essl. (Physciaceae)

The species earlier known from North America, China, Japan and Easternmost Russia, Asia, South Korea has been reported for the first time from India based on the collection made on bark, between Chunabhati and Tindhoria, Darjeeling District, West Bengal at 762 m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Pooja Maurya, Gaurav K. Mishra & Dalip K. Upreti in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 53. 2024.

पोराइना एहलेसियान (कोर्ब.) जाहल्ब्र. (पोराइनेसी)

पूर्वतः कनाडा, जर्मनी, हंगरी, इटली, न्यूज़ीलैंड, उत्तरी आयरलैंड, नॉर्वे, रोमानिया, स्पेन और स्वीडन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार लबानपुर, कोकराझार जिला, असम से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम के पादपालय (BUBH) में संगृहीत है। इसे पुंगबिलि इस्लेरी, मोनिका ठाकुर, विशाल कुमार, सुपर्णा बिश्वास, गौरव कुमार मिश्रा, संजीव नायका, सिल्जो जोसेफ व रेबेका डायमरी ने वेजिटोस 37: 2037. 2024 में प्रकाशित किया है।

Porina ahlesiana (Körb.) Zahlbr. (Porinaceae)

The species earlier known from Canada, Germany, Hungary, Italy, New Zealand, Northern Ireland, Norway, Romania, Spain and Sweden has been reported for the first time from India based on the collection made from Labanyapur, Kokrajhar District, Assam. The specimen is deposited in the Herbarium of Bodoland University, Kokrajhar, Assam (BUBH). It has been published by Pungbili Islary, Monika Thakur, Vishal Kumar, Suparna Biswas, Gaurav Kumar Mishra, Sanjeeva Nayaka, Siljo Joseph & Rebecca Daimari in Vegetos 37: 2037. 2024.

सोरा क्रेनेटा (टेयलर) रींके (सोरेसी)

पूर्वतः मध्य एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, दक्षिण अफ्रीका और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार हिमाचल प्रदेश में गोंदला क्षेत्र, लाहौल-स्पीति जिला से तथा जम्मू और कश्मीर में कालीधार जंगल क्षेत्र, राजौरी जिला से किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे विशाल कुमार, दलिप कुमार उप्रेती व संजीव नायका ने बायोलॉजी बुलेटिन 51(4): 955. 2024 में प्रकाशित किया है।

Psora crenata (Taylor) Reinke (Psoraceae)

The species earlier known from Central Asia, Australia, Europe, South Africa and North America has been reported for the first time from India based on the collections made from Gondla Area, Lahaul Spiti District, Himachal Pradesh and Kalidhar Forest Area, Rajouri District, Jammu & Kashmir. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Vishal Kumar, Dalip Kumar Upreti & Sanjeeva Nayaka in Biology Bulletin 51(4): 955. 2024.

पाइरीनूला ऐल्बोथैलाइना वैन. (पाइरीनूलेसी)

पूर्वतः नामा और फिलीपींस से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार उल्टापानी, कोकराझार जिला, असम से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम के पादपालय (BUBH) में संगृहीत है। इसे पुंगबिलि इस्लेरी, मोनिका ठाकुर, विशाल कुमार, सुपर्णा बिश्वास, गौरव कुमार मिश्रा, संजीव नायका, सिल्जो जोसेफ व रेबेका डायमरी ने वेजिटोस 37: 2037. 2024 में प्रकाशित किया है।

Pyrenula albothallina Vain. (Pyrenulaceae)

The species earlier known from Panama and Philippines has been reported for the first time from India based on the collection made from Ultapani, Kokrajhar District, Assam. The specimen is deposited in the Herbarium of Bodoland University, Kokrajhar, Assam (BUBH). It has been published by Pungbili Islary, Monika Thakur, Vishal Kumar, Suparna Biswas, Gaurav Kumar Mishra, Sanjeeva Nayaka, Siljo Joseph & Rebecca Daimari in Vegetos 37: 2037. 2024.

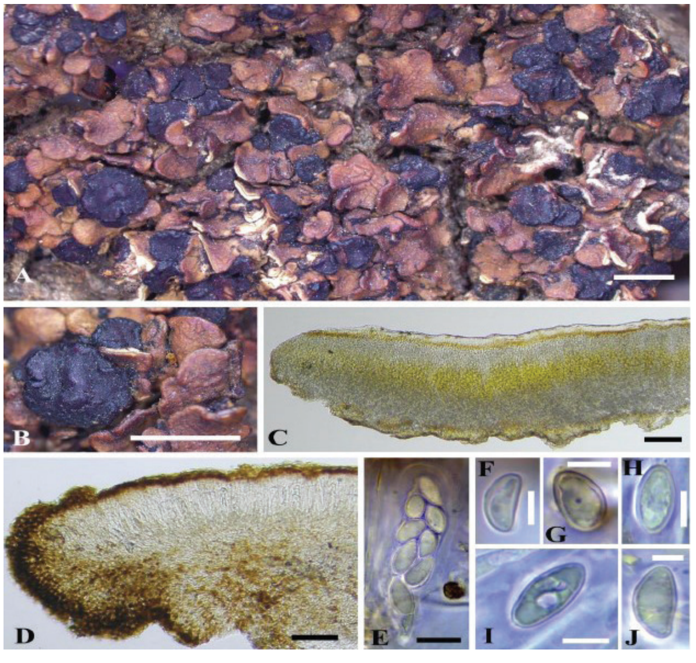

रोमजूलेरिया ल्यूरिडा (ऐक.) टिम्डल (लैसिडिएसी)

पूर्वतः मध्य पूर्व, यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस वंश का वर्णन भारत में पहली बार 2700-2800 मीटर की उंचाई पर बालटाल, गंदेरबल जिला, जम्मू और कश्मीर से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम के पादपालय (BUBH) में संगृहीत है। इसे विशाल कुमार, दलिप कुमार उप्रेती, संजीव नायका व यश पाल शर्मा ने कवका 60: 56. 2024 में प्रकाशित किया है।

Romjularia lurida (Ach.) Timdal (Lecideaceae)

The species earlier known from Middle East, Europe, North Africa and North America has been reported for the first time from India based on the collection made from Baltal, Ganderbal District, Jammu & Kashmir at 2700-2800 m altitude on rocks. The specimen is deposited in the Herbarium of Bodoland University, Kokrajhar, Assam (BUBH). It has been published by Vishal Kumar, Dalip Kumar Upreti, Sanjeeva Nayaka & Yash Pal Sharma in Kavaka 60: 56. 2024.

Seaweed - Panoramic view of algae at Sundarban.... Courtesy Sudhir Kumar Yadav

शैवाल / ALGAE

शैवाल | ALGAE

शैवाल एककोशिक से बहुकोशिक संरचना वाले सरल, प्ररूपी रूप से स्वपोषी जीवों का विशाल और विविधतापूर्ण समूह है। यद्यपि शैवाल विश्व स्तर पर दोहन का शिकार हो रहे हैं, फिर भी हाल के वर्षों में भारत में इस पादप समूह पर शोध के दायरे में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 16. 22 प्रतिशत शैवाल हैं। अब तक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारतीय शैवालों की लगभग 9117 प्रजातियां हैं। इस क्रमवार सार-संग्रह में वर्ष 2024 के दौरान, भारत से विज्ञान के लिए नवीन अन्वेषण के रूप में 1 वंश और 15 प्रजातियों (असम, केरल, मेघालय और उत्तराखंड में से प्रत्येक से 01; महाराष्ट्र से 02, त्रिपुरा से 03; जम्मू और कश्मीर से 06) तथा नवीन वितरणपरक अभिलेख के रूप में 01 वंश, 14 प्रजातियों, 02 प्रभेदों और 01 रूप (आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में से प्रत्येक से 01; बिहार से 02; पश्चिम बंगाल से 05 एवं असम से 07) को संकलित किया गया है।

Algae are the large and diverse group of simple, typically autotrophic organisms from unicellular to multicellular forms. Though algae are becoming more and more open to exploitation worldwide, knowledge on this group in India is increasing tremendously in recent times. The Indian algae account for about 16. 22 percent of the total plant species of India. In the present state of our knowledge, India has about 9117 species of algae. The collated information presented here for the year 2024, includes 01 genus and 15 species (01 each from Assam, Kerala, Meghalaya and Uttarakhand, 02 from Maharashtra, 03 from Tripura 06 from Jammu & Kashmir) and as new to science from India and 01 genus, 14 species, 02 varieties and 01 forma (01 each from Andhra Pradesh, Karnataka and Maharashtra, 02 from Bihar, 05 from West Bengal and 07 from Assam) as new distributional novelties.

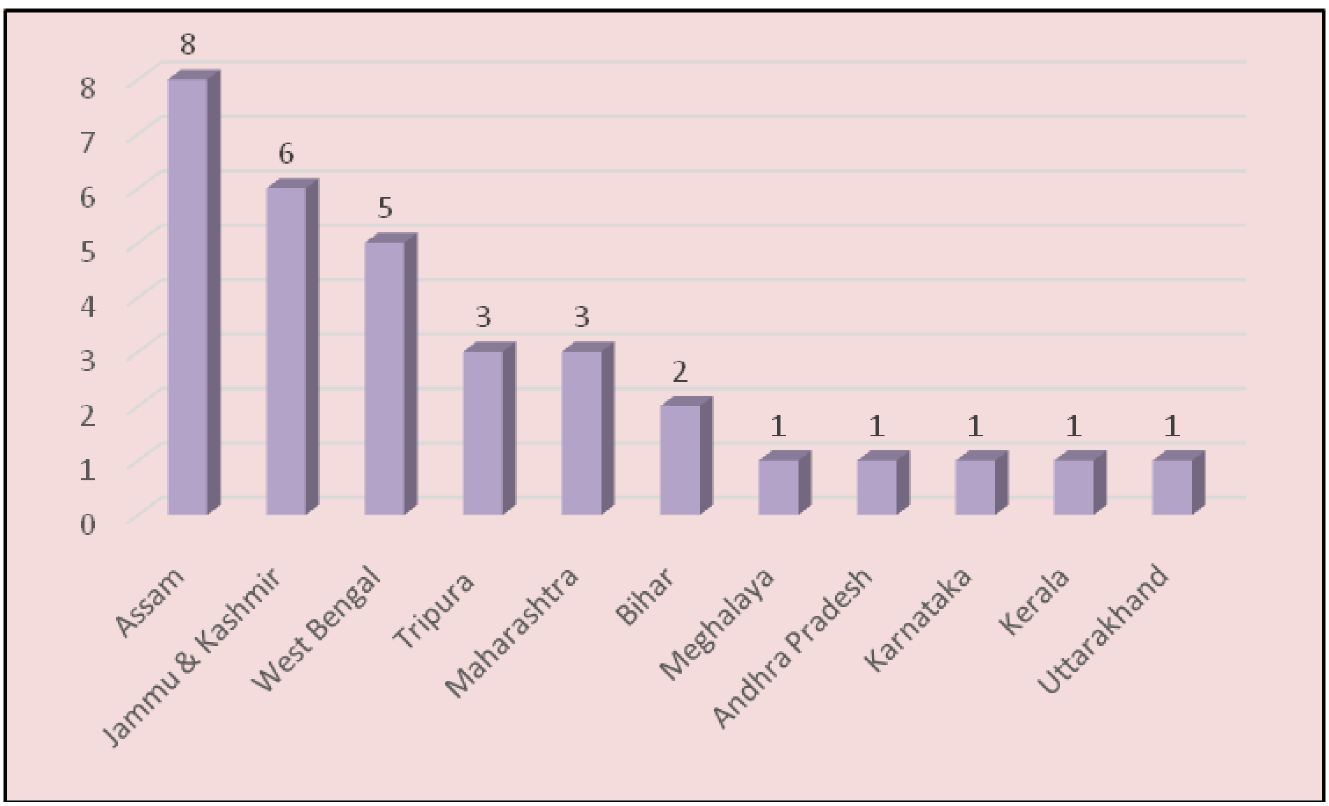

भारतीय राज्य एवं संघ-क्षेत्रों से अन्वेषित शैवाल की संख्या
NUMBER OF ALGAE DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs.

नवीन अन्वेषण / NEW DISCOVERIES

नवीन वंश / NEW GENUS

अहोमिया सागरिका पाल व प्रश. सिंह, जे. फायकोल. 60(2): 390. 2024. (नोडुलेरिएसी)

इस नवीन वंश का वर्णन इसके प्ररूप प्रजाति *अहोमिया कामरुपेन्सिस* के साथ नीलाचल पहाड़ी, गुवाहाटी, असम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में उपापचयी रुप से निष्क्रिय अवस्था में परिरक्षित है। इस नवीन वंश का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल असम के एक जातीय समूह अहोम/ताई-अहोम के नाम पर आधारित है।

Ahomia Sagarika Pal & Pras. Singh, J. Phycol. 60(2): 390. 2024. (Nodulariaceae)

The new genus is described with the type species *Ahomia kamrupensis* collected from Nilachal Hills, Guwahati, Assam. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The generic epithet refers to the Ahom/Tai-Ahom, an ethnic group from Assam, the place from where the sample was collected.

नवीन प्रजातियां / NEW SPECIES

अहोमिया कामरुपेन्सिस सागरिका पाल व प्रश. सिंह, जे. फायकोल. 60(2): 390. 2024. (नोडुलेरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन नीलाचल पहाड़ी, गुवाहाटी, असम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में उपापचयी रुप से निष्क्रिय अवस्था में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'असम' के पौराणिक ऐतिहासिक नाम 'कामरूप' पर आधारित है।

Ahomia kamrupensis Sagarika Pal & Pras. Singh, J. Phycol. 60(2): 390. 2024. (Nodulariaceae)

The species is discovered and described based on the collection made from Nilachal Hills, Guwahati, Assam. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet represents to Kamrupa, the old historical name of the state of Assam, from where the species is collected.

अहोमिया मेघालयेन्सिस सागरिका पाल व प्रश. सिंह, जे. फायकोल. 60(2): 394. 2024. (नोडुलेरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन गुवाहाटी-शिलांग सड़कमार्ग, मेघालय से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में उपापचयी रुप से निष्क्रिय अवस्था में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के राज्य 'मेघालय' के नाम पर आधारित है।

Ahomia meghalayensis Sagarika Pal & Pras. Singh, J. Phycol. 60(2): 394. 2024. (Nodulariaceae)

The species is discovered and described based on the collection made from Guwahati–Sillong road, Meghalaya. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet represents 'Meghalaya' the state from which the species was collected.

अहोमिया परप्यूरिया सागरिका पाल व प्रश. सिंह, जे. फायकोल. 60(2): 391. 2024. (नोडुलेरिएसी)

इस नवीन मृदावासी प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कैलाशहर, उनाकोटी जिला, त्रिपुरा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में उपापचयी रुप से निष्क्रिय अवस्था में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण अश्मीभूत पट्टों में इसके संवर्धन के दौरान निर्मित बैंगनी वर्ण के निवहों की विशिष्टता पर आधारित है।

Ahomia purpurea Sagarika Pal & Pras. Singh, J. Phycol. 60(2): 391. 2024. (Nodulariaceae)

The soil-dwelling species is discovered and described based on the collection made from Kailashahar, Unakoti District, Tripura. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet represents the purple-coloured colonies formed while culturing the species in petriplates.

अहोमिया सोली सागरिका पाल व प्रश. सिंह, जे. फायकोल. 60(2): 392. 2024. (नोडुलेरिएसी)

इस नवीन मृदावासी प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कैलाशहर, उनाकोटी जिला, त्रिपुरा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में उपापचयी रुप से निष्क्रिय अवस्था में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण सोइल (मृदा) पर आधारित है जिससे इसे पृथक किया गया है।

Ahomia soli Sagarika Pal & Pras. Singh, J. Phycol. 60(2): 392. 2024. (Nodulariaceae)

The soil-dwelling species is discovered and described based on the collection made from Kailashahar, Unakoti District, Tripura. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet refers to soil, from where the species is isolated.

डेन्ड्रोनेलियम स्पाइरेल सागरिका पाल व प्रश. सिंह, जे. फायकोल. 60(2): 395. 2024. (नोडुलेरिएसी)

इस नवीन मृदावासी सायनोजीवाणु प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कैलाशहर, उनाकोटी जिला, त्रिपुरा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में उपापचयी रुप से निष्क्रिय अवस्था में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण इसके सर्पिल कुंडलित तंतुओं की विशिष्टता पर आधारित है।

Dendronalium spirale Sagarika Pal & Pras. Singh, J. Phycol. 60(2): 395. 2024. (Nodulariaceae)

The soil-dwelling cyanobacteria species is discovered and described based on the collection made from Kailashahar, Unakoti District, Tripura. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet refers to the spirally coiled filaments of the species.

डेस्मोनोस्टॉक रायी नरेश कुमार व प्रश. सिंह, जे. फायकोल. 60: 1195. 2024. (नॉस्टोकेसी)

इस अलवणजल सायनोजीवाणु प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बसंतगढ़, उधमपुर, जम्मू, जम्मू और कश्मीर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में उपापचयी रुप से निष्क्रिय अवस्था में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण भारत में सायनोजीवाणु के जीनॉमिक्स और प्रोटियोमिक्स पर आधुनिक अध्ययन के पुरोधा प्रो. एल. सी. राय, वनस्पति विज्ञान विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश के सम्मान में किया गया है।

Desmonostoc raii Naresh Kumar & Pras. Singh, J. Phycol. 60: 1195. 2024 (Nostocaceae)

This freshwater cyanobacterium species has been discovered and described based on the collection made from Basantgarh, Udhampur, Jammu, Jammu & Kashmir. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet is in the honour of Prof. L. C. Rai, Department of Botany, Banaras Hindu University, Uttar Pradesh, a pioneer of modern studies of genomics and proteomics of cyanobacteria from India.

डल्सिकैलोथ्रिक्स अधिकारिआइ सराफ, जे. आर. जोहान्स व प्रश. सिंह, जे. फायकोल. 60(5): 1142. 2024 (नॉस्टोकेसी)

इस अलवणजल सायनोजीवाणु प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मुम्ब्रा, ठाणे, महाराष्ट्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में उपापचयी रुप से निष्क्रिय अवस्था में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण भारत के प्रख्यात शैवालविज्ञ प्रो. सिबा प्रसाद अधिकारी के सम्मान में किया गया है।

Dulcicalothrix adhikaryi Saraf, J. R. Johans. & Pras. Singh, J. Phycol. 60(5): 1142. 2024 (Nostocaceae)

This freshwater cyanobacterium species has been discovered and described based on the collection made from Mumbra, Thane, Maharashtra. The holotype is cryopreserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Banaras Hindu University, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet is in the honour of eminent Indian phycologist Prof. Siba Prasad Adhikary.

डल्सिकैलोथ्रिक्स अयंगरियाइ एन. कुमार, जे. आर. जोहान्स व प्रश. सिंह, जे. फायकोल. 60(5): 1143. 2024 (नॉस्टोकेसी)

धान के खेत में पाए जाने वाले सायनोजीवाणु के इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बसंतगढ़, उधमपुर, जम्मू, जम्मू और कश्मीर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में उपापचयी रुप से निष्क्रिय अवस्था में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण भारत के प्रख्यात शैवालविज्ञ प्रो. एम. ओ. पी. अयंगर के सम्मान में किया गया है।

Dulcicalothrix iyengarii N. Kumar, J. R. Johans. & Pras. Singh, J. Phycol. 60(5): 1143. 2024 (Nostocaceae)

This rice field cyanobacteria species has been discovered and described based on the collection made from Basantgarh, Udhampur, Jammu, Jammu & Kashmir. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet is in the honour of eminent Indian phycologist Prof. M. O. P. Iyengar.

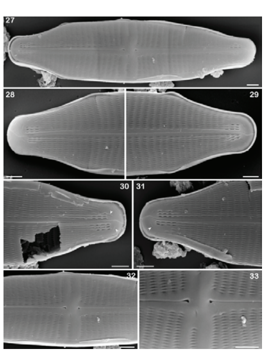

जीसलेरिया ट्राइअन्डुलेटा पी. नायक, एम. ठक्कर व बी. कार्तिक, फाइटोटैक्सा 661(1): 112. 2024 (सिमबेलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 580 मी. की ऊंचाई पर जंभाली, मुठा नदी, पुणे, महाराष्ट्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र के पादपालय (AHMA) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके कपाट की रूपरेखा की विशिष्टता पर आधारित है।

Geissleria triundulata P. Nayak, M. Thacker & B. Karthick, Phytotaxa 661(1): 112. 2024 (Cymbellaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made near Jambhali, Mutha River, Pune, Maharashtra at 580 m altitude. The holotype is deposited in Agharkar Research Institute Herbarium, Pune, Maharashtra (AHMA). The specific epithet 'triundulata' refers to the valve outline of the species.

नॉस्टोक ब्रेवी नरेश कुमार व प्रश. सिंह, जे. फायकोल. 60: 1195. 2024 (नॉस्टोकेसी)

इस अलवणजल सायनोजीवाणु प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बसंतगढ़, उधमपुर, जम्मू, जम्मू और कश्मीर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में उपापचयी रुप से निष्क्रिय अवस्था में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण इसके छोटे तंतुओं की विशिष्टता पर आधारित है।

Nostoc breve Naresh Kumar & Pras. Singh, J. Phycol. 60: 1195. 2024 (Nostocaceae)

This freshwater cyanobacterium species has been discovered and described based on the collection made from Basantgarh, Udhampur, Jammu, Jammu & Kashmir. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet denotes the short filaments of the strain.

नॉस्टोक कोरिऐसियम नरेश कुमार व प्रश. सिंह, जे. फायकोल. 60: 1195. 2024 (नॉस्टोकेसी)

इस अलवणजल सायनोजीवाणु प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बसंतगढ़, उधमपुर, जम्मू, जम्मू और कश्मीर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में उपापचयी रुप से निष्क्रिय अवस्था में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण इसके चर्मिल निवहों की विशिष्टता पर आधारित है।

Nostoc coriaceum Naresh Kumar & Pras. Singh, J. Phycol. 60: 1195. 2024 (Nostocaceae)

This freshwater cyanobacteria species has been discovered and described based on the collection made from Basantgarh, Udhampur, Jammu, Jammu & Kashmir. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet denotes the leathery colonies of the cyanobacteria in nature.

नॉस्टोक ग्लोबोसम नरेश कुमार व प्रश. सिंह, जे. फायकोल. 60: 1194. 2024 (नॉस्टोकेसी)

इस अलवणजल सायनोजीवाणु प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बसंतगढ़, उधमपुर, जम्मू, जम्मू और कश्मीर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में उपापचयी रुप से निष्क्रिय अवस्था में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण इसके निवहों की गोलाभास विशिष्टता पर आधारित है।

Nostoc globosum Naresh Kumar & Pras. Singh, J. Phycol. 60: 1194. 2024 (Nostocaceae)

This freshwater cyanobacterium species has been discovered and described based on the collection made from Basantgarh, Udhampur, Jammu, Jammu & Kashmir. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet denotes its globular appearance of colonies.

नॉस्टोक जम्मूएन्स नरेश कुमार व प्रश. सिंह, जे. फायकोल. 60: 1193. 2024 (नॉस्टोकेसी)

इस अलवणजल सायनोजीवाणु प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बसंतगढ़, उधमपुर, जम्मू, जम्मू और कश्मीर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में उपापचयी रुप से निष्क्रिय अवस्था में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'जम्मू' के नाम पर आधारित है।

Nostoc jammuense Naresh Kumar & Pras. Singh, J. Phycol. 60: 1193. 2024 (Nostocaceae)

This freshwater cyanobacterium species has been discovered and described based on the collection made from Basantgarh, Udhampur, Jammu, Jammu & Kashmir. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet is pertaining to the place of isolation, 'Jammu'.

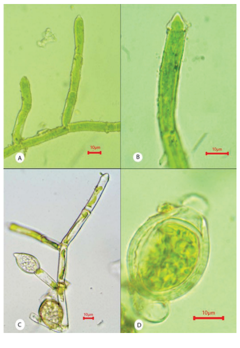

ईडोक्लेडियम सह्याद्रिकम जी. जे. मेरिन, वी. पी. थॉमस व टी. टी. बिनॉय, ताइवानिया 69(2): 175. 2024 (क्लोरोफाइसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन प्राकृतिक वन, कुंभावुरुट्टी, जिला कोलम, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप CAPH और समप्ररूप CATH में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके संग्रह स्थल 'सह्याद्री (पश्चिमी घाट)' के नाम पर आधारित है।

Oedocladium sahyadricum G. J. Merin, V. P. Thomas & T. T. Binoy, Taiwania 69(2): 175. 2024 (Chlorophyceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from natural forest, Kumbhavurutty, Kollam District, Kerala. The holotype is deposited in CAPH, isotype in CATH. The specific epithet 'sahyadricum' indicates Sahyadri (Western Ghats), the place of collection.

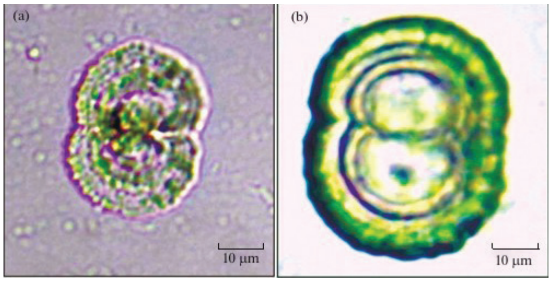

ऊकार्डियम कॉर्बेटेन्सिस शर्मा, टोप्पो, राठा व गुप्ता, बायोलॉजी बुलेटिन 51(सप्ल. 1): 102. 2024 (डेस्मीडिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन आरक्षित वन क्षेत्र, कॉर्बेट बाघ अभयारण्य (सीटीआर), नैनिताल और पौड़ी जिला, उत्तराखंड में धीमी बहने वाली झरने के कायांतरित चट्टान से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप शैवाल विज्ञान प्रयोगशाला, सीएसआइआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके संग्रह स्थल 'कॉर्बेट बाघ अभयारण्य' के नाम पर आधारित है।

Oocardium corbettensis Sharma, Toppo, Ratha & Gupta, Biology Bulletin 51(Suppl. 1): 102. 2024 (Desmidiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from metamorphic rock of slow running stream from the reserve forest area, Corbett Tiger Reserve (CTR), Nainital and Pauri District, Uttarakhand. The holotype is deposited in Algology Laboratory, CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet 'corbettensis' is after its place of collection, i.e. Corbett Tiger Reserve.

नवीन वितरणपरक अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORDS

वंशगत अभिलेख / GENERIC RECORDS

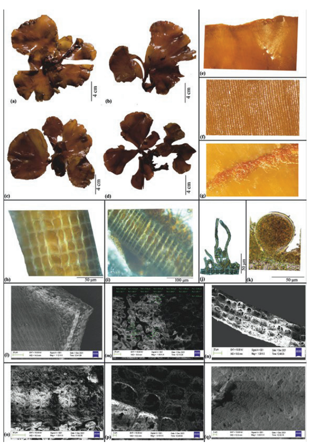

स्टाइपोपोडियम कुट्ज (डिक्टियोटेसी)

इस वंश का वर्णन भारत में पहली बार अप्पूघर, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में प्रतिनिधि प्रजाति *स्टाइपोपोडियम जोनेल* (जे. वी. लैमॉर.) पापेन एफ. से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में संगृहीत है। इसे वाइ. एरॉन, संतोष कुमार, एम. पलनिसामी व एस. विवेक ने जे. थ्रेट. टैक्सा 16(3): 24917. 2024 में प्रकाशित किया है।

Stypopodium Kütz. (Dictyotaceae)

This genus has been reported for the first time from India based on the representative species *Stypopodium zonale* (J. V. Lamour.) Papen f. Collected from Appughar, Visakhapatnam, Andhra Pradesh. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH). This has been published by Y. Aron Santhosh Kumar, M. Palanisamy & S. Vivek in J. Threat Taxa 16(3): 24917. 2024.

प्रजातिगत अभिलेख / SPECIES RECORDS

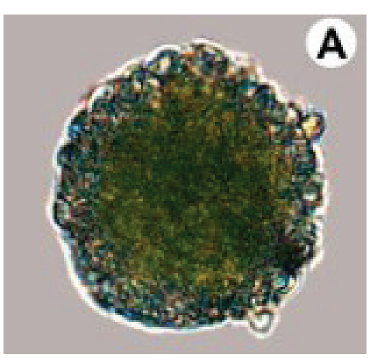

क्लोरोग्लोया जेन्टिलिस स्कूजा (सायनोफाइसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान (एजेसीबीआईबीजी), हावड़ा, पश्चिम बंगाल में *फाइकस बेन्गालेन्सिस* (विशाल वटवृक्ष) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे प्रतिभा गुप्ता ने ट्रॉप. प्ला. रिस. 11(1): 4. 2024 में प्रकाशित किया है।

Chlorogloea gentilis Skuja (Cyanophyceae)

This species has been reported for the first time from India based on the collection made from *Ficus bengalensis* (Great Banyan Tree) in Acharya Jagadish Chandra Bose, Indian Botanic Garden (AJCBIBG), Howrah, West Bengal. This has been published by Pratibha Gupta in Trop. Pl. Res. 11(1): 4. 2024.

गेयरेलिया ब्राजीलेन्सिस पेलीजरी एम. सी. ऑलिवीरा व एन. एस. योकोवो (गेयरेलिएसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार शिरगांव क्रीक, महाराष्ट्र में अंत: ज्वारीय क्षेत्र की ऊपरी सीमा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे मोनिका गजानन कावले, मुद्दसर अनिसोनद्दीन काजी व कांचन उदाता ने बॉटेनिक मैरिना 67(1): 45-5 0. 2024 में प्रकाशित किया है।

Gayralia brasiliensis Pellizzari M. C. Oliveira et N. S. Yokoya (Gayraliaceae)

This species has been reported for the first time from India based on the collection made from upper limit of the intertidal zone at Shirgaon Creek, Maharashtra. This has been published by Monica Gajanan Kavale, Mudassar Anisoddin Kazi & Kanchan Udata in Botanica Marina 67 (1): 45–50. 2024.

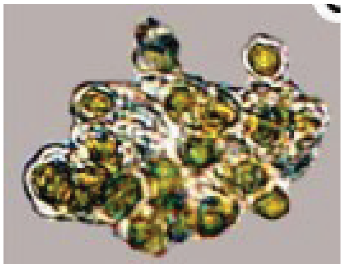

ग्लोइओकैप्सा नोवासेकिआइ कोमारेक व एनाग्न. (सायनोफाइसी)

पूर्वतः आर्कटिक : आर्कटिक, रूस (आर्कटिक) स्वालबार्ड (स्पिट्सबर्गेन); यूरोप : चेक गणराज्य, रोमानिया, सैक्सोनी (जर्मनी), स्कैन्डीनैविया से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान (एजेसीबीआईबीजी), हावड़ा, पश्चिम बंगाल में *फाइकस बेन्गालेन्सिस* (विशाल वटवृक्ष) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे प्रतिभा गुप्ता ने ट्रॉप. प्ला. रिस. 11(1): 4. 2024 में प्रकाशित किया है।

Gloeocapsa novacekii Komárek & Anagn. (Cyanophyceae)

This species earlier known from Arctic: Arctic, Russia (Arctic), Svalbard (Spitsbergen); Europe: Czech Republic, Romania, Saxony (Germany), Scandinavia has been reported for the first time from India based on the collection made from *Ficus bengalensis* (Great Banyan Tree) in Acharya Jagadish Chandra Bose Indian Botanic Garden (AJCBIBG), Howrah, West Bengal. This has been published by Pratibha Gupta in Trop. Pl. Res. 11(1): 4. 2024.

ग्रेटेलोयूपिआ प्रोलिफेरा जे. अगर्ध (ग्रेटेलोयूपिएसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार मैंगलोर सोमेश्वर मंदिर समुद्रतट, दक्षिण कन्नड़, कर्नाटक से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक में संगृहीत है। इसे जयाबालन संगीता, देवराजन तान्गदुराई, पलनिसामी मूक्कान व अहिल्या विट्ठल वाघमोड़े ने नीलम्बो डीओआई: 10. 20324/नीलम्बो/वी66/2024/173410 में प्रकाशित किया है।

Grateloupia prolifera J. Agardh (Grateloupiaceae)

This species earlier known from Australia and New Zealand has been reported for the first time from India based on the collection made from Manglore Someshwara Temple Beach, Dakshina Kannada, Karnataka. Specimens are deposited in the Department of Botany, Karnatak University, Dharwad, Karnataka. This has been published by Pavitra Chippalakatti, Jeyabalan Sangeetha, Devarajan Thangadurai, Palanisamy Mookkan & Ahilya Vitthal Waghmode in Nelumbo DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/173410.

मेनोइडियम ट्रेमूलम स्क्वॉर्टजोव (युग्लेनोफाइसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार नागा-शूपेन थ्रस्ट बेल्ट, पूर्वोत्तर भारत में दिग्बोई, जोराजन और माकुम तेल क्षेत्र में और आस-पास के कच्चे तेल से संदूषित विभिन्न आकार के 31 सरोजीवी जलाशयों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे विष्मिता बरुआ व पार्थ प्रतिम बरुआ ने प्ला. साइ. टुडे 11(4): 55. 2024. में प्रकाशित किया है।

Menoidium tremulum Skvortzov (Euglenophyceae)

This species has been reported for the first time from India based on the collection made from 31 crude oil contaminated lentic water bodies of varied sizes located in and around Digboi, Jorajan and Makum oil fields under the Naga-Schuppen thrust belt, North East India. This has been published by Bishmita Boruah & Partha Pratim Baruah in Pl. Sci. Today 11(4): 55. 2024.

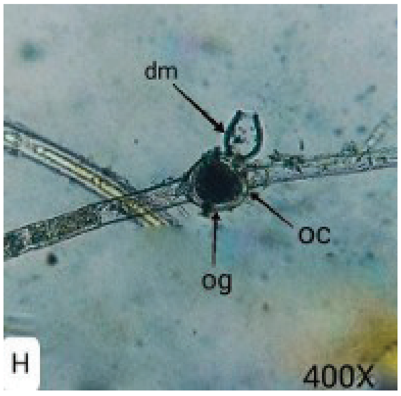

ईडोगोनियम मिरैन्ड्रियम स्कूजा (क्लोरोफाइसी)

पूर्वतः डेनमार्क से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार पिपरा खुर्द, जिला सुपौल, बिहार से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप शैवाल विज्ञान प्रयोगशाला, वनस्पतिशास्त्र विभाग, एल. एन. मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार में संगृहीत है। इसे दीपक कुमार झा व राम नरेश झा ने जे. इकॉन. टैक्सोन. बॉट. 48(1): 30. 2024 में प्रकाशित किया है।

Oedogonium mirandrium Skuja (Chlorophyceae)

This species earlier known from Denmark has been reported for the first time from India based on the collection made from Pipra Khurd, Supaul District, Bihar. The specimens are deposited at Phycology Laboratory, University Department of Botany, L. N. Mithila University, Darbhanga, Bihar. This has been published by Deepak Kumar Jha & Ram Naresh Jha in J. Econ. Taxon. Bot. 48(1): 30. 2024.

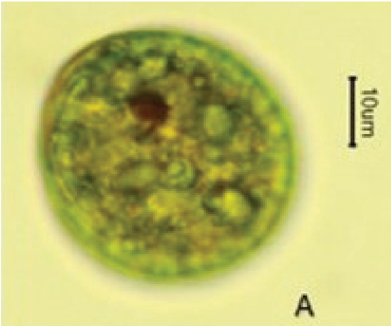

फैकस कोरकुलम पोकमैन (युग्लेनोफाइसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार नागा-शूपेन थ्रस्ट बेल्ट, पूर्वोत्तर भारत में दिग्बोई, जोराजन और माकुम तेल क्षेत्र में और आस-पास के कच्चे तेल से संदूषित विभिन्न आकार के 31 सरोजीवी जलाशयों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे विष्मिता बरुआ व पार्थ प्रतिम बरुआ ने प्ला. साइ. टुडे 11(4): 55. 2024. में प्रकाशित किया है।

Phacus corculum Pochmann (Euglenophyceae)

This species has been reported for the first time from India based on the collection made from 31 crude oil contaminated lentic water bodies of varied sizes located in and around Digboi, Jorajan and Makum oil fields under the Naga-Schuppen thrust belt, North East India. This has been published by Bishmita Boruah & Partha Pratim Baruah in Pl. Sci. Today 11(4): 55. 2024.

स्फीरोप्लिया विलमैनिआइ फ्रित्श व रिच (सायनोफाइसी)

पूर्वतः यूरोप: जर्मनी, स्पेन; एशिया: ताजिकिस्तान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान (एजेसीबीआईबीजी), हावड़ा, पश्चिम बंगाल में *फाइकस बेन्गालेन्सिस* (विशाल वटवृक्ष) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे प्रतिभा गुप्ता ने ट्रॉप. प्ला. रिस. 11(1): 5. 2024 में प्रकाशित किया है।

Sphaeroplea wilmanii Fritsch & Rich (Cyanophyceae)

This species earlier known from Europe: Germany, Spain; Asia: Tajikistan has been reported for the first time from India based on the collection made from *Ficus bengalensis* (Great Banyan Tree) in Acharya Jagadish Chandra Bose Indian Botanic Garden (AJCBIBG), Howrah, West Bengal. This has been published by Pratibha Gupta in Trop. Pl. Res. 11(1): 5. 2024.

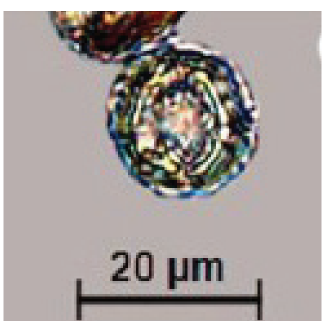

स्प्यूमेला ब्यूचैम्पिआइ (होवासे) पी.सी. सिल्वा (सायनोफाइसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान (एजेसीबीआईबीजी), हावड़ा, पश्चिम बंगाल में *फाइकस बेन्गालेन्सिस* (विशाल वटवृक्ष) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे प्रतिभा गुप्ता ने ट्रॉप. प्ला. रिस. 11(1): 5. 2024 में प्रकाशित किया है।

Spumella beauchampii (Hovasse) P.C. Silva (Cyanophyceae)

This species has been reported for the first time from India based on the collection made from *Ficus bengalensis* (Great Banyan Tree) in Acharya Jagadish Chandra Bose Indian Botanic Garden (AJCBIBG), Howrah, West Bengal. This has been published by Pratibha Gupta in Trop. Pl. Res. 11(1): 5. 2024.

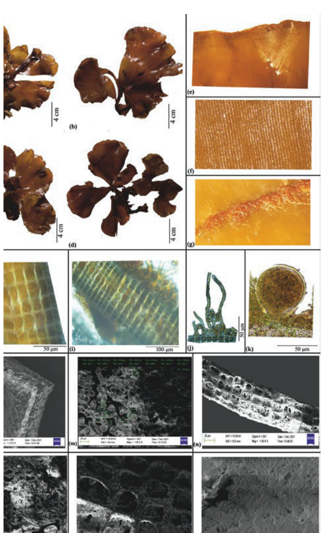

स्टाइपोपोडियम जोनेल (जे.वी. लेमॉर.) पापेन एफ. (डिक्टियोटेसी)

पूर्वतः अफ्रीका, कैरिबियन द्वीपसमूह, चीन, घाना, इंडोनेशिया, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के द्वीपों, अटलांटिक महासागर के द्वीपों, पाकिस्तान, फिलीपींस, श्रीलंका, स्पेन, दक्षिण अमेरिका और पश्चिमी अटलांटिक से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार अप्पूघर, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में संगृहीत है। इसे वाइ. एरॉन संतोष कुमार, एम. पलनिसामी व एस. विवेक ने जे. थ्रेट. टैक्सा 16(3): 24917. 2024 में प्रकाशित किया है।

Stypopodium zonale (J.V. Lamour.) Papen f. (Dictyotaceae)

This species earlier known from Africa, Caribbean Islands, China, Ghana, Indonesia, Islands of Australia and New Zealand, Islands of the Atlantic Ocean, Japan, Pacific Islands, Pakistan, Philippines, Sri Lanka, Spain, South America, Western Atlantic has been reported for the first time from India based on the collection made from Appughar, Visakhapatnam, Andhra Pradesh. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH). This has been published by Y. Aron Santhosh Kumar, M. Palanisamy & S. Vivek in J. Threat Taxa 16(3): 24917. 2024.

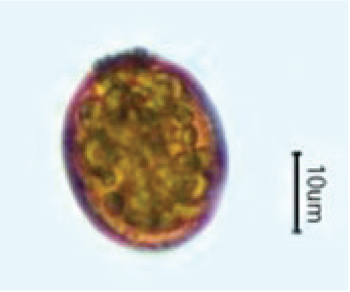

ट्रेकोलोमोनास कॉर्निफॉर्मिस वाइ. वी. रोल (युग्लेनोफाइसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार नागा-शूपेन थ्रस्ट बेल्ट, पूर्वोत्तर भारत में दिग्बोई, जोराजन और माकुम तेल क्षेत्र में और आस-पास के कच्चे तेल से संदूषित विभिन्न आकार के 31 सरोजीवी जलाशयों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे विष्मिता बरुआ व पार्थ प्रतिम बरुआ ने प्ला. साइ. टुडे 11(4): 54. 2024 में प्रकाशित किया है।

Trachelomonas corniformis Y. V. Roll (Euglenophyceae)

This species has been reported for the first time from India based on the collection made from 31 crude oil contaminated lentic water bodies of varied sizes located in and around Digboi, Jorajan and Makum oil fields under the Naga-Schuppen thrust belt, North East India. This has been published by Bishmita Boruah & Partha Pratim Baruah in Pl. Sci. Today 11(4): 54. 2024.

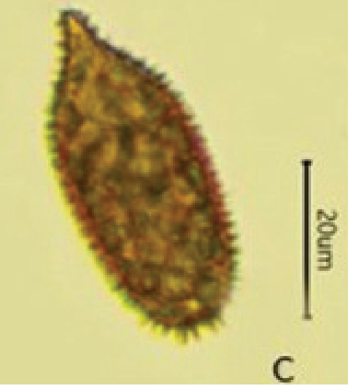

ट्रेकोलोमोनास क्रिस्पा बलेच (युग्लेनोफाइसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार नागा-शूपेन थ्रस्ट बेल्ट, पूर्वोत्तर भारत में दिग्बोई, जोराजन और माकुम तेल क्षेत्र में और आस-पास के कच्चे तेल से संदूषित विभिन्न आकार के 31 सरोजीवी जलाशयों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे विष्मिता बरुआ व पार्थ प्रतिम बरुआ ने प्ला. साइ. टुडे 11(4): 54. 2024. में प्रकाशित किया है।

Trachelomonas crispa Balech (Euglenophyceae)

This species has been reported for the first time from India based on the collection made from 31 crude oil contaminated lentic water bodies of varied sizes located in and around Digboi, Jorajan and Makum oil fields under the Naga-Schuppen thrust belt, North East India. This has been published by Bishmita Boruah & Partha Pratim Baruah in Pl. Sci. Today 11(4): 54. 2024.

ट्रेकोलोमोनास नैडसनिआइ स्क्वॉर्तजोव (युग्लेनोफाइसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार नागा-शूपेन थ्रस्ट बेल्ट, पूर्वोत्तर भारत में दिग्बोई, जोराजन और माकुम तेल क्षेत्र में और आस-पास के कच्चे तेल से संदूषित विभिन्न आकार के 31 सरोजीवी जलाशयों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे विष्मिता बरुआ व पार्थ प्रतिम बरुआ ने प्ला. साइ. टुडे 11(4): 54. 2024 में प्रकाशित किया है।

Trachelomonas nadsonii Skvortzov (Euglenophyceae)

This species has been reported for the first time from India based on the collection made from 31 crude oil contaminated lentic water bodies of varied sizes located in and around Digboi, Jorajan and Makum oil fields under the Naga-Schuppen thrust belt, North East India. This has been published by Bishmita Boruah & Partha Pratim Baruah in Pl. Sci. Today 11(4): 54. 2024.

ट्रेकोलोमोनास पुल्चेला ड्रेजेपॉल्सकि (युग्लेनोफाइसी)

पूर्वतः ब्रिटेन : ब्रिटेन, आयरलैंड, रोमानिया; उत्तरी अमेरिका : अलाबामा, लौरेंटियन ग्रेट लेक्स, क्यूबेक, टेनेसी; अफ्रीका : सूडान; मध्य पूर्व : इराक, तुर्की; दक्षिण-पूर्व एशिया: सिंगापुर, थाईलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान (एजेसीबीआईबीजी), हावड़ा, पश्चिम बंगाल में *फाइकस बेन्गालेन्सिस* (विशाल वटवृक्ष) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे प्रतिभा गुप्ता ने ट्रॉप. प्ला. रिस. 11(1): 6. 2024 में प्रकाशित किया है।

Trachelomonas pulchella Drezepolski (Euglenophyceae)

This species earlier known from Britain: Britain, Ireland, Romania; N. America: Alabama, Laurentian Great Lakes, Québec, Tennessee; Africa: Sudan; Middle East: Iraq, Turkey; South-east Asia: Singapore, Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made from *Ficus bengalensis* (Great Banyan Tree) in Acharya Jagadish Chandra Bose Indian Botanic Garden (AJCBIBG), Howrah, West Bengal. This has been published by Pratibha Gupta in Trop. Pl. Res. 11(1): 6. 2024.

प्रभेदगत अभिलेख / VARIETAL RECORDS

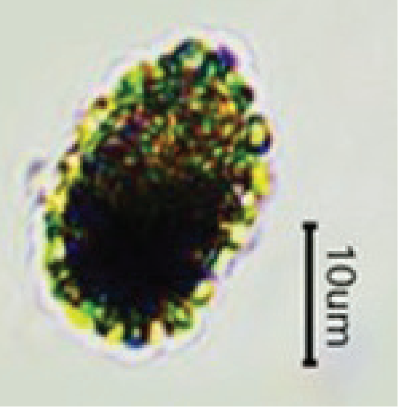

ट्रेकोलोमोनास हिर्टा प्रभेद **डुप्लेक्स** डिफ्लैंड्रे (युग्लेनोफाइसी)

इस प्रभेद का वर्णन भारत में पहली बार नागा-शूपेन थ्रस्ट बेल्ट, पूर्वोत्तर भारत में दिग्बोई, जोराजन और माकुम तेल क्षेत्र में और आस-पास के कच्चे तेल से संदूषित विभिन्न आकार के 31 सरोजीवी जलाशयों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे विष्मिता बरुआ व पार्थ प्रतिम बरुआ ने प्ला. साइ. टुडे 11(4): 54. 2024. में प्रकाशित किया है।

Trachelomonas hirta var. **duplex** Deflandre (Euglenophyceae)

This species has been reported for the first time from India based on the collection made from 31 crude oil contaminated lentic water bodies of varied sizes located in and around Digboi, Jorajan and Makum oil fields under the Naga-Schuppen thrust belt, North East India. This has been published by Bishmita Boruah & Partha Pratim Baruah in Pl. Sci. Today 11(4): 54. 2024.

ट्रेकोलोमोनास रुगुलोसा प्रभेद **ऑब्लिकुआ** बॉरेली (युग्लेनोफाइसी)

इस प्रभेद का वर्णन भारत में पहली बार नागा-शूपेन थ्रस्ट बेल्ट, पूर्वोत्तर भारत में दिग्बोई, जोराजन और माकुम तेल क्षेत्र में और आस-पास के कच्चे तेल से संदूषित विभिन्न आकार के 31 सरोजीवी जलाशयों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे विष्मिता बरुआ व पार्थ प्रतिम बरुआ ने प्ला. साइ. टुडे 11(4): 54. 2024. में प्रकाशित किया है।

Trachelomonas rugulosa var. **obliqua** Bourrelly (Euglenophyceae)

This species has been reported for the first time from India based on the collection made from 31 crude oil contaminated lentic water bodies of varied sizes located in and around Digboi, Jorajan and Makum oil fields under the Naga-Schuppen thrust belt, North East India. This has been published by Bishmita Boruah & Partha Pratim Baruah in Pl. Sci. Today 11(4): 54. 2024.

रूपगत अभिलेख / FORMA RECORDS

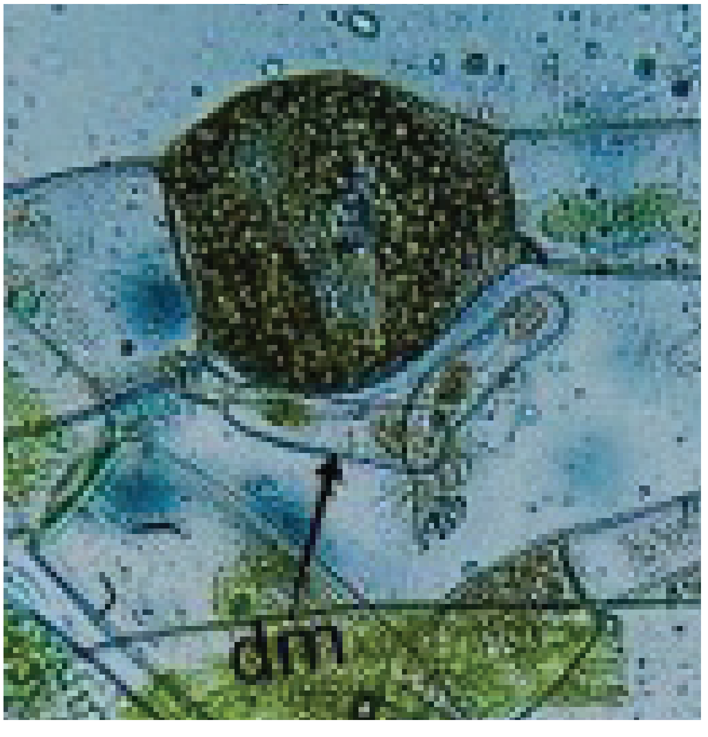

इडोगोनियम साऐथिजेरम रुप **ओर्नेटम** हिर्न (क्लोरोफाइसी)

पूर्वतः अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका और संयुक्त राज्य से ज्ञात इस रूप का वर्णन भारत में पहली बार परसौनी, सुपौल जिला, बिहार से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप शैवाल विज्ञान प्रयोगशाला, वनस्पतिशास्त्र विभाग, एल. एन. मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार में संगृहीत है। इसे दीपक कुमार झा व राम नरेश झा ने जे. इकॉन. टैक्सोन. बॉट. 48(1): 30. 2024 में प्रकाशित किया है।

Oedogonium cyathigerum f. **ornatum** Hirn (Chlorophyceae)

This species earlier known from Africa, North America and United States has been reported for the first time from India based on the collection made from Parsauni, Supaul District, Bihar. The specimens are deposited at Phycology Laboratory, University Department of Botany, L. N. Mithila University, Darbhanga, Bihar. This has been published by Deepak Kumar Jha & Ram Naresh Jha in J. Econ. Taxon. Bot. 48(1): 30. 2024.

Courtesy: Kanad Das

कवक / FUNGI

Hygrocybe pellucida K.P.D. Latha & Haridev

कवक | FUNGI

प्रकृति में कार्बनिक पदार्थों के विघटन में विश्व भर में व्याप्त कवक की महत्वपूर्ण भूमिका है। कवक पोषण चक्र के लिए अपरिहार्य हैं। वर्षों से इनका उपयोग एक खाद्य स्रोत के रूप में तथा विभिन्न खाद्य सामग्रियों को किण्वित करने में होता रहा है। अब ये प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) का भी महत्वपूर्ण स्रोत बन गए हैं। भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 28. 46 प्रतिशत कवक हैं। अब तक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारतीय कवकों की लगभग 15986 प्रजातियां हैं। इस क्रमवार सार-संग्रह में वर्ष 2024 के दौरान, भारत से विज्ञान के लिए नवीन अन्वेषण के रूप में 01 कुल, 78 प्रजातियों और 02 प्रभेदों (गोवा, झारखंड, लद्दाख, मेघालय, ओडिशा, सिक्किम और उत्तर प्रदेश में से प्रत्येक से 01; कर्नाटक से 04; जम्मू व कश्मीर और पश्चिम बंगाल में से प्रत्येक से 07; उत्तराखंड से 09; तमिलनाडु से 10; महाराष्ट्र से 14; केरल से 20) तथा नवीन वितरणपरक अभिलेख के रूप में 04 वंशों और 76 प्रजातियों (अरुणाचल प्रदेश, असम, मिजोरम और लद्दाख में से प्रत्येक से 01; सिक्किम और तमिलनाडु में से प्रत्येक से 02; महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में से प्रत्येक 03; मेघालय से 04; केरल से 05; जम्मू और कश्मीर से 09; उत्तराखंड से 18 एवं हिमाचल प्रदेश से 26) को संकलित किया गया है।

Fungi distributed worldwide, perform an essential role in nature by decomposing organic matter and are indispensable in nutrient cycling. They have long been used as source of food and in fermentation of various food products and now they are an important source of antibiotics. The Indian fungi account for about 28. 46 per cent of the total plant species of the India. As per latest data India has about 15986 species of fungi. The collated information presented here for year 2024 includes 01 new family, 78 new species and 02 new varieties (01 each from Goa, Jharkhand, Ladakh, Meghalaya, Odisha, Sikkim and Uttar Pradesh, 04 from Karnataka, 07 each from Jammu & Kashmir and West Bengal, 09 from Uttarakhand, 10 from Tamil Nadu, 14 from Maharashtra, 20 from Kerala) described as new to science from India while 04 new genera and 76 species (01 each from Arunachal Pradesh, Assam, Mizoram and Ladakh, 02 each from Sikkim and Tamil Nadu, 03 each from Maharashtra and West Bengal, 04 from Meghalaya, 05 from Kerala, 09 from Jammu & Kashmir, 18 from Uttarakhand and 26 from Himachal Pradesh) as new distributional novelties.

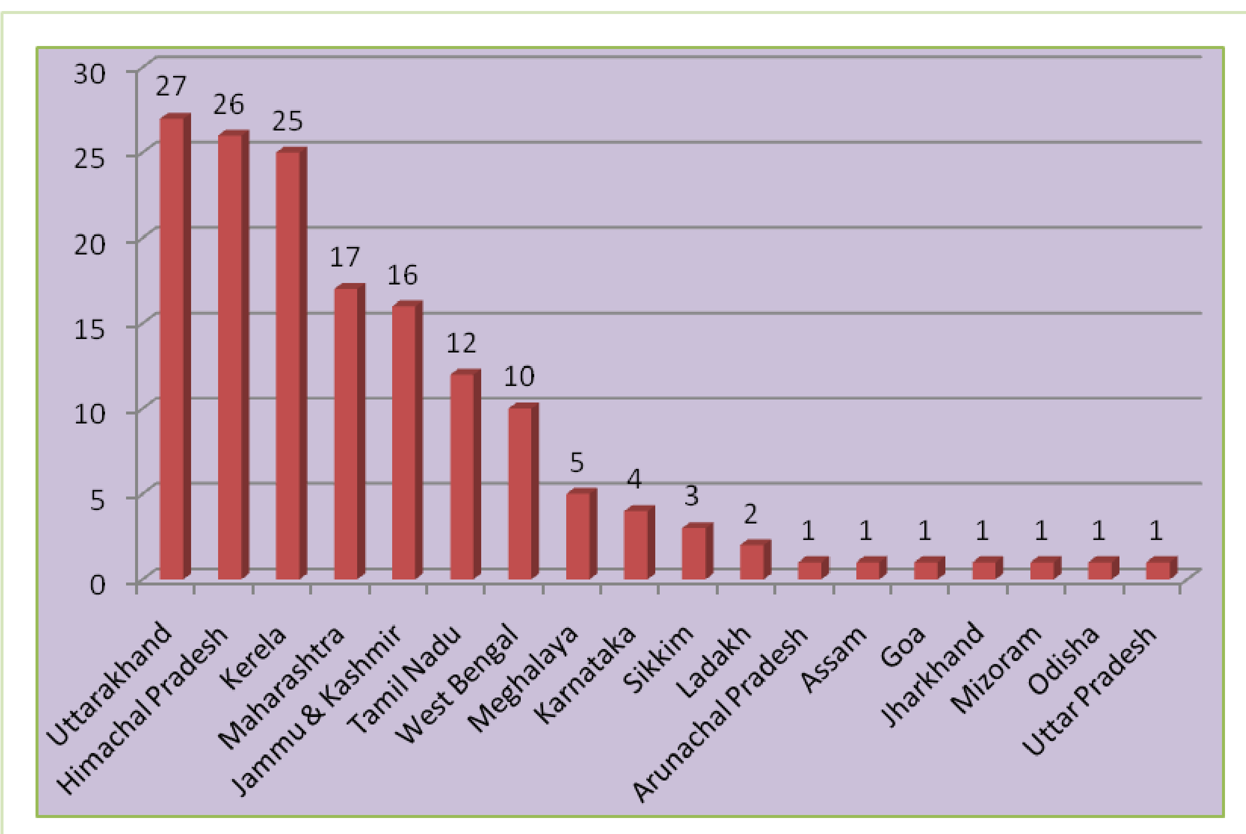

भारतीय राज्य एवं संघ-क्षेत्रों से अन्वेषित कवक की संख्या
NUMBER OF FUNGI DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs.

नवीन अन्वेषण / NEW DISCOVERIES

नवीन कुल / NEW FAMILY

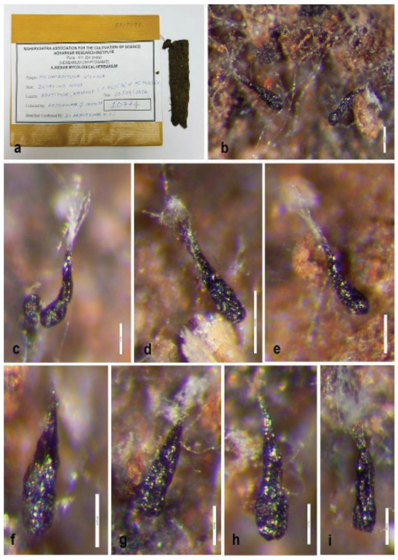

मेगाकैपिटुलेसी राजेशक., श्रुति ओपी, होंगसनान, जीवोन, करुणा व हरिक, कवका 60(4): 6. 2024

अभी तक *प्लिओस्पोरेलीज* गण के अंतर्गत रखे गए इस नवीन कुल का वर्णन प्ररूप वंश *मेगाकैपिटुला* चेन व त्जियान और प्ररूप प्रजाति *मेगाकैपिटुला विलोसा* चेन व त्जियान के आधार पर किया गया है। प्ररूप संग्रह ताइपे, ताइवान में पृथुपर्णी वृक्षों के सड़े हुए पर्णवृंत से किए गये हैं और नेशनल ताइवान यूनिवर्सिटी, ताइपे, ताइवान के पादप रोग विज्ञान और कीटविज्ञान विभाग (R. O. C.) में संगृहीत हैं। कोट्टियूर, कन्नूर, केरल, दक्षिणी पश्चिमी घाट से हाल ही में अनुक्रमित उपप्ररूप अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस कुल का नामकरण इसके प्ररूप वंश *मेगाकैपिटुला* के नाम पर आधारित है।

Megacapitulaceae Rajeshk., Sruthi OP, Hongsanan, Jeewon, Karuna, Harik, Kavaka 60(4): 6. 2024

This new family has been described based on type genus *Megacapitula* Chen & Tzean and type species *Megacapitula villosa* Chen & Tzean, hitherto placed under Pleosporales incertae sedis. Type specimen was collected from on fallen, decayed petiole of broadleaved trees, Taipei, Taiwan and was deposited at Department of Plant Pathology and Entomology, National Taiwan University, Taipei, Taiwan, R. O. C. A sequenced epitype based on a recent collection from the Kottiyoor, Kannur, Kerala, Southern Western Ghats is deposited at Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). The name of the family refers to the name of the type genus name, *Megacapitula*.

नवीन प्रजातियां / NEW SPECIES

एगैरिकस अगरकरियाइ पी. एन. सिंह, एस. के. सिंह, एस. राणा व ए. सी. लागाशेट्टी, फंगल डाइवर्सिटी https://doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (एगैरिकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पुणे जिला, महाराष्ट्र में बगीचे की मृदा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप अगरकर कवक विज्ञान पादपालय, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण अगरकर अनुसंधान संस्थान के संस्थापक निदेशक प्रोफेसर शंकर पुरुषोत्तम अगरकर के उपनाम पर आधारित है।

Agaricus agharkarii P. N. Singh, S. K. Singh, S. Rana & A. C Lagashetti, Fungal Diversity https://doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (Agaricaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on garden soil, Pune District, Maharashtra. The holotype is deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). The specific epithet 'agharkarii' is the surname of Professor Shankar Puroshattam Agharkar, founder Director of Agharkar Research Institute.

एगैरिकस ऐल्बोस्टिपिटेटस ई. तरफदार, ए. के. दत्ता व के. आचार्य, फंगल डाइवर्सिटी https://doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (एगैरिकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन चांदीरामपुर गांव, नदिया जिला, पश्चिम बंगाल में 9 मीटर की ऊंचाई पर ह्यूमस मिश्रित मृदा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का विशेष नामकरण पूर्णतः सफेद रंग के इसके छत्रिकावृंत को दर्शाता है।

Agaricus albostipitatus E. Tarafder, A. K. Dutta & K. Acharya, Fungal Diversity https://doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (Agaricaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on humus mixed soil, Chandirampur Village, Nadia District, West Bengal at 9 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet refers to the entirely white coloured stipe.

एगैरिकस इंडिकस सी. पी. आर्य व सी. के. प्रदीप, फाइटोटैक्सा 634(3): 260. 2024 (एगैरिकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन जेएनटीबीजीआरआई परिसर, पेलोड, तिरुवनंतपुरम जिला, केरल में 150 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल (TBGT) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के देश 'इंडिया' के नाम पर आधारित है।

Agaricus indicus C. P. Arya & C. K. Pradeep, Phytotaxa 634(3): 260. 2024 (Agaricaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from JNTBGRI Campus, Palode, Thiruvananthapuram District, Kerala at 150 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). The specific epithet refers to the type country of the new species.

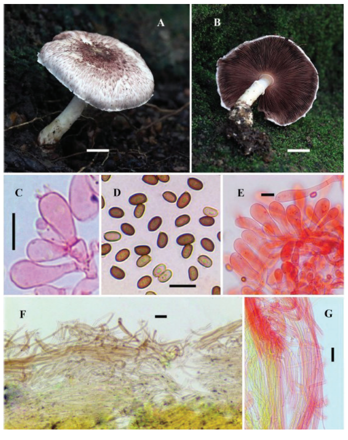

एगैरिकस पेलोडेन्सिस सी. पी. आर्य व सी. के. प्रदीप, फाइटोटैक्सा 634(3): 264. 2024 (एगैरिकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन जेएनटीबीजीआरआई परिसर, पेलोड, तिरुवनंतपुरम जिला, केरल में 150 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल (TBGT) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Agaricus palodensis C. P. Arya & C. K. Pradeep, Phytotaxa 634(3): 264. 2024 (Agaricaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from JNTBGRI Campus, Palode, Thiruvananthapuram District, Kerala at 150 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). The specific epithet refers to the type locality of the new species.

एगैरिकस वायनाडेन्सिस सी. पी. आर्य व सी. के. प्रदीप, फाइटोटैक्सा 634(3): 264. 2024 (एगैरिकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कुरुवा द्वीप, वायनाड जिला, केरल में 70 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, करीमनकोड, केरल (TBGT) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Agaricus wayanadensis C. P. Arya & C. K. Pradeep, Phytotaxa 634(3): 267. 2024 (Agaricaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Kuruva Island, Wayanad District, Kerala at 70 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). The specific epithet refers to the type locality of the new species.

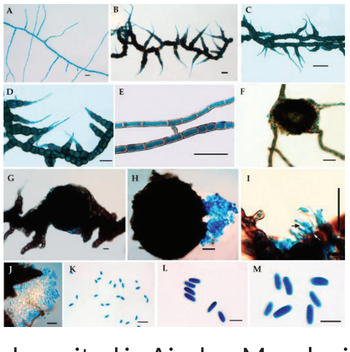

एलैनोमाइसीज मनोहराचार्यी एस. राणा व एस. के. सिंह, जे. फन्जाई 10: 791. 2024 (एप्लोस्पोरेलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मुलशी, पुणे जिला, महाराष्ट्र में *एजाडिरैक्टा इंडिका* की छाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अज्रेकर माइकोलॉजिकल हर्बेरियम, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में और अन्य प्ररूप का संजीव संवर्धन भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण प्रख्यात भारतीय कवकविज्ञ प्रो. चक्रवर्थुला मनोहराचार्य के सम्मान में किया गया है।

Alanomyces manoharacharyi S. Rana & S. K. Singh, J. Fungi 10: 791. 2024 (Aplosporellaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from the bark of *Azadirachta indica*, Mulshi, Pune, Maharashtra. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra (AMH), ex-type culture is deposited in the National Fungal Culture Collection of India, Pune, Maharashtra. The specific epithet is in honour of Prof. Chakravarthula Manoharachary, an eminent mycologist from India.

एल्फोल्डिया लेण्याद्रिएन्सिस जी. गोरे, आर. अवचर, डी. शेल्के, एच. सोनावने व डी. धोत्रे, फंगल सिस्टमैटिक्स एंड इवोल्यूशन 13: 192. 2024 (एमोरोसिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पुणे जिला, महाराष्ट्र में *प्लेटिनोटस* प्रजाति के भृंग की आंत से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप तथा प्रतिरूप चयापचय रूप से निष्क्रिय अवस्था में पोर्तुगीज यिस्ट कल्चर कलेक्शन ऑफ द कैपेरिका, पुर्तगाल (PYCC) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इस भृंग के संग्रह स्थान 'लेण्याद्री' के नाम पर आधारित है।

Alfoldia lenyadriensis G. Gore, R. Avchar, D. Shelke, H. Sonawane & D. Dhotre, Fungal Systematics and Evolution 13: 192. 2024 (Amorosiaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from the gut of *Platynotus* sp. beetle, Pune District, Maharashtra. The holotype and metabolically inactive state of the specimen are deposited in Portuguese Yeast Culture Collection of the Caparica, Portugal (PYCC). The specific epithet refers Lenyadri, the place where this beetle was collected

ऐमेनिटा इंडोवैजिनेटा ए. घोष, ए. कुमार, डी. चक्र. व हेम्ब्रम, चेक माइकोलॉजी 76(1): 8. 2024 (ऐमेनिटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन परती पहाड़ गांव, उल्घुटू क्षेत्र, दुर्गापुर पंचायत, साहिबगंज जिला, झारखंड में 62 मीटर की ऊंचाई पर उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन में *शोरिया रोबस्टा* के नीचे से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के देश 'इंडिया' के नाम और *ऐमेनिटा वैजिनेटा* के साथ इसकी समानता की विशिष्टता पर आधारित है।

Amanita indovaginata A. Ghosh, A. Kumar, D. Chakr. & Hembrom, Czech Mycology 76(1): 8. 2024 (Amanitaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made under *Shorea robusta* in tropical dry deciduous forest, Partee Pahar Village, Ulghutu Area, Durgapur Panchayat, Sahibganj District, Jharkhand at 62 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The species epithet 'indo' refers to the locality of the type specimen from India and 'vaginata' refers to its similarity with *Amanita vaginata*.

ऐन्थ्राकोपोरस इंडोहिमालएनस डी. चक्र, सुदेशना दत्ता व के. दास, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04490. 2024 (बोलेटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन चोर्टन, पूर्वी जिला, सिक्किम में 1531 मीटर की उंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है । मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'भारतीय हिमालय' के नाम पर आधारित है।

Anthracoporus indohimalayanus D. Chakr., Sudeshna Datta & K. Das, Nordic J. Bot. e04490. 2024 (Boletaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Churten, East District, Sikkim at 1531 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet is referring to the Indian Himalaya, the type locality.

ऐस्टेरिना डाइसोक्सिली पी. डी. नाटेकर, ए. पी. पाटिल, सी. आर. पाटिल, एम. आर, भिषे व एस. वी. काम्भर, फाइटोटैक्सा 642(1): 74. 2024

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 265 मीटर की उंचाई पर ऐनरी, सिंधुदुर्ग जिला, महाराष्ट्र में *डाइसोक्सिलम गोटाधोरा* (बुक.-हैम.) मैब. (मीलिएसी) की सजीव पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है । मूल प्ररूप आजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी वंश के नाम पर आधारित है।

Asterina dysoxyli P. D. Natekar, A. P. Patil, C. R. Patil, M. R. Bhise & S. V. Kambhar, Phytotaxa 642(1): 74. 2024

The new species has been discovered and described based on the collection made from the living leaves of *Dysoxylum gotadhora* (Buch. -Ham.) Mabb. (Meliaceae), collected from Ainari, Sindhudurg, Maharashtra at 265 m altitude. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra (AMH). The specific epithet is in reference to the host genus.

ऐस्टेरिना हेलिकैन्थिस एम. आर, भिषे, सी. आर. पाटिल, सी. बी. सालुंखे व एस. वी. काम्भर, इंडियन फॉरेस्टर 150(3): 298–300. 2024

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन महाराष्ट्र में 1289 मीटर की उंचाई पर महाबालेश्वर और 734 मीटर की उंचाई पर दुधोशी में *हेलिकैन्थीज इलेस्टिका* (डेजर.) डेंसर (लोरेन्थैसी) की सजीव पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप आजरेकर हर्बेरियम क्रिप्टोगैमे इंडिया ओरिएंटलिस (HCIO), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी वंश के नाम पर आधारित है।

Asterina helicanthis M. R. Bhise, C. R. Patil, C. B. Salunkhe & S. V. Kambhar, Indian Forester 150(3): 298–300. 2024

The new species has been discovered and described based on the collection made from the living leaves of *Helicanthes elastica* (Desr.) Danser (Loranthaceae), collected from Mahabaleshwar at 1289 m altitude and Dudhoshi at 734 m altitude, Maharashtra. The specimens are deposited in Herbarium Cryptogamae Indiae Orientalis (HCIO), IARI, New Delhi. The specific epithet is in reference to the host genus.

ऐस्टेरिना मैलोटियाइ पी. डी. नाटेकर, ए. पी. पाटिल, सी. आर. पाटिल, एम. आर, भिषे व एस. वी. काम्भर, फाइटोटैक्सा 642(1): 76. 2024

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 41 मीटर की उंचाई पर हतिवाले, रत्नागिरी जिला, महाराष्ट्र में *मैलोटस फिलिपिन्सिस* (लैम.) म्यूल. आर्ग. (यूफॉर्बिएसी) की सजीव पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप आजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी वंश के नाम पर आधारित है।

Asterina mallotii P. D. Natekar, A. P. Patil, C. R. Patil, M. R. Bhise & S. V. Kambhar, Phytotaxa 642(1): 76. 2024

The new species has been discovered and described based on the collection made from the living leaves of *Mallotus philippensis* (Lam.) Müell. Arg. (Euphorbiaceae), collected from Hativale, Ratnagiri, Maharashtra at 41 m altitude. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium (AMH), Pune, Maharashtra. The specific epithet is in reference to the host genus.

ऐस्टेरोस्टोमेला सैलेसियाइ पी. डी. नाटेकर, ए. पी. पाटिल, सी. आर. पाटिल, एम. आर, भिषे व एस. वी. काम्भर, फाइटोटैक्सा 642(1): 78. 2024

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 105 मीटर की उंचाई पर कडू गाँव, रत्नागिरी जिला, महाराष्ट्र में *सैलेसिया चाइनेन्सिस* एल. (सिलेस्ट्रेसी) की सजीव पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप आजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी वंश के नाम पर आधारित है।

Asterostomella salaciae P. D. Natekar, A. P. Patil, C. R. Patil, M. R. Bhise & S. V. Kambhar, Phytotaxa 642(1): 78. 2024

The new species has been discovered and described based on the collection made from the living leaves of *Salacia chinensis* L. (Celastraceae), collected from Kadugaon, Ratnagiri, Maharashtra at 105 m altitude. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium (AMH), Pune, Maharashtra. The specific epithet is in reference to the host genus.

ऐस्टेरोस्टोमेला राइटियाइ पी. डी. नाटेकर, ए. पी. पाटिल, सी. आर. पाटिल, एम. आर, भिषे व एस. वी. काम्भर, फाइटोटैक्सा 642(1): 78. 2024

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 172 मीटर की उंचाई पर तिवारे, रत्नागिरी जिला, महाराष्ट्र में *राइटिया आर्बोरिया* (डेन्नस्ट.) मैब. (ऐपोसाइनेसी) की सजीव पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप आजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी वंश के नाम पर आधारित है।

Asterostomella wrightiae P. D. Natekar, A. P. Patil, C. R. Patil, M. R. Bhise & S. V. Kambhar, Phytotaxa 642(1): 78. 2024

The new species has been discovered and described based on the collection made from the living leaves of *Wrightia arborea* (Dennst.) Mabb. (Apocynaceae), collected from Tivare Ratnagiri, Maharashtra at 172 m altitude. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium (AMH), Pune, Maharashtra. The specific epithet is in reference to the host genus.

ऐस्टेरोस्टोमेला कॉक्सीनिया पी. डी. नाटेकर, ए. पी. पाटिल, सी. आर. पाटिल, एम. आर, भिषे व एस. वी. काम्भर, फाइटोटैक्सा 642(1): 82. 2024

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 129 मीटर की उंचाई पर पाली, रत्नागिरी जिला, महाराष्ट्र में *इक्सोरा कॉक्सीनिया* एल. (रूबिएसी) की सजीव पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप आजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी वंश के नाम पर आधारित है।

Asterostomula coccineae P. D. Natekar, A. P. Patil, C. R. Patil, M. R. Bhise & S. V. Kambhar Phytotaxa 642(1): 82. 2024

The new species has been discovered and described based on the collection made from the living leaves of *Ixora coccinea* L. (Rubiaceae), collected from Pali, Ratnagiri, Maharashtra at 129 m altitude. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium (AMH), Pune, Maharashtra. The specific epithet is in reference to the host genus.

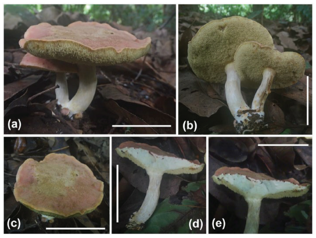

बाओरंगिया ऐल्बोस्टाइपिटेटा सलना नानु व टी. के. ए कुमार, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04357. 2024 (बोलेटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन थुराइल कोट्टा पवित्र उपवन, कोझिकोड जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप गुरुवायूरप्पन कॉलेज, जामोरिन, कोझीकोड, केरल (ZGC) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके धवल छत्रिकावृंत परत की विशिष्टता पर आधारित है।

Baorangia albostipitata Salna Nanu & T. K. A. Kumar, Nordic J. Bot. e04357. 2024 (Boletaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Thurayil Kotta Sacred Grove, Kozhikode District, Kerala. The holotype is deposited in the Zamorin's Guruvayurappan College, Kozhikode, Kerala (ZGC). The specific epithet refers to the whitish stipe surface of the new species.

बोलेटस धाकुरिकस के. दास, ए. घोष व सुदेशना दत्ता, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04490. 2024 (बोलेटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन धाकुरी, बागेश्वर जिला, उत्तराखंड में 2890 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल उत्तराखंड राज्य के 'धाकुरी' के नाम पर आधारित है।

Boletus dhakuricus K. Das, A. Ghosh & Sudeshna Datta, Nordic J. Bot. e04490. 2024 (Boletaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Dhakuri, Bageshwar District, Uttarakhand at 2890 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet is referring to 'Dhakuri' of the state of Uttarakhand, the type locality.

कैंडोलियोमाइसेस निवियोस्क्वैमोसस पी. के. नयना व सी. के. प्रदीप, फाइटोटैक्सा 659(3): 259. 2024 (सैथाइरिलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन जेएनटीबीजीआरआई परिसर, पेलोड, तिरुवनंतपुरम जिला, केरल में 150 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल (TBGT) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके छत्र पर सफेद ऊर्णावृत वेलर पालिका की विशिष्टता पर आधारित है।

Candolleomyces niveosquamosus P. K. Nayana & C. K. Pradeep, Phytotaxa 659(3): 259. 2024 (Psathyrellaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from JNTBGRI Campus, Palode, Thiruvananthapuram District, Kerala at 150 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). The specific epithet refers to the white floccose velar squamules on the pileus.

कैंडोलियोमाइसेस रूब्रोब्रुनियस पी. के. नयना व सी. के. प्रदीप, फाइटोटैक्सा 659(3): 262. 2024 (सैथाइरिलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन श्रीनिवासपुरम, वरकला, तिरूवनंतपुरम जिला, केरल में 44 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल (TBGT) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके लाल भूरे छत्र की विशिष्टता पर आधारित है।

Candolleomyces rubrobrunneus P. K. Nayana & C. K. Pradeep, Phytotaxa 659(3): 262. 2024 (Psathyrellaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Sreenivasapuram, Varkala, Thiruvananthapuram District, Kerala at 44 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). The specific epithet refers to the reddish-brown pileus.

कैल्सीपोरस रूब्रोस्टाइपिटेटस एस. नानू व टी. के. ए. कुमार, माइकोलोजिया https://doi. org/10. 1080/00275514. 2024. 2358942 (बोलेटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन जामोरिन गुरुवायूरप्पन कॉलेज परिसर, कोझिकोड जिला, केरल में 11 मीटर की ऊंचाई पर *ऐकेशिया ऑरिकुलीफॉर्मिस* के नीचे से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जामोरिन गुरुवायूरप्पन कॉलेज, कोझीकोड, केरल (ZGC) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके लाल रंग के छत्रिकावृंत की विशिष्टता पर आधारित है।

Chalciporus rubrostipitatus S. Nanu & T. K. A. Kumar, Mycologia https://doi. org/10. 1080/00275514. 2024. 2358942 (Boletaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on the ground under *Acacia auriculiformis*, Zamorin's Guruvayurappan College Campus, Kozhikode District, Kerala at 11 m altitude. The holotype is deposited in the Zamorin's Guruvayurappan College, Kozhikode, Kerala (ZGC). The specific epithet refers to the reddish colored stipe.

कोलट्रिसिया रायगढ़ेन्सिस पी. बी. पाटिल, एस. ए. वैद्य, एस. मौर्य व एल. एस. यादव, मायकोसाइंस 65: 106. 2024 (हाइमेनोकीटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन माथेरान पहाड़ी, रायगढ़ जिला, महाराष्ट्र में 800 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप अगरकर कवक विज्ञान पादपालय, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'रायगढ़' के नाम पर आधारित है।

Coltricia raigadensis P. B. Patil, S. A. Vaidya, S. Maurya & L. S. Yadav, Mycoscience 65: 106. 2024 (Hymenochaetaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Matheran Hills, Raigad District, Maharashtra at 800 m altitude. The holotype is deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). The species epithet 'raigadensis' refers to the place of collection.

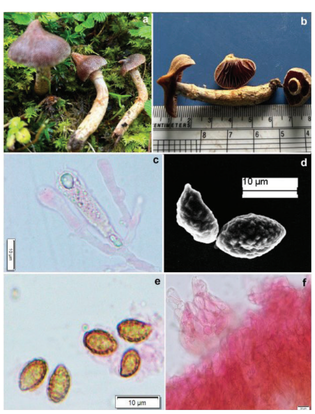

कॉर्टीनेरियस धाकुरिकस ए. बोस व के. दास, यूर. जे. टैक्सोन. 970: 50. 2024 (कॉर्टीनेरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन धाकुरी, बागेश्वर जिला, उत्तराखंड में 2870 मीटर की ऊंचाई पर *क्वेर्कस सेमीकार्पिफोलिया* के नीचे की मृदा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल उत्तराखंड राज्य के 'धाकुरी' के नाम पर आधारित है।

Cortinarius dhakuricus A. Bose & K. Das, Eur. J. Taxon. 970: 50. 2024 (Cortinariaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on soil under *Quercus semecarpifolia*, Dhakuri, Bageshwar District, Uttarakhand, at 2870 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet refers to Dhakuri (of the state of Uttarakhand), the type locality.

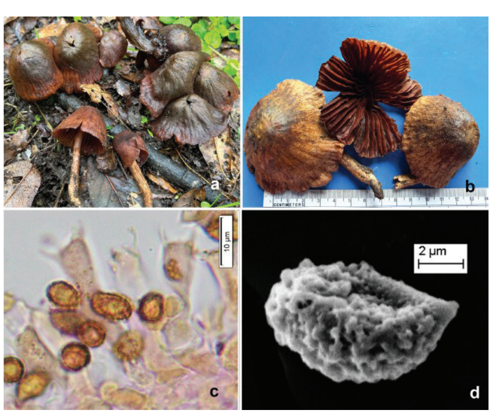

कॉर्टीनेरियस थिंडियाइ ए. बोस व के. दास, यूर. जे. टैक्सोन. 970: 48. 2024 (कॉर्टीनेरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन धाकुरी, बागेश्वर जिला, उत्तराखंड में 2545 मीटर की ऊंचाई पर *क्वेर्कस सेमीकार्पिफोलिया* के नीचे की मृदा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण भारतीय माइकोबायोटा में महत्वपूर्ण योगदान के लिए डॉ. के. एस. थिंड के सम्मान में किया गया है।

Cortinarius thindii A. Bose & K. Das, Eur. J. Taxon. 970: 48. 2024 (Cortinariaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on soil under *Quercus semecarpifolia*, Dhakuri, Bageshwar District, Uttarakhand at 2545 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet commemorates Dr K. S. Thind for his significant contributions to Indian mycobiota.

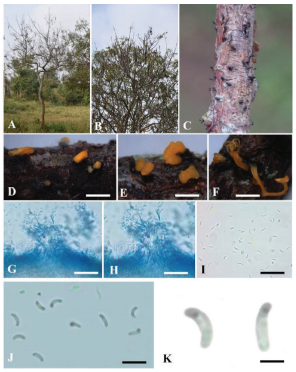

साइटोस्पोरा एजाडिरैक्टाइ महादेवकु., जोसना व महारछि., फाइटोटैक्सा 670(1): 3. 2024 (साइटोस्पोरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन डोड्डामरगोड़ानहल्ली, मैसूर, कर्नाटक में *एजाडिरैक्टा इंडिका* (मीलिएसी) की संक्रमित टहनियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप पादपालय, केरल वन अनुसंधान संस्थान, केरल (KFRI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण परपोषी पादप के नाम पर आधारित है।

Cytospora azadirachtae Mahadevak., Josna & Maharachch., Phytotaxa 670(1): 3. 2024 (Cytosporaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on infected twigs of *Azadirachta indica* (Meliaceae), Doddamaragowdanahalli, Mysuru, Karnataka. The holotype is deposited in the herbarium of Kerala Forest Research Institute, Kerala (KFRI). The specific epithet is after the host plant.

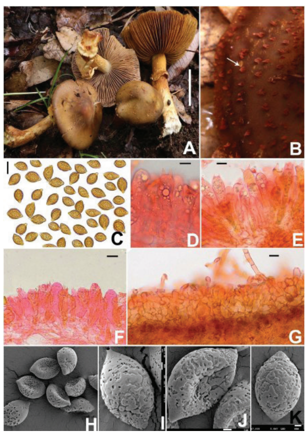

डेस्कोलिया इंडोक्वेर्सिना चौधरी, उनियाल व वाई. पी. शर्मा, ताइवानिया 69(3): 358. 2024 (बॉल्बीशिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन देवस्थली, चमोली जिला, गढ़वाल, उत्तराखंड में 2051 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण भारत में *क्वेर्कस सेमीकार्पिफोलिया* स्म. के साथ इसके साहचर्य को दर्शाता है।

Descolea indoquercina Choudhary, Uniyal & Y. P. Sharma, Taiwania 69(3): 358. 2024 (Bolbitiaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Devsathali, Chamoli District, Garhwal, Uttarakhand at 2051 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet refers to the association of present taxon with *Quercus semecarpifolia* Sm. from India.

डाइएपोर्थे नियोकैप्सिसी अजिथकु., सविता, किरथाना, रेणुका व महादेवकु., फंगल सिस्टमैटिक्स एंड एवोल्यूशन 14: 481. 2024 (डाइएपोर्थेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पादप-रोगविज्ञान, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचूर, कर्नाटक के प्रायोगिक भूखंड में *कैप्सिकम एनुअम* (सोलैनेसी) के तरुण पौध (स्तंभ भाग) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप पादपालय केरल वन अनुसंधान संस्थान, केरल (KFRI) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण पूर्वत: अन्वेषित व वर्णित प्रजाति *डाइएपोर्थे कैप्सिसी* से इसकी विशिष्टता को दर्शाते हुए 'नियो' उपसर्ग के साथ इसके परपोषी वंश *कैप्सिकम* के नाम पर आधारित है।

Diaporthe neocapsici Ajithk., Savitha, Keerthana, Renuka & Mahadevak., Fungal Systematics and Evolution 14: 481. 2024 (Diaporthaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on young seedlings (stem portion) of *Capsicum annuum* (Solanaceae), Experimental Plot of Department of Plant Pathology, University of Agricultural Sciences, Raichur, Karnataka. The holotype is deposited in the herbarium of Kerala Forest Research Institute, Kerala (KFRI). The specific epithet is after the host genus, *Capsicum*, with the prefix 'neo' to distinguish it from earlier reported species, *Diaporthe capsici*.

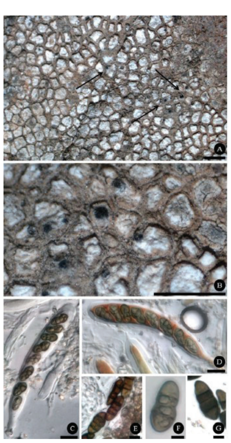

डिडाइमोसिर्टिस पर्टुसेरियाइ वाई. जोशी, जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 555. 2024 (फियोस्फीरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 2980 मी की ऊंचाई पर मलारी, चमोली, उत्तराखंड में चट्टानों पर उगे हुए *पर्टुसेरिया* प्रजाति के थैलस और सोरीडियम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी *पर्टुसेरिया* प्रजाति के नाम पर आधारित है।

Didymocyrtis pertusariae Y. Joshi, J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 555. 2024 (Phaeosphaeriaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Malari Village, Chamoli District, Uttarakhand at 2980 m altitude on thallus and soredia of *Pertusaria* sp. colonizing rocks. The holotype is deposited in the Herbarium of University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). The specific epithet refers to the host *Pertusaria* on which it grows.

एक्सोफिएला जिन्जीबेरिस रामेश्वर अवचरिकन, श्रुष्टि शिंदे, यामिनी कशिद, परंग गंगानी व अविनाश शर्मा, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टमैटिक एंड इवॅाल्यूशनरी माइक्रोबायोलॉजी https://doi. org/10. 1099/ijsem. 0. 006614

इस खमीर प्रजाति को भारत में अदरक कंद से पृथक किया गया है। 26एस बृहत् उप-इकाई (एलएसयू) आरआरएनए जीन के डी1/डी2 डोमेन, आंतरिक प्रतिलेखित स्पेसर (आईटीएस) क्षेत्र और शरीरक्रियात्मक अभिलक्षणों के जातिवृत्तीय विश्लेषणों के आधार पर इस प्रभेद को मूलप्ररूप MCC 9929^T और समप्ररूप PYCC 10003^T के साथ नवीन प्रजाति अभिनिर्धारित किया गया है।

Exophiala zingiberis Rameshwar Avcharicon, Srushti Shinde, Yaminee Kashid, Parang Gangani & Avinash Sharma, International Journal of Systematic and Evolutionary Microbiology https://doi. org/10. 1099/ijsem. 0. 006614

A novel yeast species is isolated from a ginger tuber from India. Phylogenetic analysis of the D1/D2 domain of the 26S LSU rRNA gene, SSU rRNA gene and the internal transcribed spacer (ITS) region confirmed this strain as a new species with MCC 9929^T as the holotype and PYCC 10003^T as the isotype.

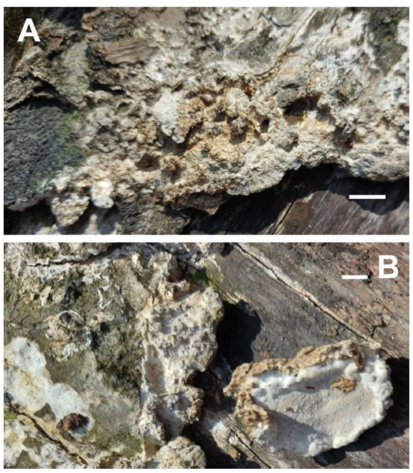

फोमिटॉप्सिस बेंगालेन्सिस आर. साहा, ए. के. दत्ता व के. आचार्य, यूर. जे. टैक्सोन. 935: 131. 2024 (फोमिटोप्सिडेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन हासिम नगर, दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल में 8 मीटर की ऊंचाई पर अज्ञात आवृतबीजी की निर्जीव लकड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के पादपालय (CUH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के राज्य 'पश्चिम बंगाल' के नाम पर आधारित है।

Fomitopsis benghalensis R. Saha, A. K. Dutta & K. Acharya, Eur. J. Taxon. 935: 131. 2024 (Fomitopsidaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on dead wood of an unidentified angiosperm, Hasim Nagar, South 24 parganas, West Bengal at 8 m altitude. The holotype is deposited in the Calcutta University Herbarium, Kolkata, West Bengal (CUH). The specific epithet refers to the type locality in West Bengal.

फल्विफोमज सुब्रमणियनियाइ एस. गुणसीलन व एम. कलियापेरुमल, फंगल सिस्टमैटिक्स एंड इवोल्यूशन 13: 236. 2024 (हाइमेनोकीटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन तिरुवन्नामलाई, तमिलनाडु में सजीव *ऐल्बिजिया एमारा* (फैबेसी) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु के पादपालय (MUBL) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण भारत में हाइमेनोकीटोयाड वर्गिकी अध्ययन के क्षेत्र में पथप्रदर्शक के रूप में किए गए उल्लेखनीय कार्य के लिए भारतीय कवकविज्ञ सी. वी. सुब्रमण्यम के सम्मान में किया गया है।

Fulvifomes subramanianii S. Gunaseelan & M. Kaliyaperumal, Fungal Systematics and Evolution 13: 236. 2024 (Hymenochaetaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on living *Albizzia amara* (Fabaceae), Thiruvannamalai District, Tamil Nadu. The holotype is deposited in the herbarium of Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). The specific epithet is after the Indian mycologist *C.* V. Subramanian for pioneering Hymenochaetoid taxonomic studies in India.

फ्यूजेरियम कमालिएनम एस. राणा व एस. के. सिंह, फाइटोटैक्सा 659(1): 15. 2024 (नेक्ट्रिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पुणे, महाराष्ट्र में *कैमीडोरिया सीफ्रिजियाइ* की मुरझायी हुई पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप आजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में और अन्य प्ररूप का संजीव संवर्धन भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण प्रख्यात भारतीय कवकविज्ञ प्रो. कमाल के सम्मान में किया गया है।

Fusarium kamalianum S. Rana & S. K. Singh, Phytotaxa 659(1): 15. 2024 (Nectriaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from the wilted leaf of *Chamaedorea seifrizii*, collected from Pune, Maharashtra. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium (AMH), Pune and ex-type culture is deposited in National Fungal Culture Collection of India (NFCCI), Pune, Maharashtra. The specific epithet is in the honour of Prof. Kamal, an eminent mycologist from India.

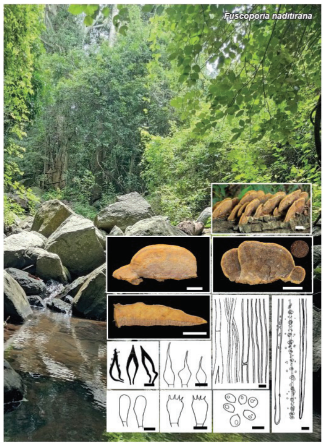

फस्कोपोरिया नदीतिराना एस. गुणसीलन, ई. अरुमुगम व एम. कलियापेरुमल, फंगल सिस्टमैटिक्स एंड एवोल्यूशन 14: 484 2024 (हाइमेनोकीटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कल्लाकुरिची, तमिलनाडु में निर्जीव लकड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु के पादपालय (MUBL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण संस्कृत शब्द 'नदीतिराना' पर आधारित है, जिसका अर्थ नदी का तट होता है, जहां से मूल संग्रह किया गया था।

Fuscoporia naditirana S. Gunaseelan, E. Arumugam & M. Kaliyaperumal, Fungal Systematics and Evolution 14: 484. 2024 (Hymenochaetaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on dead wood, Kallakurichi, Tamil Nadu. The holotype is deposited in the herbarium of Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). The specific epithet 'naditirana' is a Sanskrit word, referring to the bank of a stream where the specimen was collected.

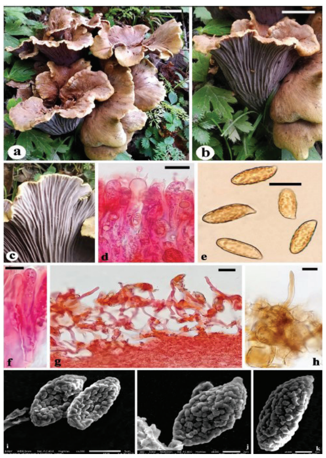

गोम्फस इंडिकस एस. सिंह, एस. कुमार, के. वर्मा व वाई. पी. शर्मा, फाइटोटैक्सा 652(1): 73. 2024 (गॉम्फेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन रामतुंड, भद्रेवाह, डोडा जिला, जम्मू और कश्मीर में 2610 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) और जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (HBJU) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का विशेष नामकरण भौगोलिक उपस्थिति पर आधारित है।

Gomphus indicus S. Singh, S. Kumar, K. Verma & Y. P. Sharma, Phytotaxa 652(1): 73. 2024 (Gomphaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Ramtund, Bhaderwah, Doda District, Jammu & Kashmir at 2610 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL) and Herbarium of Department of Botany, University of Jammu, Jammu, Jammu & Kashmir (HBJU). The specific epithet refers to its geographical occurrence.

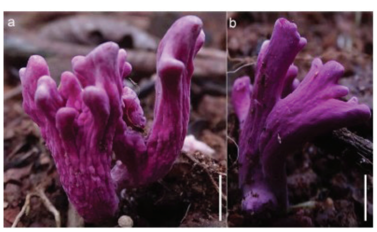

गोम्फस ज़ामोरिनोरम कृष्णप्रिया के. व टी. के. ए. कुमार, फंगल डाइवर्सिटी https://doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (गॉम्फेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बनसुरा सागर बांध, वायनाड जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप गुरुवायूरप्पन कॉलेज, ज़ामोरिन, कोझीकोड, केरल (ZGC) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण भारत के दक्षिण पश्चिमी तट (दक्षिण मालाबार) के एक महत्वपूर्ण व्यापारिक बंदरगाह रहे कोझिकोड राज्य के वंशागत सम्राट ज़ामोरिन (1124 ई. –1806 ई.) के सम्मान में किया गया है।

Gomphus zamorinorum Krishnapriya K. & T. K. A. Kumar, Fungal Diversity https://doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (Gomphaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Banasura Sagar Dam Site Area, Wayanad District, Kerala. The holotype is deposited in the Zamorin's Guruvayurappan College, Kozhikode, Kerala (ZGC). The specific epithet is in honour of the Zamorins, the hereditary monarchs (1124 CE–1806 CE) of the kingdom of Kozhikode that was an important trading port on the south western coast of India (South Malabar).

हेबेलोमा हिमालयेन्स एस. राजपूत, शाइनी सिंह, महमूद व वाई. पी. शर्मा, ताइवानिया 69(4): 480. 2024 (हाइमेनोगैस्ट्रेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन द्रास, कारगिल, लद्दाख में 3100 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'हिमालय पर्वतमाला' के नाम पर आधारित है, जहाँ सर्वप्रथम इसका संग्रह किया गया था।

Hebeloma himalayense S. Rajput, Shiny Singh, Mehmood & Y. P. Sharma, Taiwania 69(4): 480. 2024 (Hymenogastraceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Drass, Kargil, Ladakh at 3100 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet refers to the Himalayan range, from where the sample was first collected.

हाइग्रोसाइब पेलुसिडा के. पी. डी. लता व पी. हरिदेव, फाइटोटैक्सा 646(3): 288. 2024 (हाइग्रोफोरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मयीलांजी वालायु, मलप्पुरम जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप पादपालय, कालीकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल (CALI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके पारभासी बेसिडियोकार्प्स की विशिष्टता पर आधारित है।

Hygrocybe pellucida K. P. D. Latha & P. Haridev, Phytotaxa 646(3): 288. 2024 (Hygrophoraceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Mayilanji Valavu, Malappuram District, Kerala. The holotype is deposited in the herbarium of Calicut University, Malappuram, Kerala (CALI). The specific epithet refers to the translucent basidiocarps of this species.

हिस्टीरियम मैड्रासपटनम मनोगरन, कायलविझी व मुनुस्वामी, फाइटोटैक्सा 649(1): 98–110. 2024 (हिस्टीरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन चेन्नई, तमिलनाडु के पास उष्णकटिबंधीय शुष्क सदाबहार वन से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज (स्वायत्त), तांबरम, चेन्नई के कवक विज्ञान अनुसंधान प्रयोगशाला के पादपालय (MCCH) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल तमिलनाडु के चेन्नई शहर के ऐतिहासिक नाम ‘मद्रास’ पर आधारित है।

Hysterium madraspatanum Manogaran, Kayalvizhi & Munuswamy, Phytotaxa 649(1): 98–110. 2024 (Hysteriaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Tropical Dry Evergreen Forest near Chennai, Tamil Nadu. The holotype is deposited in the herbarium of Mycological Research Laboratory, Department of Botany, Madras Christian College (Autonomous), Tambaram, Chennai (MCCH). The species epithet ‘madraspatanum’ is derived from ‘Madraspatnam,’ the historical name for the city of Chennai in Tamil Nadu.

आइनोस्पर्मा पवित्रम के. पी. डी. लता व पी. हरिदेव, फंगल सिस्टमैटिक्स एंड इवोल्यूशन 13: 274. 2024 (आइनोसाइबेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन इरिंगोल कावु पवित्र उपवन, पेरुम्बवूर, एर्नाकुलम जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप कालीकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल के पादपालय (CALI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण संस्कृत विशेषण ‘पवित्र’ पर आधारित है, जो इस पारंपरिक पवित्र उपवन में *आइनोस्पर्मा पवित्रम* की व्याप्ति को दर्शाता है।

Inosperma pavithrum K. P. D. Latha & P. Haridev, Fungal Systematics and Evolution 13: 274. 2024 (Inocybaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Iringol Kavu Sacred Grove, Perumbavoor, Ernakulam District, Kerala. The holotype is deposited in the herbarium of Calicut University, Malappuram, Kerala (CALI). The specific epithet is derived from the Sanskrit adjective pavithr (sacred), refers to the occurrence of the species in a traditional sacred grove.

किर्श्टीनियोथेलिया अगुम्बेन्सिस ओ. पी. श्रुति व राजेशके., फाइटोटैक्सा 649(2): 165. 2024 (किर्श्टीनियोथेलिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अगुम्बे, कर्नाटक में गार्सिनिआ प्रजाति की क्षयशील लकड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप आजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में और अन्य प्ररूप का संजीव संवर्धन भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल ‘अगुम्बे,’ के नाम पर आधारित है।

Kirschsteiniothelia agumbensis O. P. Sruthi & Rajeshk., Phytotaxa 649(2): 165. 2024 (Kirschsteiniotheliaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from the decaying wood of *Garcinia* sp., collected from Agumbe, Karnataka. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra (AMH); ex-type culture is deposited in National Fungal Culture Collection of India, Pune, Maharashtra (NFCCI). The specific epithet refers to the place Agumbe where the fungus was collected.

लैक्टेरियस क्रैसोस्टाइपज के. वर्मा, उनियाल, एस. सिंह व वाई. पी. शर्मा, माइक्रोस्कोपी रिसर्च एंड टेक्निक, 87(12): 2886. 2024 (रसुलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन चतरगाला, भद्रेवाह, डोडा, जम्मू, जम्मू और कश्मीर में 3145 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके सघन छत्रिकावृंत की विशिष्टता पर आधारित है।

Lactarius crassostipes K. Verma, Uniyal, S. Singh & Y. P. Sharma, Microscopy Research and Technique, 87(12): 2886. 2024 (Russulaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Chatergala, Bhaderwah, Doda, Jammu, Jammu & Kashmir at 3145 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The species epithet refers to the distinct thick stipe.

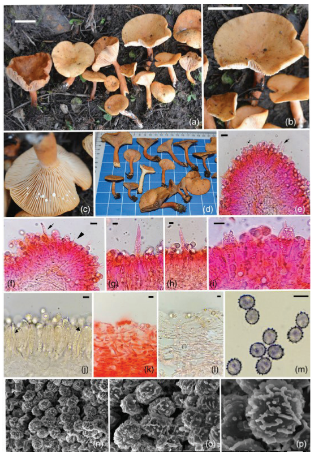

लैक्टेरियस फ्लेवोकॉर्पस के. वर्मा, उनियाल, महमूद व वाई. पी. शर्मा, माइक्रोस्कोपी रिसर्च एंड टेक्निक, 87(12): 28889. 2024 (रसुलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन चतरगाला, भद्रेवाह, डोडा, जम्मू, जम्मू और कश्मीर में 3019 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके सुनहरे पीले फलन काय की विशिष्टता पर आधारित है।

Lactarius flavocorpus K. Verma, Uniyal, Mehmood & Y. P. Sharma, Microscopy Research and Technique, 87(12): 28889. 2024 (Russulaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Chatergala, Bhaderwah, Doda, Jammu, Jammu & Kashmir at 3019 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The species epithet refers to the golden yellow fruiting body.

लैक्टेरियस इंडोहिर्टाइपीज के. वर्मा, उनियाल व महमूद, यूर. जे. टैक्सोन. 947: 180. 2024 (रसुलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन चत्तरगला, भद्रवाह, डोडा, जम्मू, जम्मू और कश्मीर में 3046 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण भारत में इसकी व्याप्ति और *लैक्टेरियस हिर्टाइपीज* सम्मिश्र की प्रजाति से इसके रूपात्मक और जातिवृत्तीय साम्यता पर आधारित है।

Lactarius indohirtipes K. Verma, Uniyal & Mehmood, Eur. J. Taxon. 947: 180. 2024 (Russulaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Chatergala, Bhaderwah, Doda, Jammu, Jammu & Kashmir at 3046 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The species epithet refers to the occurrence of the species in India and its morphological and phylogenetic similarities to species of the *Lactarius hirtipes* complex.

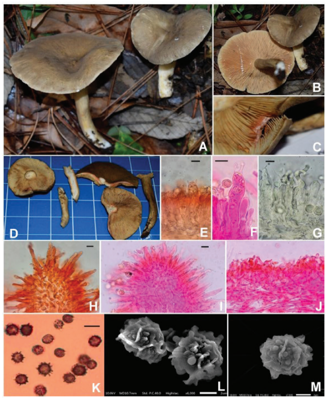

लैक्टेरियस शर्माई के. वर्मा, उनियाल व महमूद, यूर. जे. टैक्सोन. 947: 183. 2024 (रसुलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन समनाबंज, मजालता, उधमपुर, जम्मू और कश्मीर में 1749 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण जम्मू व कश्मीर और लद्दाख के मैक्रोफंगल वनस्पतिजात पर बहुमूल्य योगदान के लिए प्रो. यशपाल शर्मा के सम्मान में किया गया है।

Lactarius sharmai K. Verma, Uniyal & Mehmood, Eur. J. Taxon. 947: 183. 2024 (Russulaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Samanabanj, Majalta, Udhampur, Jammu & Kashmir at 1749 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The species epithet is after Prof. Yash Pal Sharma to honour his valuable contributions to the macrofungal flora of Jammu & Kashmir and Ladakh.

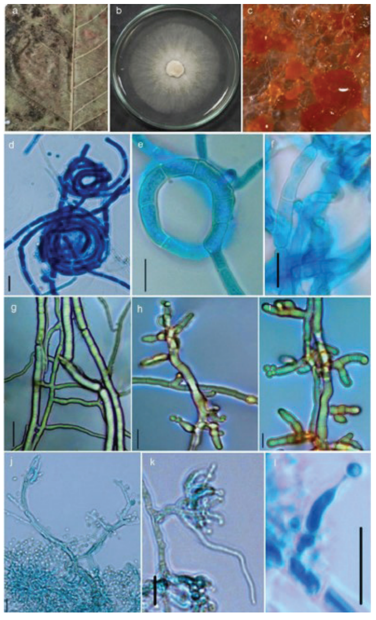

लैम्बर्टेला डिप्टेरोकार्पेसिएरम पी. एन. सिंह, एस. के. सिंह व ए. सी. लागाशेट्टी, फंगल डायवर्सिटी https:// doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (रुट्सट्रोएमिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन गोरखपुर जिला, उत्तर प्रदेश में *शोरिया रोबस्टा* (काली फफूंद से संक्रमित पत्ती) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अगरकर कवक विज्ञान पादपालय, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में और अन्य प्ररूप के संजीव संवर्धन भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी कुल के नाम पर आधारित है।

Lambertella dipterocarpacearum P. N. Singh, S. K. Singh & A. C. Lagashetti, Fungal Diversity https://doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (Rutstroemiaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on *Shorea robusta* (leaf infested with black mold), Gorakhpur District, Uttar Pradesh. The holotype is deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH) and ex-type living culture is in National Fungal Culture Collection of India, Pune, Maharashtra (NFCCI). The specific epithet 'dipterocarpacearum' refers to the host family.

लैक्सिटेक्सटम सबरूब्रम आर. साहा, ए. के दत्ता व के. आचार्य, फंगल डाइवर्सिटी https:// doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (हेरिसिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन खुट्टीमारी, मोराघाट विस्तार, जलपाईगुड़ी जिला, पश्चिम बंगाल में 144 मीटर की उंचाई पर से अज्ञात आवृतबीजी के निर्जीव कुंदा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप पादपालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल (CUH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके छत्र के लाल या फीके लाल रंग की विशिष्टता पर आधारित है।

Laxitextum subrubrum R. Saha, A. K. Dutta & K. Acharya, Fungal Diversity https://doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (Hericiaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on dead wooden logs of unknown angiosperm, Khuttimari, Moraghat Range, Jalpaiguri District, West Bengal at 144 m altitude. The holotype is deposited in the Calcutta University Herbarium, Kolkata, West Bengal (CUH). The specific epithet refers to the reddish or dull red colouration of the pileus.

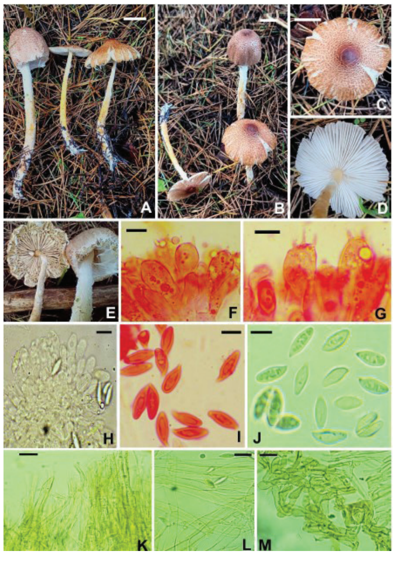

लेपियोटा रूफोब्रुनिया एम. अहमद, ए. के. दत्ता, के. वर्मा व वाई. पी. शर्मा, ताइवानिया 69(4): 525. 2024 (एगैरिकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन जय घाटी, भद्रेवाह, डोडा जिला, जम्मू और कश्मीर में *सीड्रस देवदरा* की प्रमुखता वाले शंकुधारी वन में 2442 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप पादपालय, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर (HBJU) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके छत्र अंबो के रंग की विशिष्टता पर आधारित है।

Lepiota rufobrunnea M. Ahamed, A. K. Dutta, K. Verma & Y. P. Sharma, Taiwania 69(4): 525. 2024 (Agaricaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made in coniferous forest dominated by *Cedrus deodara*, Jai Valley, Bhaderwah, Doda District, Jammu and Kashmir at 2442 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of University of Jammu, Jammu & Kashmir (HBJU). The specific epithet refers to the colouration of the pileus umbo.

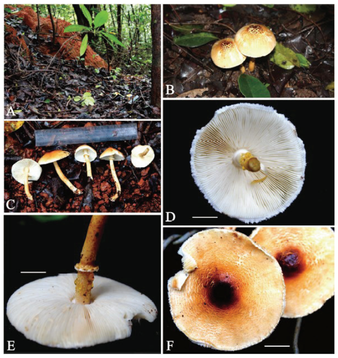

ल्यूकोएगैरिकस कर्जतिकस पी. बी. पाटिल, एन. पी. पाटिल, एस. चहर व एस. मौर्य, माइकोसाइंस 65: 245. 2024 (एगैरिकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन माथेरान पहाड़ी, रायगढ़ जिला, महाराष्ट्र में 800 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप अगरकर कवक विज्ञान पादपालय, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण 'कर्जतिकस' मूलप्ररूप के संग्रह स्थल भारत के महाराष्ट्र राज्य के रायगढ़ ज़िले के 'कर्जत' के नाम पर आधारित है।

Leucoagaricus karjaticus P. B. Patil, N. P. Patil, S. Chahar & S. Maurya, Mycoscience 65: 245. 2024 (Agaricaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Matheran Hills, Raigad District, Maharashtra at 800 m altitude. The holotype is deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). The species epithet 'karjaticus' refers to the place 'Karjat' where the holotype was collected.

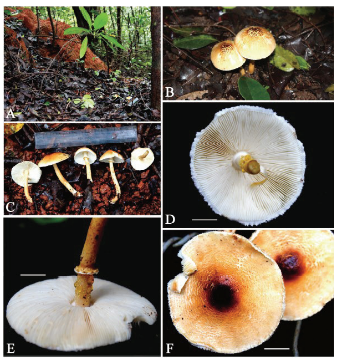

लाइकेनोकोरा सोलेनोप्सोराइ वाइ. जोशी, कवका 60(4): 71. 2024

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 3284 मी की ऊंचाई पर कुटी गांव, व्यास घाटी, धारचूला, पिथौरागढ़ जिला, उत्तराखंड के रास्ते में *सोलेनोप्सोरा कैंडिकेन्स* के थैलस से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी शैवाक सोलेनोप्सोरा कैंडिकेन्स के साथ साहचर्य की विशिष्टता पर आधारित है।

Lichenochora solenopsorae Y. Joshi, Kavaka 60(4): 71. 2024

This new species has been discovered and described based on collection made on thallus of *Solenopsora candicans*, on way to Kuti Village, Vyas Valley, Dharchula, Pithoragarh District, Uttarakhand at 3284 m altitude. The holotype is deposited in University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). The specific epithet reflects the species-specific association with *Solenopsora candicans*, the lichen on which it was discovered.

माल्मिडिया ग्लैब्रोमार्जिनेटा आर. अधिकारी, एस. जोसेफ व नायक, द लाइकेनोलॉजिस्ट 56: 48. 2024 (माल्मीडिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 726 मीटर की ऊंचाई पर ओडिशा के कंधमाल जिला के रायकिया में मंदसरू घाटी के पास से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके चिकने एपोथेशियल उपांत को दर्शाता है।

Malmidea glabromarginata R. Adhikari, S. Joseph & Nayaka, The Lichenologist 56: 48. 2024 (Malmideaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made near Mandasaru Valley, Raikia, Kandhamal District, Odisha at 726 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet 'glabromarginata' refers to the smooth apothecial margin of the species.

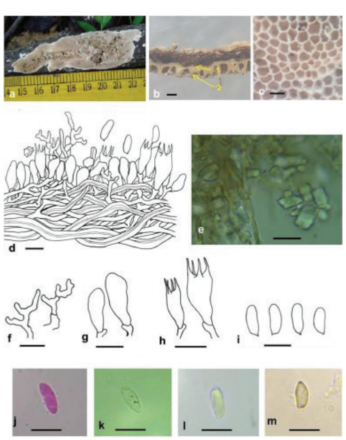

मेगास्पोरोपोरिया तमिलनाडुएन्सिस के. केजो, एम. कलियापेरूमल, एस. गुणसीलन, ज़्यू डब्ल्यू. वांग व एल. डब्ल्यू. झाउ, फंगल डाइवर्सिटी https://doi.org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (पॉलीपोरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन तिरुवन्नामलाई जिला, तमिलनाडु में निर्जीव लकड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप पादपालय, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु (MUBL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के राज्य 'तमिलनाडु' के नाम पर आधारित है।

Megasporoporia tamilnaduensis K. Kezo, M. Kaliyaperumal, S. Gunaseelan, Xue W. Wang & L. W. Zhou., Fungal Diversity https://doi.org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (Polyporaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on dead wood, Thiruvannamalai District, Tamil Nadu. The holotype is deposited in the herbarium of Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). The specific epithet 'tamilnaduensis' refers to the place of collection.

मेटुलोइडिया इम्ब्रीकेटा आर. साहा, ए. के. दत्ता व के. आचार्य, फंगल डाइवर्सिटी https://doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (स्टेकेरिनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अपालचंद वन, जलपाईगुड़ी जिला, पश्चिम बंगाल में 151 मीटर की उंचाई पर अज्ञात आवृतबीजी के मृत कुंदा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप पादपालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल (CUH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके बेसिडियोम की अतिव्यापी वृद्धि प्रवृत्ति को दर्शाता है।

Metuloidea imbricata R. Saha, A. K. Dutta & K. Acharya, Fungal Diversity https://doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (Steccherinaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on dead wooden logs of unknown angiosperm, Apalchand Forest, Jalpaiguri District, West Bengal, at 151 m altitude. The holotype is deposited in the Calcutta University Herbarium, Kolkata, West Bengal (CUH). The specific epithet 'imbricata' refers to the overlapping growth habits of the basidiomes.

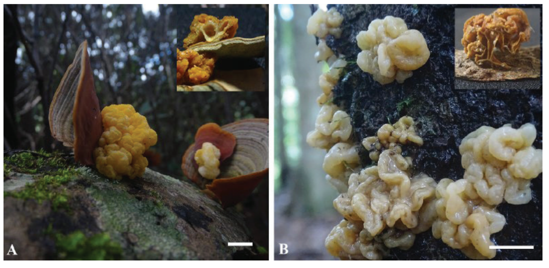

नीमैटेलिया एन्सेफ्लोइडिया ए. थॉमस व टी. के. ए. कुमार, फाइटोटैक्सा 646(1): 61. 2024 (नीमैटेलिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन साइलेंट घाटी राष्ट्रीय उद्यान, पलक्कड जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप गुरुवायूरप्पन कॉलेज, जामोरिन, कोझीकोड, केरल (ZGC) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण *एन. इन्सेफैला* प्रजाति के बेसिडियोकार्प्स के साथ इसकी रूपात्मक सादृश्य की विशिष्टता पर आधारित है।

Naematelia encephaloidea A. Thomas & T. K. A. Kumar, Phytotaxa 646(1): 61. 2024 (Naemateliaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Silent Valley National Park, Palakkad District, Kerala. The holotype is deposited in the Zamorin's Guruvayurappan College, Kozhikode, Kerala (ZGC). The specific epithet refers to the morphological resemblance with basidiocarps of the closely related species, *N. encephala*.

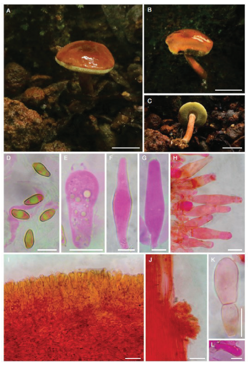

नियोट्रॉपिकोम्स इंडिकस एस. नानू व टी. के. ए. कुमार, क्रिप्टोगेमी माइकोलॉजी 45(5): 50. 2024 (बोलेटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पेलोड, तिरुवनंतपुरम, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप गुरुवायूरप्पन कॉलेज, जामोरिन, कोझीकोड, केरल (ZGC) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के देश 'इंडिया' के नाम पर आधारित है।

Neotropicomus indicus S. Nanu & T. K. A. Kumar, Cryptogamie Mycologie 45(5): 50. 2024 (Boletaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Palode, Thiruvananthapuram District, Kerala. The holotype is deposited in the Zamorin's Guruvayurappan College, Kozhikode, Kerala (ZGC). The specific epithet refers to the distribution and collection locality of the species.

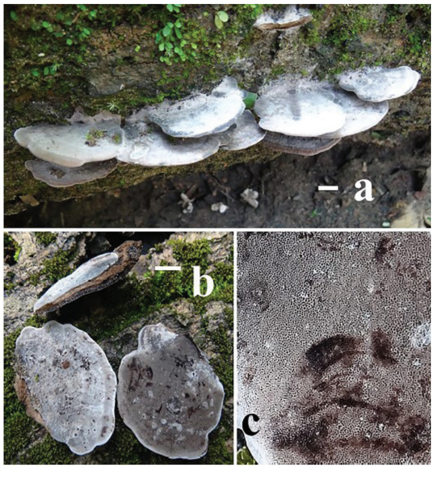

निग्रोहिर्शिओपोरस वायलेसीरूलिअम आर. साहा, ए. के. दत्ता व के. आचार्य, फाइटोटैक्सा 634(2): 137. 2024 (हिर्शिओपोरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन नागरकाटा, जलपाईगुड़ी जिला, पश्चिम बंगाल में 214 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप पादपालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल (CUH) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके छत्र के ऊपरी सतह के रंग की विशिष्टता पर आधारित है।

Nigrohirschioporus violacaeruleum R. Saha, A. K. Dutta & K. Acharya, Phytotaxa 634(2): 137. 2024 (Hirschioporaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Nagrakata, Jalpaiguri District, West Bengal at 214 m altitude. The holotype is deposited in the Calcutta University Herbarium, Kolkata, West Bengal (CUH). The specific epithet 'violacaeruleum' refers to the colour of the upper pileus surface.

फाइलोपोरिया पर्वतेया एम. कलियापेरुमल व एस. गुणसीलन, फंगल सिस्टमैटिक्स एंड एवोल्यूशन 13: 310. 2024 (हाइमेनोकीटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन थेनमलाई, जवाधु पहाड़ी, तिरुवन्नामलाई, तमिलनाडु में *लोनीसेरा* प्रजाति की सजीव लता से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु के पादपालय (MUBL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण संस्कृत शब्द 'पर्वत' पर आधारित है।

Phylloporia parvateya M. Kaliyaperumal & S. Gunaseelan, Fungal Systematics and Evolution 13: 310. 2024 (Hymenochaetaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on living vine of *Lonicera* sp., Thenmalai, Javadhu Hills, Thiruvannamalai, Tamil Nadu. The holotype is deposited in the herbarium of Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). The specific epithet 'parvateya' in Sanskrit refers to 'belonging to the mountain'.

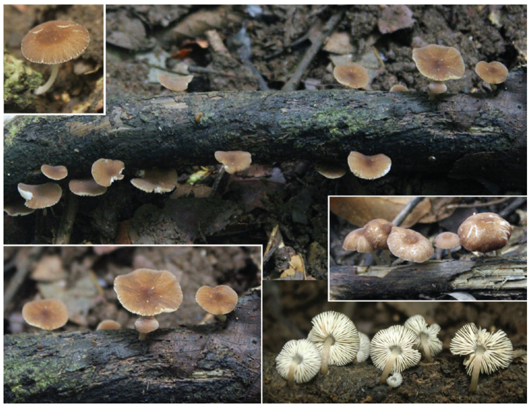

प्लूटिअस चिम्मिनिएन्सिस वी. कीर्ति व सी. के. प्रदीप, फाइटोटैक्सा 670(3): 169. 2024 (प्लूटिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 87 मी की ऊंचाई पर चिम्मिनी वन्यजीव अभयारण्य, त्रिशूर जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल (TBGT) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'चिम्मिनी वन्यजीव अभयारण्य' के नाम पर आधारित है।

Pluteus chimminiensis V. Keerthi & C. K. Pradeep, Phytotaxa 670(3): 169. 2024 (Plutiaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Chimmini Wildlife Sanctuary, Thrissur District, Kerala at 87 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). The specific epithet 'chimminiensis' refers to the type locality of this species.

प्लूटिअस फस्किप्रूइनेटस वी. कीर्ति व सी. के. प्रदीप, फाइटोटैक्सा 670(3): 165. 2024 (प्लूटिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 150 मी की ऊंचाई पर जेएनटीबीजीआरआई परिसर, पेलोड, तिरुवनंतपुरम जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल (TBGT) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके तुषारावृत छत्रिका की विशिष्टता पर आधारित है।

Pluteus fuscipruinatus V. Keerthi & C. K. Pradeep, Phytotaxa 670(3): 165. 2024 (Plutiaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from JNTBGRI Campus, Palode, Thiruvananthapuram District, Kerala at 150 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). The specific epithet 'fuscipruinatus', refers to the brown pruinose pileus of the new species.

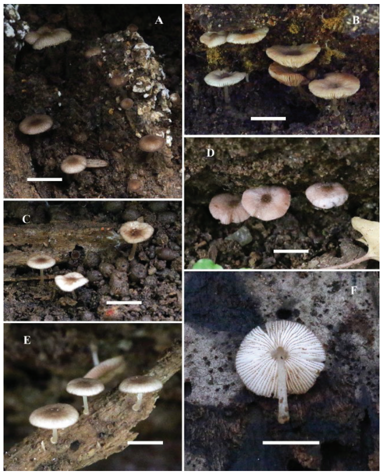

प्लूटिअस पारवुलस वी. कीर्थि, सेवसिकोवा व सी. के. प्रदीप, फाइटोटैक्सा 635(2): 115. 2024 (प्लूटिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन जेएनटीबीजीआरआई परिसर, पेलोड, तिरुवनंतपुरम जिला, केरल में 150 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल (TBGT) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके छोटे छत्र की विशिष्टता पर आधारित है।

Pluteus parvulus V. Keerthi, Ševčíková & C. K. Pradeep, Phytotaxa 635(2): 115. 2024 (Pluteaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made JNTBGRI Campus, Palode, Thiruvananthapuram District, Kerala at 150 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). The specific epithet refers to the small pileus.

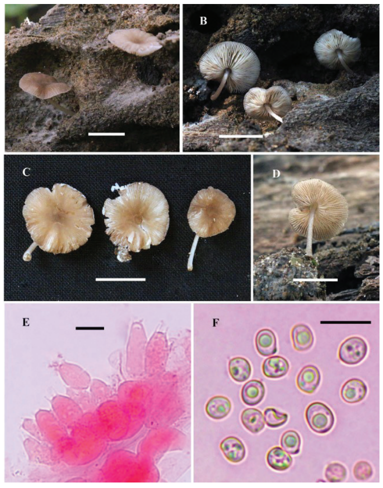

प्लूटिअस पॉक्सिलस वी. कीर्थि व सी. के. प्रदीप, फाइटोटैक्सा 635(2): 120. 2024 (प्लूटिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन जेएनटीबीजीआरआई परिसर, पेलोड, तिरुवनंतपुरम जिला, केरल में 150 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल (TBGT) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके छोटे बेसिडियोमाटा पर आधारित है।

Pluteus pauxillus V. Keerthi & C. K. Pradeep, Phytotaxa 635(2): 120. 2024 (Pluteaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from JNTBGRI Campus, Palode, Thiruvananthapuram District, Kerala at 150 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). The specific epithet refers to the small basidiomata.

स्यूडोफोमिटॉप्सिस फस्का आर. साहा, ए. के. दत्ता व के. आचार्य, यूर. जे. टैक्सोन. 935: 128. 2024 (फोमिटोप्सिडेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन गोरूमारा राष्ट्रीय उद्यान, सैमसिंग वन, जलपाईगुड़ी जिला, पश्चिम बंगाल में 102 मीटर की ऊंचाई पर अज्ञात आवृतबीजी की निर्जीव लकड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के पादपालय (CUH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके छत्रिकावृंत के ऊपरी परत के रंग की विशिष्टता पर आधारित है।

Pseudofomitopsis fusca R. Saha, A. K. Dutta & K. Acharya, Eur. J. Taxon. 935: 128. 2024 (Fomitopsidaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on dead wood of an unidentified angiosperm, near Gorumara National Park, Samsing Forest, Jalpaiguri District, West Bengal at 102 m altitude. The holotype is deposited in the Calcutta University Herbarium, Kolkata, West Bengal (CUH). The specific epithet refers to the colour of the pileus upper surface.

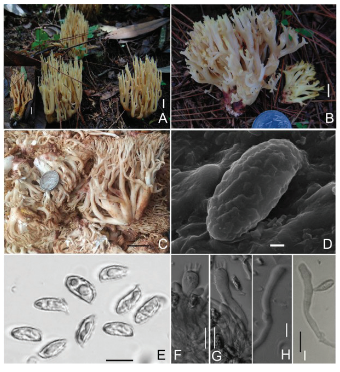

रैमेरिया स्यूडोविनोसिमैकुलेन्स पी. आर. विश्वास एवं ए. के. दत्ता, फाइटोटैक्सा 659(1): 80. 2024 (गॉम्फेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन एनईएईच्उ परिसर, मेघालय में 205. 9 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम के पादपालय (GUBH) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण *आर. विनोसिमैकुलेन्स* मार व डी. ई. स्टंट्ज के साथ घनिष्ठ सादृश्य पर आधारित है।

Ramaria pseudovinosimaculans P. R. Biswas & A. K. Dutta, Phytotaxa 659(1): 80. 2024 (Gomphaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from NEHU campus, Meghalaya at 205. 9 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Gauhati University, Guwahati, Assam (GUBH). The specific epithet refers to close resemblance to *R. vinosimaculans* Marr & D. E. Stuntz.

रसुला ब्रुनियोऔरेन्टिएका ए.के. दत्ता, एन. रॉय व बेपीह, माइक्रोस्कोपी एंड टेक्नीक 87(4): 743. 2024 (रसुलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन जलपाईगुड़ी जिला, पश्चिम बंगाल में 2091 मीटर की उंचाई पर *कैस्टेनॉप्सिस* प्रजाति के संगुणित संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम के पादपालय (GUBH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके छत्र के भूरे-नारंगी रंग की विशिष्टता पर आधारित है।

Russula brunneoaurantiaca A.K. Dutta, N. Roy & Beypih, Microscopy Research and Technique, 87(4): 743. 2024 (Russulaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from associations of *Castanopsis* sp., Darjeeling District, West Bengal, at 2091 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Gauhati University, Guwahati, Assam (GUBH). The specific epithet refers to the pileus' brown-orange coloration.

सेबेसिना स्पॉन्जीकार्पा ए. थॉमस व टी.के.ए. कुमार, फंगल सिस्टमैटिक्स एंड इवोल्यूशन 14: 547. 2024 (सेबेसिनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन नीलाम्बुर, मलप्पुरम जिला, केरल में 23. 22 मीटर की ऊंचाई पर मृदा, पपड़ीदार टहनियों, पत्थरों, पत्ती के छोटे-छोटे टुकड़ों तथा पौधों के आधार से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जामोरिन गुरुवायूरप्पन कॉलेज, कोझीकोड, केरल (ZGC) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण बेसिडियोकार्प के स्पंजी प्रकृति पर आधारित है।

Sebacina spongicarpa A. Thomas & T.K.A. Kumar, Fungal Systematics and Evolution 14: 547. 2024 (Sebacinaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on soil, incrusting twigs, stones, leaf bits and on base of plants, Nilambur, Malappuram District, Kerala at 23. 22 m altitude. The holotype is deposited in the Zamorin's Guruvayurappan College, Kozhikode, Kerala (ZGC). The specific epithet refers to the spongy nature of the basidiocarp.

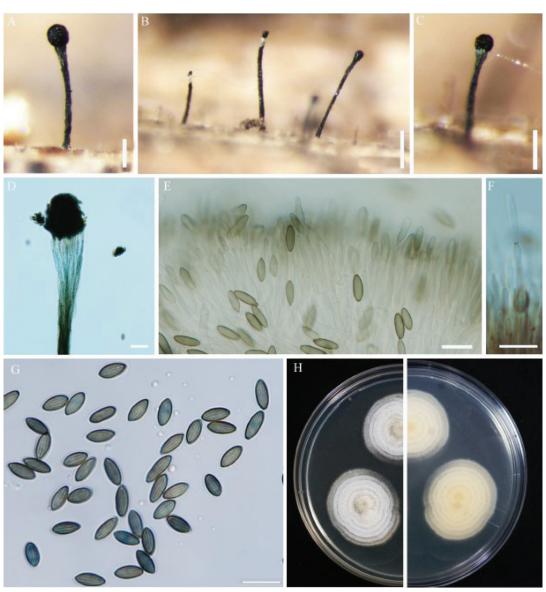

स्ट्रिएटिकोनिडियम केफ्रिएन्स राजेशके., ओ.पी. श्रुति, एस.के. अष्टमूर्थी व के.वी. शंकरन, फाइटोटैक्सा 675(3): 238. 2024 (स्टैकिबोट्रीएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन वझाचल वन प्रभाग, कराडीचोला, केरल में *ऑक्लेन्ड्रा त्रावणकोरिका* की सड़ी पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूल प्ररूप आजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, अगरकर शोध संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण भारतीय कवकविज्ञान, उष्णकटिबंधीय जैव विविधता सूची और संरक्षण में योगदान के लिए वन अनुसंधान संस्थान (KFRI), केरल के स्वर्ण जयंती समारोह को अविस्मरणीय बनाते हुए KFRI के नाम पर किया गया है।

Striaticonidium kfriense Rajeshk., O.P. Sruthi, S.K. Ashtamoorthy & K.V. Sankaran, Phytotaxa 675(3): 238. 2024 (Stachybotryaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on a decaying leaf of *Ochlandra travancorica*, Vazhachal Forest Division, Karadichola, Kerala. The holotype is deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). The specific epithet 'kfriense,' named after the Kerala Forest Research Institute (KFRI), Kerala, on the golden jubilee celebration of the Institution and in recognition of contribution of the institute to the Indian mycology, tropical biodiversity inventory and conservation.

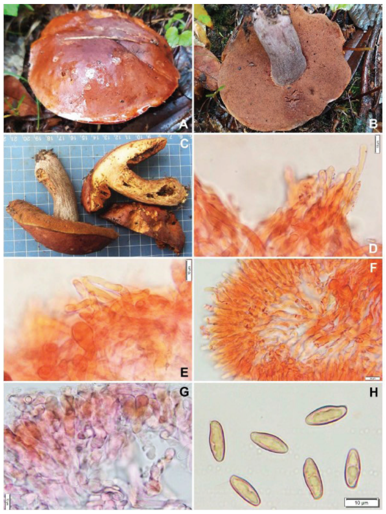

सुटोरिअस एप्लयूरोसिस्टिडिएटस के. दास, सु. दत्ता, ए. घोष व विज़िनी, ताइवानिया 69(3): 297. 2024 (बोलेटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन दीदना, चमोली जिला, गढ़वाल, उत्तराखंड में 2600 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसमें पार्श्वसिस्टिडियम की कमी को दर्शाता है।

Sutorius apleurocystidiatus K. Das, Su. Datta, A. Ghosh & Vizzini, Taiwania 69(3): 297. 2024 (Boletaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made in temperate forest under *Quercus* sp., Didna, Chamoli District, Uttarakhand at 2600 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet refers to the lack of pleurocystidia.

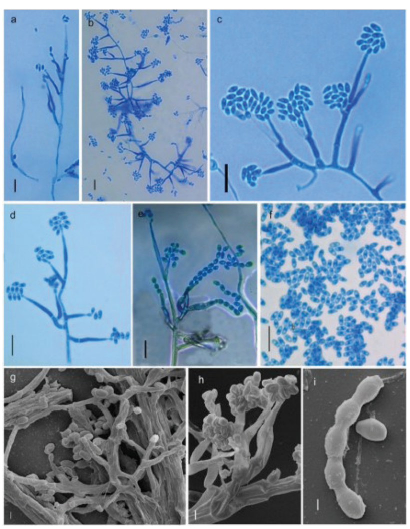

साइनेमेलिसिया पुणेन्सिस के. एस. पवार, पी. एन. सिंह, एस. के. सिंह, फंगल डाइवर्सिटी https://doi.org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (बायोनेक्ट्रिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पुणे जिला, महाराष्ट्र में पर्ण कचरे से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और अन्य प्ररूप का संजीव संवर्धन भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल महाराष्ट्र राज्य का जिला 'पुणे' के नाम पर आधारित है।

Synnemellisia punensis K. S. Pawar, P. N. Singh, S. K. Singh, Fungal Diversity https://doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (Bionectriaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from leaf litter, Pune District, Maharashtra. The holotype and ex-type living culture are deposited in the National Fungal Culture Collection of India, Pune, Maharashtra (NFCCI). The specific epithet 'punensis' refers to name Pune (a district of Maharashtra state).

टोरुला कण्वाइ जी. गोरे, आर. अवचर, डी. शेल्के, एच. सोनावने व डी. धोत्रे, फंगल सिस्टमैटिक्स एंड इवोल्यूशन 14: 557. 2024 (स्यूडियूरोटीएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पुणे जिला, महाराष्ट्र में भृंग *कॉप्रिस सिग्नेटस* की आंत से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और अन्य प्ररूप के संवर्धन माइक्रोबियल कल्चर कलेक्शन, नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंसेज, पुणे, महाराष्ट्र (MCC) में संगृहीत है, जबकि प्रतिरूप चयापचय रूप से निष्क्रिय अवस्था में राष्ट्रीय सूक्ष्मजीव संपदा केंद्र (NCMR) पुणे, महाराष्ट्र में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण हिंदू वेदों में सूक्ष्मजीवों या जीवाणुओं का प्रारंभिक प्रमाण प्रदान करने वाले प्राचीन भारतीय ऋषि कण्व के सम्मान में किया गया है।

Torula kanvae G. Gore, R. Avchar, D. Shelke, H. Sonawane & D. Dhotre, Fungal Systematics and Evolution 14: 557. 2024 (Pseudeurotiaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from the gut of *Copris signatus* beetle, Pune District, Maharashtra. The holotype and ex-type culture are deposited in Microbial Culture Colection, National Centre for Cell Sciences, Pune, Maharashtra (MCC) while the specimen is preserved in a metabolically inactive state at the National Centre for Microbial Resource (NCMR), Pune, Maharashtra. The specific epithet honours the ancient Indian sage Rishi Kanva, who provided early evidence of microbes, or Jeevanu, in the Hindu Vedas.

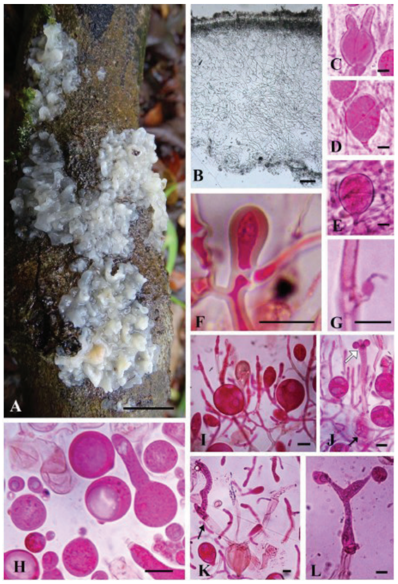

ट्रेमेला सैरंध्रियाना ए. थॉमस व टी. के. ए. कुमार, फंगल डाइवर्सिटी https://doi. org/10. 1007/ s13225-023-00529-0 (ट्रेमेलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान, पलक्कड जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप गुरुवायूरप्पन कॉलेज, जामोरिन, कोझीकोड, केरल (ZGC) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल साइलेंट वैली नेशनल पार्क के स्थानीय नाम 'सैरंध्रिवनम' पर आधारित है।

Tremella sairandhriana A. Thomas & T. K. A. Kumar, Fungal Diversity https:// doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (Tremellaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Silent Valley National Park, Palakkad District, Kerala. The holotype is deposited in the Zamorin's Guruvayurappan College, Kozhikode, Kerala (ZGC). The specific epithet refers to the collection locality.

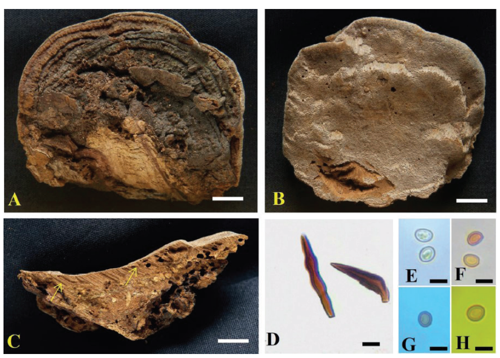

ट्रॉपिकोपोरस क्लाइस्टेन्थिकोला एस. गुणसीलन व एम. कलियापेरुमल, माइकोकीज़ 102: 34. 2024 (हाइमेनोकीटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन जवाधु पहाड़ी, तिरुवन्नामलाई जिला, तमिलनाडु में एक सजीव आवृतबीजी वृक्ष (*क्लाइस्टेन्थस कॉलिनस*) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप पादपालय, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु (MUBL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी वृक्ष *क्लाइस्टेन्थस कॉलिनस* के नाम पर आधारित है।

Tropicoporus cleistanthicola S. Gunaseelan & M. Kaliyaperumal, MycoKeys 102: 34. 2024 (Hymenochaetaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on a living angiosperm tree (*Cleistanthus collinus*), Jawadhu Hills, Thiruvannamalai District, Tamil Nadu. The holotype is deposited in the herbarium of Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). The specific epithet 'cleistanthicola' (Lat.) refers to the host *Cleistanthus collinus*.

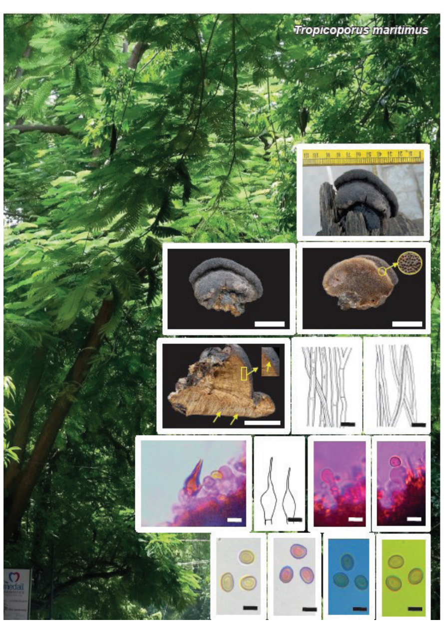

ट्रॉपिकोपोरस मैरिटाइमस एन. चेल्लपन, वी. वासन व एम. कलियापेरुमल, फंगल सिस्टमैटिक्स एंड इवोल्यूशन 13: 345. 2024 (हाइमेनोकीटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बेसेंट नगर, चेन्नई, तमिलनाडु में सजीव आवृतबीजी वृक्ष *पेल्टोफोरम टेरोकार्पम* (फैबेसी) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु के पादपालय (MUBL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण में प्रयुक्त लैटिन शब्द 'मैरिटाइमस' तटीय क्षेत्र को दर्शाता है।

Tropicoporus maritimus N. Chellapan, V. Vasan & M. Kaliyaperumal, Fungal Systematics and Evolution 13: 345. 2024 (Hymenochaetaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on living angiosperm tree *Peltophorum pterocarpum* (Fabaceae), Besant Nagar, Chennai, Tamil Nadu. The holotype is deposited in the herbarium of Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). The specific epithet 'maritimus' derived from Latin word representing the coastal area.

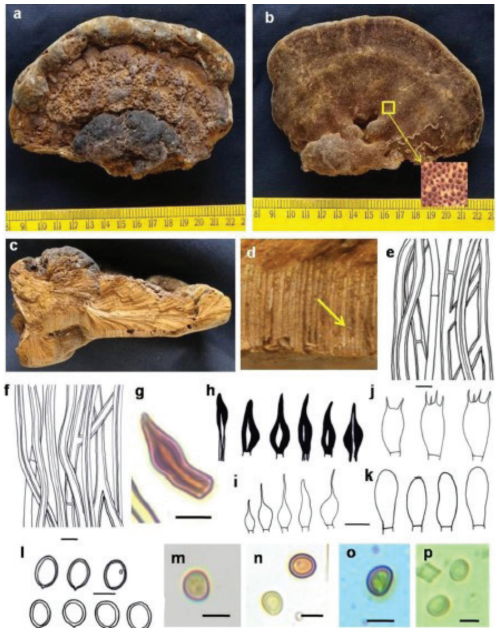

ट्रॉपिकोपोरस नटराजनियाइ एम. कलियापेरुमल, एस. गुणसीलन, के. केजो, ज्यू डब्ल्यू. वांग व एल. डब्ल्यू. झौ, फंगल डाइवर्सिटी https://doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (हाइमेनोकीटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पेनियार नदी, सथानूर, तिरुवन्नामलाई जिला, तमिलनाडु में सजीव आवृतबीजी वृक्ष (*ऐल्बिजिया एमारा*) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप पादपालय, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु (MUBL) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण भारतीय कवक विज्ञान विशेष रूप से एगैरिकोमाइसिटीज के वर्गिकी अध्ययन में योगदान के लिए भारतीय कवकविज्ञ कृष्णमूर्ति नटराजन के सम्मान में किया गया है।

Tropicoporus natarajaniae M. Kaliyaperumal, S. Gunaseelan, K. Kezo, Xue W. Wang & L. W. Zhou, Fungal Diversity https://doi. org/10. 1007/ s13225-023-00529-0 (Hymenochaetaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on living angiosperm tree (*Albizia amara*), Pennaiyar river, Sathanur, Thiruvannamalai District, Tamil Nadu. The holotype is deposited in the herbarium of Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). The specific epithet ‘natarajaniae’ refers to the Indian mycologist, Krishnamoorthy Natarajan, for his contributions to the Indian mycology especially on taxonomic studies in Agaricomycetes.

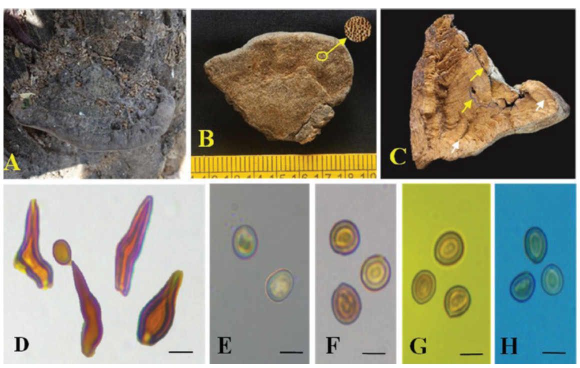

ट्रॉकिकोपोरस पेन्नईन्सिस एस. गुणसीलन, व एम. कलियापेरुमल, बायोलॉजी 13: 770. 2024 (हाइमेनोकीटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन सथानूर बांध, तिरुवन्नामलाई, तमिलनाडु में सजीव वृक्ष *प्रोसोपिस ज्यूलीफ्लोरा* से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु के पादपालय (MUBL) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल ‘पेन्नैयार नदी, सथानूर बांध’ के नाम पर आधारित है।

Tropicoporus pannaensis S. Gunaseelan & M. Kaliyaperumal, Biology 13: 770. 2024 (Hymenochaetaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on the living tree (*Prosopis juliflora*, Sathanur Dam, Thiruvannamalai District, Tamil Nadu. The holotype is deposited in the herbarium of Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). The specific epithet ‘pannaensis’ refers to the collection locality (Pennaiyar River, Sathanur Dam).

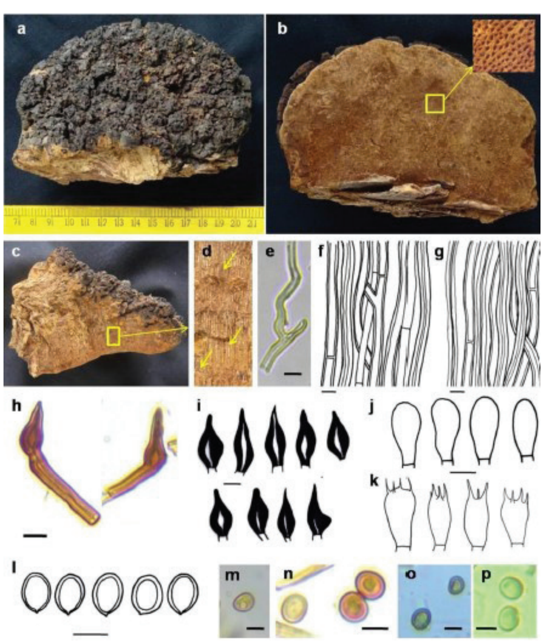

ट्रॉपिकोपोरस सुब्रमणियाइ एस. गुणसीलन, एम. कलियापेरुमल, के. केजो, ज्यू डब्ल्यू. वांग व एल. डब्ल्यू. झौ, फंगल डाइवर्सिटी https://doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (हाइमेनोकीटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पेनियार नदी, सथानूर, तिरुवन्नामलाई जिला, तमिलनाडु में सजीव आवृतबीजी (*ऐल्बिजिया एमारा*) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप पादपालय, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु (MUBL) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण भारत में कवक पर वर्गिकीय अध्ययन में योगदान के लिए भारतीय कवकविज्ञ सी. वी. सुब्रमणियन के सम्मान में किया गया है।

Tropicoporus subramaniae S. Gunaseelan, M. Kaliyaperumal, K. Kezo, Xue W. Wang & L. W. Zhou., Fungal Diversity https://doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0 (Hymenochaetaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on living angiosperm tree (*Albizia amara*), Pennaiyar river, Sathanur, Thiruvannamalai District, Tamil Nadu. The holotype is deposited in the herbarium of Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). The specific epithet ‘subramaniae’ refers to the Indian mycologist C. V. Subramanian, for his contributions to the fungal taxonomic studies in India.

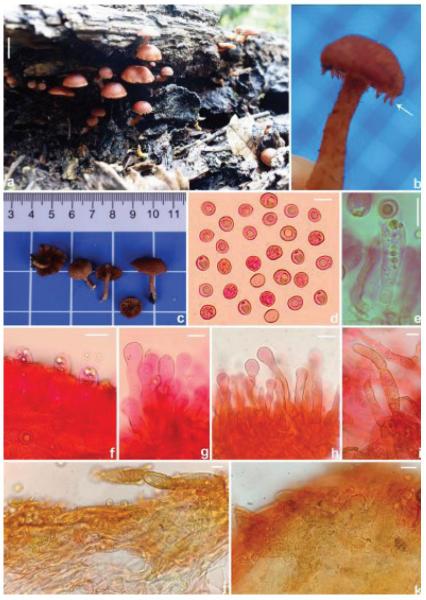

ट्यूबेरिया आर्मीनिआका चौधरी, उनियाल व वाई. पी. शर्मा, इंडियन फाइटोपथोलॉजी https://doi. org/10. 1007/s42360-024-00795-1 (ट्यूबेरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 2557 मी की ऊंचाई पर दिड़ना ट्रेक, कुलिंग, लोहाजंग, चामोली, गढ़वाल, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके फीके नारंगी बेसिडियोमेटा विशिष्टता पर आधारित है।

Tubaria armeniaca Choudhary, Uniyal & Y. P. Sharma, Indian Phytopathology https://doi. org/10. 1007/s42360-024-00795-1 (Tubariaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Didna Trek, Kuling, Lohajung, Chamoli District, Garhwal, Uttarakhand at 2557 m. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet 'armeniaca' refers to the dull orange of basidiomata in Latin.

टाइलोपाइलस परप्यूरियस एस. नानू व टी. के. ए. कुमार, माइकोलॉजिया https://doi. org/10. 1080/00275514. 2024. 2358942 (बोलेटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कुरुवाद्वीप, वायनाड जिला, केरल में 1100 मीटर की ऊंचाई पर *होपिआ पोंगा* के नीचे से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जामोरिन गुरुवायूरप्पन कॉलेज, कोझीकोड, केरल (ZGC) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके बेसिडियोमाटा के बैंगनी रंग की विशिष्टता पर आधारित है।

Tylopilus purpureus S. Nanu & T. K. A. Kumar, Mycologia https://doi.org/10. 1080/00275514. 2024. 2358942 (Boletaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on the ground under *Hopea ponga*, Kuruvadweep, Wayanad District, Kerala at 1100 m altitude. The holotype is deposited in the Zamorin's Guruvayurappan College, Kozhikode, Kerala (ZGC). The specific epithet refers to the purplish color of the basidiomata.

विकरहैमिएला लैकेन्सी एफ. ए. रामेश्वर अवचर, गार्गी गिरि, लकी ठक्कर, अविनाश शर्मा व जोस पॉलो सैम्पाइयो, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टमैटिक एंड इवॉल्यूशनरी माइक्रोबायोलॉजी https://doi. org/10. 1099/ijsem. 0. 006365

इस खमीर प्रजाति को भारत में मध्य और दक्षिणी अमेरिका में मूल रूप से पायी जाने वाली सजावटी विदेशी प्रजाति *लेन्टाना कैमरा* के पुष्पों के मकरंद से पृथक किया गया है। 26एस बृहत् उप-इकाई (एलएसयू) आरआरएनए जीन के डी1/डी2 डोमेन, आंतरिक प्रतिलेखित स्पेसर (आईटीएस) क्षेत्र और शरीरक्रियात्मक अभिलक्षणों के जातिवृत्तीय विश्लेषणों के आधार पर इसे मूलप्ररूप MCC 9929^T और समप्ररूप PYCC 10003^T के साथ नवीन प्रजाति अभिनिर्धारित किया गया है।

Wickerhamiella lachancei f. a. Rameshwar Avchar., Gargi Giri, Lucky Thakkar, Avinash Sharma & José Paulo Sampaio, International Journal of Systematic and Evolutionary Microbiology https://doi. org/10. 1099/ijsem. 0. 006365

A novel yeast species is isolated from nectar of flowers of *Lantana camara* from India, an ornamental exotic species native to Central and South America. Phylogenetic analyses of the D1/D2 domain of the 26S large subunit (LSU) rRNA gene, internal transcribed spacer (ITS) region, and physiological characteristics, supported it to be a novel species with MCC 9929^T as the holotype and PYCC 10003^T as the isotype.

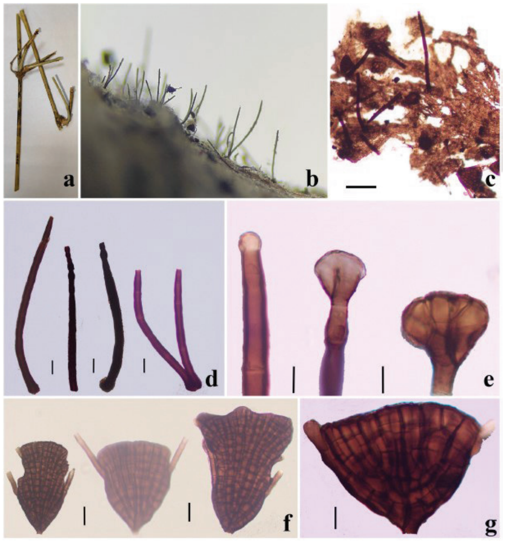

जिउगुओझांगिया मैक्रोस्पोरा रश्मि दूबे व एस. जैश, फाइटोटैक्सा 644(1): 70. 2024

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन दक्षिणी गोवा, गोवा में मनोरा से भाटी के बीच 30 मी की ऊंचाई पर से निष्प्राण बांस के तने से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पुणे, महाराष्ट्र (BSI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके कोनिडिया के विशाल आकार की विशिष्टता पर आधारित है।

Xiuguozhangia macrospora Rashmi Dubey & S. Jash, Phytotaxa 644(1): 70. 2024

The new species has been discovered and described based on the collection made on dead bamboo stem way from Manora to Bhati, South Goa, Goa at 30 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra (BSI). The specific epithet refers to the very large size of conidia.

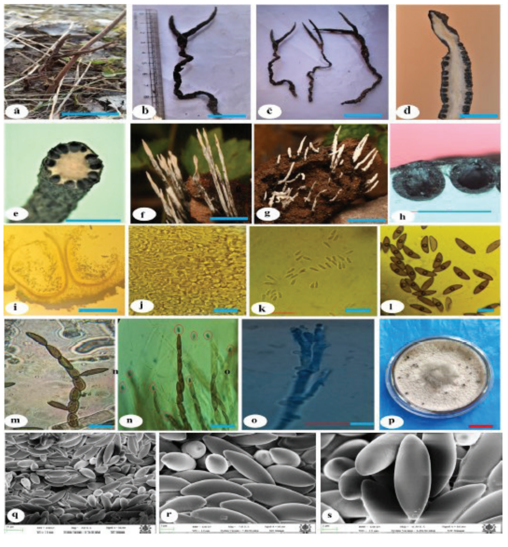

जाइलेरिया बाइफिडा डबल्यू. एस. मलिक, ए. एच. वानी, इंडियन फाइटोपथोलॉजी https://doi.org/10. 1007/s42360-024-00747-9 (जाइलेरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1900 मीटर की ऊंचाई पर गूल, जम्मू और कश्मीर में फ्रेंच बीन (*फैसिओलस वल्गैरिस* एल.) और मक्के (*जिआ मेज*) डेब्रिस की मूलों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर के वनस्पति विज्ञान विभाग के पादप वर्गिकी केंद्र के कवक अनुभाग (HBJU) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण परपोषी प्रजातियों के फलद भाग की द्विशाखी विशिष्टता पर आधारित है।

Xylaria bifida W. S. Malik & A. H. Wani, Indian Phytopathology https://doi.org/10. 1007/s42360-024-00747-9 (Xylariaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from the roots of French beans (*Phaseolus vulgaris* L.) and corn (*Zea mays*) debris, collected from Gool, Jammu and Kashmir at 1900 m altitude. The holotype is deposited in Mycological Section of the Centre of Plant Taxonomy, Division of Botany, University of Kashmir, Srinagar, Jammu & Kashmir (KASH). The specific epithet originates from the Latin word 'bifidum,' which means 'dividing into two,' as the fertile part of each specimen was observed to split into two distinct branches.

नवीन प्रभेद / NEW VARIETIES

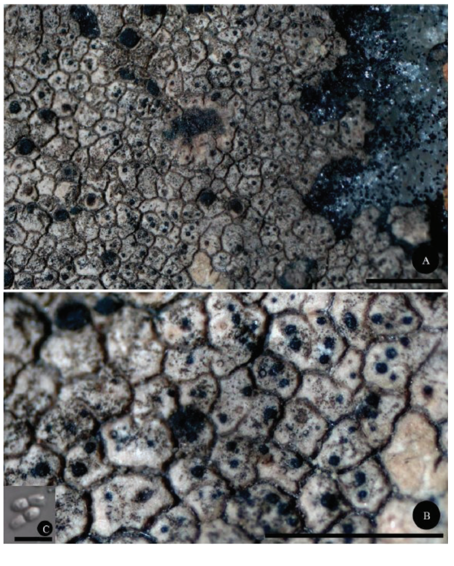

स्टिग्मिडिअम बुईलियाइ प्रभेद **थैलाइनम** वाइ. जोशी, कवका 60(4): 72.2024

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन शिवमोग्गा (पहले शिमोगा), कर्नाटक में चट्टानों पर पाये जाने वाले *बुईलिया* के थैलस से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के डी. डी. अवस्थी के निजी पादपालय (LWG-AWAS) में संगृहीत है। इस नवीन प्रभेद का नामकरण इसके द्वारा संक्रमित परपोषी शैवाक *बुईलिया* के थैलस की विशिष्टता पर आधारित है।

Stigmidium buelliae var. **thallinum** Y. Joshi, Kavaka 60(4): 72.2024

This new variety has been discovered and described based on collection made on thallus of *Buellia* species colonizing rocks, Shivamogga (erstwhile Shimoga), Karnataka. The holotype is deposited in the personal herbarium of D. D. Awasthi, CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG-AWAS). The varietal epithet is derived from the infected part of the host lichen *i.e.* thallus of *Buellia*, which was infected by this taxon.

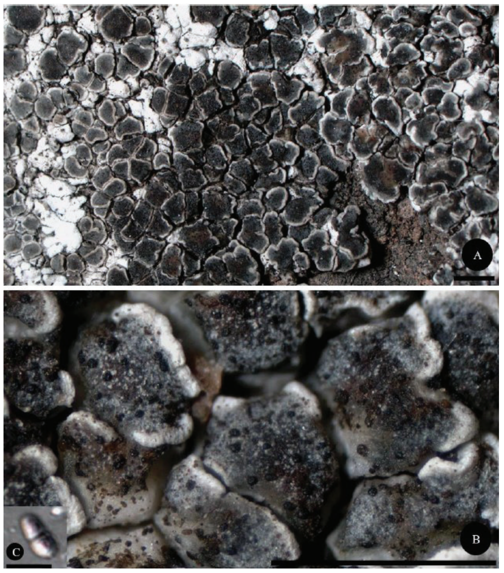

स्टिग्मिडिअम सोलेनोप्सोरिकोला प्रभेद **एपोथीसियोरम** वाइ. जोशी, कवका 60(4): 74. 2024

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन 3478 मी की ऊंचाई पर सीपू गांव, दारमा घाटी, धारचूला, पिथौरागढ़ जिला, उत्तराखंड में सोलेनोप्सोरा कैंडिकेन्स के थैलस से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इस नवीन प्रभेद का नामकरण इसके द्वारा संक्रमित परपोषी *सोलेनोप्सोरा* के एपोथीसियम की विशिष्टता पर आधारित है।

Stigmidium solenopsoricola var. **apotheciorum** Y. Joshi, Kavaka 60(4): 74. 2024

This new variety has been discovered and described based on collection made on thallus of *Solenopsora candicans*, Sipu Village, Darma Valley, Dharchula, Pithoragarh District, Uttarakhand at 3478 m altitude. The holotype is deposited in University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). The varietal epithet is derived from the infected part of the host lichen *i.e.* apothecia of *Solenopsora*, which was infected by this taxon.

नवीन वितरणपरक अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORDS

वंशगत अभिलेख / GENERIC RECORDS

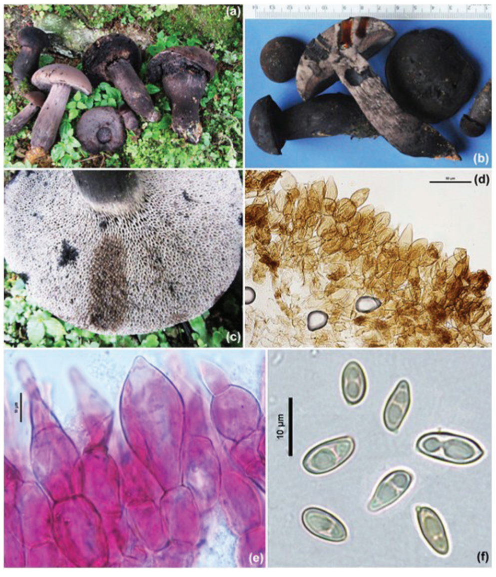

ऐन्थ्राकोपोरस यान सी. ली व झु एल. यांग (बोलेटेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस वंश का वर्णन भारत में पहली बार चोर्टन, पूर्वी जिला, सिक्किम में 1531 मीटर की उंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस वंश की प्रतिनिधि प्रजाति *ऐन्थ्राकोपोरस इंडोहिमालएनस* डी. चक्र., सुदेशना दत्ता व के. दास है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इसे सुदेशना दत्ता, द्युतिपर्णा चक्रवर्ती, अरुणिमा बोस, अनिकेत घोष व कनाद दास ने नॉर्डिक जे. बॉट. ई04490. 2024 में प्रकाशित किया है।

Anthracoporus Yan C. Li & Zhu L. Yang (Boletaceae)

The genus earlier known from China, has been reported for the first time from India based on the collection made from Churten, East District, Sikkim at 1531 m altitude. The genus is represented by *Anthracoporus indohimalayanus* D. Chakr., Sudeshna Datta & K. Das. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Sudeshna Datta, Dyutiparna Chakraborty, Arunima Bose, Aniket Ghosh & Kanad Das in Nordic J. Bot. e04490. 2024

ब्यूटिरिबोलेटस डी. अरोड़ा व जे. एल. फ्रैंक (बोलेटेसी)

इस वंश का वर्णन भारत में पहली बार उत्तर पश्चिमी हिमालय, जम्मू और कश्मीर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप कवक विज्ञान अनुभाग, जैव विविधता और वर्गिकी केंद्र, वनस्पति विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (KASH) में संगृहीत है। इसे आदिल राशिद शेख, आसिफ हमीद डार, अब्दुल हमीद वानी, मोहम्मद याकूब भट्ट और वसीम सज्जाद मलिक ने बायोलॉजी बुलेटिन 51: एस116. 2024 में प्रकाशित किया है।

Butyriboletus D. Arora & J. L. Frank (Boletaceae)

The genus has been reported for the first time from India based on the collection made from North Western Himalayas of Jammu & Kashmir. The specimens are deposited in Mycological Section of the Herbarium, Centre for Biodiversity and Taxonomy, Department of Botany, University of Kashmir, Srinagar, Jammu & Kashmir (KASH). This has been published by Aadil Rashid Sheikh, Asif Hamid Dar, Abdul Hamid Wani, Mohd Yaqub Bhat & Wasim Sajad Malik in Biology Bulletin 51: s116. 2024.

रूब्रोबोलेटस कुआन झाओ व झु एल. यांग (बोलेटेसी)

इस वंश का वर्णन भारत में पहली बार उत्तर पश्चिमी हिमालय, जम्मू और कश्मीर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप कवक विज्ञान अनुभाग, जैव विविधता और वर्गिकी केंद्र, वनस्पति विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (KASH) में संगृहीत है। इसे आदिल राशिद शेख, आसिफ हमीद डार, अब्दुल हमीद वानी, मोहम्मद याकूब भट्ट व वसीम सज्जाद मलिक ने बायोलॉजी बुलेटिन 51: एस116. 2024 में प्रकाशित किया है।

Rubroboletus Kuan Zhao & Zhu L. Yang (Boletaceae)

The genus has been reported for the first time from India based on the collection made from North Western Himalayas of Jammu & Kashmir. The specimens are deposited in Mycological Section of the Herbarium, Centre for Biodiversity and Taxonomy, Department of Botany, University of Kashmir, Srinagar, Jammu & Kashmir (KASH). This has been published by Aadil Rashid Sheikh, Asif Hamid Dar, Abdul Hamid Wani, Mohd Yaqub Bhat & Wasim Sajad Malik in Biology Bulletin 51: s116. 2024.

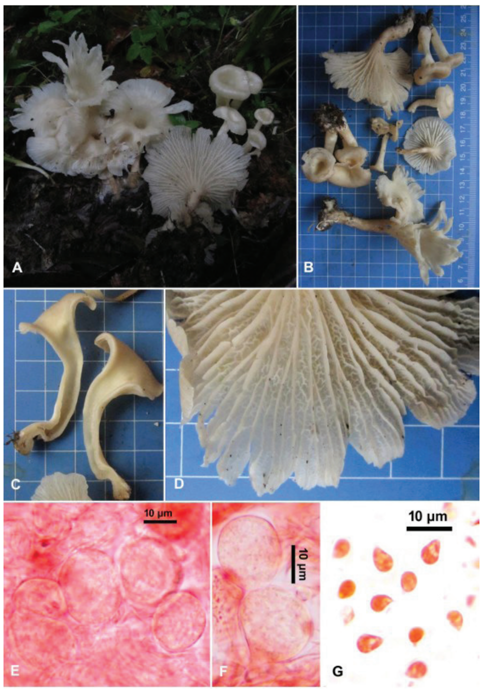

सिंगेरोसाइब हर्मजा (ट्राइकोलोमैटेसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया, चीन, इटली, जापान, अमेरिका, श्रीलंका और स्विट्ज़रलैंड से ज्ञात इस वंश का वर्णन भारत में पहली फम्बोंगल्हो वन्यजीव अभयारण्य, पूर्वी जिला, सिक्किम में 2098 मीटर की उंचाई पर से और बुआखाल, पौड़ी जिला, उत्तराखंड में 1708 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इसे अरविंद परिहर, मनोज इमैनुएल हेम्ब्रम, व्लादिमिर एंटोनिन व कनाद दास ने कवका 60(2): 18. 2024 में प्रकाशित किया है।

Singerocybe Harmaja (Tricholomataceae)

The genus earlier known from Australia, China, Italy, Japan, USA, Sri Lanka and Switzerland has been reported for the first time from India based on the collection made from Fambonglho Wildlife Sanctuary, East District, Sikkim at 2098 m altitude and from Buakhal, Pauri District, Uttarakhand at 1708 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Arvind Parihar, Manoj Emanuel Hembrom, Vladimír Antonín & Kanad Das in KAVAKA 60(2): 18. 2024.

प्रजातिगत अभिलेख / SPECIES RECORDS

एगैरिकस ऐल्बोस्क्वेमोसस लिंडा जे. चेन, के. डी. हाइड व आर. एल झाओ (एगैरिकेसी)

पूर्वत: थाईलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार जेएनटीबीजीआरआई परिसर, पेलोड, तिरुवनंतपुरम जिला, केरल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल के पादपालय (TBGT) में संगृहीत है। इसे चंपारामबथ आर्या व सी. कुंजन प्रदीप ने नोवा हेडविजिया 118 (3-4): 357. 2024. में प्रकाशित किया है।

Agaricus albosquamosus Linda J. Chen, K. D. Hyde & R. L. Zhao (Agaricaceae)

The species earlier known from Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made from JNTBGRI Campus, Palode, Thiruvananthapuram District, Kerala. The specimens are deposited in the herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). This has been published by Chamaparambath Arya & C. Kunjan Pradeep in Nova Hedwigia 118 (3–4): 357. 2024.

एगैरिकस बैम्बुसिटोरम एच. बशीर व नियाज़ी (एगैरिकेसी)

पूर्वत: पाकिस्तान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार मथुरापुर, दक्षिण 24-परगना जिला, पश्चिम बंगाल में 8 मीटर की ऊँचाई पर से पर्ण कचरे से मिश्रित मृदा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इसे शि-लियांग लियू, ज़ू-वेई वांग, गुओ-जी ली, चुन-यिंग डेंग, वाल्टर रॉसी, मार्को लियोनार्डी व अन्य द्वारा फंगल डायवर्सिटी https://doi. org/10. 1007/एस13225-023-00529-0 में प्रकाशित है।

Agaricus bambusetorum H. Bashir & Niazi (Agaricaceae)

The species earlier known from Pakistan has been reported for the first time from India based on the collection made on leaf litter mixed soil, Mathurapur, South 24-parganas District, West Bengal, at 8 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Shi-Liang Liu, Xue-Wei Wang, Guo-Jie Li, Chun-Ying Deng, Walter Rossi, Marco Leonardi & al in Fungal Diversity https:// doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0

एगैरिकस ब्रुन्नियोपाइलिएटस कैलक व आर. एल झाओ (एगैरिकेसी)

पूर्वत: थाईलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार जेएनटीबीजीआरआई परिसर, पेलोड, तिरुवनंतपुरम जिला, केरल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल के पादपालय (TBGT) में संगृहीत है। इसे चंपारामबथ आर्या व सी. कुंजन प्रदीप ने नोवा हेडविजिया 118 (3–4): 360. 2024. में प्रकाशित किया है।

Agaricus brunneopileatus Callac & R. L. Zhao (Agaricaceae)

The species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from JNTBGRI Campus, Palode, Thiruvananthapuram District, Kerala. The specimens are deposited in the herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). This has been published by Chamaparambath Arya & C. Kunjan Pradeep in Nova Hedwigia 118 (3–4): 360. 2024.

एगैरिकस ग्रिसियोवैरिगेटस एच. बशीर, एस. उल्ला व खालिद (एगैरिकेसी)

पूर्वत: पाकिस्तान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार चिल्ली, मलाथ, गंदोह भालेसा, डोडा जिला, जम्मू और कश्मीर में 2067 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (HBJU) में संगृहीत है। इसे मसूद हमीद, साक्षी सैनी व यशपाल शर्मा ने फेडेस रेपर्ट. 135(3): 3. 2024 में प्रकाशित किया है।

Agaricus griseovariegatus H. Bashir, S. Ullah & Khalid (Agaricaceae)

The species earlier known from Pakistan has been reported for the first time from India based on the collection made from Chilly, Malath, Gandoh Bhalessa, Doda District, Jammu & Kashmir at 2067 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of University of Jammu, Jammu & Kashmir (HBJU). This has been published by Masood Ahamed, Sakshi Saini & Yash Pal Sharma in Feddes Repert. 135(3): 3. 2024.

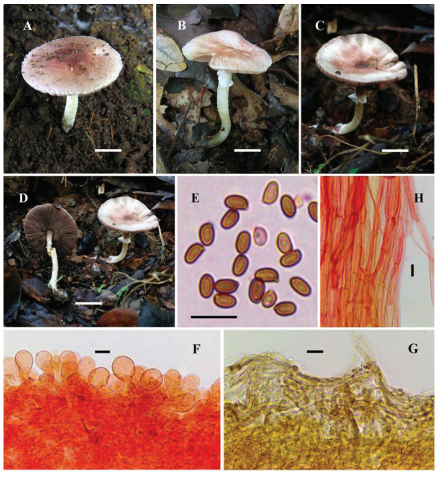

एगैरिकस पर्पुरियोफिब्रिलोसस लिंडा जे. चेन, आर. एल. झाओ व के. डी. हाइड (एगैरिकेसी)

पूर्वत: थाईलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार जेएनटीबीजीआरआई परिसर, पेलोड, तिरुवनंतपुरम जिला, केरल में 150 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है । प्रतिरूप जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल (TBGT) में संगृहीत है। इसे सी. पी. आर्य व सी. के. प्रदीप ने फाइटोटैक्सा 634(3): 269. 2024 में प्रकाशित किया है।

Agaricus purpureofibrillosus Linda J. Chen, R. L. Zhao & K. D. Hyde (Agaricaceae)

The species earlier known from Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made from JNTBGRI Campus, Palode, Thiruvananthapuram District, Kerala at 150 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). This has been published by C. P. Arya & C. K. Pradeep in Phytotaxa 634(3): 269. 2024.

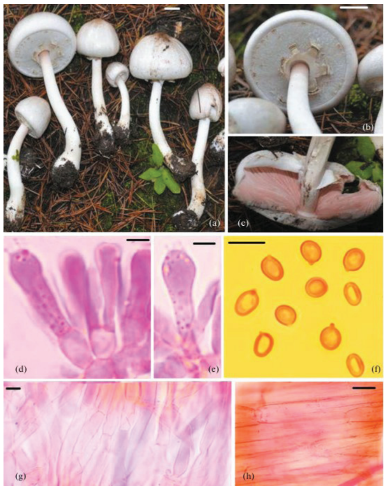

एगैरिकस साइनोप्लैकोमाइसिस पी. कैलक व आर. एल. झाओ (एगैरिकेसी)

पूर्वतः चीन और पाकिस्तान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार चिंता घाटी, भद्रेवाह, जम्मू, जम्मू और कश्मीर में 2459 मीटर की ऊँचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (HBJU) में संगृहीत है। इसे मसूद अहमेदा, कोमल वर्मा व यशपाल शर्मा ने बायोलॉजी बुलेटिन 51: 982. 2024 में प्रकाशित किया है।

Agaricus sinoplacomyces P. Callac & R. L. Zhao (Agaricaceae)

The species earlier known from China and Pakistan has been reported for the first time from India based on the collection made from Chinta Valley, Bhaderwah, Jammu, Jammu & Kashmir at 2459 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of University of Jammu, Jammu & Kashmir (HBJU). This has been published by Masood Ahameda, Komal Verma & Yash Pal Sharma in Biology Bulletin 51: 982. 2024.

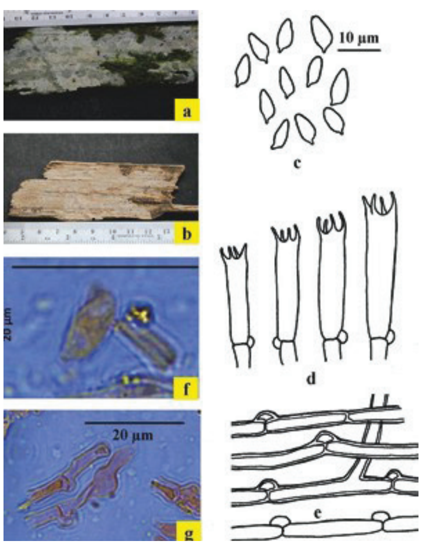

ऐफानोबैसिडियम स्यूडोत्सुगाइ (बर्ट) बोइडिन व गिल्स (रेडुलोमाइसीटेसी)

पूर्वतः जर्मनी, एस्टोनिया, चेक गणराज्य, बेलारूस, बेल्जियम, यूनाइटेड किंगडम, स्वीडन, डेनमार्क, नॉर्वे, स्विटजरलैंड, फिनलैंड, इटली, स्पेन और नीदरलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार शोजा, बंजार, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश की ओर जालोरी दर्रे से 1 किलोमीटर दूर *ऐबीज स्पेक्टैबिलिस* की लकड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे तान्या जोशी, एलू राम, अवनीत कौर व अवनीत पाल सिंह ने जे. थ्रेट. टैक्सा 16(5): 25236. 2024 में प्रकाशित किया है।

Aphanobasidium pseudotsugae (Burt) Boidin & Gilles (Radulomycetaceae)

The species earlier known from Germany, Estonia, Czech Republic, Belarus, Belgium, United Kingdom, Sweden, Denmark, Norway, Switzerland, Finland, Italy, Spain and Netherlands has been reported for the first time from India based on the collection made on the log of *Abies spectabilis*, 1 Km from Jalori Pass towards Shoja, Banjar, Kullu, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Tanya Joshi, Ellu Ram, Avneet Kaur & Avneet Pal Singh in J. Threat. Taxa 16(5): 25236. 2024.

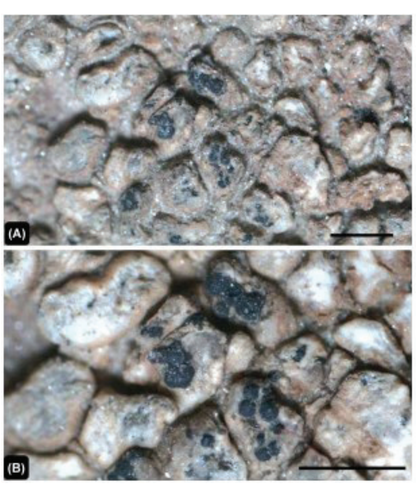

आर्थोनिया ऐस्पिसिलियाइ एल्सट्रप व ई. एस. हान्सेन (आर्थोनिएसी)

पूर्वतः ग्रीनलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार *ऐस्पिसिलिआ* प्रजाति निवहित चट्टानों से 3400 मी की ऊंचाई पर मालंग, कीलोंग, लाहौल और स्पीति जिला, हिमाचल प्रदेश में तथा बैल्जु, पिथौरागढ़, उत्तराखण्ड से 3420 मी की ऊंचाई पर किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश के पादपालय (LWG) में और राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत हैं। इसे योगेश जोशी, पूजा बंसल, सुनिता बिष्ट, निर्मला पारगैन व जोसेफ पी. हाल्दा ने लिंडबर्जिया 47(1): 3. 2024 में प्रकाशित किया है।

Arthonia aspiciliae Alstrup & E. S. Hansen (Arthoniaceae)

The species earlier known from Greenland has been reported for the first time from India based on the collection made from on *Aspicilia* sp. colonizing rocks collected from Malong, Keylong, Lahaul Spiti District, Himachal Pradesh at 3400 m altitude and Beilju, Pithoragarh District, Uttarakhand at 3420 m altitude. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG) and University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). It has been published by Yogesh Joshi, Pooja Bansal, Sunita Bisht, Nirmala Pargaien & Josef P. Halda in Lindbergia 47(1): 3. 2024.

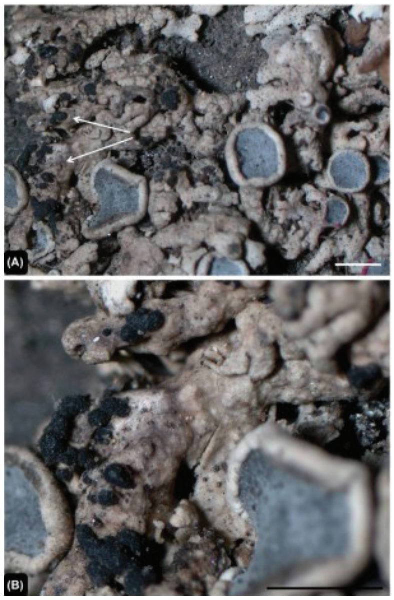

आर्थोनिया डेस्ट्रुएन्स रेहम (आर्थोनिएसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रिया, बोलीविया, जर्मनी, ग्रीनलैंड, ग्रेट ब्रिटेन, आयरलैंड, इटली, रूस और वेल्स से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3900–4000 मी की ऊंचाई पर छितकुल, किन्नौर जिला, हिमाचल प्रदेश में *फाइसिआ स्टेलैरिस* के थैलस से किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशी, पूजा बंसल, सुनिता बिष्ट, निर्मला पारगैन व जोसेफ पी. हाल्दा ने लिंडबर्जिया 47(1): 4. 2024 में प्रकाशित किया है।

Arthonia destruens Rehm (Arthoniaceae)

The species earlier known from Austria, Bolivia, Germany, Greenland, Great Britain, Ireland, Italy, Russia and Wales has been reported for the first time from India based on the collection made from Chitkul Forest area, Kinnaur District, Himachal Pradesh at 3900–4000 m altitude on thallus of *Physcia stellaris*. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Yogesh Joshi, Pooja Bansal, Sunita Bisht, Nirmala Pargaien & Josef P. Halda in Lindbergia 47(1): 4. 2024.

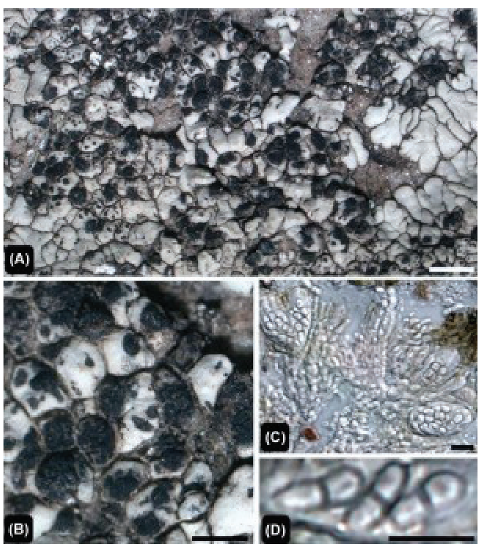

आर्थोनिया हॉक्सवर्थियाइ हेलिसी (आर्थोनिएसी)

पूर्वतः तुर्किए से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3078 मी की ऊंचाई पर मलारी गांव, चमोली जिला, उत्तराखंड में चट्टानों पर उगे हुए *डाइमेलीना* के थैलस से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशी, पूजा बंसल, सुनिता बिष्ट, निर्मला पारगैन व जोसेफ पी. हाल्दा ने लिंडबर्जिया 47(1): 5. 2024 में प्रकाशित किया है।

Arthonia hawksworthii Halıci (Arthoniaceae)

The species earlier known from Turkey has been reported for the first time from India based on the collection made from Malari village, Chamoli District, Uttarakhand at 3078 m altitude on thallus of *Dimelaena* colonising on rocks. The specimen is deposited in the Herbarium of University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). It has been published by Yogesh Joshi, Pooja Bansal, Sunita Bisht, Nirmala Pargaien & Josef P. Halda in Lindbergia 47(1): 5. 2024.

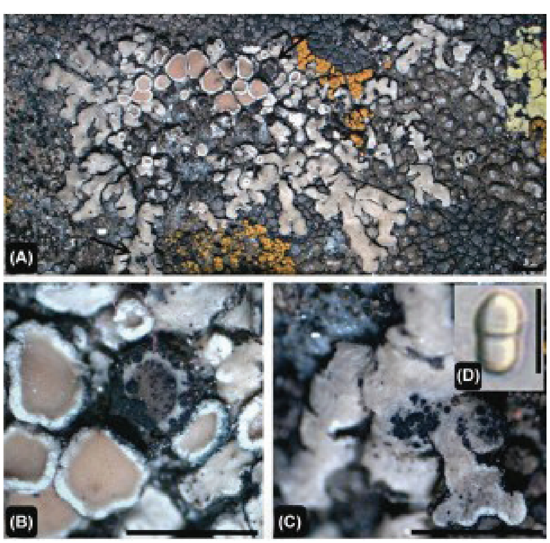

आर्थोनिया प्रोटोपार्मेलियोप्सियोस एटेयो व डियेडरिच (आर्थोनिएसी)

पूर्वतः स्पेन और लक्समबर्ग से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार बद्रीनाथ, चमोली जिला, उत्तराखंड में *प्रोटोपार्मेलियोप्सिस मुरलीस* के थैलस और ऐपोथीसियम बिम्ब से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशी, पूजा बंसल, सुनिता बिष्ट, निर्मला पारगैन व जोसेफ पी. हाल्दा ने लिंडबर्जिया 47(1): 5. 2024 में प्रकाशित किया है।

Arthonia protoparmeliopseos Etayo & Diederich (Arthoniaceae)

The species earlier known from Spain and Luxembourg has been reported for the first time from India based on the collection made from Badrinath, Chamoli District, Uttarakhand, on thallus and apothecial discs of *Protoparmeliopsis muralis*. The specimen is deposited in the Herbarium of University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). It has been published by Yogesh Joshi, Pooja Bansal, Sunita Bisht, Nirmala Pargaien and Josef P. Halda in Lindbergia 47(1): 5. 2024.

आर्थोफैकोप्सिस हेटेरोडर्माइ झर्ब. व डियेडरिच (फाइसिएसी)

पूर्वत: वियतनाम और ऑस्ट्रेलिया से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1150 मीटर की ऊंचाई पर उप्पुपारा, पेरियार टाइगर रिजर्व, इडुक्की जिला, केरल में *हेटेरोडर्मिया* प्रजाति के निवहित छाल के थैलस और सिक्किम के उत्तरी भाग में 3500 मी की ऊंचाई पर शिंघलो रोडोडेंड्रोन अभयारण्य के युमथांग के पास सड़ी हुई लकड़ी निवहित *हेटेरोडर्मिया डेंड्रिटिका* (पर्स.) पोएल्ट के थैलस से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप केरल वन अनुसंधान संस्थान, केरल (KFRI) और सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालयों में संगृहीत है। इसे योगेश जोशी व पूजा बंसल ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 281. 2024 में प्रकाशित किया है।

Arthophacopsis heterodermiae Zhurb. & Diederich (Physciaceae)

The species earlier known from Vietnam and Australia has been reported for the first time from India based on the collection made on thallus of *Heterodermia* sp. colonizing bark, Uppupara, Periyar Tiger Reserve, Idukki District, Kerala at 1150 m altitude and on thallus of *Heterodermia dendritica* (Pers.) Poelt colonizing decaying wood, near Yumthang, Shinghlo Rhododendron Sanctuary, North Sikkim, Sikkim, at 3500 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Kerala Forest Research Institute, Kerala (KFRI) and in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Yogesh Joshi & Pooja Bansal in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 281. 2024.

ऐस्टेरिडिएला लीआइकोला हैन्सफ. (मेलिओलेसी)

पूर्वतः फिलिपींस से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 108 मी की ऊंचाई पर सिंधुदुर्ग, खारेपाटन, महाराष्ट्र में *लीआ इंडिका* की सजीव पत्तियों से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप अजरेकर माइकोलॉजिकल पादपालय, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इसे प्रतीक डी. नाटेकर, अंजली पी. पाटिल, चंद्राहस आर. पाटिल, महेंद्र आर. भिसे व सिदानंद वी. काम्भर ने फाइटोटैक्सा 64(1): 74. 2024 में प्रकाशित किया है।

Asteridiella leeicola Hansf. (Meliolaceae)

The species earlier known from Philippines has been reported for the first time from India based on the collection made on living leaves of *Leea indica*, Sindhudurg, Kharepatan, Maharashtra at 108 m altitude. The specimen is deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra (AMH). It has been published by Pratik D. Natekar, Anjali P. Patil, Chandrahas R. Patil, Mahendra R. Bhise & Sidanand V. Kambhar in Phytotaxa 641(1): 74. 2024.

ऐथेलॉप्सि फ्यूजोइडिया (जूलिक) टेलेरिया (बाइसोकॉर्टिसिएसी)

पूर्वतः यूरोप से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1787 मीटर की ऊंचाई पर जीभी, बंजार, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश में *सीड्रस देओदारा* की ठूंठ से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे एलू राम, अवनीत पाल सिंह व गुरुपाल सिंह धिंगरा इंडियन फॉरेस्टर 150(6): 597. 2024. में प्रकाशित किया है।

Athelopsis fusoidea (Jülich) Tellería (Byssocorticiaceae)

The species earlier known from Europe, has been reported for the first time from India based on the collection made on *Cedrus deodara* stump, Jibhi, Banjar, Kullu, Himachal Pradesh at 1787 m altitude. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Ellu Ram, Avneet Pal Singh, Gurpaul Singh Dhingra in Indian Forester 150(6): 597. 2024.

ऐथेलॉप्सि ग्लॉसिना (बॉर्डट व गाल्ज़िन) ओबेर्व. के बाद पारमेस्टो (बाइसोकॉर्टिसिएसी)

पूर्वतः यूरोप से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 2028 मीटर की ऊंचाई पर थरिया, निरमंड, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश में *सीड्रस देओदारा* की ठूंठ से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे एलू राम, अवनीत पाल सिंह व गुरुपाल सिंह धिंगरा इंडियन फॉरेस्टर 150(6): 597. 2024. में प्रकाशित किया है।

Athelopsis glaucina (Bourdot & Galzin) Oberw. ex Parmasto (Byssocorticiaceae)

The species earlier known from Europe, has been reported for the first time from India based on the collection made on *Cedrus deodara* stump, Tharia, Nirmad, Kullu, Himachal Pradesh at 2028 m altitude. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Ellu Ram, Avneet Pal Singh, Gurpaul Singh Dhingra in Indian Forester 150(6): 597. 2024.

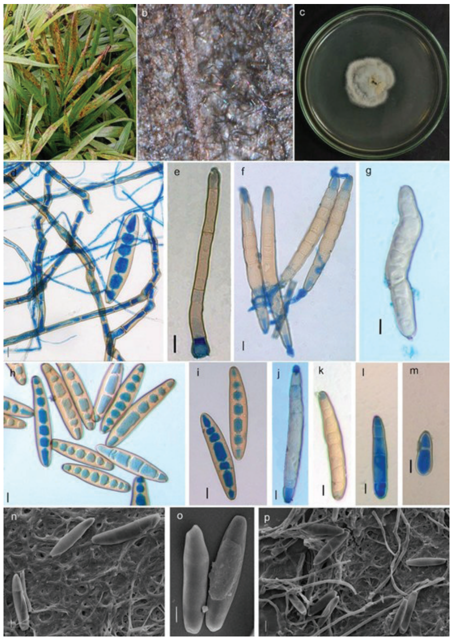

बाइपोलैरिस हेलिकोनियाइ एल्कोर्न (प्लियोस्पोरेसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार पुणे जिला, महाराष्ट्र में *डाइप्सिस ल्यूटीसेन्स* (एरेकैसी) की संक्रमित पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया। प्रतिरूप अगरकर कवक विज्ञान पादपालय, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में और अन्य प्ररूपों के सजीव संवर्धन भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इसे शि-लियांग लियू, ज़ू-वेई वांग, गुओ-जी ली, चुन-यिंग डेंग, वाल्टर रॉसी, मार्को लियोनार्डी व अन्य ने फंगल डायवर्सिटी https://doi. org/10. 1007/एस13225-023-00529-0 में प्रकाशित किया है।

Bipolaris heliconiae Alcorn (Pleosporaceae)

The species earlier known from Australia has been reported for the first time from India based on the collection made on infected leaves of *Dypsis lutescens* (Arecaceae), Pune District, Maharashtra. The specimens are deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH) and ex-type living culture is in National Fungal Culture Collection of India, Pune, Maharashtra (NFCCI). This has been published by Shi-Liang Liu, Xue-Wei Wang, Guo-Jie Li, Chun-Ying Deng, Walter Rossi, Marco Leonardi & al in Fungal Diversity https://doi. org/10. 1007/s13225-023-00529-0

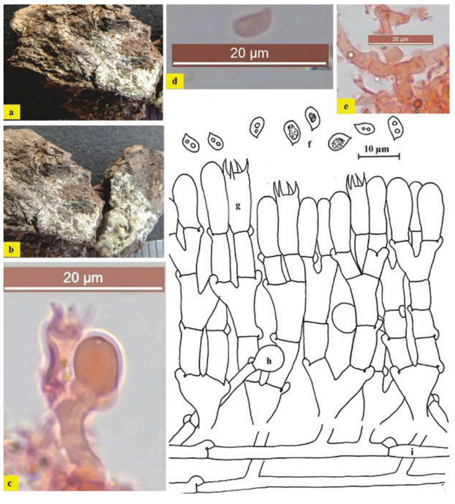

ब्रेविसेलिसियम एक्साइल (एच. एस. जैक्स) के. एच. लार्स व हॉर्टस्टैम (हिड्नोडोन्टेसी)

पूर्वतः बेल्जियम, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, स्वीडन, इटली, डेनमार्क, नॉर्वे, फिनलैंड और स्पेन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार जंद्रीघाट, डलहौजी, चंबा, हिमाचल प्रदेश में *सीड्रस देवदारा* की ठूँठ से किए किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे तान्या जोशी, एलू राम, अवनीत कौर व अवनीत पाल सिंह ने जे. थ्रेट. टैक्सा 16(12): 26273. 2024. में प्रकाशित किया है।

Brevicellicium exile (H.S. Jacks.) K.H. Larss. & Hjortstam (Hydnodontaceae)

The species earlier known from Belgium, France, United Kingdom, Sweden, Italy, Denmark, Norway, Finland and Spain has been reported for the first time from India based on the collection made on stump of *Cedrus deodara*, Jandrighat, Dalhousie, Chamba, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Tanya Joshi, Ellu Ram, Avneet Kaur & Avneet Pal Singh in J. Threat. Taxa 16(12): 26273. 2024.

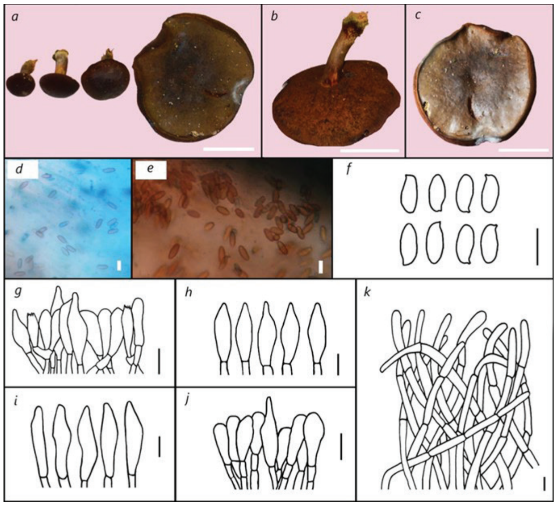

कैलोबोलेटस गुआनुई एन. के. ज़ेंग, एच. चाय व एस. जियांग (बोलेटेसी)

पूर्वतः जापान और दक्षिण पूर्व और दक्षिणी चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार मिजोरम विश्वविद्यालय परिसर, आइजोल जिला, मिजोरम में 848 मीटर की ऊंचाई पर से मिट्टी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप मिजोरम विश्वविद्यालय, तनहरिल आइजोल, मिजोरम के पादपालय (MZU) में संगृहीत है। इसे वीएल थाचुंग्लुरा, प्रभात कुमार राय, जॉन ज़ोथानज़ामा, लल्लावमकिमा बोचुंग व ज़ोहमंगइहा चावंगथु ने प्ला. साइ. टूडे में 11(4): 1706. 2024 में प्रकाशित किया है।

Caloboletus guanyui N. K. Zeng, H. Chai & S. Jiang (Boletaceae)

The species earlier known from Japan and southeastern and southern China has been reported for the first time from India based on the collection made on soil, Mizoram University Campus, Aizawl District, Mizoram at 848 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Mizoram University, Tanhril Aizawl, Mizoram (MZU). This has been published by VL Thachunglura, Prabhat Kumar Rai, John Zothanzama, Lallawmkima Bochung & Zohmangaiha Chawngthu in Pl. Sci. Today 11(4): 1706. 2024.

कार्बोनिया वॉर्टिकोसा (फ्लॉर्क) हर्टेल

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3392 मी की ऊंचाई पर गमशाली बुग्याल के रास्ते में चट्टानों पर पाये जाने वाले *फाइसिआ* के एपोथीसियम बिम्ब से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशी, सुनिता बिष्ट, पूजा बंसल व शिम्मी मीणा ने कवका 60(4): 75. 2024 में प्रकाशित किया है।

Carbonea vorticosa (Flörke) Hertel

The species has been reported for the first time from India based on the collection made on apothecial disc of *Physcia* colonising rocks, enroute to Gamsali Bugyal at 3392 m altitude. The specimens are deposited in University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). This has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Shimmi Meena in Kavaka 60(4): 75. 2024.

सिरेटोस्पोरेला काइरोइडिया आर. सी. सिंक्लेयर, मॉर्गन जोन्स व आइकर

पूर्वत: दक्षिण अफ्रीका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार बिनसर वन, अल्मोड़ा, उत्तराखंड में मोहरू शाहबलूत (*क्वेर्कस फ्लोरिबंडा*) के पर्ण कचरे से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कुमाऊं विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा, उत्तराखंड के कवक पादपालय (HKUM) में संगृहीत है। इसे मनीष कुमार दुबे, राम संमुख उपाध्याय व रमेश चंद्र गुप्ता ने जे. थ्रेट. टैक्सा 16(1): 24466. 2024 में प्रकाशित किया है।

Ceratosporella cheiroidea R. C. Sinclair, Morgan Jones & Eicker

The species earlier known from South Africa has been reported for the first time from India based on the collection made on leaf litter of Mohru oak (*Quercus floribunda)*, Binser forest, Almora, Uttarakhand. The specimens are deposited in the fungarium of the Department of Botany, Kumaun University, Almora, Uttarakhand (HKUM). This has been published by Manish Kumar Dubey, Ram Sanmukh Upadhyay & Ramesh Chandra Gupta in J. Threat. Taxa 16(1): 24466. 2024.

सर्सिडोस्पोरा एपिपॉलीट्रोपा (मड्ड) अर्नोल्ड

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 4532 मी की ऊंचाई पर पार्वती कुंड, व्यास घाटी, धारचूला, पिथौरागढ़ जिला, उत्तराखंड के पास जोलिंगकोंग में चट्टानों पर पाये जाने वाले *लेकैनोरा* के एपोथीसियम बिम्ब से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशी, सुनिता बिष्ट, पूजा बंसल व शिम्मी मीणा ने कवका 60(4): 75. 2024 में प्रकाशित किया है।

Cercidospora epipolytropa (Mudd) Arnold

The species has been reported for the first time from India based on the collection made on apothicial disc of *Lecanora* sp. colonising rocks, Jolingkong near Parvati kund, Vyas Valley, Dharchula, Pithoragarh District, Uttarakhand at 4532 m altitude. The specimens are deposited in University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). This has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Shimmi Meena in Kavaka 60(4): 75. 2024.

सर्सिडोस्पोरा लोबोथैलियाइ नैव. -रोस. व कैलट.

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3433 मी की ऊंचाई पर दारमा घाटी, धारचूला, पिथौरागढ़ जिला, उत्तराखंड में दुग्तू गांव से जीरो प्वायंट के रास्ते में चट्टानों पर पाये जाने वाले *लोबोथैलिया* प्रजाति के थैलस से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशी, सुनिता बिष्ट, पूजा बंसल व शिम्मी मीणा ने कवका 60(4): 75. 2024 में प्रकाशित किया है।

Cercidospora lobothalliae Nav. -Ros. & Calat.

The species has been reported for the first time from India based on the collection made on on thallus of *Lobothallia* sp. colonising rocks, in route to Dugtu Village to Zero point, Darma Valley, Dharchula, Pithoragarh District, Uttarakhand at 3433 m altitude. The specimens are deposited in University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). This has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Shimmi Meena in Kavaka 60(4): 75. 2024.

सर्सीडोस्पोरा सोलिएरिस्पोरा कैलट.

पूर्वत: ऑस्ट्रिया, चेक गणराज्य, फ्रांस, स्लोवेनिया, स्पेन और तुर्किए से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार लगभग 3000 मीटर की ऊंचाई पर उखल पत्थर, जीवानाला घाटी, ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क, कुल्लू जिला, हिमाचल प्रदेश में *एस्पिसिलिया प्रिरेडियोसा* निवहित चट्टानों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशिया, सुनीता बिष्ट, पूजा बंसल व निर्मला परगियन ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 291. 2024 में प्रकाशित किया है।

Cercidospora solearispora Calat.

The species earlier known from Austria, Czech Republic, France, Slovenia, Spain, Turkey has been reported for the first time from India based on the collection made on apothecial disc of *Aspicilia praeradiosa* colonizing rocks, Ukhal Patthar, Jiwanala Valley, Great Himalayan National Park, Kullu District, Himachal Pradesh at *c.* 3000 m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Yogesh Joshia, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Nirmala Pargaien in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 291. 2024.

कोनियोलेपियोटा स्पोंजोडीज (बर्क व ब्रूम) वेलिंगा (एगैरिकेसी)

पूर्वतः दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार असम के दो स्थानों क्रमशः गौहाटी विश्वविद्यालय परिसर, जालुकबारी, कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिला में 82 मीटर की ऊंचाई पर से और नारायणपुर, दिमा हसाओ जिला में 155 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम के पादपालय (GUBH) में संगृहीत है। इसे मैरिंग्डी जराम्बुसा, पिंकी रानी बिश्वास, पिनाकी चट्टोपाध्याय, प्रदीप कुमार बरुआ व अरुण कुमार दत्ता ने बायोलॉजी बुलेटिन 51: 994. 2024 में प्रकाशित किया है।

Coniolepiota spongodes (Berk. & Broome) Vellinga (Agaricaceae)

The species earlier known from South and Southeast Asian countries has been reported for the first time from India based on the collection made from two locations of Assam *viz.* Gauhati University Campus, Jalukbari, Kamrup Metropolitan District at 82 m altitude and from Narayanpur, Dima Hasao District, at 155 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Gauhati University, Guwahati, Assam (GUBH). This has been published by Mairingdi Jarambusaa, Pinky Rani Biswasb, Pinaki Chattopadhyay, Pradip Kumar Baruaha & Arun Kumar Dutta in Biology Bulletin 51: 994. 2024.

कॉर्टीनेरिअस स्यूडोटॉर्वस ए. नसीर, जे. खान व ए. एन. खालिद (कॉर्टीनेरिएसी)

पूर्वतः पाकिस्तान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार ढाकुरी, बागेश्वर जिला, उत्तराखंड में 2454 मीटर की ऊंचाई पर से *क्वेर्कस सेमीकार्पिफोलिया* के नीचे की मृदा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है । प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इसे अरुणिमा बोस, तूला निस्कानन, सुदेशना दत्ता, अनिकेत घोष, अल्फ्रेडो विज़िनी व कनाद दास ने यूर. जे. टैक्सन. 970: 53. 2024 में प्रकाशित किया है।

Cortinarius pseudotorvus A. Naseer, J. Khan, & A. N. Khalid (Cortinariaceae)

The species earlier known from Pakistan has been reported for the first time from India based on the collection made on the soil under *Quercus semecarpifolia*, Dhakuri, Bageshwar District, Uttarakhand at 2454 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Arunima Bose, Tuula Niskanen, Sudeshna Datta, Aniket Ghosh, Alfredo Vizzini & Kanad Das in Eur. J. Taxon. 970: 53. 2024.

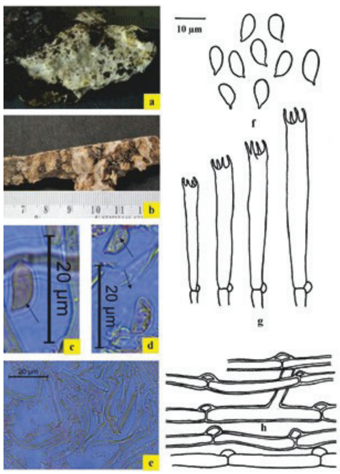

साइटिडिएला ऐल्बिडा (एच. पोस्ट) सी. सी. चेन व शेंग एच. वू (इर्पिकैसी)

पूर्वत: यूरोप, उत्तरी अफ्रीका तथा एशिया के समशीतोष्ण क्षेत्रों से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार पालदी, बंजार, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश में *सीड्रस देओदारा* की ठूंठ से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे तान्या जोशी, एलू राम, अवनीत कौर व अवनीत पाल सिंह ने जे. थ्रेट. टैक्सा 16(5): 25239. 2024 में प्रकाशित किया है।

Cytidiella albida (H. Post) *C. C.* Chen & Sheng H. Wu (Irpicaceae)

The species earlier known from Europe, North Africa and temperate regions of Asia has been reported for the first time from India based on the collection made on stump of *Cedrus deodara*, Paldi, Banjar, Kullu, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Tanya Joshi, Ellu Ram, Avneet Kaur & Avneet Pal Singh in J. Threat. Taxa 16(5): 25239. 2024.

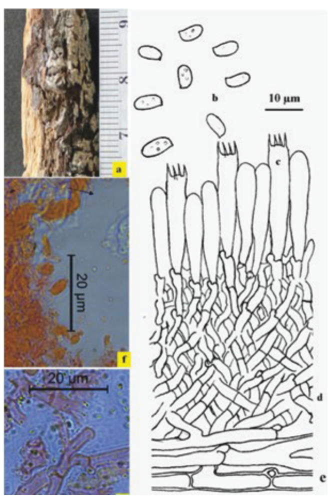

साइटिडिएला निटिडुला (पी. कार्स्ट.) ज़मिट्र. (इर्पिकैसी)

पूर्वतः जर्मनी, क्रोएशिया, बेल्जियम, रूस, फ़िनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे, इटली, स्पेन, एस्टोनिया और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार मंगलौर गाँव, बंजार, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश में आवृतबीजीय टहनी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे तान्या जोशी, एलू राम, अवनीत कौर व अवनीत पाल सिंह ने जे. थ्रेट. टैक्सा 16(5): 25239. 2024 में प्रकाशित किया है।

Cytidiella nitidula (P. Karst.) Zmitr. (Irpicaceae)

The species earlier known from Germany, Croatia, Belgium, Russia, Finland, Iceland, Norway, Italy, Spain, Estonia and North America has been reported for the first time from India based on the collection made on angiospermous twig, Manglore village, Banjar, Kullu, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Tanya Joshi, Ellu Ram, Avneet Kaur & Avneet Pal Singh in J. Threat. Taxa 16(5): 25239. 2024.

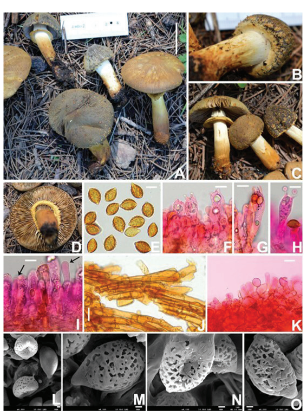

डेस्कोलिया फ्लेवो-एन्यूलेटा (एलजे. एन. वासिलजेवा) ई. होराक (बॉल्बीशिएसी)

पूर्वत: रूस से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार कठुआ, जम्मू और कश्मीर के दो स्थानों क्रमश: सरथल में 2497 मी की ऊंचाई पर और बानी में ऊंचाई 2173 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रहों के आधार पर की गई है। इसे शिखा चौधरी, कोमल वर्मा, यशपाल शर्मा व प्रियंका उनियाल ने ताइवानिया में 69(3): 361. 2024 में प्रकाशित किया है।

Descolea flavo-annulata (Lj. N. Vassiljeva) E. Horak (Bolbitiaceae)

The species earlier known from Russia has been reported for the first time from India based on the collection made from two locations of Kathua, Jammu & Kashmir *viz.* Sarthal, altitude 2497 m and Bani, altitude 2173 m. This has been published by Shikha Choudhary, Komal Verma, Yash Pal Sharma & Priyanka Uniyal in Taiwania 69(3): 361. 2024.

डिडाइमोसिर्टिस क्लैडोनीकोला (डियेडरिच, कोकॉर्क. व एटेयो) एर्ट्ज व डियेडरिच (फियोस्फीरिएसी)

पूर्वतः यूरोप, अफ्रीका और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार गोविंद पशु विहार वन्यजीव अभयारण्य, उत्तरकाशी जिला, उत्तराखंड में *क्लेडोनिया पिक्सिडता* (एल.) से किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे अखिलेश कुमार मौर्य, गौरव के. मिश्रा, सिल्जो जोसेफ व दलिप के. उप्रेति ने बायोलॉजी बुलेटिन 51: 546. 2024 में प्रकाशित किया है।

Didymocyrtis cladoniicola (Diederich, Kocourk. & Etayo) Ertz & Diederich (Phaeosphaeriaceae)

The species earlier known from Europe, Africa and North America has been reported for the first time from India based on the collection made from Govind Wildlife Sanctuary, Uttarkashi District, Uttarakhand on *Cladonia pyxidata* (L.) Hoffm. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Akhilesh Kumar Maurya, Gaurav K. Mishra, Siljo Joseph & Dalip K. Upreti in Biology Bulletin 51: 546. 2024.

एन्डोकॉकस मैक्रोस्पोरस (हेप्प के बाद अर्नोल्ड) नाइल.

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3435 मी की ऊंचाई पर दारमा घाटी, धारचूला, पिथौरागढ़ जिला, उत्तराखंड में दुग्तू गांव से जीरो प्वायंट के रास्ते में चट्टानों पर पाये जाने वाले *राइजोकार्पोन जिओग्रेफिकम* के थैलस से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशी, सुनिता बिष्ट, पूजा बंसल व शिम्मी मीणा ने कवका 60(4): 75. 2024 में प्रकाशित किया है।

Endococcus macrosporus (Hepp ex Arnold) Nyl.

The species has been reported for the first time from India based on the collection made on thallus of *Rhizocarpon geographicum* colonising rocks, in between Dugtu Village to Zero-point, Darma Valley, Dharchula, Pithoragarh District, Uttarakhand at 3435 m altitude. The specimens are deposited in University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). This has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Shimmi Meena in Kavaka 60(4): 75. 2024.

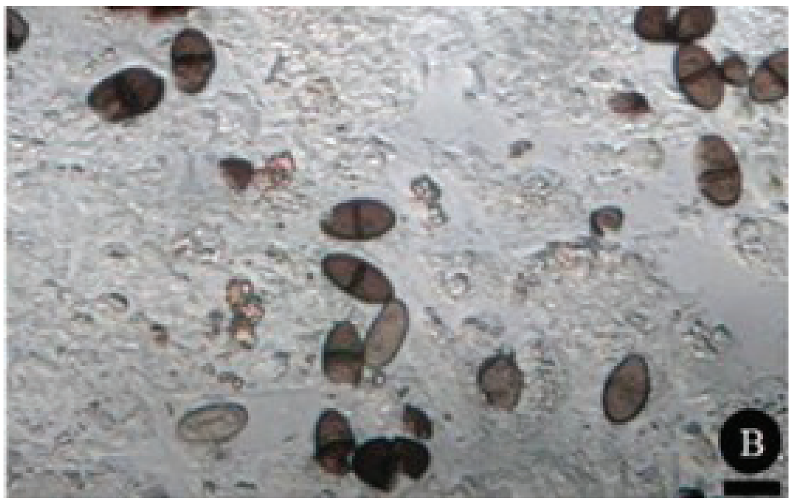

एन्डोकॉकस वेरुकोसस हाफेलनर

पूर्वत: ऑस्ट्रिया, इटली, उत्तरी अमेरिका, नॉर्वे, स्पेन और रूस से ज्ञात इस प्रजाति को भारत में पहली बार किबर, कांगड़ा जिला, हिमाचल प्रदेश में *एस्पिसिलिया* निवहित चट्टान से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के डी. डी. अवस्थी के निजी पादपालय (LWG-AWAS) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशि, सुनीता बिष्ट, पूजा बंसल व निर्मला परगियन ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 292. 2024 में प्रकाशित किया है।

Endococcus verrucosus Hafellner

The species earlier known from Austria, Italy, North America, Norway, Spain, Russia has been reported for the first time from India based on the collection made on *Aspicilia* colonizing rock, Kyber, Kangra District, Himachal Pradesh. The specimen is deposited in the personal herbarium of D. D. Awasthi, CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG-AWAS). It has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Nirmala Pargaien in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 292. 2024.

एपिक्लेडोनिया सिम्प्लेक्स डी. हॉकस्व. (लियोटियोमाइसीटिडी)

पूर्वतः फ़िनलैंड, रूस, क्रैस्नोयार्स्क प्रदेश, बुरातिया गणराज्य और सखालिन क्षेत्र से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3181 मी की ऊंचाई पर बद्रीनाथ, चमोली जिला, उत्तराखंड में *क्लेडोनिया कोनियोक्रिया* (फ्लोर्क) स्प्रेंग. से किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे अखिलेश कुमार मौर्य, गौरव के. मिश्रा, सिल्जो जोसेफ व दलिप के. उप्रेति ने बायोलॉजी बुलेटिन 51: 547. 2024 में प्रकाशित किया है।

Epicladonia simplex D. Hawksw. (Leotiomycetidae)

The species earlier known from Finland, Russia, Krasnoyarsk Territory, the Republic of Buryatia, and the Sakhalin Region has been reported for the first time from India based on the collection made from Badrinath, Chamoli District, Uttarakhand at 3181 m altitude, on *Cladonia coniocraea* (Florke) Spreng. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Akhilesh Kumar Maurya, Gaurav K. Mishra, Siljo Joseph & Dalip K. Upreti in Biology Bulletin 51: 547. 2024.

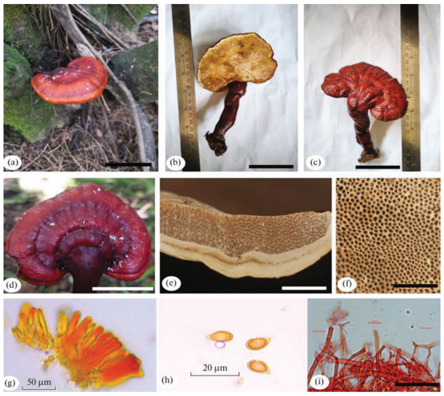

गैनोडर्मा ल्यूकोकॉन्टेक्सटम टी. एच. ली, डब्ल्यू. क्यू. डेंग, शेंग एच. वु, डोंग एम. वांग व एच. पी. हू (गैनोडर्मेटेसी)

पूर्वत: तिब्बत, चीन और पाकिस्तान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार दाचीगाम और ओवेरा-अरु वन्यजीव अभयारण्यों, जम्मू और कश्मीर में दृढ़काष्ठ वृक्ष प्रजाति *अल्मस विलोसा* ब्रैंडिस के बाद गैम्बल (चिराबेल पेड़) के मृत एवं सड़ी-गली ठूंठ के आधार से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप कवक विज्ञान अनुभाग, जैव विविधता और वर्गिकी केंद्र, वनस्पति विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (KASH) में संगृहीत है। इसे आसिफ हामिद दारा, आदिल राशिद शेखा, अब्दुल हामिद वानिया और वसीम सज्जाद मलिक ने बायोलॉजी बुलेटिन 51: 540. 2024 में प्रकाशित किया है।

Ganoderma leucocontextum T. H. Li, W. Q. Deng, Sheng H. Wu, Dong M. Wang & H. P. Hu (Ganodermataceae)

The species earlier known from Tibet, China and Pakistan has been reported for the first time from India based on the collection made from bases of dyeing and decaying stumps of hardwood tree species *Ulmus villosa* Brandis ex. Gamble (Elm tree), Dachigam and Overa-Aru Wildlife Sanctuaries, Jammu & Kashmir. The specimens are deposited in Mycological Section of the Herbarium, Centre for Biodiversity and Taxonomy, Department of Botany, University of Kashmir, Srinagar, Jammu& Kashmir (KASH). This has been published by Asif Hamid Dara, Aadil Rashid Sheikha, Abdul Hamid Wania & Wasim Sajad Malika in Biology Bulletin 51: 540. 2024.

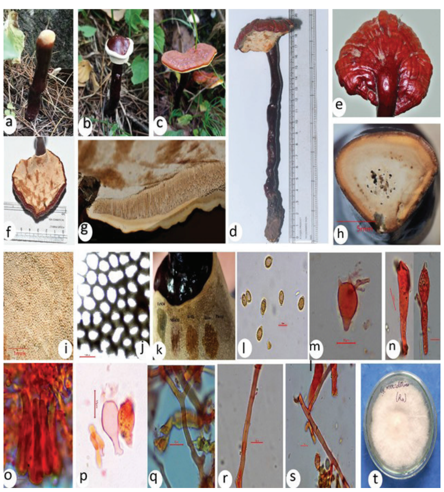

गैनोडर्मा मेरेडीथियाइ अदसक. व गिल्ब. (गैनोडर्मेटेसी)

पूर्वत: यूएसए और चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1850 मी की ऊंचाई पर गूल, रामबान जिला, जम्मू और कश्मीर में *क्वेर्कस बेलोट* की प्रमुखता वाले वन से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप कवक विज्ञान अनुभाग, जैव विविधता और वर्गिकी केंद्र, वनस्पति विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (KASH) में संगृहीत है। इसे वसीम सजाद मलिक, अनीस ऊन निशा, अब्दुल हामिद वानी व मोहम्मद याकूब भट ने इंडियन फाइटोपैथोलॉजी https://doi. org/10. 1007/s42360-023-00604-1 में प्रकाशित किया है।

Ganoderma meredithiae Adask. & Gilb. (Ganodermataceae)

The species earlier known from USA and China has been reported for the first time from India based on the collection made from forests dominated by *Quercus ballot*, Gool, District Ramban, Jammu and Kashmir at 1850 m. altitude. The specimens are deposited in Mycological Section of the Herbarium, Centre for Biodiversity and Taxonomy, Department of Botany, University of Kashmir, Srinagar, Jammu& Kashmir (KASH). This has been published by Wasim Sajad Malik, Anees Un Nisa, Abdul Hamid Wani & Mohd Yaqub Bhat in Indian Phytopathology https://doi. org/10. 1007/s42360-023-00604-1

जेरहार्डशिया फोलीकोला (हर. तकह.) एन. एंडो, एस. उशिजिमा, नागास, सोटोम, नाकागिरी व एन. माएक (लाइयोफिलेसी)

पूर्वतः चीन, जापान और पाकिस्तान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार जलसा बंगला, कलिम्पोंग जिला, पश्चिम बंगाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया। प्रतिरूप कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के पादपालय (CUH) में संगृहीत है। इसे अलीशा थापा, जूना तमंग व कृष्णेंदु आचार्य ने बायोलॉजी बुलेटिन 51: 552. 2024 में प्रकाशित किया है।

Gerhardtia foliicola (Har. Takah.) N. Endo, S. Ushijima, Nagas, Sotome, Nakagiri, and N. Maek (Lyophyllaceae)

The species earlier known from China, Japan and Pakistan has been reported for the first time from India based on the collection made from Jalsah Bunglow, Kalimpong District, West Bengal. The specimens are deposited in Calcutta University Herbarium, Kolkata, West Bengal (CUH). This has been published by Alisha Thapa, Juna Tamanga & Krishnendu Acharya in Biology Bulletin 51: 552. 2024.

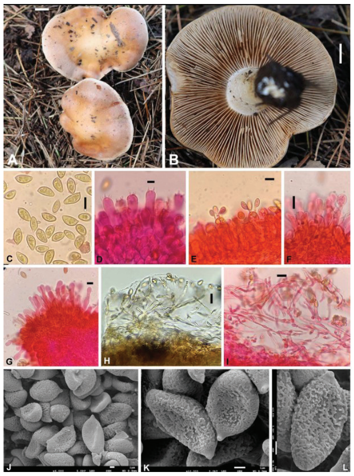

हेबेलोमा थियोब्रोमिनम क्वाड्र. (हाइमेनोगैस्ट्रेसी)

पूर्वत: इटली और पाकिस्तान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार जम्मू और कश्मीर के राउलका, बानी, कठुआ में 2627 मीटर की ऊंचाई पर और नत्थाटॉप, उधमपुर जिला में 2106 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (HBJU) में संगृहीत है। इसे श्वेता राजपूत, शिनी सिंह, ताहिर महमूद व यशपाल शर्मा ने ताइवानिया 69(4): 483. 2024 में प्रकाशित किया है।

Hebeloma theobrominum Quadr. (Hymenogastraceae)

The species earlier known from Italy and Pakistan has been reported for the first time from India based on the collection made from Raulka, Bani, Kathua, Jammu & Kashmir at 2627 m altitude and from Nathatop, Udhampur District, at 2106 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of University of Jammu, Jammu & Kashmir (HBJU). This has been published by Sweta Rajput, Shiny Singh, Tahir Mehmood, Yash Pal Sharma in Taiwania 69(4): 483. 2024.

हेल्वेला इन्वोलुटा क्यू. झाओ, झु एल. यांग व के. डी. हाइड (हेल्वेलेसी)

पूर्वत: चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 2499 मी की ऊंचाई पर बेदनी बुग्याल, देडना ट्रेक, लोहाजंग, चमोली जिला, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (HBJU) में संगृहीत है। इसे शिखा चौधरी, प्रियंका उनियाल व यश पाल शर्मा ने कवका 60(4): 66. 2024 में प्रकाशित किया है।

Helvella involuta Q. Zhao, Zhu L. Yang & K. D. Hyde (Helvellaceae)

The species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Bedni-bugyal, Dedna Trek, Lohajung, Deval, Chamoli District, Uttarakhand at 2499 m altitude. The specimens are in the herbarium of the Department of Botany, University of Jammu, Jammu & Kashmir (HBJU). This has been published by Shikha Choudhary, Priyanka Uniyal & Yash Pal Sharma in Kavaka 60(4): 66. 2024.

हाइपोडर्मा फ्लॉक्कोसम सी. एल. झाओ व क्यू. एक्स. गुआन (हाइपोडर्मेटेसी)

पूर्वतः यूरोप से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1765 मीटर की ऊंचाई पर पालड़ी, बंजार, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश में *सीड्रस देओदारा* की ठूंठ से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे एलू राम, अवनीत पाल सिंह व गुरुपाल सिंह धिंगरा इंडियन फॉरेस्टर 150(6): 598. 2024. में प्रकाशित किया है।

Hyphoderma floccosum C. L. Zhao & Q. X. Guan (Hyphodermataceae)

The species earlier known from China, has been reported for the first time from India based on the collection made on *Cedrus deodara* stump, Paldi, Banjar, Kullu, Himachal Pradesh at 1765 m altitude. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Ellu Ram, Avneet Pal Singh, Gurpaul Singh Dhingra in Indian Forester 150(6): 598. 2024.

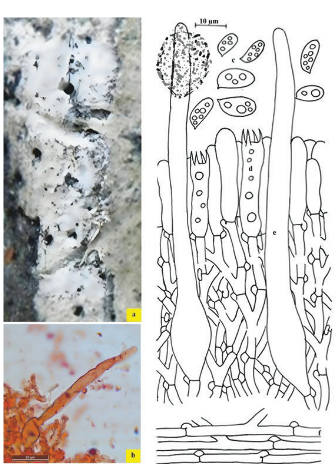

कुर्शिया मैग्नार्गिलेसिया (बोइडिन व गिल्स) करासिंस्की (कॉर्टिसिएसी)

पूर्वतः फ्रांस से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार होली, भरमौर, चंबा, हिमाचल प्रदेश में *पाइसिया स्मिथियाना* की सूखी शाखा से किए किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे तान्या जोशी, एलू राम, अवनीत कौर व अवनीत पाल सिंह ने जे. थ्रेट. टैक्सा 16(12): 26276. 2024 में प्रकाशित किया है।

Kurtia magnargillacea (Boidin & Gilles) Karasiński (Corticiaceae)

The species earlier known from France has been reported for the first time from India based on the collection made on a dried branch of *Picea smithiana*, Holi, Bharmour, Chamba, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Tanya Joshi, Ellu Ram, Avneet Kaur & Avneet Pal Singh in J. Threat. Taxa 16(12): 26276. 2024.

लैक्टेरियस बेडियोसेंगुइनिअस काइहनर व रोमैग. (रसुलेसी)

पूर्वत: कनाडा, चीन, यूरोप, एस्टोनिया, फ्रांस, कजाकिस्तान, पाकिस्तान, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार जम्मू और कश्मीर के क्रमशः तीन स्थानों सरथल, बनी, कठुआ में 2500 मीटर की ऊंचाई पर; पादरी, भद्रेवाह, डोडा में 3103 मीटर की ऊंचाई पर और चिंगम, किश्तवाड़ में 2483 मीटर की ऊंचाई पर से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (HBJU) में संगृहीत है। इसे कोमल वर्मा, ताहिर महमूद व यशपाल शर्मा ने फेडेस रेपर्ट. 135(1): 2. 2024 में प्रकाशित किया है।

Lactarius badiosanguineus Kiihner & Romagn. (Russulaceae)

The species earlier known from Canada, China, Europe, Estonia, France, Kazakhstan, Pakistan, Russia and USA has been reported for the first time from India based on the collection made from three places in Jammu & Kashmir *viz.* Sarthal, Bani, Kathua, at 2500 m altitude; Padri, Bhaderwah, Doda at 3103 m altitude; Chingam, Kishtwar at 2483 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of University of Jammu, Jammu & Kashmir (HBJU). This has been published by Komal Verma, Tahir Mehmood & Yash Pal Sharma in Feddes Repert. 135(1): 2. 2024.

लैक्टेरियस पर्पुरियोकैस्टेनिअस एक्स. एच्. वांग (रसुलेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार संगेस्तर त्सो (माधुरी झील), तवांग जिला, अरुणाचल प्रदेश में 3705 मीटर की ऊँचाई पर *ऐबीज* प्रजाति के साहचर्य वाले मृदा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है । प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इसे के. डी. हाइड व अन्य ने करेंट रिसर्च इन एनवायरनमेंटल एंड एप्लाइड माइकोलॉजी 14(1): 245. 2024 में प्रकाशित किया है।

Lactarius purpureocastaneus X. H. Wang (Russulaceae)

The species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made on soil in association with *Abies* sp., Sangestar Tso (Madhuri Lake), Tawang District, Arunachal Pradesh, at 3705 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by K. D. Hyde & al in Current Research in Environmental & Applied Mycology 14(1): 245. 2024.

लीटिपोरस जिनजियांगेन्सिस जे. सॉन्ग, वाई. सी. दाई व बी. के. कुई (लीटिपोरेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार चुटक और स्पैंग, कारगिल जिला, लद्दाख से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है । इसे ताहिर महमूद, शाइनी सिंह व यशपाल शर्मा ने फेडेस रेपर्ट. 135(3): 4. 2024 प्रकाशित किया है।

Laetiporus xinjiangensis J. Song, Y. C. Dai & B. K. Cui (Laetiporaceae)

The species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Chutak and Spang, Kargil District, Ladakh. This has been published by Tahir Mehmood, Shiny Singh, Yash Pal Sharma Feddes Repert. 135(3): 4. 2024.

लाइकेनोपेल्टेला लेप्टोजियाइ डियेडरिच

पूर्वत: पापुआ न्यू गिनी से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1050 मीटर की ऊँचाई पर साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान, पलक्कड़ जिला, केरल में लेप्टोजिअम के थैलस से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप केरल वन अनुसंधान संस्थान, केरल (KFRI) के पादपालय में संगृहीत है। इसे योगेश जोशि, सुनीता बिष्ट, पूजा बंसल व निर्मला परगियन ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स 17: 292. 2024 में प्रकाशित किया है।

Lichenopeltella leptogii Diederich

The species earlier known from Papua New Guinea has been reported for the first time from India based on the collection made on thallus of *Leptogium*, Silent Valley National Park, Palakkad District, Kerala at 1050 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of the Kerala Forest Research Institute, Kerala (KFRI). It has been published by Yogesh Joshia, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Nirmala Pargaien in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 292. 2024.

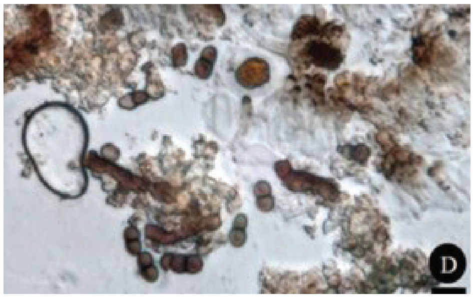

लाइकेनोस्टिग्मा डाइमेलिनाइ कैलट. व हाफेलनर

पूर्वत: उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3078 मीटर की ऊंचाई पर मलारी गांव, चमोली जिला, उत्तराखंड में मलारी से बम्पा गांव के पुराने मार्ग पर धौली गंगा नदी के किनारे चट्टान निवहित *डाइमेलीना* के थैलस से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशि, सुनीता बिष्ट, पूजा बंसल व निर्मला परगियन ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 292. 2024 में प्रकाशित किया है।

Lichenostigma dimelaenae Calat. & Hafellner

The species earlier known from North America has been reported for the first time from India based on the collection made on thallus of *Dimelaena* colonizing rocks, alongside Dhauli Ganga River, old route from Malari to Bampa Village, Malari Village, Chamoli District, Uttarakhand at 3078 m altitude. The specimens are deposited int he herbarium of the University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). It has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Nirmala Pargaien in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 292. 2024.

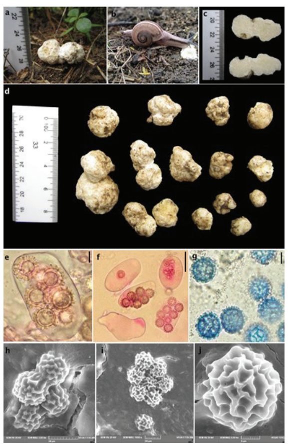

मैटिरोलोमाइसिस स्पाइनोसस (हार्कन.) कोवाक्स, ट्रैपी व अलशेख (पेज़िज़ेसी)

पूर्वत: चीन, उत्तरी अमेरिका और पाकिस्तान से ज्ञात इस वंश का वर्णन भारत में पहली बार मेट्टुकुन्नाथुर गांव, शोलिंगहुर तालुक, रानीपेट जिला, तमिलनाडु में 119 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे श्रीधर पिचाई, मनोज इमानुएल हेम्ब्रम, अनिकेत घोष, पेरुमल पालानी, कनाद दास ने नीलम्बो DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/173399 में प्रकाशित किया है।

Mattirolomyces spinosus (Harkn.) Kovács, Trappe & Alsheikh (Pezizaceae)

The species earlier known from China, North America and Pakistan has been reported for the first time from India based on the collection made from Mettukunnathur Village, Sholinghur Taluk, Ranipet District, Tamil Nadu, at 119 m altitude. This has been published by Sridhar Pichai, Manoj Emanuel Hembrom, AniketGhosh, Perumal Palani, Kanad Das in Nelumbo DOI: 10. 20324/nelumbo/v66/2024/173399

मेलियोला होलैरीनिकोला डेइटन (मेलिओलेसी)

पूर्वतः सिएरा लियोन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 158 मी की ऊंचाई पर सिंधुदुर्ग, अखावणे, महाराष्ट्र में *होलैरीना प्यूबीसेन्स* की सजीव पत्तियों से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप अजरेकर माइकोलॉजिकल पादपालय, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इसे प्रतीक डी. नाटेकर, अंजली पी. पाटिल, चंद्राहस आर. पाटिल, महेंद्र आर. भिसे व सिदानंद वी. काम्भर ने फाइटोटैक्सा 64(1): 74. 2024 में प्रकाशित किया है।

Meliola holarrhenicola Deighton (Meliolaceae)

The species earlier known from Sierra Leone has been reported for the first time from India based on the collection made on living leaves of *Holarrhena pubescens*, Sindhudurg, Akhavane, Maharashtra at 158 m altitude. The specimen is deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra. It has been published by Pratik D. Natekar, Anjali P. Patil, Chandrahas R. Patil, Mahendra R. Bhise & Sidanand V. Kambhar in Phytotaxa 641(1): 74. 2024.

ओफियोकॉर्डिसेप्स मेलोलॉन्थाइ (तुल. व सी. तुल.) जी. एच. सुंग, जे. एम. सुंग, ह्यवेल-जोन्स व स्पैटाफोरा (ओफियोकॉर्डिसिपिटेसी)

पूर्वतः कोस्टारिका, अर्जेंटीना, कोलंबिया, इक्वाडोर और वेनेज़ुएला से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार थांगसिंग वन सीमांत क्षेत्र, फम्बोंगल्हो वन्यजीव अभयारण्य, पूर्वी सिक्किम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे दुर्गा के. प्रधान ने ज़ूज प्रिंट 39(6): 34. 2024 में प्रकाशित किया है।

Ophiocordyceps melolonthae (Tul. & C. Tul.) G. H. Sung, J. M. Sung, Hywel-Jones & Spatafora (Ophiocordycipitaceae)

The species earlier known from Costa Rica, Argentina, Colombia, Ecuador, Venezuela has been reported for the first time from India based on the collection made from Thangsing, Forest Fringed areas of Fambonglho Wildlife Sanctuary, East Sikkim. This has been published by Durga K. Pradhan in Zoo's Print 39(6): 34. 2024.

पैलिडोहिर्शिओपोरस ब्रास्टागियाइ (कॉर्नर) वाई. सी. दाई, युआन युआन व मेंग झोउ (हिर्शिओपोरेसी)

पूर्वत: ऑस्ट्रेलिया, चीन और इंडोनेशिया से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार अल्गारा, कालिंम्पोंग जिला, पश्चिम बंगाल में 1780 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के पादपालय (CUH) में संगृहीत है। इसे रितुपर्णा साहा, अरुण कुमार दत्ता व कृष्णेंदु आचार्य ने फाइटोटैक्सा 634(2): 139. 2024 में प्रकाशित किया है।

Pallidohirschioporus brastagii (Corner) Y. C. Dai, Yuan Yuan & Meng Zhou (Hirschioporaceae)

The species earlier known from Australia, China and Indonesia has been reported for the first time from India based on the collection made from Algarah, Kalimpong District, West Bengal at 1780 m altitude. The specimens are deposited in Calcutta University Herbarium, Kolkata, West Bengal (CUH). This has been published by Rituparna Saha, Arun Kumar Dutta & Krishnendu Acharya in Phytotaxa 634(2): 139. 2024.

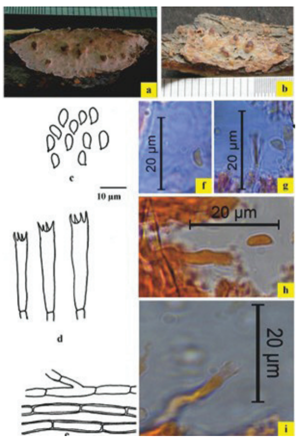

फ्लेबिया विरिडेसेलेब्रोसम जे. एरिक्स. व हॉर्टस्टैम (मेरुलिएसी)

पूर्वतः फ्रांस, ऑस्ट्रिया और इटली से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार धाउगी, सैंज, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश में आवृतबीजीय टहनी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे तान्या जोशी, एलू राम, अवनीत कौर व अवनीत पाल सिंह ने जे. थ्रेट. टैक्सा 16(5): 25240. 2024 में प्रकाशित किया है।

Phlebia viridesalebrosum J. Erikss. & Hjortstam (Meruliaceae)

The species earlier known from France, Austria, and Italy has been reported for the first time from India based on the collection made on angiospermous log, Dhaugi, Sainj, Kullu, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Tanya Joshi, Ellu Ram, Avneet Kaur & Avneet Pal Singh in J. Threat. Taxa 16(5): 25240. 2024.

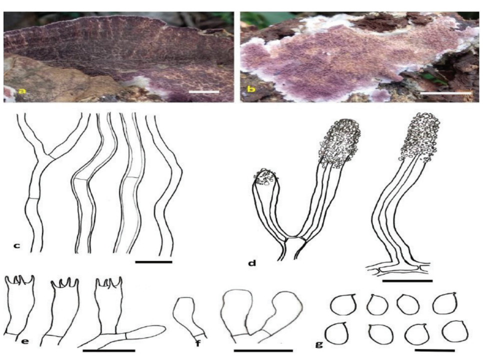

फ्लेबियॉप्सिस ग्राइसियोफस्केसेन्स (रिचर्ड्ट) नकसोने व एस. एच. हे (फैनेरोकीटेसी)

पूर्वत: चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार पचाईमलाई पहाड़ी, त्रिची, भारत में मृतशाख काष्ठ से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु (MUBL) में संगृहीत है। इसे केझोकुई केजो व मलरविझी कलियापेरुमल ने कवका 60(4): 17. 2024 में प्रकाशित किया है।

Phlebiopsis griseofuscescens (Reichardt) Nakasone & S. H. He (Phanerochaetaceae)

The species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made on dead wood, Pachaimalai Hills, Trichy District, Tamil Nadu. The specimens are deposited at University of Madras, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). This has been published by Kezhocuyi Kezo & Malarvizhi Kaliyaperumal in Kavaka 60(4): 17. 2024.

फ्लेगमेसिअम बाल्टिएटोक्यूमेटाइल (रॉब. हेनरी के बाद पी. डी. ओर्टन) निस्कानेन व लीमट. (कॉर्टीनेरिएसी)

पूर्वतः यूरोप से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 2584 मीटर की ऊंचाई पर दूधपथरी, बडगाम जिला, जम्मू और कश्मीर में *सीड्रस देओदारा*, *पाइनस वालिचियाना*, *ऐबीज पिन्ड्रो* और *पाइसिया स्मिथियाना* की प्रमुखता वाले शंकुधारी वन से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग, मेघालय (ASSAM) में संगृहीत है। इसे द्युतिपर्णा चक्रवर्ती, मुसदिक़ हुस्सैन भट व अनिकेत घोष ने बायोलॉजी बुलेटिन 51(S1): एस129. 2024 में प्रकाशित किया है।

Phlegmacium balteatocumatile (Rob. Henry ex P. D. Orton) Niskanen & Liimat. (Cortinariaceae)

The species earlier known from Europe, has been reported for the first time from India based on the collection made on soil in coniferous forest dominated by *Cedrus deodara*, *Pinus wallichiana*, *Abies pindrow* and *Picea smithiana*, Doodhpathri, Budgam District, Jammu & Kashmir at 2584 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). This has been published by Dyutiparna Chakraborty, Musadiq Hussain Bhat & Aniket Ghosh in Biology Bulletin 51(S1): S129. 2024.

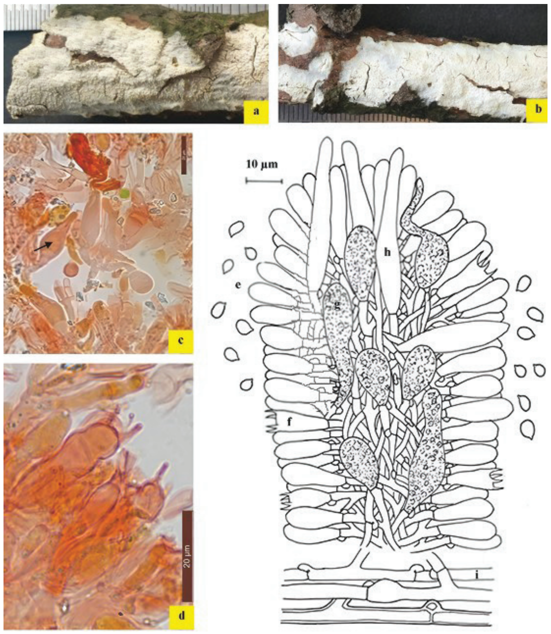

फाइजोडोन्शिया लुंडेलियाइ राइवार्डन व एच. सोलहेम

पूर्वतः स्वीडन, फिनलैंड और नॉर्वे से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार चिहमा, उदयपुर, चंबा, हिमाचल प्रदेश में *पाइनस रॉक्सबर्गियाइ* की लकड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे तान्या जोशी, एलू राम, अवनीत कौर व अवनीत पाल सिंह ने जे. थ्रेट. टैक्सा 16(12): 26276. 2024 में प्रकाशित किया है।

Physodontia lundellii Ryvarden & H. Solheim

The species earlier known from Sweden, Finland and Norway has been reported for the first time from India based on the collection made on sticks of *Pinus roxburghii*, Chihma, Udaipur, Chamba, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Tanya Joshi, Ellu Ram, Avneet Kaur & Avneet Pal Singh in J. Threat. Taxa 16(12): 26276. 2024.

पॉलीकॉकम अकसोयी हलीसी व वी. एटिएन्ज़ा

पूर्वत: तुर्किए और यूक्रेन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3254 मीटर की ऊँचाई पर माणा घाटी, बद्रीनाथ, चमोली जिला, उत्तराखंड में चट्टान निवहित *एस्पिसिलिया* के थैलस से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशि, सुनीता बिष्ट, पूजा बंसल व निर्मला परगियन ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 292. 2024 में प्रकाशित किया है।

Polycoccum aksoyi Halıcı & V. Atienza

The species earlier known from Turkey and Ukraine has been reported for the first time from India based on the collection made on thallus of *Aspicilia* colonizing rocks, Mana Valley, Badrinath, Chamoli District, Uttarakhand at an altitude of 3254 m. The specimens are deposited in the herbarium of the University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). It has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Nirmala Pargaien in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 292. 2024.

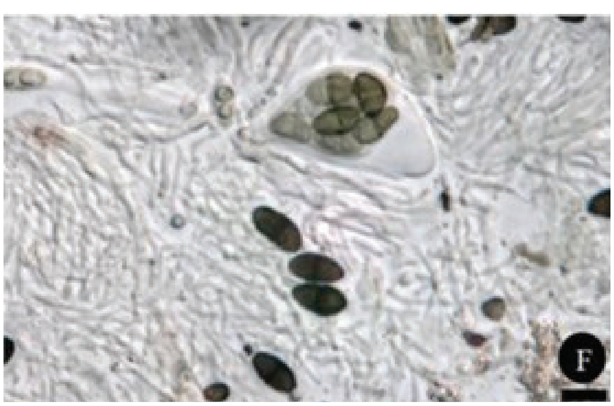

पॉलीकॉकम इवाइ कैलट. व वी. जे. रिको

पूर्वत: स्पेन, मेक्सिको और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 2979 मीटर की ऊंचाई पर सुमना, मलारी गांव, चमोली जिला, उत्तराखंड जाने के रास्ते में आईटीबीपी बेस कैंप मार्ग पर फोर पॉइंट के पास चट्टान निवहित *एस्पिसिलिया* के थैलस से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशि, सुनीता बिष्ट, पूजा बंसल व निर्मला परगियन ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 292. 2024 में प्रकाशित किया है।

Polycoccum evae Calat. & V. J. Rico

The species earlier known from Spain, Mexico, North America has been reported for the first time from India based on the collection made on thallus of *Aspicilia* colonizing rocks, near four points in route to ITBP Base Camp, on way to Sumna, Malari Village, Chamoli District, Uttarakhand at an altitude of 2979 m. The specimens are deposited in the herbarium of the University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). It has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Nirmala Pargaien in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 292. 2024.

पॉलीकॉकम करनेरी जे. स्टीनर

पूर्वत: कैनरी द्वीप, ग्रेट ब्रिटेन और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3255 मीटर की ऊंचाई पर माणा घाटी, बद्रीनाथ, चमोली जिला, उत्तराखंड में चट्टान निवहित *लेसिडिया* प्रजाति के थैलस से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशिय, सुनीता बिष्ट, पूजा बंसल व निर्मला परगियन ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 292. 2024 में प्रकाशित किया है।

Polycoccum kerneri J. Steiner

The species earlier known from Canary Islands, Great Britain, North America has been reported for the first time from India based on the collection made on thallus of *Lecidea* sp. colonizing rocks, Mana Valley, Badrinath, Chamoli District, Uttarakhand at an altitude of 3255 m. The specimens are deposited in the herbarium of the University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). It has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Nirmala Pargaien in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 292. 2024.

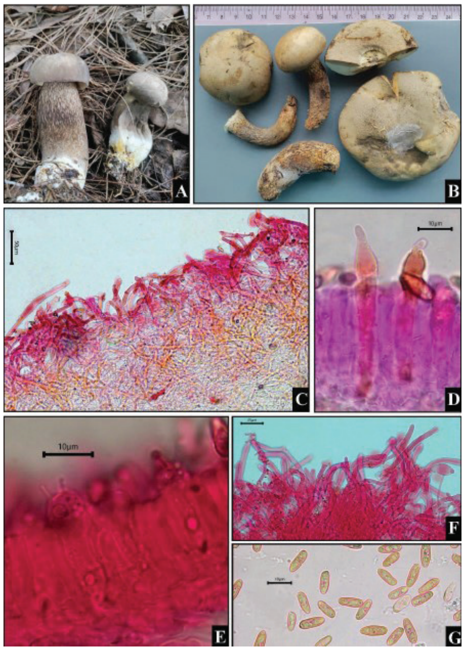

रेटिबोलेटस फस्कस (होंगो) एन. के. ज़ेंग व झू एल. यांग (बोलेटेसी)

पूर्वत: जापान, चीन और थाईलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार मेघालय के दो स्थानों क्रमशः उमियम, रि-भोई में 991 मीटर की ऊंचाई पर और थांगसलाई, पूर्वी खासी पहाड़ी में 1200 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग, मेघालय (ASSAM) में संगृहीत है। इसे द्युतिपर्णा चक्रवर्ती, देबाला तुडु व हरमिंदर सिंह ने नीलम्बो 66(1): 38. 2024 में प्रकाशित किया है।

Retiboletus fuscus (Hongo) N. K. Zeng & Zhu L. Yang. (Boletaceae)

The species earlier known from Japan, China and Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made from two places of Meghalaya *viz.* Umium, Ri-Bhoi at 991 m altitude and from Thangsalai, East Khasi Hills at 1200 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). This has been published by Dyutiparna Chakraborty, Debala Tudu & Harminder Singh in Nelumbo 66(1): 38. 2024.

राइजोकीट सल्फयूरिना (पी. कार्स्ट.) के. एच. लार्श. (फैनेरोकीटेसी)

पूर्वतः बेलारूस, बेल्जियम, जर्मनी, पुर्तगाल, स्पेन और नीदरलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1825 मीटर की ऊंचाई पर कानोन, बंजार, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश में *सीड्रस देओदारा* की ठूंठ से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे एलू राम, अवनीत पाल सिंह व गुरुपाल सिंह धिंगरा इंडियन फॉरेस्टर 150(6): 600. 2024. में प्रकाशित किया है।

Rhizochaete sulphurina (P. Karst.) K. H. Larss. (Phanerochaetaceae)

The species earlier known from Belarus, Belgium, Germany, Portugal, Spain and Netherland has been reported for the first time from India based on the collection made on *Cedrus deodara* stump, Kanon, Banjar, Kullu, Himachal Pradesh at 1825 m altitude. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Ellu Ram, Avneet Pal Singh, Gurpaul Singh Dhingra in Indian Forester 150(6): 600. 2024.

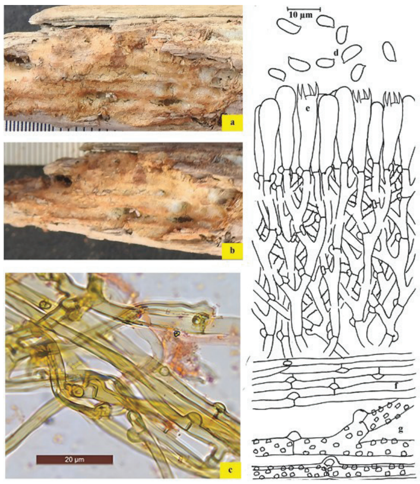

राइजोचैट वायोलासेंस (फ्रायस) के. एच. लैरस (फैनेरोकीटेसी)

पूर्वतः बेलारूस, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नॉर्वे, नीदरलैंड, रूस, स्पेन और स्विटजरलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार भंडाल, चुराह, चंबा, हिमाचल प्रदेश में *पाइसिया स्मिथियाना* की ठूंठ से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे तान्या जोशी, एलू राम, अवनीत कौर व अवनीत पाल सिंह ने जे. थ्रेट. टैक्सा 16(12): 26276. 2024 में प्रकाशित किया है।

Rhizochaete violascens (Fr.) K. H. Larss. (Phanerochaetaceae)

The species earlier known from Belarus, Denmark, Estonia, Finland, France, Germany, Italy, Norway, Netherland, Russia, Spain, and Switzerland has been reported for the first time from India based on the collection made on the stump of *Picea smithiana*, Bhandal, Churah, Chamba, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Tanya Joshi, Ellu Ram, Avneet Kaur & Avneet Pal Singh in J. Threat. Taxa 16(12): 26276. 2024.

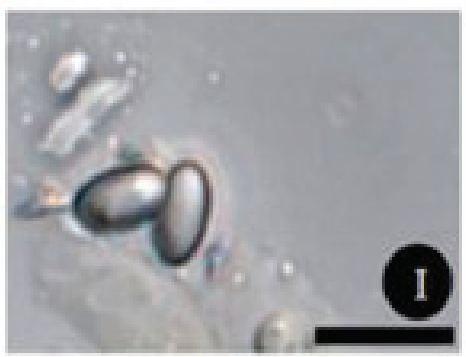

रोजेलिनुला हैप्लोस्पोरा (नाइल.) आर. सेंट

पूर्वत: रूस, स्पेन और तुर्किए से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1600–2700 मीटर की ऊँचाई पर धोन्छू, मणिमहेश, हड़सर, भरमौर, हिमाचल प्रदेश में चट्टान निवहित *एस्पिसिलिया अल्मोड़ेन्सिस* से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशी, सुनीता बिष्ट, पूजा बंसल व निर्मला परगियन ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 293. 2024 में प्रकाशित किया है।

Rosellinula haplospora (Nyl.) R. Sant.

The species earlier known from Russia, Spain, Turkey has been reported for the first time from India based on the collection made on *Aspicilia almorensis* colonizing rocks, Doonch, Mani Mahesh, Hadsar, Brahmaur, Himachal Pradesh at 1600–2700 m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Nirmala Pargaien in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 293. 2024.

रसुला औरेन्शियोक्यूटिस मिशेलिन व ई. कैम्पो (रसुलेसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार रामबन और युसमर्ग, जम्मू और कश्मीर में *ऐबीज पिंड्रो* और *पाइनस* प्रजाति से भरे शंकुधारी वन से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे आदिल राशिद शेख, अब्दुल हमीद वानी, वसीम सजाद मलिक आसिफ हमीद डार व मो. याकूब भट ने इंडियन फाइटोपैथोलॉजी 77: 183–189. 2024 में प्रकाशित किया है।

Russula aurantiocutis Michelin & E. Campo (Russulaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made from conifer forest under *Abies pindrow* and *Pinus* spp. from Ramban and Yousmarg, Jammu & Kashmir. This has been published by Aadil Rashid Sheikh, Abdul Hamid Wani, Wasim Sajad Malik, Asif Hamid Dar & Mohd Yaqub Bhat in Indian Phytopathology 77: 183–189. 2024.

रसुला वाइनोसोब्रुन्नियोला जी. जे. ली व आर. एल. झाओ (रसुलेसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार दाचीगाम, श्रीनगर जिला, जम्मू और कश्मीर में *सैलिक्स* और *पाइनस* प्रजातियों से भरे मिश्रित वन से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे आदिल राशिद शेख, अब्दुल हमीद वानी, वसीम सजाद मलिक, आसिफ हमीद डार व मो. याकूब भट ने इंडियन फाइटोपैथोलॉजी 77: 183–189. 2024 में प्रकाशित किया है।

Russula vinosobrunneola G. J. Li. & R. L. Zhao (Russulaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made from mixed forest under *Salix* sp. and *Pinus* sp. from Dachigam, Srinagar District, Jammu & Kashmir. This has been published by Aadil Rashid Sheikh, Abdul Hamid Wani, Wasim Sajad Malik, Asif Hamid Dar & Mohd Yaqub Bhat in Indian Phytopathology 77: 183–189. 2024.

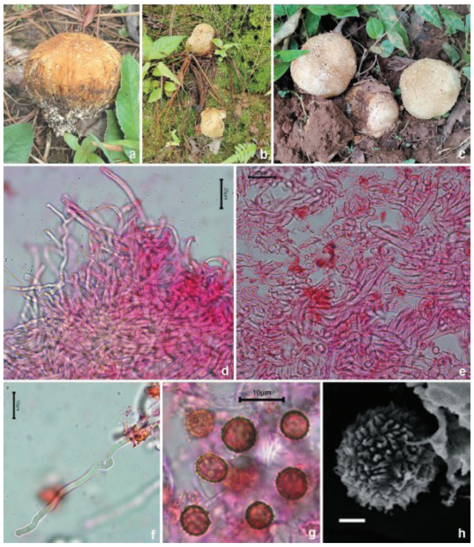

स्क्लेरोडर्मा यून्नानेन्से वाई. वांग (स्क्लेरोडर्मेटेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार सुमेर गांव, री भोई जिला, मेघालय में 950 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग, मेघालय (ASSAM) में संगृहीत है। इसे देबाला टुडु, द्युतिपर्णा चक्रवर्ती व अनिकेत घोष ने चेक माइकोलॉजी 76(2): 118. 2024 में प्रकाशित किया है।

Scleroderma yunnanense Y. Wang (Sclerodermataceae)

The species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Sumer Village, Ri Bhoi District, Meghalaya at 950 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). This has been published by Debala Tudu, Dyutiparna Chakraborty, Aniket Ghosh in Czech Mycology 76(2): 118. 2024.

स्कूटुला मिलिऐरिस (वालर.) ट्रेविस.

पूर्वत: अफ्रीका, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फिनलैंड और नॉर्वे से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1700 मीटर की ऊंचाई पर लाल टिब्बा वन, मसूरी, देहरादून जिला, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशी, सुनीता बिष्ट, पूजा बंसल व निर्मला परगियन ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 293. 2024 में प्रकाशित किया है।

Scutula milliaris (Wallr.) Trevis.

The species earlier known from Africa, America, Australia, Finland, Norway has been reported for the first time from India based on the collection made Lal Tibba Forest, Mussoorie, Dehradun District, Uttarakhand, at 1700 m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Nirmala Pargaien in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 293. 2024.

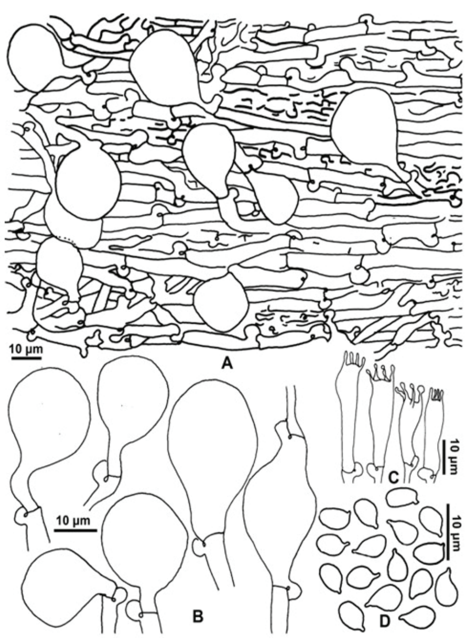

सिंगेरोसाइब ऐल्बोइनफंडिबुलिफॉर्मिस (श्योक, यांग एस. किम, के. एम. पार्क, डब्ल्यू. जी. किम, के. एच. यू व आई. सी. पार्क) झू एल. यांग, जे. किन व हर. तकह. (ट्राइकोलोमैटेसी)

पूर्वतः चीन और जापान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार फम्बोंगल्हो वन्यजीव अभयारण्य, पूर्वी जिला, सिक्किम में 2098 मीटर की उंचाई पर से और बुआखल, पौड़ी जिला, उत्तराखंड में 1708 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इसे अरविंद परिहर, मनोज इमैनुएल हेम्ब्रम, व्लादिमिर एंटोनिन व कनाद दास ने कवका 60(2): 18. 2024 में प्रकाशित किया है।

Singerocybe alboinfundibuliformis (Seok, Yang S. Kim, K.M. Park, W.G. Kim, K.H. Yoo & I.C. Park) Zhu L. Yang, J. Qin & Har. Takah. (Tricholomataceae)

The species earlier known from China and Japan has been reported for the first time from India based on the collection made from Fambonglho Wildlife Sanctuary, East district, Sikkim at 2098 m altitude and from Buakhal, Pauri District, Uttarakhand at 1708 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Arvind Parihar, Manoj Emanuel Hembrom, Vladimír Antonín & Kanad Das in Kavaka 60(2): 18. 2024.

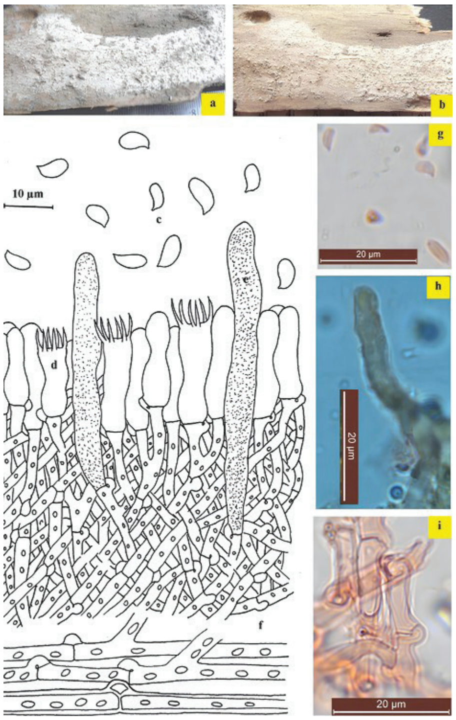

सिस्टोट्रेमा कोरोनिफेरम (होहन. और लिश्च.) डी. पी. रोजर्स व एच. एस. जैक (हिडनेसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रिया, काकेशस, जर्मनी, एस्टोनिया, फ्रांस, स्लोवाकिया, यूनाइटेड किंगडम, बेल्जियम, स्वीडन, इटली, डेनमार्क, नॉर्वे, स्विट्ज़रलैंड, फिनलैंड और स्पेन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार हरदासपुरा कॉलोनी, चंबा, हिमाचल प्रदेश में *पोप्युलस सिलिएटा* की ठूंठ से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे तान्या जोशी, एलू राम, अवनीत कौर व अवनीत पाल सिंह ने जे. थ्रेट. टैक्सा 16(12): 26278. 2024 में प्रकाशित किया है।

Sistotrema coroniferum (Höhn. & Litsch.) D. P. Rogers & H. S. Jacks (Hydnaceae)

The species earlier known from Austria, Caucasus, Germany, Estonia, France, Slovakia, United Kingdom, Belgium, Sweden, Italy, Denmark, Norway, Switzerland, Finland, and Spain has been reported for the first time from India based on the collection made on stump of *Populus ciliata*, Hardaspura colony, Chamba, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Tanya Joshi, Ellu Ram, Avneet Kaur & Avneet Pal Singh in J. Threat. Taxa 16(12): 26278. 2024.

स्फीरेलोथिसिअम पेराइटिनेरिअम (लिंड्स.) हाफेलनर व वोल्क. जॉन

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3262 मी की ऊंचाई पर रोंगकोंग गांव, व्यास घाटी, धारचूला, पिथौरागढ़ जिला, उत्तराखंड के पास चट्टानों पर पाये जाने वाले *जैन्थोरिया पेराइटिना* से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशी, सुनिता बिष्ट, पूजा बंसल व शिम्मी मीणा ने कवका 60(4): 76. 2024 में प्रकाशित किया है।

Sphaerellothecium parietinarium (Linds.) Hafellner & Volk. John

The species has been reported for the first time from India based on the collection made on *Xanthoria parietina* colonising rocks, near Rongkong Village, Vyas Valley, Dharchula, Pithoragarh District, Uttarakhand at 3262 m altitude. The specimens are deposited in University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). This has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Shimmi Meena in Kavaka 60(4): 76. 2024.

स्फीरेलोथेसियम पार्मोट्रेमैटिस वान डेन बूम

पूर्वत: पुर्तगाल से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार तीन अलग-अलग राज्यों हिमाचल प्रदेश, केरल और उत्तराखंड से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) और केरल वन अनुसंधान संस्थान, केरल (KFRI) के पादपालयों में संगृहीत हैं। इसे योगेश जोशी, सुनीता बिष्ट, पूजा बंसल व निर्मला परगियन ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 293. 2024 में प्रकाशित किया है।

Sphaerellothecium parmotrematis van den Boom

The species earlier known from Portugal has been reported for the first time from India based on the collection made from three different states of India *viz.* Himachal Pradesh, Kerala, Uttarakhand. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG) and in the herbarium of the Kerala Forest Research Institute, Kerala (KFRI). It has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Nirmala Pargaien in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 293. 2024.

स्टिग्मिडियम रमलिनाइ (मुल. आर्ग.) एटेयो और डियेडरिच

पूर्वत: यूरोप, एशिया, दक्षिण और उत्तरी अमेरिका महाद्वीपों के विभिन्न देशों से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 2580 मीटर की ऊंचाई पर धाकुरी (पूर्व में अल्मोड़ा जिला), बागेश्वर जिला उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे योगेश जोशी, सुनीता बिष्ट, पूजा बंसल व निर्मला परगियन ने जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स. 17: 293. 2024 में प्रकाशित किया है।

Stigmidium ramalinae (Müll. Arg.) Etayo & Diederich

The species earlier known from different countries in the continents of Europe, Asia, South and North America has been reported for the first time from India based on the collection made from Dhakuri, (erstwhile Almora District), Bageshwar District Uttarakhand at 2580 m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Nirmala Pargaien in J. Asia-Pacific Biodivers. 17: 293. 2024.

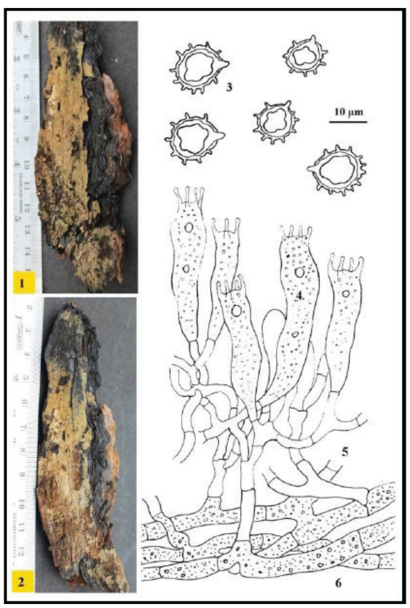

टोमेन्टेला एलुटेसियोअम्ब्रिना (बर्स.) बॉर्डोट व गाल्ज़िन (थेलेफ़ोरेसी)

पूर्वतः इंग्लैंड और उत्तरी आयरलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार खनांग, बंजार, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश जाने के रास्ते में जली हुई शंकुधारी लकड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे एलू राम, अवनीत पाल सिंह व गुरपॉल सिंह ढींगरा ने कवका 60(2): 24. 2024 में प्रकाशित किया है।

Tomentella alutaceoumbrina (Bers.) Bourdot & Galzin (Thelephoraceae)

The species earlier known from England and North Ireland has been reported for the first time from India based on the collection made on burnt coniferous wood, on the way to Khanag, Banjar, Kullu, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Ellu Ram, Avneet Pal Singh & Gurpaul Singh Dhingra in Kavaka 60(2): 24. 2024.

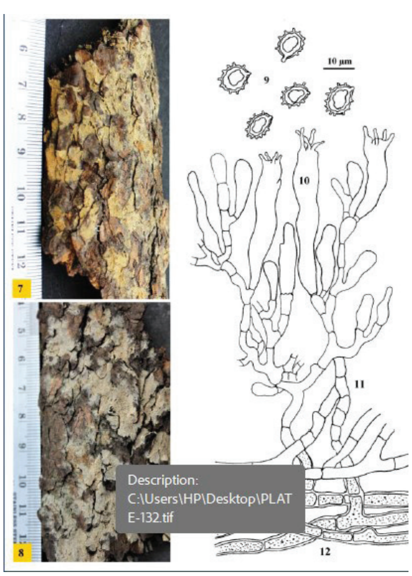

टोमेन्टेला फस्कोसिनेरिया (पर्स. :फ्र.) डोन्क (थेलेफोरेसी)

पूर्वतः उत्तरी गोलार्ध के विभिन्न हिस्सों से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार चौवाई, अन्नी, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश में *सीड्रस देओदारा* की छाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे एलू राम, अवनीत पाल सिंह व गुरपॉल सिंह ढींगरा ने कवका 60(2): 25. 2024 में प्रकाशित किया है।

Tomentella fuscocinerea (Pers. : Fr.) Donk (Thelephoraceae)

The species earlier known from various parts of Northern hemisphere has been reported for the first time from India based on the collection made on the bark of *Cedrus deodara*, Chowai, Anni, Kullu, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Ellu Ram, Avneet Pal Singh & Gurpaul Singh Dhingra in Kavaka 60(2): 25. 2024.

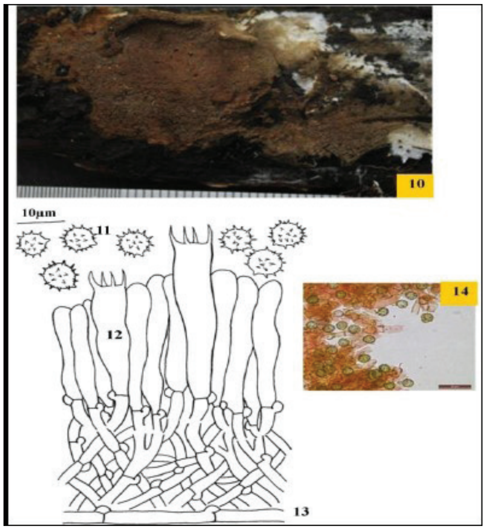

टोमेन्टेला पिलाटियाइ लिट्श (थेलेफोरेसी)

पूर्वतः तुर्किए से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार नौराधार, राजगढ़, सिरमौर, हिमाचल प्रदेश में *क्वेर्कस ल्यूकोट्राइकोफोरा* (बांझ ओक) के कुंदे से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे रमनदीप कौर, मनिंदर कौर, एलू राम, अवनीत पाल सिंह व गुरपॉल सिंह ढींगरा ने कावका 60(3): 46. 2024 में प्रकाशित किया है।

Tomentella pilatii Litsch. (Thelephoraceae)

The species earlier known from Turkey has been reported for the first time from India based on the collection made on log of *Quercus leucotrichophora*, Nauradhar, Rajgarh, Sirmaur, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Ramandeep Kaur, Maninder Kaur, Ellu Ram, Avneet Pal Singh & Gurpaul Singh Dhingra in Kavaka 60(3): 46. 2024.

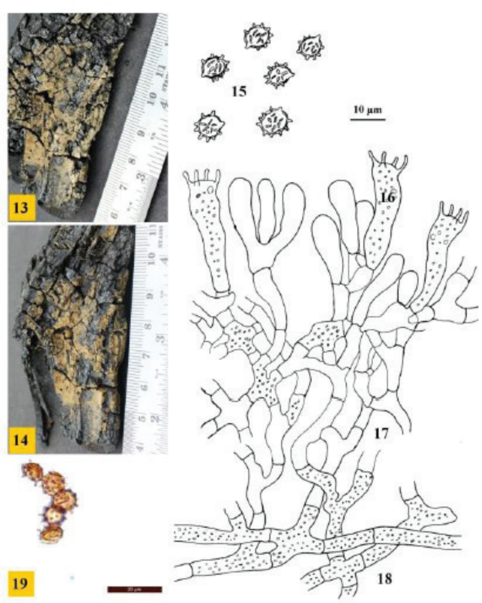

टोमेन्टेलोप्सिस इकाइनोस्पोरा (एलिस) हजोर्टस्टैम (थेलेफोरेसी)

पूर्वतः यूरोप और एशिया के समशीतोष्ण क्षेत्र से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार टांडी, बंजार, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश में *सीड्रस देओदारा* की ठूंठ से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे एलू राम, अवनीत पाल सिंह व गुरपॉल सिंह ढींगरा ने कवका 60(2): 26. 2024 में प्रकाशित किया है।

Tomentellopsis echinospora (Ellis) Hjortstam (Thelephoraceae)

The species earlier known from Europe and temperate region of Asia has been reported for the first time from India based on the collection made on *Cedrus deodara* stump, Tandi, Banjar, Kullu, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Ellu Ram, Avneet Pal Singh & Gurpaul Singh Dhingra in Kavaka 60(2): 26. 2024.

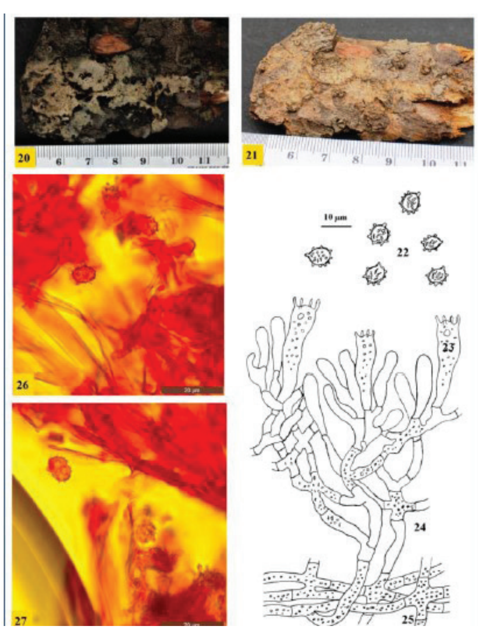

टोमेन्टेलोप्सिस प्यूसिला हजोर्टस्टैम (थेलेफोरेसी)

पूर्वतः एशिया के समशीतोष्ण क्षेत्र से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार जालोरी दर्रा, बंजार, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश में *सीड्रस देओदारा* की ठूंठ से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे एलू राम, अवनीत पाल सिंह व गुरपॉल सिंह ढींगरा ने कवका 60(2): 26. 2024 में प्रकाशित किया है।

Tomentellopsis pusilla Hjortstam (Thelephoraceae)

The species earlier known from temperate region of Asia has been reported for the first time from India based on the collection made on *Cedrus deodara* stump, Jalori Paas, Banjar, Kullu, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Ellu Ram, Avneet Pal Singh & Gurpaul Singh Dhingra in Kavaka 60(2): 26. 2024.

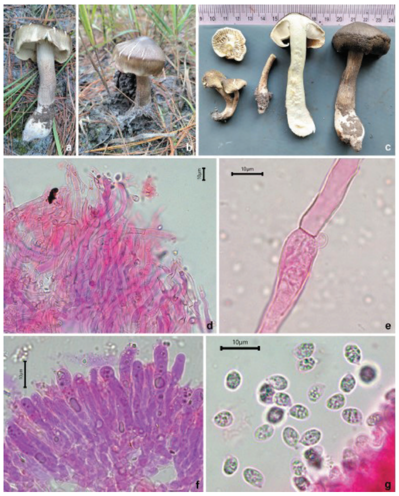

ट्राइकोलोमा ओलिवेसिअम रेश्के, पोपा, झू एल. यांग व जी. कोस्ट (ट्राइकोलोमैटेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार थांगसलाई गाँव, पूर्वी खासी पहाड़ी जिला, मेघालय में 1181 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग, मेघालय (ASSAM) में संगृहीत है। इसे देबाला टुडू, द्युतिपर्णा चक्रवर्ती व अनिकेत घोष ने चेक माइकोलॉजी 76(2): 120. 2024 में प्रकाशित किया है।

Tricholoma olivaceum Reschke, Popa, Zhu L. Yang et G. Kost (Tricholomataceae)

The species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Village of Thangsalai, East Khasi Hills District, Meghalaya at 1181 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). This has been published by Debala Tudu, Dyutiparna Chakraborty, Aniket Ghosh in Czech Mycology 76(2): 120. 2024.

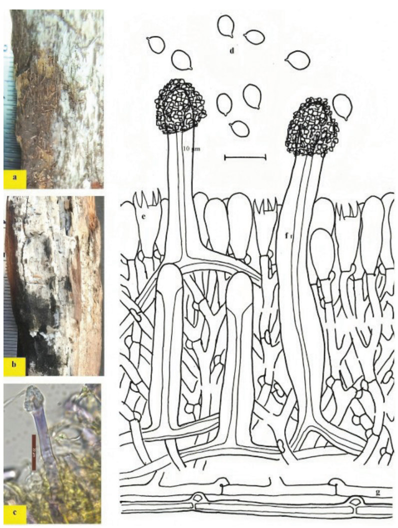

ट्यूबुलिक्रिनिस सिंक्टस जी. कन. (ट्यूबुलिक्रिनेसी)

पूर्वतः रूस, काकेशस, स्वीडन, नॉर्वे और तुर्की से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार भंडाल, चुराह, चंबा, हिमाचल प्रदेश में *पाइनस वालिचियाना* की ठूंठ से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के पादपालय (PUN) में संगृहीत है। इसे तान्या जोशी, एलू राम, अवनीत कौर व अवनीत पाल सिंह ने जे. थ्रेट. टैक्सा 16(12): 26280. 2024 में प्रकाशित किया है।

Tubulicrinis cinctus G. Cunn. (Tubulicrinaceae)

The species earlier known from Russia, Caucasus, Sweden, Norway, and Turkey has been reported for the first time from India based on the collection made on stump of *Pinus wallichiana*, Bhandal, Churah, Chamba, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Tanya Joshi, Ellu Ram, Avneet Kaur & Avneet Pal Singh in J. Threat. Taxa 16(12): 26280. 2024.

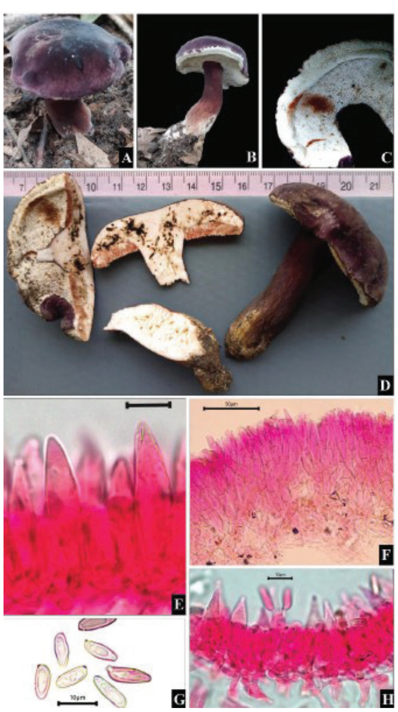

टाइलोपाइलस एट्रोवायोलेसियोब्रुनेनस यान सी. ली व झू एल. यांग (बोलेटेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार सोहरा, पूर्वी खासी पहाड़ी में 1547 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग, मेघालय (ASSAM) में संगृहीत है। इसे द्युतिपर्णा चक्रवर्ती, देबाला तुडु व हरमिंदर सिंह ने नीलम्बो 66(1): 41. 2024 में प्रकाशित किया है।

Tylopilus atroviolaceobrunneus Yan C. Li & Zhu L. Yang (Boletaceae)

The species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Sohra, East Khasi Hills at 1547 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). This has been published Dyutiparna Chakraborty, Debala Tudu & Harminder Singh in Nelumbo 66(1): 41. 2024.

जीवाणु / MICROBES
Source: Internet

जीवाणु | MICROBES

सूक्ष्मजीवी पारिस्थितिकीविज्ञों ने जीवाणुओं एवं आर्किया की आण्विक गणना आधारित डेटाबेस बनाने के लिए अब 16एस आरआरएनए जीन अनुक्रमण को अपनाया है। अब तक के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगभग 1297 सूक्ष्मजीवी वर्गक हैं। भारत के बहुरंगी पर्यावरण में जीवाणु और आर्किया विविधता की स्थिति को समझकर जैव विविधता के अनुरक्षण में उनकी भूमिका को समझना बहुत आवश्यक है। अब तक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारतीय वनस्पतिजात में 2. 31 प्रतिशत जीवाणु हैं। इस क्रमवार सार-संग्रह में वर्ष 2024 के दौरान, भारत से विज्ञान के लिए नवीन अन्वेषण के रूप में 09 जीवाणु प्रजातियों (राजस्थान और तमिलनाडु में से प्रत्येक से 03 एवं गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में से प्रत्येक से 01) को संकलित किया गया है।

Microbial ecologists now adopted 16S rRNA gene sequencing for developing a molecular census database of bacteria and archaea. As per latest data India has about 1297 microbial taxa. It is necessary to understand the diversity of bacteria and archaea present in a great variety of Indian environments and understand their role in biodiversity maintenance. In the present state of our knowledge, Indian microbes represent about 2. 31 percent of the total plant species in India. The collated information presented here for the year 2024 includes 09 species of microbes (03 each from Rajasthan and Tamil Nadu and 01 each from Gujarat, Maharashtra and Madhya Pradesh) discovered and described as new to science from India.

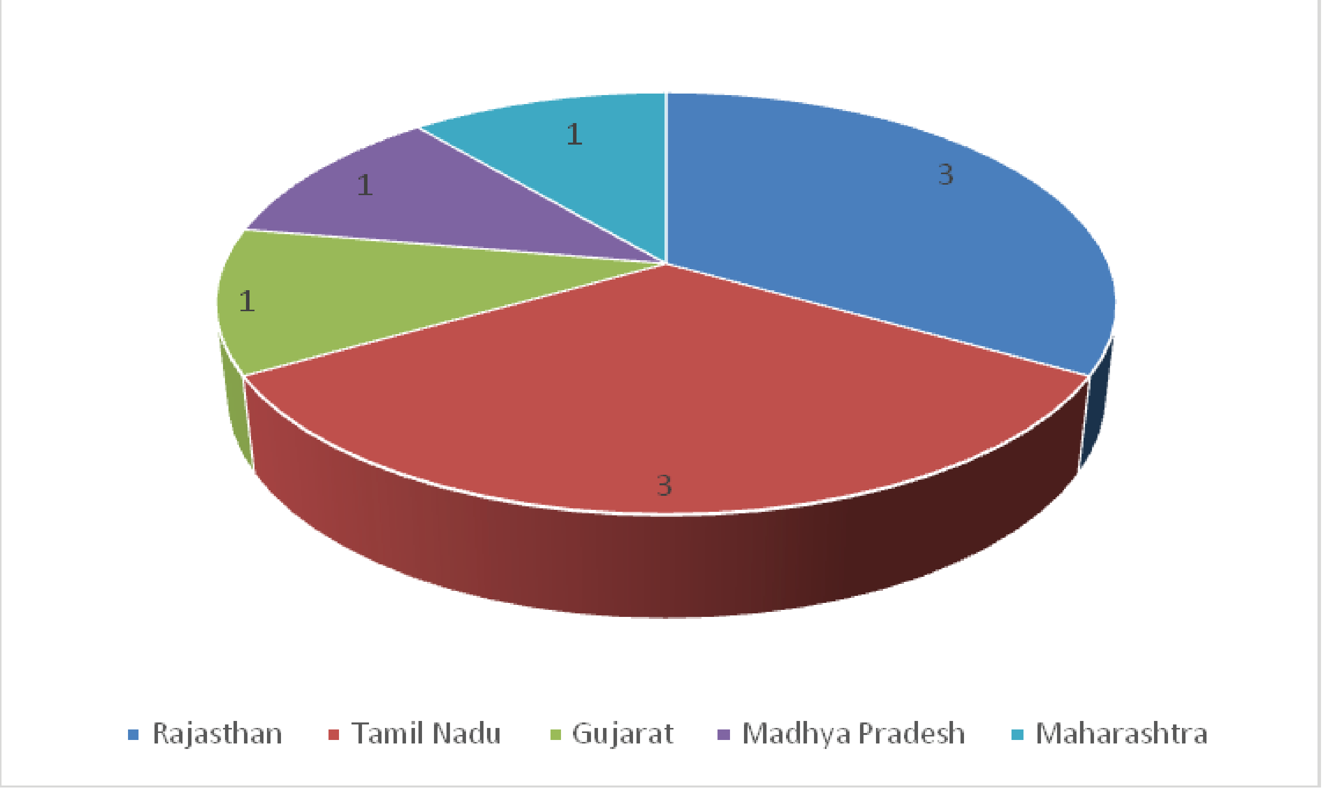

भारतीय राज्य एवं संघ-क्षेत्रों से अन्वेषित जीवाणु की संख्या
NUMBER OF MICROBES DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs.

नवीन अन्वेषण / NEW DISCOVERIES

नवीन प्रजाति / NEW GENUS

थलाशोस्पाइरोकीटा प्रज्ञा व अन्य, सिस्ट. एप्लाइ. माइक्रोबायोल. 2024; 47(2-3): 126502 (स्पाइरोकीटेसी)

इस नवीन कशाभी, अविकल्पी अवायुजीवी, किण्वन उत्पाद जैसे ऐसीटिक अम्ल और इथेनॉल उत्पन्न करने और समूहीकृत जीनोम के साथ वैनकोमाइसिन का प्रतिरोध करने में सक्षम जीवाणु प्रभेद का वर्णन मन्नार की खाड़ी, तमिलनाडु में अलग-अलग स्रोतों और इलाकों से संगृहीत नमूने के आधार पर किया गया है। संयोजित 16S rRNA जीन-आधारित जातिवृत्त, जातिसंजीनीय, तुलनात्मक जीनोमिक और उपापचयी विश्लेषण के आधार पर जीवाणु प्रभेद $JB008^{Ts}$ को *स्पाइरोकीटेसी* कुल के अंतर्गत नवीन वंश *थलाशोस्पाइरोकीटा* के रूप में अभिनिर्धारित किया गया है। *थलाशोस्पाइरोकीटा* वंश का अभिनिर्धारण प्ररूप प्रजाति *थलाशोस्पाइरोकीटा सारगैसी* ($JB008^{Ts}$) के आधार पर किया गया है। इस नवीन वंश का नामकरण सागरी जीवाणु स्पाइरोकीट को दर्शाता है।

Thalassospirochaeta Pragya & al., Syst Appl Microbiol 2024; 47(2-3):126502 (Spirochaetaceae)

A novel, flagellated, obligate anaerobes, possibility of producing fermentative products like acetic acid and ethanol; and resistance to vancomycin with binned genome $JB008^{Ts}$ has been designated as a new genus within the *Spirochaetaceae* family, *Thalassospirochaeta*, based on the combined 16S rRNA gene-based phylogeny, phylogenomic, comparative genomic, and metabolic pathway analysis. Samples were obtained from various sources and locations in the Gulf of Mannar, Tamil Nadu, The genus *Thalassospirochaeta* is proposed based on the type species *Thalassospirochaeta sargassi* ($JB008^{Ts}$). The generic epithet means a spirochete from the sea.

नवीन प्रजातियां / NEW SPECIES

ऐल्कैलिमोनस सेलुलोसिलिटिका थाइट, एस., गूडबोले, डी., देबनाथ, एम. व अन्य, एंटोनी वैन लीउवेनहॉक 117: 88. 2024 (अनिश्चित स्थानी/ इन्सर्टे सेडिस)

इस नवीन क्षारीय, ग्रैम अग्राही जीवाणु प्रजाति का वर्णन लोनार झील, राज्स्थान में जल के नमूने से वियुक्त किये गये प्ररूप जीवाणु प्रभेद $MEB108^T$ के आधार पर किया गया है। इस प्रजाति में pH 10 पर जीन को एन्कोड करने वाले कार्बोहाइड्रेट-सक्रिय ऐन्जाइम की संजीनीय उपस्थिति से प्रमाणित होता है कि यह औद्योगिक रूप से महत्वपूर्ण ऐन्जाइम जैसे ऐमिलेस, लाइपेज, सेलूलेस, कैसीनेज और काइटीनेज का उत्पादन करती है। संजीनीय विश्लेषणों से आगे इसके प्रतिरोधी जीनों का अभिनिर्धारण हुआ जो क्षारीय लोनार झील में इसके अनुकूलन की पुष्टि करता है। प्ररूप जीवाणु प्रभेद $MEB108^T$ (= MCC 5330^T = JCM 35955^T = NCIMB 15461^T) को नवीन जीवाणु प्रजाति के रूप में अभिनिर्धारित किया गया है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण सेलूलोस का अपघटन या लयन करने की इसकी क्षमता पर आधारित है।

Alkalimonas cellulosilytica Thite, S., Godbole, D., Debnath, M. & al., Antonie van Leeuwenhoek 117: 88 . 2024 (incertae sedis)

A novel, alkaliphilic, Gram-stain-negative bacterial strain $MEB108^T$, was isolated from water samples collected from Lonar lake, Rajasthan. The strain produced industrially important enzymes, such as amylase, lipase, cellulase, caseinase, and chitinase at pH 10 evidenced by the genomic presence of carbohydrate-active enzymes encoding genes. Genomic analyses further identified pH tolerance genes, affirming their adaptation to alkaline Lonar Lake. The type strain is $MEB108^T$ (= MCC 5330^T = JCM 35955^T = NCIMB 15461^T). The specific epithet refers to the bacterium's ability to degrade or lyse cellulose.

ऐल्कैलिमोनस म्यूसिलेगिनोसा थाइट, एस., गूडबोले, डी., देबनाथ, एम. व अन्य, एंटोनी वैन लीउवेनहॉक 117: 88. 2024 (अनिश्चित स्थानी/ इन्सर्टे सेडिस)

इस नवीन क्षारीय, ग्रैम अग्राही जीवाणु प्रजाति का वर्णन लोनार झील, राज्स्थान में जल के नमूने से वियुक्त किये गये प्ररूप जीवाणु प्रभेद $MEB004^T$ के आधार पर किया गया है। इस प्रजाति में pH 10 पर जीन को एन्कोड करने वाले कार्बोहाइड्रेट-सक्रिय ऐन्जाइम की संजीनीय उपस्थिति से प्रमाणित होता है कि यह औद्योगिक रूप से महत्वपूर्ण ऐन्जाइम जैसे ऐमिलेस, लाइपेज, सेलूलेस, कैसीनेज और काइटीनेज का उत्पादन करती है। संजीनीय विश्लेषणों से आगे इसके प्रतिरोधी जीनों का अभिनिर्धारण हुआ जो क्षारीय लोनार झील में इसके अनुकूलन की पुष्टि करता है। प्ररूप जीवाणु प्रभेद $MEB004^T$ (= MCC 5208^T = JCM 35954^T = NCIMB 15460^T) को नवीन जीवाणु प्रजाति के रूप में अभिनिर्धारित किया गया है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके निवहों की श्लेषमक या अवपंक उत्पन्न करने की प्रकृति की विशिष्टता पर आधारित है।

Alkalimonas mucilaginosa Thite, S., Godbole, D., Debnath, M. & al., Antonie van Leeuwenhoek 117: 88 . 2024 (incertae sedis)

A novel, alkaliphilic, Gram-stain-negative bacterial strain $MEB004^T$, was isolated from water samples collected from Lonar lake, Rajasthan. The strain produced industrially important enzymes, such as amylase, lipase, cellulase, caseinase, and chitinase at pH 10 evidenced by the genomic presence of carbohydrate-active enzymes encoding genes. Genomic analyses further identified pH tolerance genes, affirming their adaptation to alkaline Lonar Lake. The type strain is $MEB004^T$ (= MCC 5208^T = JCM 35954^T = NCIMB 15460^T). The specific epithet refers to the mucilaginous or slime-producing nature of the colonies.

क्राइसियोबैक्टिरिअम यूरिनाइ भट्ट, ए., पुजारी, एस., मंत्री, एस. व अन्य, आर्च माइक्रोबायोल. 206. 2024 (फ्लेवोबैक्टीरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का वर्णन अहमदाबाद, गुजरात में एक क्लिनिकल केस से वियुक्त किये गये प्ररूप जीवाणु प्रभेद APV-1^T के आधार पर किया गया है जो एक 75 वर्षीय पुरुष में मधुमेह का इलाज न होने पर आवर्ती यूरिनरी ट्रैक्ट के संक्रमण (यूटीआई) के कारण जीवाणु संक्रमण का एक दुर्लभ मामला था। उत्तरवर्ती मूत्र जांच से रोगकारक के रूप में क्राइसोबैक्टीरियम जीवाणु प्रकाश में आया जो पाइपेरासिलिन/टैजोबैक्टम, ट्राइमेथोप्रिम/ सल्फामेथोक्साज़ोल और नाइट्रोफ्यूरेंटॉइन के प्रति सुग्राहिता दिखा रहा था। प्ररूप जीवाणु प्रभेद APV-1^T ((= MCC 50690 = JCM 36476) को नवीन जीवाणु प्रजाति के रूप में अभिनिर्धारित किया गया है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके वियुक्ति स्रोत 'मूत्र के नमूने' को दर्शाता है।

Chryseobacterium urinae Bhatt, A., Pujari, S., Mantri, S. et al., Arch. Microbiol. 206. 2024 (Flavobacteriaceae)

This novel species was isolated from a clinical case which showcases a rare instance of bacterial infection in a 75-year-old male with untreated diabetes and recurrent urinary tract infections (UTIs) from Ahmedabad, Gujarat, with APV-1^T designated as the type strain (= MCC 50690 = JCM 36476). A subsequent urine culture identified a Chryseobacterium-related bacterium as the causative agent, exhibiting sensitivity to piperacillin/tazobactam, trimethoprim/sulfamethoxazole, and nitrofurantoin, which led to successful treatment using oral nitrofurantoin. The specific epithet is indicating that the bacterium was isolated from a urine sample.

फिक्टिबैसिलस फ्लुइटेन्स अमित यादव, आकांक्षा मौर्य, यश भावसर, रूची तेवरे, अग्रिमा भट्ट, ऐलेन डाकोस्टा, विपूल थोरट, किरण किर्डट व सैयद जी. दास्तगर, आर्च माइक्रोबायोल. 206. 70. 2024

इस नवीन ग्रैम ग्राही, वायुजीवी, दंडरूप और बीजाणुधारी प्रजाति का वर्णन नेरुर गांव, सिंधुदुर्ग जिला, महाराष्ट्र में अलवणजल तालाब से वियुक्त किये गये प्ररूप जीवाणु प्रभेद NE201^T के आधार पर किया गया है। प्ररूप जीवाणु प्रभेद NE201^T (= MCC 5285 = JCM 36474) को नवीन जीवाणु प्रजाति के रूप में अभिनिर्धारित किया गया है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके संग्रह स्थल अलवणजल तालाब पारितंत्र को दर्शाता है।

Fictibacillus fluitans Amit Yadav, Akanksha Maurya, Yash Bhavsar, Ruchi Teware, Agrima Bhatt, Elaine DaCosta, Vipool Thorat, Kiran Kirdat & Syed G. Dastager, Arch Microbiol 206: 70. 2024

A novel Gram-positive, aerobic, rod-shaped, spore-forming bacterium, designated NE201^T, was isolated from a freshwater pond in Village Nerur, Sindhudurg District, Maharashtra. The type strain is NE201^T (= MCC 5285 = JCM 36474). The specific epithet is referencing the freshwater pond ecosystem from which the type strain was isolated.

आइसोप्टेरिकोला हैलोऑरिअस प्रथाबन, एम., प्रथ्वीराज, आर., रविचंद्रन, एम. व अन्य, एंटोनी वैन लीउवेनहॉक 117: 89. 2024 (प्रोमिक्रोमोनोस्पोरेसी)

इस नवीन अविकल्पी लवणरागी, ऐक्टिनोजीवाणु प्रजाति का वर्णन तंडावरायण चोलंगनपेट्टई, तमिलनाडु में मैंग्रोव मृदा से वियुक्त किये गये प्ररूप जीवाणु प्रभेद MP-1014^T के आधार पर किया गया है। इस प्ररूप जीवाणु प्रभेद का नमूना अधिक पुराने संवर्धों में ग्रैम ग्राही, तंतुमय, अगतिशील और गोलाभ पाया गया। प्ररूप जीवाणु प्रभेद MP-1014^T [(NCBI = OP672482. 1 = GCA_036689775. 1) ATCC = BAA-2688^T; DSMZ = 29325^T; MTCC = 13246^T] को नवीन जीवाणु प्रजाति के रूप में अभिनिर्धारित किया गया है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके निवहों की सुनहरी-पीली रंजकता और लवणरागी प्रकृति की विशिष्टता पर आधारित है।

Isoptericola haloaureus Prathaban, M., Prathiviraj, R., Ravichandran, M. & al., Antonie van Leeuwenhoek 117: 89. 2024 (Promicromonosporaceae)

A novel, obligate halophilic, actinobacterium, was isolated from the mangrove soil of Thandavarayan cholanganpettai, Tamil Nadu. The isolate was Gram-positive, filamentous, non-motile, and coccoid in older cultures. The type strain is MP-1014^T [(NCBI = OP672482. 1 = GCA_036689775. 1) ATCC = BAA-2688^T; DSMZ = 29325^T; MTCC = 13246^T]. The specific epithet is referring to the golden-yellow pigmentation of the colonies and the organism's halophilic (salt-tolerant) nature.

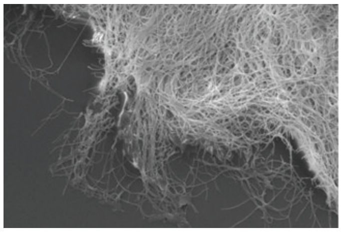

लिपिंगझंगेला रावलियाइ नम्रता जिया, स्वपनिल कजाले, अंजली काळदाते, वर्मिरिन खुदई, भावुक गुप्ता, युक्ति ओजा व अविनाश शर्मा, आर्च माइक्रोबायोल. 206. 22. 2024 (स्पाइरोकीटेसी)

जालिकारूपी और वायवीय तंतु वाले इस नवीन ग्रैम ग्राही, वायुजीवी, हैलोऐल्केन संश्लेषी, ऐक्टिनो जीवाणु प्रजाति का वर्णन अंतर्देशीय अति लवणीय सांभर झील, राजस्थान से वियुक्त किये गये प्ररूप जीवाणु प्रभेद LS1_29^T के आधार पर किया गया है। प्ररूप जीवाणु प्रभेद LS1_29^T (= KCTC 49199^T = JCM 32979^T = MCC 3420^T) को नवीन जीवाणु प्रजाति के रूप में अभिनिर्धारित किया गया है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण सूक्ष्मजीवी पारिस्थितिकी और लवणरागी सूक्ष्मजैविकी पर योगदान के लिए डॉ. रावल के सम्मान में किया गया है।

Lipingzhangella rawalii Namrata Jiya, Swapnil Kajale, Anjali Kaldate, Wormirin Khudai, Bhavuk Gupta, Yukti Oza & Avinash Sharma, Arch Microbiol 206: 22. 2024 (Spirosomaceae)

A novel, Gram stain positive, aerobic, haloalkaliphilic, actinobacterial strain (LS1_29^T)with reticulate and aerial hyphae was isolated from an inland hypersaline Sambhar Salt Lake, Rajasthan. The type strain of the species is LS1_29^T (= KCTC 49199^T = JCM 32979^T = MCC 3420^T). The specific epithet is in honor of Dr. Rawal for his contributions to microbial ecology and halophilic microbiology.

रोडोपाइरेलुला हैलोड्यूलाइ श्रेया व अन्य, सिस्ट. एप्लाइ. माइक्रोबायोल. 47(4): 126523. 2024 (प्लैंक्टोमाइसीटेसी)

इस नवीन जीवाणु प्रजाति का वर्णन मन्नार की खाड़ी क्षेत्र, तमिलनाडु में नमूने से वियुक्त किये गये प्ररूप जीवाणु प्रभेद JC737^T के आधार पर किया गया है। जीन-आधारित जातिवृत्त, पैनजीनोम, आकारिकीय, शरीरक्रियात्मक और संजीनीय निरूपण को समाविष्ट करके प्ररूप जीवाणु प्रभेद JC737^T को अतिरिक्त सदस्य के रूप में जीवाणु प्रभेद JC740 के साथ नवीन जीवाणु प्रजाति *रोडोपाइरेलुला हैलोड्यूलाइ* का अभिनिर्धारण किया गया है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके *हैलोड्यूल* समुद्री घास संबंधी धरातल या परिस्थिति को दर्शाता है जहां से इसे वियुक्त किया गया था।

Rhodopirellula halodulae Sreya & al., Syst. Appl. Microbiol. 47(4): 126523. 2024. (Planctomycetaceae)

The strain JC737^T is described incorporating phylogenomic, pan-genomic, morphological, physiological, and genomic characterization as the type strain of a new species *Rhodopirellula halodulae*, with the strain JC740 as an additional member. The sample was collected from the Gulf of Mannar region, Tamil Nadu. The specific epitet indicates that the bacterium was isolated from a surface or environment associated with *Halodule* seagrass.

थलाशोस्पाइरोकीटा सारगैसी प्रज्ञा व अन्य, सिस्ट. एप्लाइ. माइक्रोबायोल. 2024; 47(2-3): 126502 (स्पाइरोकीटेसी)

इस नवीन कशाभी, विकल्पी अवायुजीवी, कुंडलित अथवा दंडरूप; किण्वन उत्पाद जैसे ऐसीटिक अम्ल और इथेनॉल उत्पन्न करने और वैनकोमाइसिन का प्रतिरोध करने में सक्षम जीवाणु प्रभेद का वर्णन मन्नार की खाड़ी, तमिलनाडु में अलग-अलग स्रोतों और इलाकों से संगृहीत नमूने के आधार पर किया गया है। संयोजित 16S rRNA जीन-आधारित जातिवृत्त, जातिसंजीनीय, तुलनात्मक जीनोमिक और उपापचयी विश्लेषण के आधार पर जीवाणु प्रभेद JB008^{Ts} को *स्पाइरोकीटेसी* कुल के अंतर्गत नवीन प्रजाति *थलाशोस्पाइरोकीटा सारगैसी* के रूप में अभिनिर्धारित किया गया है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसकी स्रोत की परिस्थिति को दर्शाता है।

Thalassospirochaeta sargassi Pragya and al. . Syst Appl Microbiol 2024; 47(2-3):126502 (Spirochaetaceae)

A novel, flagellated, obligate anaerobes, helical to rod shape; possibility of producing fermentative products like acetic acid and ethanol; and resistance to vancomycin has been designated as a new species within the *Spirochaetaceae* family, *Thalassospirochaeta sargassi* (JB008^{Ts}), based on the combined 16S rRNA gene-based phylogeny, phylogenomic, comparative genomic, and metabolic pathway analysis. Samples were obtained from various sources and locations in the Gulf of Mannar, Tamil Nadu. The specific epithet is indicating the **source environment** of the bacterium.

यूरिबैसिलस ऐक्यूएडल्सिस अमित यादव, रूची तेवरे, अग्रिमा भट्ट, यश भावसर, आकांक्षा मौर्य, विपूल थोरट, वेंकट रमन वेमुलुरी व किरण किर्डट, आर्च माइक्रोबायोल. 206. 242. 2024 (प्लेनोकॉकेसी)

उत्तल ऊँचाई तथा चिकने और अखण्ड उपांत के साथ निवह बनाने वाले इस नवीन ग्रैम ग्राही, वायुजीवी, दंडरूप और बीजाणुधारी प्रजाति का वर्णन भोपाल, मध्य प्रदेश में कृषि क्षेत्र के एक कुआँ के अलवणजल नमूने से वियुक्त किये गये प्ररूप जीवाणु प्रभेद BA0131^T के आधार पर किया गया है। प्ररूप जीवाणु प्रभेद BA0131^T = (MCC 5284^T = JCM 36475^T) को नवीन जीवाणु प्रजाति के रूप में अभिनिर्धारित किया गया है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इस जीवाणु प्रभेद की अलवणजल उत्पत्ति को दर्शाता है।

Ureibacillus aquaedulcis Amit Yadav, Ruchi Teware, Agrima Bhatt, Yash Bhavsar, Akanksha Maurya, Vipool Thorat, Venkata Ramana Vemuluri & Kiran Kirdat, Arch Microbiol 2024 .242 :206 (Planococcaceae)

A novel Gram-stain-positive aerobic, rod-shaped, spore-producing bacterium forming colonies with convex elevation and a smooth, intact margin was isolated from a freshwater sample collected from a well situated in an agricultural field, Bhopal, Madhya Pradesh. The type strain of the species is BA0131^T = (MCC 5284^T = JCM 36475^T). The specific epithet is referring to the freshwater origin of the type strain.

AHMA	अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र	Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra
AILS	वनस्पति विज्ञान विभाग, अभिलाषी जीव विज्ञान संस्थान, मंडी, हिमाचल प्रदेश	Department of Botany, Abhilashi Institute of Life Sciences, Mandi, Himachal Pradesh
AMH	आजरेकर कवक पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र	Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra
APRFH	अंबिका प्रसाद अनुसंधान फाउंडेशन, ओडिशा	Ambika Prasad Research Foundation, Odisha
ARUN*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश	Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh
AL	अल्जीयर्स विश्वविद्यालय, अल्जीरिया	University of Algiers, Algeria
ASSAM*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र शिलांग, मेघालय	Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya
AUMH	अभिलाषी विश्वविद्यालय, मंडी, हिमाचल प्रदेश	Abhilashi University, Mandi, Himachal Pradesh
AUH	वनस्पति विज्ञान विभाग, आंध्रा विश्वविद्यालय, विशाखपट्टनम, आंध्रप्रदेश	Department of Botany, Andhra University, Visakhapatnam, Andhra Pradesh
AURO	शक्ति नर्सरी और पादपालय, ऑरोविले	Shakti Nursery and Herbarium, Auroville
BAM	बिशप अब्राहम मेमोरियल कॉलेज, थुरुथिकाड, केरल	Bishop Abraham Memorial College, Thuruhticad, Kerala
BAMU	डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र	Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University herbarium, Aurangabad, Maharashtra
BARO	वनस्पति विज्ञान विभाग, बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय,वडोदरा, गुजरात	Department of Botany, Maharaja Sayajirao University of Baroda, Vadodra, Gujarat
BLAT	ब्लाटर पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, सेंट ज़ेवियर कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र	Blatter Herbarium, Botany Department, St. Xavier's College, Mumbai, Maharashtra
BM	ब्रिटिश संग्रहालय, लंदन, यूके	British Museum and Herbarium, London,UK
BF	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम	Rain Forest Research Institute, Jorhat, Assam
BRIT	टेक्सास वनस्पति अनुसंधान संस्थान, टेक्सास	Botanical Research Institute of Texas
BSA*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद	Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad
BSD*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून, उत्तराखंड	Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun, Uttarakhand
BSHC*	भारतीय वनसपति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगटोक, सिक्किम	Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok
BSI*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे	Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune
BSID*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना	Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad, Telangana
BSJO*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शुष्क क्षेत्रीय केंद्र, जोधपुर, राजस्थान	Botanical Survey of India, Arid Zone Regional Center, Jodhpur, Rajasthan
BUBH	वनस्पति विज्ञान विभाग, बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम	Department of Botany, Bodoland University, Kokrajhar, Assam.

BUH	वनस्पति विज्ञान विभाग, भारथियर विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु	Department of Botany, Bharathiar University, Coimbatore, Tamil Nadu
BURD	वनस्पति विज्ञान विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, पश्चिम बंगाल	Department of Botany, Burdwan University, Burdwan WB
CAL*	केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल	Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal
CALI	कालीकट विश्वविद्यालय, मल्लपुरम, केरल	Department of Botany, Calicut University, Malappuram, Kerala
CANA	अनुसंधान और संग्रहण अनुभाग, कनेडियन म्यूजियम ऑफ नेचर ओटावा, ओंटेरियो, कनाडा	Research and Collections Division, Canadian Museum of Nature, Ottawa, Ontario, Canada
CATH	चार्ल्स ए. टेलर पादपालय, साउथ डकोटा स्टेट विश्वविद्यालय, यूएसए	Charles A. Taylor Herbarium, South Dakota State University, USA
CMPR	सेंटर फॉर मेडिसिनल प्लांट रिसर्च, केरल	Centre for Medicinal Plant Research, Kerala
CMS	क्रिश्चियन मिशनरी सोसायटी कॉलेज, कोट्टायम, केरल	Christian Missionary Society College, Kottayam, Kerala
COG-CEHR	पूर्वी हिमालयी क्षेत्र का ऑर्किड जीन संरक्षण केंद्र, हेंगबंग, मणिपुर	Centre for Orchid Gene Conservation for Eastern Himalayan Region, Hengbung, Manipur
COLO	कोलोराडो विश्वविद्यालय, यूएसए	University of Colorado, USA
CSIR-NEIST	सीएसआईआर-उत्तर पूर्व विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-निष्ट), जोरहाट, असम	CSIR-North East Institute Of Science And Technology, Jorhat, Assam
CUH	वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल	Botany Department, Calcutta University, Kolkata, West Bengal
DD*	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड	Forest Research Institute (FRI) Dehradun, Uttarakhand
DUH	वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय	Dept. of Botany, Delhi University
DMH	धनमंजुरी पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, डी. एम. कॉलेज ऑफ साइंस, धनमंजुरी विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर	Dhanamanjurian Herbarium, Department of Botany, D. M. College of Science, Dhanamanjuri University, Imphal, Manipur
E	रॉयल वनस्पति उद्यान, एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड	Royal botanical Garden, Edinburgh, Scotland
ERRCH	पर्यावरणीय संसाधन अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल	Environment Resource Research Centre, Thiruvanathapuram, Kerala
FRLH	फाउंडेशन ऑफ रिविटालाइजेशन ऑफ लोकल हेल्थ ट्रेडिशन, बेंगलुरु, कर्नाटक	Foundation of Revitalisation of Local Health Tradition, Bengaluru, Karnataka
G	कंजर्वेटरी एट जार्डिन बोटेनिक डे ला वेल्ली डे जेनेवा, जेनेवा	Conservatoire et Jardin botaniques de la Ville de Genève, Genève, Switzerland
GBPUH	गोविंद बल्लभ पंत विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखंड, भारत	Govind Ballabh Pant University Herbarium Pantnagar, Uttarakhand, India
GENT	जीवविज्ञान विभाग, गेंट विश्वविद्यालय, गेंट, बेल्जियम	Department of Biology, Gent University, Gent, Belgium
GUBH	गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम	Gauhati University, Guwahati, Assam
GUH	एच. एन. बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखंड	H. N. B. Garhwal University, Srinagar Garhwal, Uttarkhand

H	फिनिश म्यूज़ियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, बॉटेनिकल म्यूज़ियम, फिनलैंड	Finnish Museum of Natural History, Botanical Museum, Finland
HAWHRC	उच्च पश्चिमी हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, सोलन, हिमाचल प्रदेश	High Altitude Western Himalayan Regional Centre, Solan, Himachal Pradesh
HBARC	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, महाराष्ट्र	Bhabha Atomic Research Centre, Maharashtra
HBJU	वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू व कश्मीर	Department of Botany, University of Jammu, Jammu & Kashmir
HCIO*	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्रिप्टोगैमी इण्डी ओरिएण्टेलिस, नई दिल्ली	Indian Agriculture Research Institute, Cryptogamae Indiae Orientalis, New Delhi
HIFP	फ्रेंच इंस्टिट्यूट ऑफ पुदुचेरी, पुदुचेरी	French Institute of Pondicherry, Pondicherry
HKUM	वनस्पति विज्ञान विभाग, कुमाऊं विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा, उत्तराखंड	Department of Botany, Kumaun University, Almora, Uttarakhand.
HUH	हार्वर्ड विश्वविद्यालय, कैम्ब्रिज, यूएसए	Harvard University Herbaria, Cambridge, USA
IBSD	जैव संसाधन एवं स्थायी विकास संस्थान, तक्येलपत, इंफाल, मणिपुर	Institute of Bioresources and Sustainable Development Takyelpat, Imphal, Manipur
IBUG	द ग्वाडलजारा यूनिवर्सिटी, मेक्सिको	The University of Guadalajara, Mexico
IPUH	गुरु गोविंद सिंह, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, द्वारका, दिल्ली	Guru Govind Singh, Indraprastha University, Dwaraka Delhi
JCH	जेनेट कोश पादपालय, वोलोंगोंग विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया	Janet Cosh Herbarium, University of Wollongong, Australia
JCB	भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक	Indian Institute of Sciences, Bangaluru, Karnataka
JE	हॉस्कनेचट, जेना, जर्मनी	Haussknecht, Jena, Germany
JUH	वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू व कश्मीर	Dept. of Botany, Jammu University, Jammu & Kashmir
K	रॉयल बॉटेनिक गार्डेन, कियू, यूके	Royal Botanic Garden, Kew, U. K.
KASH	वनस्पति विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू व कश्मीर	Botany Department, Kashmir University, Jammu & Kashmir
KATH	नेशनल हरबेरियम एंड प्लांट लेबोरेटरीज़, काठमांडू, नेपाल	National Herbarium & Plant Laboratories, Kathmandu, Nepal
KFRI	केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची, केरल	Kerala Forest Research Institute, Peechi, Kerala
KUBH	केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल	University of Kerala, Thiruvanathapuram, Kerala
LAD	जैव विविधता अनुसंधान केंद्र, कारगिल परिसर, लद्दाख विश्वविद्यालय, लद्दाख	Biodiversity Research Centre, Kargil Campus, University of Ladakh, Ladakh
LWG*	राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh
LWU	वनस्पति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	Botany Dept., University of Lucknow, Uttar Pradesh
MBGH	मालाबार वनस्पति उद्यान, कोझिकोड, केरल	Malabar Botanical Garden, Kozhikode, Kerala
MEL	नेशनल हरबेरियम ऑफ विक्टोरिया, रॉयल बॉटेनिक गार्डेंस मेलबर्न, आस्ट्रेलिया	National Herbarium of Victoria, Royal Botanic Gardens Melbourne, Australia

MH*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु	Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu
MH-DHS-GU	कवक पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश	Mycological Herbarium of the Department of Botany of Dr. Harisingh Gour University, Sagar, Madhya Pradesh
MICH	मिशिगन विश्वविद्यालय, यूएसए	Michigan University, USA
MO	मिसौरी बॉटनिकल गार्डेन, सेंट लुइस, मिसौरी, यूएसए	Missouri Botanical Garden Herbarium, St. Louis, Missouri, USA
MSSRF	एम. एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, पुथुरवायल, केरल	M. S. Swaminathan Research Foundation, Puthurvayal, Kerala
MTCHT	वनस्पति विज्ञान विभाग, मार थोमा कॉलेज, थिरुवल्ला, केरल	Department of Botany, Mar Thoma College, Thiruvalla, Kerala
MUBL	वनस्पति विज्ञान विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु	Dept. of Botany, Madras University, Chennai, Tamil Nadu
MZU	मिजोरम विश्वविद्यालय,तनहिल, आइजोल, मिजोरम	Mizoram University, Tanhril Aizawl, Mizoram.
NBU	वनस्पति विज्ञान विभाग, नॉर्थ बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल	Department of Botany, North Bengal University, Siliguri West Bengal
NGCPR	नैरोजी गोदरेज सेंटर फॉर प्लांट रिसर्च (एनजीसीपीआर), महाराष्ट्र	Naoroji Godrej Centre For Plant Research (NGCPR), Maharashtra
NFCCI	भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र	National Fungal Culture Collection of India, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra
NGPGR	नैरोजी गोदरेज सेंटर फॉर प्लांट रिसर्च, शिरवल, सतारा, महाराष्ट्र	Naoroji Godrej Centre for Plant Research, Shirwal, Satara, Maharashtra
NWU	नॉर्थ–वेस्ट यूनिवर्सिटी, पोटचेफस्ट्रूम, साउथ अफ्रिका	North-West University, Potchefstroom, South Africa
OHT	ऑर्किड रिसर्च सेंटर, भालुकपोंग, अरुणाचल प्रदेश	Orchid Research Centre, Bhalukpong, Arunachal Pradesh
PAN	वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, पंजाब	Department of Botany, Panjab University, Chandigarh, Punjab
PBL*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान और निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	Botanical Survey of India, Andaman & Nicobar Regional Centre, Portblair, Andaman & Nicobar Islands
PC	पादपालय, नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, फ्रांस	National Museum of Natural History, France
PH	एकेडमी ऑफ नेचुरल साइंसेज, फिलाडेल्फिया, यूएसए	Academy of Natural Sciences, Philadelphia, USA
PRFH	पतंजलि अनुसंधान फाउंडेशन, हरिद्वार, उत्तराखंड	Patanjali Research Foundation Herbarium, Haridwar, Uttarakhand.
PYCC	पोर्त्यूगिज यिस्ट कल्चर क्लेकशन ऑफ द कैपरिका, पुर्तगाल	Portuguese Yeast Culture Collection of the Caparica, Portugal.
RB	जार्डिम बोटैनिको डो रियो डी जेनेरियो, ब्राजील	Jardim Botânico do Rio de Janeiro, Brazil.
PUN	पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब	Punjabi University Herbarium, Patiala, Punjab
RDNCP	आर. डी. & एस. एच. नेशनल कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र	R. D. & S. H. National College, Mumbai, Maharashtra.
RFRI*	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम	Rain Forest Research Institute, Jorhat, Assam
RHT	रैपिनैट हर्बेरियम एंड सेंटर फॉर मोलेक्युलर सिस्टेमैटिक्स, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु	Rapinat Herbarium and Centre for Molecular Systematics, Tiruchirappalli, Tamil Nadu

RRLH	जानकी अमल पादपालय, इंडियन इंस्टिच्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन, जम्मू-तवी, जम्मू व कश्मीर	Janaki Ammal Herbarium, Indian Institute of Integrative Medicine, Jammu-Tawai, Jammu & Kashmir
RUBL	वनस्पति विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान	Department of Botany, University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan
S	स्वीडिश म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, स्वीडन	Swedish Museum of Natural History, Sweden
SCCN	स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, नागरकोइल, केरल	Scott Christian College, Nagercoil, Kerala
SESH	स्कूल ऑफ एंवायर्नमेंटल साइंसेस, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल	School of Environmental Sciences, Mahatma Gandhi University, Kottayam,Kerala
SKU	श्रीकृष्णा कॉलेज, गुरुवायूर, केरल	Srikrishna Collegem, Guruvayur, Kerala
SNMH	श्री नारायणा कॉलेज, कोल्लम, केरल	Sree Narayana College Herbarium, Kollam, Kerala
SPPU	सावित्री फूले पुणे विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र	Savitribai Phule Pune University, Maharashtra
SUK	शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र	Shivaji University, Kolhapur, Maharashtra
T	जॉन टी. वाटरहाउस हर्बेरियम, न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी, सिडनी, आस्ट्रेलिया	John T. Waterhouse Herbarium, University of New South Wales, Sydney, Australia
TAIF	ताइवान वन अनुसंधान संस्थान, ताइवान	Taiwan Forestry Research Institute, Taiwan
TBGT	जवाहरलाल नेहरु ट्रॉपिकल बॉटेनिक गार्डेन एंड रिसर्च इंस्टिच्यूट पादपालय, तिरुवनंतपुरम, केरल	Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute Herbarium, Thiruvananthapuram, Kerala
THIM	राष्ट्रीय पादपालय, राष्ट्रीय जैव विविधता केंद्र, भूटान	National Herbarium, National Biodiversity Centre, Bhutan
TUH	तेजपुर विश्वविद्यालय, नपाम, सोनितपुर, असम	Tezpur University, Napaam, Sonitpur, Assam
UASB	यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रिकल्चरल साइंसेज, बेंगलुरु, कर्नाटक	University of Agricultural Sciences, Bengaluru, Karnataka
UCBD	यूनिवर्सिटी कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल	University College, Thiruvananthapuram, Kerala
VCH	विष्णु वामन ठाकुर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित भास्कर वामन ठाकुर कॉलेज ऑफ साइंस, यशवंत केशव पाटिल कॉलेज ऑफ कॉमर्स, विद्या दयानंद पाटिल कॉलेज ऑफ आर्ट्स, विवा कॉलेज, विरार, महाराष्ट्र	Vishnu Waman Thakur Charitable Trust's Bhaskar Waman Thakur College of Science, Yashvant Keshav Patil College of Commerce, Vidhya Dayanand Patil College of Arts, VIVA College, Virar, Maharashtra
VKPO	वनस्पति विज्ञान विभाग, वाघिरे कॉलेज, सासवड, ताल-पुरंदर, महराष्ट्र	Department of Botany, Waghire College, Saswad, Tal-Purandar, Maharashtra
VH	विवेकानंद आर्ट्स सरदार दलीपसिंह कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, औरंगाबाद, महाराष्ट्र	Vivekanand Arts Sardar Dalipsingh Commerce and Science College India, Aurangabad, Maharashtra.
W	वियना म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, ऑस्ट्रिया	Vienna Museum of Natural History, Austria
Z	यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड	University of Zurich, Switzerland
ZGC	ज़मोरिन्स गुरुवायुरप्पन कॉलेज, केरल	Zamorin's Guruvayurappan College, Kerala
MCCH	पादप जीवविज्ञान और पादप जैव प्रौद्योगिकी विभाग, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, ताम्बरम, चेन्नई, तमिलनाडु	Department of Plant Biology and Plant Biotechnology, Madras Christian College, Tambram, Chennai, Tamil Nadu
RO	यूनिवर्सिटा डेग्लि स्टडी डी रोमा ला सैपियेंजा इटली, रोम	Università degli Studi di Roma La Sapienza Italy,Rome

NERIST	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश	North Eastern Regional Institute of Science and Technology, Nirjuli,Arunachal Pradesh
NEIST	औषधीय, सुगंधी और आर्थिक पौधे अनुभाग, उत्तर-पूर्व विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी, जोरहाट	Medicial, Aromatic & Economic Plants Division, North East Institute of Science & Technology, Jorthat, Assam
WII	भारतीय वन्यजीव संस्थान, उत्तराखंड, देहरादून	Wildlife Institute of India India, Uttarakhand, Dehra Dun
BHARATI	विभागीय पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर	Departmental Herbarium, Department of Botany, Bharathiar University, Coimbatore
BHPL	भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश	Indian Institute of Science Education and Research, Bhopal, Madhya Pradesh
TBGH	तेलंगाना बॉटनिकल गार्डेन, डॉ. बीआरआर गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, जडचर्ला, तेलंगाना	Telangana Botanical Garden, Dr. BRR Government Degree College, Jadcherla, Telangana
HY	उस्मानिया विश्वविद्यालय, तेलंगाना	Osmania University, Hyderabad, Telangana
MA	रियल जार्डिन बोटैनिक, मद्रिद, स्पेन	Real Jardín Botánico, Madrid, Spain
MCH	महाराजा कॉलेज, एर्नाकुलम, कोच्चि, केरल	Maharaja's College, Ernakulam, Kochi, Kerala
RHT	रैपिनैट हर्बेरियम एंड सेंटर फॉर मोलेक्युलर सिस्टेमैटिक्स, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु	Rapinat Herbarium, St. Joseph's College, Tiruchirapalli, Tamil Nadu
MO	मिसौरी बॉटनिकल गार्डेन, सेंट लुइस, मिसौरी, यूएसए	Missouri Botanical Garden, Missouri, U. S. A.
AUV	आंध्रा विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, आंध्रप्रदेश	Andhra University, Visakhapatnam, Andhra Pradesh
SAC	सेंट अल्बर्ट कॉलेज, कोच्चि, केरल	St. Albert's College, Kochi, Kerala
TOSEHIM	द आर्किड सोसायटी ऑफ इस्टर्न हिमालय का पादपालय, असम	Herbarium of The Orchid Society of Eastern Himalaya, Assam
TUM	टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख, फ्रीजिंग, जर्मनी	Technische Universität München, Freising, Germany.
SSFH	सिक्किम राज्य वानिकी पादपालय, वानिकी सचिवालय, गंगटोक	Sikkim State Forest Herbarium, Forest Secretariat, Gangtok
GEERF	गुजरात पारिस्थितिक शिक्षा और अनुसंधान फाउंडेशन	Herbarium of Gujarat Ecological Education and Research Foundation
TAIF	ताइवान वानिकी अनुसंधान संस्थान, ताइवान	Herbarium of Taiwan Forestry Research Institute, Taiwan
KUBOT	कुवेम्पु विश्वविद्यालय, कर्नाटक के वनस्पति विज्ञान विभाग का पादपालय	Herbarium of the Botany Department, Kuvempu University, Karnataka
DUTHIE	ड्यूथी पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज	Duthie Herbarium, Department of Botany, University of Allahabad, Prayagraj.
KUBMK	कुवेम्पु विश्वविद्यालय, कर्नाटक के वनस्पति विज्ञान विभाग का विभागीय पादपालय	Departmental Herbarium, Department of Botany, Kuvempu University, Shankaraghatta, Karnataka
BHU-BOT	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश	Banaras Hindu University, Uttar Pradesh
IARI	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली का पादपालय	Herbarium of the Indian Agricultural Research Institute
SACH	सेंट एंड्रयूज कॉलेज पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, सेंट एंड्रयूज कॉलेज, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश	St. Andrew's College Herbarium, Department of Botany, St. Andrew's College, Gorakhpur, Uttar Pradesh

अनुक्रमणिका | INDEX

ऐस्काइनेन्थस चयांगताजोएन्सिस चाउलू, ए. शेनॉय व ए. रे	**Aeschynanthu s chayangtajoensis** Chowlu, A. Shenoy & A. Ray	3
ऐस्काइनेन्थस माओई देबता व ए. शेनॉय	**Aeschynanthus maoi** Debta & A. Shenoy	4
एगैरिकस अगरकरियाइ पी.एन. सिंह, एस.के. सिंह, एस. राणा व ए.सी. लागाशेट्टी	**Agaricus agharkarii** P.N. Singh, S.K. Singh, S. Rana & A.C Lagashetti	97
एगैरिकस ऐल्बोस्क्वेमोसस लिंडा जे. चेन, के.डी. हाइड व आर. एल झाओ	**Agaricus albosquamosus** Linda J. Chen, K.D. Hyde & R.L. Zhao	120
एगैरिकस ऐल्बोस्टिपिटेटस ई. तरफदार, ए.के. दत्ता व के. आचार्य	**Agaricus albostipitatus** E. Tarafder, A.K. Dutta & K. Acharya	97
एगैरिकस बैम्बुसिटोरम एच. बशीर व नियाज़ी	**Agaricus bambusetorum** H. Bashir & Niazi	121
एगैरिकस ब्रुन्नियोपाइलिएटस कैलक व आर. एल झाओ	**Agaricus brunneopileatus** Callac & R.L. Zhao	121
एगैरिकस ग्रिसियोवैरिगेटस एच. बशीर, एस. उल्ला व खालिद	**Agaricus griseovariegatus** H. Bashir, S. Ullah & Khalid	121
एगैरिकस इंडिकस सी.पी. आर्य व सी. के. प्रदीप	**Agaricus indicus** C.P. Arya & C.K. Pradeep	98
एगैरिकस पेलोडेन्सिस सी.पी. आर्य व सी.के. प्रदीप	**Agaricus palodensis** C.P. Arya & C.K. Pradeep	98
एगैरिकस पर्पुरियोफिब्रिलोसस लिंडा जे. चेन, आर.एल. झाओ व के.डी. हाइड	**Agaricus purpureofibrillosus** Linda J. Chen, R.L. Zhao & K.D. Hyde	121
एगैरिकस साइनोप्लैकोमाइसिस पी. कैलक व आर. एल. झाओ	**Agaricus sinoplacomyces** P. Callac **&** R.L. Zhao	122
एगैरिकस वायनाडेन्सिस सी.पी. आर्य व सी.के. प्रदीप	**Agaricus wayanadensis** C.P. Arya & C.K. Pradeep	98
एगोनिमिया ब्रायोफिलॉप्सिस (वैन.) हाफेलनर	**Agonimia bryophilopsis** (Vain.) Hafellner	71
ऐग्रोस्टिस क्लेवेटा ट्रिन.	**Agrostis clavata** Trin.	39
अहोमिया कामरुपेन्सिस सागरिका पाल व प्रश. सिंह	**Ahomia kamrupensis** Sagarika Pal & Pras. Singh	87
अहोमिया मेघालयेन्सिस सागरिका पाल व प्रश. सिंह	**Ahomia meghalayensis** Sagarika Pal & Pras. Singh	87
अहोमिया परप्यूरिया सागरिका पाल व प्रश. सिंह	**Ahomia purpurea** Sagarika Pal & Pras. Singh	87
अहोमिया सागरिका पाल व प्रश. सिंह	**Ahomia** Sagarika Pal & Pras. Singh	87
अहोमिया सोली सागरिका पाल व प्रश. सिंह	**Ahomia soli** Sagarika Pal & Pras. Singh	87
एलैनोमाइसीज मनोहराचार्यी एस. राणा व एस.के. सिंह	**Alanomyces manoharacharyi** S. Rana & S.K. Singh	98
एल्फोल्डिया लेण्याद्रिएन्सिस जी. गोरे, आर. अवचर, डी. शेल्के, एच. सोनावने व डी. धोत्रे	**Alfoldia lenyadriensis** G. Gore, R. Avchar, D. Shelke, H. Sonawane & D. Dhotre	99
ऐल्कैलिमोनस सेलुलोसिलिटिका थाइट, एस., गूडबोले, डी., देबनाथ, एम. व अन्य	**Alkalimonas cellulosilytica** Thite, S., Godbole, D., Debnath, M. & al.	145
ऐल्कैलिमोनस म्यूसिलेगिनोसा थाइट, एस., गूडबोले, डी., देबनाथ, एम. व अन्य	**Alkalimonas mucilaginosa** Thite, S., Godbole, D., Debnath, M. & al.	145
ऐल्मेनिया जानकियाइ सिंधु आर्य व वी.एस.ए. कुमार	**Allmania janakiae** Sindhu Arya & V.S.A. Kumar	4
एलोग्रैफा सिनेरिया (फी) ल्यूकिंग व काल्ब	**Allographa cinerea** (Fée) Lücking & Kalb	71
ऐलोग्राफा एफ्यूसोसोरेडिका पी.ए. अंसील, राजेशक., ल्यूकिंग व बी.ओ. शर्मा	**Allographa effusosoredica** P.A. Ansil, Rajeshk., Lücking & B.O. Sharma	65
ऐमेनिटा इंडोवैजिनेटा ए. घोष, ए. कुमार, डी. चक्र. व हेम्ब्रम	**Amanita indovaginata** A. Ghosh, A. Kumar, D. Chakr. & Hembrom	99
ऐनाफेलिस मुन्नारेन्सिस सी. रेम्या व माया	**Anaphalis munnarensis** S. Remya & Maya	4
ऐन्ड्रोग्रैफिस थेनिएन्सिस करुप. व भारत	**Andrographis theniensis** Karupp. & Bharath	5
ऐनाइलीमा सेसाइल नंदीकर, एम.पेल. व गुरव	**Aneilema sessile** Nandikar, M. Pell. & Gurav	5
ऐनिमोनेस्ट्रम तीतापुरेन्से भौमिक व जी. कृष्णा	**Anemonastrum teetapurense** Bhaumik & G. Krishna	5
एनिसोमेरिडियम ऐडनेक्सम (मुल. आर्ग.) आर.सी. हैरिस	**Anisomeridium adnexum** (Müll. Arg.) R.C. Harris	72

एनिसोमेरिडियम अमेरिकानम (मासल.) आर.सी. हैरिस	**Anisomeridium americanum** (Massal.) R.C. Harris	72
एनिसोमेरिडियम क्वैटर्नेरियम (आर.सी. हैरिस) आर.सी. हैरिस	**Anisomeridium quaternarium** (R.C. Harris) R.C. Harris	72
एनिसोमेरिडियम सबनेक्टेन्डम (नाइल.) आर.सी. हैरिस	**Anisomeridium subnectendum** (Nyl.) R.C. Harris	73
एनिसोमेरिडियम सबफियोस्पर्मम जी.के. मिश्रा, उप्रेती व नायक	**Anisomeridium subphaeospermum** G.K. Mishra, Upreti & Nayaka	65
एनिसोमेरिडियम टकराइ आर.सी. हैरिस	**Anisomeridium tuckerae** R.C. Harris	73
एनिसोमेरिडियम यूनीसीरिएले (ज़हलब्र.) आर.सी. हैरिस	**Anisomeridium uniseriale** (Zahlbr.) R.C. Harris	73
ऐन्थ्राकोपोरस इंडोहिमालएनस डी.चक्र, सुदेशना दत्ता व के दास.	**Anthracoporus indohimalayanus** D. Chakr., Sudeshna Datta & K. Das	99
ऐन्थ्राकोपोरस यान सी. ली व झु एल. यांग	**Anthracoporus** Yan C. Li & Zhu L. Yang	119
एन्थिलिस मॉन्टेना लिनिअस	**Anthyllis montana** L.	39
ऐफानोबैसिडियम स्यूडोत्सुगाइ (बर्ट) बोइडिन व गिल्स	**Aphanobasidium pseudotsugae** (Burt) Boidin & Gilles	122
ऐप्टरूटिया इलेटियर (स्टर्ट.) ऐप्टरूट	**Aptrootia elatior** (Stirt.) Aptroot	74
आर्टिमिजिया नियोसाइनेन्सिस बी.एच. जियाओ व टी.जी. गाओ	**Artemisia neosinensis** B.H. Jiao & T.G. Gao	39
आर्थोनिया ऐस्पिसिलियाइ एल्सट्रप व ई.एस. हान्सेन	**Arthonia aspiciliae** Alstrup & E.S. Hansen	122
आर्थोनिया डेस्ट्रुएन्स रेहम	**Arthonia destruens** Rehm	123
आर्थोनिया हॉक्सवर्थियाइ हेलिसी	**Arthonia hawksworthii** Halıci	123
आर्थोनिया प्रोटोपार्मेलियोप्सियोस एटेयो व डियेडरिच	**Arthonia protoparmeliopseos** Etayo & Diederich	123
आर्थोफैकोप्सिस हेटेरोडर्माइ झर्ब. व डियेडरिच	**Arthophacopsis heterodermiae** Zhurb. & Diederich	124
आर्थोफैकॉप्सिस झरबेन्कोई वाई. जोशी	**Arthophacopsis zhurbenkoi** Y. Joshi	65
अरुंडिनेल्ला नामप्रिकेन्सिस सुपर्णा साहा, डी. मैती, अर्नब बनर्जी, एम.डी. द्विवेदी व डी. प्रधान	**Arundinella namprikensis** Suparna Saha, D. Maity, Arnab Banerjee, M.D. Dwivedi et D. Pradhan	6
ऐस्टेरिडिएला लीआइकोला हैन्सफ.	**Asteridiella leeicola** Hansf.	124
ऐस्टेरिना डाइसोक्सिली पी.डी. नाटेकर, ए.पी. पाटिल, सी.आर. पाटिल, एम.आर, भिषे व एस.वी. काम्भर	**Asterina dysoxyli** P.D. Natekar, A.P. Patil, C.R. Patil, M.R. Bhise & S.V. Kambhar	99
ऐस्टेरिना हेलिकैन्थिस एम.आर, भिषे, सी.आर. पाटिल, सी.बी. सालुंखे व एस.वी. काम्भर	**Asterina helicanthis** M.R. Bhise, C.R. Patil, C.B. Salunkhe & S.V. Kambhar	100
ऐस्टेरिना मैलोटियाइ पी.डी. नाटेकर, ए.पी. पाटिल, सी.आर. पाटिल, एम.आर, भिषे व एस.वी. काम्भर	**Asterina mallotii** P.D. Natekar, A.P. Patil, C.R. Patil, M.R. Bhise & S.V. Kambhar	100
ऐस्टेरोस्टोमेला सैलेसियाइ पी. डी. नाटेकर, ए.पी. पाटिल, सी.आर. पाटिल, एम.आर, भिषे व एस.वी. काम्भर	**Asterostomella salaciae** P.D. Natekar, A.P. Patil, C.R. Patil, M.R. Bhise & S.V. Kambhar	100
ऐस्टेरोस्टोमेला राइटियाइ पी.डी. नाटेकर, ए.पी. पाटिल, सी.आर. पाटिल, एम.आर, भिषे व एस.वी. काम्भर	**Asterostomella wrightiae** P.D. Natekar, A.P. Patil, C.R. Patil, M.R. Bhise & S.V. Kambhar	100
ऐस्टेरोस्टोमेला कॉक्सीनिया पी.डी. नाटेकर, ए.पी. पाटिल, सी.आर. पाटिल, एम.आर, भिषे व एस.वी. काम्भर	**Asterostomula coccineae** P.D. Natekar, A.P. Patil, C.R. Patil, M.R. Bhise & S.V. Kambhar	100
ऐस्ट्रागेलस इनकैनस लिनिअस	**Astragalus incanus** L.	39
ऐस्ट्रोथीलियम रुब्रोक्रिस्टेलिनम ऐप्टरूट व कैसर्स	**Astrothelium rubrocrystallinum** Aptroot & Cáceres	74
ऐथेलॉप्सि फ्यूजोइडिया (जूलिक) टेलेरिया	**Athelopsis fusoidea** (Jülich) Tellería	124
ऐथेलॉप्सि ग्लॉसिना (बॉर्डट व गाल्ज़िन) ओबेर्व. के बाद पारमेस्टो	**Athelopsis glaucina** (Bourdot & Galzin) Oberw. ex Parmasto	124
बैक्ट्रोस्पोरा पैलुडीकोला कांटविलास	**Bactrospora paludicola** Kantvilas	74
बाओरंगिया ऐल्बोस्टाइपिटेटा सलना नानु व टी.के.ए कुमार	**Baorangia albostipitata** Salna Nanu & T.K.A. Kumar	101
बैथीलियम कैरोलिनिएनम (टक.) हैरिस	**Bathelium carolinianum** (Tuck.) Harris	74
बीसिया डेल्टोफिला सी.वाई. वू	**Beesia deltophylla** C.Y. Wu	40

बिगोनिया बिजंतियाइ डी.बोरा, ताराम व एम. ह्यूज	**Begonia bijantiae** D.Borah, Taram & M.Hughes	6
बिगोनिया मैक्रेन्था बी. दास, जे. सैकिया व डी. बानिक	**Begonia macrantha** B. Das, J. Saikia & D. Banik	6
बिगोनिया मेन्चुनेन्सिस पी. ग्यालत्सेन व एम.ह्यूजेस	**Begonia menchunaensis** P. Gyeltshen & M. Hughes	40
बिगोनिया नरहरियाइ बी.हाजोंग, एन.भट व पी.भराली	**Begonia naraharii** B.Hajong, N.Bhat & P.Bharali	7
बिगोनिया त्रिपुरेन्सिस दीक्षित, बी.दत्ता व डी.बोरा	**Begonia tripurensis** Dixit, B.Datta & D.Borah	7
बेल्शमीडिया केरलाना रॉबी व बालन	**Beilschmiedia keralana** Robi & Balan	8
बाइपोलैरिस हेलिकोनियाइ एल्कोर्न	**Bipolaris heliconiae** Alcorn	125
बिस्टोर्टा अरुणाचलेन्सिस मोना. दास व एस.एस. दाश	**Bistorta arunachalensis** Mona. Das & S.S. Dash	8
बोजेनबर्जिया अशिहोई सुपर्णा, समीर पाटिल व वी.दीपू	**Boesenbergia ashihoi** Suparna, Sameer Patil & V.Deepu	8
बोसेनबर्जिया कलाकाडेन्सिस सर्वानन व कालियामूर्ति	**Boesenbergia kalakadensis** Saravanan & Kaliamoorthy	9
बोलेटस धाकुरिकस के. दास, ए. घोष व सुदेशना दत्ता	**Boletus dhakuricus** K. Das, A. Ghosh & Sudeshna Datta	101
ब्रेविसेलिसियम एक्साइल (एच.एस.जैक्स) के.एच. लार्स व हॉर्टस्टैम	**Brevicellicium exile** (H.S. Jacks.) K.H. Larss. & Hjortstam	125
बकलैंडिएला निटिडुला (कार्डोट) बेड्न.-ओकाइरा व ओकाइरा	**Bucklandiella nitidula** (Cardot) Bedn.-Ochyra & Ochyra	58
बल्बोफाइलम बेसिफ्लोरम एम.के. ली, जे.पी. डेंग व वाई. लुओ	**Bulbophyllum basiflorum** M.K. Li, J.P. Deng & Y. Luo	40
बल्बोफाइलम गोपालिएनम एम. सॉवम्लियाना, के.गोगोई व कुमार	**Bulbophyllum gopalianum** M.Sâwmliana, K.Gogoi & Kumar	9
बूप्लूरम मिलमेन्स पी.अग्निहोत्री व के.यादव	**Bupleurum milamense** P.Agnihotri & K.Yadav	9
ब्यूटिरिबोलेटस डी. अरोड़ा व जे.एल. फ्रैंक	**Butyriboletus** D. Arora & J.L. Frank	119
कैलिऐन्थेमम पाठकियाइ जी. कृष्णा व भौमिक	**Callianthemum pathakii** G. Krishna & Bhaumik	10
कैलोबोलेटस गुआनुई एन.के. ज़ेंग, एच. चाय व एस. जियांग	**Caloboletus guanyui** N.K. Zeng, H. Chai & S. Jiang	125
कैलोप्लेका थ्रेकोपोन्टिका वोनड्राक व सॉन	**Caloplaca thracopontica** Vondrák & Šoun	75
कैलिम्पिरीज पैलिडम मिट्ट.	**Calymperes pallidum** Mitt.	59
कैम्पेन्यूला डेन्सिसिलिएटा आचार्य बालकृष्ण, हर्ष सिंह, बी.जोशी व आर.के. मिश्रा	**Campanula densiciliata** Acharya Balkrishna, Harsh Singh, B. Joshi & R.K. Mishra	10
कैंडोलियोमाइसेस निवियोस्क्वैमोसस पी.के. नयना व सी.के. प्रदीप	**Candolleomyces niveosquamosus** P.K. Nayana & C.K. Pradeep	101
कैंडोलियोमाइसेस रुब्रोब्रुनियस पी.के. नयना व सी.के. प्रदीप	**Candolleomyces rubrobrunneus** P.K. Nayana & C.K. Pradeep	101
कार्बोनिया वॉर्टिकोसा (फ्लॉर्क) हर्टेल	**Carbonea vorticosa** (Flörke) Hertel	126
सिरेटोस्पोरेला काइरोइडिया आर.सी. सिंक्लेयर, मॉर्गन जोन्स व आइकर	**Ceratosporella cheiroidea** R.C. Sinclair, Morgan Jones & Eicker	126
सर्सिडोस्पोरा एपिपॉलीट्रोपा (मड्ड) अर्नोल्ड	**Cercidospora epipolytropa** (Mudd) Arnold	126
सर्सिडोस्पोरा लोबोथैलियाइ नैव.-रोस. व कैलट.	**Cercidospora lobothalliae** Nav.-Ros. & Calat.	126
सर्सीडोस्पोरा सोलिएरिस्पोरा कैलट.	**Cercidospora solearispora** Calat.	127
सेरोपेजिया प्यूबीसेन्स प्रभेद **गाइरोलोबा** रंजन, अनंत कुमार व जी कृष्णा	**Ceropegia pubescens** var. **gyroloba** Ranjan, Anant Kumar & G. Krishna	35
सेरोपेजिया शिवरायीयाना ए.पी. जंगम, कंबले व एन.वी. पवार	**Ceropegia shivrayiana** A.P. Jangam, Kambale & N.V. Pawar	10
कीनोथेका ब्रुन्नियोला (एक.) मुल. आर्ग.	**Chaenotheca brunneola** (Ach.) Müll. Arg.	75
कैल्सीपोरस रुब्रोस्टाइपिटेटस एस. नानू व टी.के.ए. कुमार	**Chalciporus rubrostipitatus** S. Nanu & T.K.A. Kumar	102
क्लोरोग्लोया जेन्टिलिस स्कूजा	**Chlorogloea gentilis** Skuja	90
क्लोरोफाइटम कोल्लिएन्से एस.सूसाईराज	**Chlorophytum kolliense** S.Soosairaj	11
क्राइसियोबैक्टिरिअम यूरिनाइ भट्ट, ए., पुजारी, एस., मंत्री, एस. व अन्य	**Chryseobacterium urinae** Bhatt, A., Pujari, S., Mantri, S. et al.	146
क्राइसोस्प्लेनियम डेलवाइ फ्रैंचेट	**Chrysosplenium delavyi** Franchet	40
क्लिस्टेन्थस दीक्षाभूमियाना जे.वी. गडपे, सोमकुवर व ए.ए. चतुर्व	**Cleistanthus deekshabhoomiana** J.V. Gadpay., Somkuwar & A.A. Chaturv.	11

कॉक्लोस्पर्मम पालकोंडेन्से ए.एम. रेड्डी, नगेंद्र व के. प्रसाद	**Cochlospermum palakondense** A.M. Reddy, Nagendra & K. Prasad	11
सेलोगाइन त्रिपुरेन्सिस अदित	**Coelogyne tripurensis** Adit	11
कोलियस गैलिएटस (वहल) बेंथ.	**Coleus galeatus** (Vahl) Benth.	41
कोलट्रिसिया रायगढ़ेन्सिस पी.बी. पाटिल, एस.ए. वैद्य, एस. मौर्य व एल.एस. यादव	**Coltricia raigadensis** P.B. Patil, S.A. Vaidya, S. Maurya & L.S. Yadav	102
कोमेलीना एटेनुआटा प्रभेद **जिडीयोनियाइ** नंदीकर	**Commelina attenuata** var. **gideonii** Nandikar	35
कोमेलाइना बैडामिका प्रभेद **पालकोंडेन्सिस** पी. शिवरामकृष्ण, पी. युगंधर व एल.जे. सिंह	**Commelina badamica** var. **palkondensis** P. Sivaramakrishna, P. Yugandhar & L.J. Singh	36
कोमेलीना कुर्जियाइ उपजाति **इंडिका** नंदीकर	**Commelina kurzii** subsp. **indica** Nandikar	34
कोनियोलेपियोटा स्पोंजोडीज (बर्क व ब्रूम) वेलिंगा	**Coniolepiota spongodes** (Berk. & Broome) Vellinga	127
कॉर्टीनेरियस धाकुरिकस ए. बोस व के. दास	**Cortinarius dhakuricus** A. Bose & K. Das	102
कॉर्टीनेरिअस स्यूडोटॉर्वस ए. नसीर, जे. खान व ए.एन. खालिद	**Cortinarius pseudotorvus** A. Naseer, J. Khan, & A.N. Khalid	127
कॉर्टीनेरियस थिंडियाइ ए. बोस व के. दास	**Cortinarius thindii** A. Bose & K. Das	102
क्रीमेन्थोडियम नेपालेन्से किटाम.	**Cremanthodium nepalense** Kitam.	41
क्रीनम आंध्रिकम रसिंगम, सुस्मिता, जे. रंजना, पी. रंजीतकुमार व पार्थिबन, ए.	**Crinum andhricum** Rasingam, Susmitha, J. Ranjana, P. Ranjithkumar & Parthiban, A.	12
क्रोटालेरिया अंडमानिका एफ. सलीम, एल.जे. सिंह व ए.के. पांडे	**Crotalaria andamanica** F. Saleem, L.J. Singh, & A.K. Pandey	12
कुरकुमा उंगमेन्सिस एम. साबु, हरीश व पी. तियातेम्सू	**Curcuma ungmensis** M. Sabu, Hareesh & P. Tiatemsu	12
साइर्टेन्ड्रोमोइया सुधांशुई चाउलू, ए. शेनॉय व नुरालिएव	**Cyrtandromoea sudhansui** Chowlu, A. Shenoy & Nuraliev	13
साइटिडिएला ऐल्बिडा (एच.पोस्ट) सी. सी. चेन व शेंग एच. वू	**Cytidiella albida** (H. Post) C.C. Chen & Sheng H. Wu	128
साइटिडिएला निटिडुला (पी.कार्स्ट.) ज़मिट्र.	**Cytidiella nitidula** (P.Karst.) Zmitr.	128
साइटोस्पोरा एजाडिरैक्टाइ महादेवकु., जोसना व महारछि	**Cytospora azadirachtae** Mahadevak., Josna & Maharachch.	103
डेन्ड्रोबियम डेरी रिडल.	**Dendrobium derryi** Ridl.	41
डेन्ड्रोनेलियम स्पाइरेल सागरिका पाल व प्रश. सिंह	**Dendronalium spirale** Sagarika Pal & Pras. Singh	88
डेस्कोलिया फ्लेवो-एन्यूलेटा (एलजे. एन. वासिलजेवा) ई. होराक	**Descolea flavo-annulata** (Lj. N. Vassiljeva) E. Horak	128
डेस्कोलिया इंडोक्वेर्सिना चौधरी, उनियाल व वाई.पी. शर्मा	**Descolea indoquercina** Choudhary, Uniyal & Y.P. Sharma	103
डेस्मोनोस्टॉक रायी नरेश कुमार व प्रश. सिंह	**Desmonostoc raii** Naresh Kumar & Pras. Singh	88
डाइएपोर्थे नियोकैप्सिसी अजिथकु., सविता, किरथाना, रेणुका व महादेवकु.	**Diaporthe neocapsici** Ajithk., Savitha, Keerthana, Renuka & Mahadevak.	103
डिक्लिप्टेरा पॉलीमॉर्फा धारप, शिगवान व दातर	**Dicliptera polymorpha** Dharap, Shigwan & Datar	13
डिडाइमोकार्पस जानकियाइ रूथ. व वी. गौड़ा	**Didymocarpus janakiae** Rhuth. & V.Gowda	13
डिडाइमोसिर्टिस क्लैडोनीकोला (डियेडरिच, कोकॉर्क. व एटेयो) एट्र्ज व डियेडरिच	**Didymocyrtis cladoniicola** (Diederich, Kocourk. & Etayo) Ertz & Diederich	128
डिडाइमोसिर्टिस पर्टुसेरियाइ वाई. जोशी	**Didymocyrtis pertusariae** Y. Joshi	103
डिडाइमोप्लेक्सिएला गारे	**Didymoplexiella** Garay	38
डिडाइमोप्लेक्सिएला सियामेन्सिस (रॉल्फ के बाद डाउनी) सीडेनफैडेन	**Didymoplexiella siamensis** (Rolfe ex Downie) Seidenfaden	42
डाइमेरिया आनंदीबाईएना पैथेन, भुक्तर, चोरघे, गोसावी, काशेट्टी व एस.बी. पाटिल	**Dimeria anandibaiana** Paithane, Bhuktar, Chorghe, Gosavi, Kashetti & S.B. Patil	14
डिप्केडी कोंकणेन्सिस प्रभेद **देवरुखेन्स** एच. रोड्रिग्स, एस् .आर. दत्ता व चक्राल	**Dipcadi concanense** var. **devrukhense** H. Rodrigues, S.R. Dutta & Chakral	36
डिस्टिकोफाइलम मिट्टेनियाइ बॉश व सैंडी लैक	**Distichophyllum mittenii** Bosch & Sande Lac.	59

ड्राइयोप्टेरिस दिबांगेन्सि सी. चंदा व फ्रेजर-जेंक	**Dryopteris dibangensis** C. Chanda & Fraser-Jenk.	53
डल्सिकैलोथ्रिक्स अधिकारिआइ सराफ, जे.आर. जोहान्स व प्रश. सिंह	**Dulcicalothrix adhikaryi** Saraf, J.R. Johans. & Pras. Singh	88
डल्सिकैलोथ्रिक्स अयंगरियाइ एन. कुमार, जे.आर. जोहान्स व प्रश. सिंह	**Dulcicalothrix iyengarii** N. Kumar, J.R. Johans. & Pras. Singh	88
इलेटेरिया फैसिफेरा एम. साबू व स्कोर्निक	**Elettaria facifera** M. Sabu & Škornička.	14
इलेटेरिया ट्यूलिपिफेरा एम.साबू व स्कोर्निक	**Elettaria tulipifera** M.Sabu & Škornička.	14
एम्ब्लिका चक्रवर्ती सुनील, के.एम.पी. कुमार व नवीन कुमा.	**Emblica chakrabartyi** Sunil, K.M.P. Kumar & Naveen Kum.	14
एमिलिया फॉसबर्गियाइ निकोलसन	**Emilia fosbergii** Nicolson	42
एन्डोकार्पन सब्नाइटीसेन्स ब्रियूस	**Endocarpon pseudosubnitescens** Breuss	75
एन्डोकॉकस मैक्रोस्पोरस (हेप्प के बाद अर्नोल्ड) नाइल.	**Endococcus macrosporus** (Hepp ex Arnold) Nyl.	129
एन्डोकॉकस वेरुकोसस हाफेलनर	**Endococcus verrucosus** Hafellner	129
एपिक्लेडोनिया सिम्प्लेक्स डी. हॉकस्व.	**Epicladonia simplex** D. Hawksw.	
ईरेग्रोस्टिस श्रीरंगियाइ वी. वाघ व लोहित	**Eragrostis shrirangii** V. Wagh & Lohit	15
एरिथ्रेन्थे सिचुआनेन्सिस (वाई.वाई.पाइ) जी.एल. नेसॉम	**Erythranthe szechuanensis** (Y.Y. Pai) G.L. Nesom	42
यूजेनिया एलप्पारेन्सिस रोबी, बालन व सुजानापाल	**Eugenia elapparensis** Robi, Balan & Sujanapal	15
यूफॉर्बिया आकॉल्यूमेला सरोजिन. व राजा कुल्लयिसव.	**Euphorbia acolumella** Sarojin. & Raja Kullayisw.	15
यूफॉर्बिया एन्टीकोरम प्रभेद **लॉन्गा** सरोजिन	**Euphorbia antiquorum** var. **longa** Sarojin. (Euphorbiaceae)	36.
यूफॉर्बिया बाइफिडा हूक. व अर्न.	**Euphorbia bifida** Hook. & Arn.	43
यूफॉर्बिया ड्यूरियाइ सरोजिन. व राजा कुल्लैइसव.,	**Euphorbia duerrii** Sarojin. & Raja Kullayisw.	16
यूप्लोका वाइटियाना पी.जावद व एंसी	**Euploca wightiana** P. Javad & Ancy	16
एक्जैकम इंडिकम एम.के. पाठक व भौमिक	**Exacum indicum** M.K. Pathak & Bhaumik	16
एक्सोफिएला जिन्जीबेरिस रामेश्वर अवचरिकन, श्रुष्टि शिंदे, यामिनी कशिद, परंग गंगानी व अविनाश शर्मा	**Exophiala zingiberis** Rameshwar Avcharicon, Srushti Shinde, Yaminee Kashid, Parang Gangani & Avinash Sharma	104
फिक्टिबैसिलस फ्लुइटेन्स अमित यादव, आकांक्षा मौर्य, यश भावसर, रुची तेवरे, अग्रिमा भट्ट, ऐलेन डाकोस्टा, विपूल थोरट, किरण किर्डट व सैयद जी. दास्तगर	**Fictibacillus fluitans** Amit Yadav, Akanksha Maurya, Yash Bhavsar, Ruchi Teware, Agrima Bhatt, Elaine DaCosta, Vipool Thorat, Kiran Kirdat & Syed G. Dastager	146
फिम्ब्रिस्टाइलिस पचमढ़िएन्सिस मुजफ्फर, ए.पी.तिवारी व आर.एल. एस.सिकरवार	**Fimbristylis pachmarhiensis** Mujaffar, A.P.Tiwari & R.L.S. Sikarwar	17
फोमिटॉप्सिस बेंगालेन्सिस आर. साहा, ए.के. दत्ता व के. आचार्य	**Fomitopsis benghalensis** R. Saha, A.K. Dutta & K. Acharya	104
फ्रिटिलेरिया क्रैसिकौलिस एस.सी. चेन	**Fritillaria crassicaulis** S.C. Chen	43
फल्विफोमज सुब्रमणियनियाइ एस. गुणसीलन व एम. कलियापेरुमल	**Fulvifomes subramanianii** S. Gunaseelan & M. Kaliyaperumal	104
फल्वोफाइटोन डेजर्टोरम (स्पेरिअस) एर्ट्ज व टेहलर	**Fulvophyton desertorum** (Sparrius) Ertz & Tehler	75
फ्यूजेरियम कमालिएनम एस. राणा व एस.के. सिंह	**Fusarium kamalianum** S. Rana & S.K. Singh	104
फस्कोपोरिया नदीतिराना एस. गुणसीलन, ई. अरुमुगम व एम. कलियापेरुमल	**Fuscoporia naditirana** S. Gunaseelan, E. Arumugam & M. Kaliyaperumal	105
गैनोडर्मा ल्यूकोकॉन्टेक्सटम टी.एच. ली , डब्ल्यू. क्यू. डेंग, शेंग एच. वु, डोंग एम. वांग व एच.पी. हू	**Ganoderma leucocontextum** T.H. Li, W.Q. Deng, Sheng H. Wu, Dong M. Wang & H.P. Hu	130
गैनोडर्मा मेरेडीथियाइ अदसक. व गिल्ब.	**Ganoderma meredithiae** Adask. & Gilb.	130
गैस्ट्रोडिया इंडिका एम. खनाल	**Gastrodia indica** M. Khanal	17
गैस्ट्रोडिया सिक्किमेन्सिस एम. खनाल व एस. सरकार	**Gastrodia sikkimensis** M.Khanal & S. Sarkar	17
गेयरेलिया ब्राजीलेन्सिस पेलीजरी एम. सी. ऑलिवीरा व एन. एस. योकोवो	**Gayralia brasiliensis** Pellizzari M.C. Oliveira et N.S. Yokoya	90
जीसलेरिया ट्राइअन्डुलेटा पी. नायक, एम. ठक्कर व बी. कार्तिक	**Geissleria triundulata** P. Nayak, M. Thacker & B. Karthick	88
जेरहार्ड्शिया फोलीकोला (हर. तकह.) एन. एंडो, एस. उशिजिमा, नागास, सोटोम, नाकागिरी व एन. माएक	**Gerhardtia foliicola** (Har. Takah.) N. Endo, S. Ushijima, Nagas, Sotome, Nakagiri, and N. Maek	130

जाइगेन्टोक्लोआ देहरादूनियाना नैथानी	**Gigantochloa dehraduneana** Naithani	18
ग्लोब्बा कॉर्निकुलेटा वाई.रितु व वी.गौड़ा	**Globba corniculata** Y. Ritu & V. Gowda	18
ग्लोब्बा जानकियाइ वाई. रितु और वी. गौड़ा	**Globba janakiae** Y. Ritu & V. Gowda	18
ग्लोब्बा पश्चिमबेंगालेन्सिस वाई. रितु व वी. गौड़ा	**Globba paschimbengalensis** Y. Ritu & V. Gowda	19
ग्लोब्बा पॉलीमॉर्फा वाई. रितु व वी. गौड़ा	**Globba polymorpha** Y. Ritu & V. Gowda	19
ग्लोब्बा रहमानियाइ यूसुफ़	**Globba rahmanii** Yusuf	43
ग्लोबा तिरनाएन्सिस वाई. रितु व वी. गौड़ा	**Globba tyrnaensis** Y. Ritu & V. Gowda	19
ग्लोब्बा यादवियाना वाई. रितु व वी. गौड़ा	**Globba yadaviana** Y. Ritu & V. Gowda	20
ग्लोइओकैप्सा नोवासेकिआइ कोमारेक व एनाग्न.	**Gloeocapsa novacekii** Komárek & Anagn.	91
ग्लोरिओसा सिम्प्लेक्स लिनिअस	**Gloriosa simplex** L.	44
गॉम्फोस्टेमा अंडमानेन्सिस एल.जे. सिंह, एम.सी. नाइक, व जी.ए. एक्का	**Gomphostemma andamanensis** L.J. Singh, M.C. Naik, & G. A. Ekka	20
गोम्फस इंडिकस एस. सिंह, एस. कुमार, के. वर्मा व वाई.पी. शर्मा	**Gomphus indicus** S. Singh, S. Kumar, K. Verma & Y.P. Sharma	105
गोम्फस ज़ामोरिनोरम कृष्णप्रिया के. व टी.के.ए. कुमार	**Gomphus zamorinorum** Krishnapriya K. & T.K.A. Kumar	105
गोंग्रोनेमा शशिधरणियाइ रोबी, सलिश व वी.के. श्रीनिवास	**Gongronema sasidharanii** Robi, Salish & V.K. Sreenivas	20
गोस्वामिया बायोस्पोरा वैद्य, रविया व एच.के. गोस्वामी	**Goswamia bispora** Vadhiya, Raviya & H.K. Goswami	53
ग्रैफिस इमर्सा मुल.-आर्ग.	**Graphis emersa** Müll. Arg.	76
ग्रेटेलोयूपिआ प्रोलिफेरा जे. अगर्ध	**Grateloupia prolifera** J. Agardh	91
जाइएलिडिया फ्रिटज़ी (स्टीन) वेज़्दा	**Gyalidea fritzei** (Stein) Vězda	76
जिम्नोस्पोरिया ईमार्जिनेटा प्रभेद **कोरोमंडेलिका** एन. बालच. व पी. उमामाहेश्वरी	**Gymnosporia emarginata** var. **coromandelica** N. Balach. & P. Umamaheswari	36
हेबेलोमा हिमालयेन्स एस. राजपूत, शाइनी सिंह, महमूद व वाई.पी. शर्मा	**Hebeloma himalayense** S. Rajput, Shiny Singh, Mehmood & Y.P. Sharma	105
हेबेलोमा थियोब्रोमिनम क्वाड्र.	**Hebeloma theobrominum** Quadr.	131
हेलिक्राइसम एमोडि सुन्.सिंह, प्रकाश मेहता व अनंत कुमार	**Helichrysum emodi** Sun. Singh, Prakash Mehta & Anant Kumar	21
हेल्वेला इन्वोलुटा क्यू. झाओ, झु एल. यांग व के.डी. हाइड	**Helvella involuta** Q. Zhao, Zhu L. Yang & K.D. Hyde	131
हेन्केलिया अरुणाचलेन्सिस डी.बोरा, वी.साहनी व पर्टिन	**Henckelia arunachalensis** D. Borah, V. Sahani & Pertin	21
हेपिया कॉन्चीलोबा जाहलब्र.	**Heppia conchiloba** Zahlbr.	76
हेपिया सोलोराइनोइडीज (नाइल.) नाइल.	**Heppia solorinoides** (Nyl.) Nyl.	76
हर्मिनियम ह्यूमिडिकोला (के.वाई. लैंग व डी.एस. डेंग) एक्स.एच. जिन, शूट., रस्कोटी व एल.क्यू. हुआंग	**Herminium humidicola** (K.Y. Lang & D.S. Deng) X.H. Jin, Schuit., Raskoti & L.Q. Huang	44
हेटेरोपोगॉन रिचीई प्रभेद **ग्लैब्रम** पोटदार, तारबेज व एम.वाई. कांबले	**Heteropogon ritchiei** var. **glabrum** Potdar, Tarbej & M.Y. Kamble	37
हॉजसोनिया त्साई जे.वाई. शेन, एक्स.डी. मा, डब्ल्यू.जी. वांग व बी. पन्बिस	**Hodgsonia tsaii** J.Y. Shen, X.D. Ma, W.G. Wang & B. Panbis	44
होलेर्हेना परिषदियाइ वी. सुरेश, सोजान व अम्बिका	**Holarrhena parishadii** V. Suresh, Sojan & Ambika	21
हाइड्रोकोटाइल वर्टिसिलेटा थनब.	**Hydrocotyle verticillata** Thunb.	45
हाइग्रोसाइब पेलुसिडा के.पी.डी. लता व पी. हरिदेव	**Hygrocybe pellucida** K.P.D. Latha & P. Haridev	106
हाइपोडर्मा फ्लॉक्कोसम सी.एल. झाओ व क्यू.एक्स. गुआन	**Hyphoderma floccosum** C.L. Zhao & Q.X. Guan	131
हिस्टीरियम मैड्रासपटनम मनोगरन, कायलविझी व मुनुस्वामी	**Hysterium madraspatanum** Manogaran, Kayalvizhi & Munuswamy	106
इम्पेशिएन्स ब्रह्मगिरियाना सरवानन व कलियामूर्ति	**Impatiens brahmagiriana** Saravanan & Kaliamoorthy	21
इम्पेशिएन्स चेरुथोनिएन्सिस वी.एस.ए. कुमार व सिंधु आर्य	**Impatiens cheruthoniensis** V.S.A. Kumar & Sindhu Arya	22

इम्पेशिएन्स इडुक्कियाना वी.एस.ए. कुमार व सिंधु आर्या	**Impatiens idukkiana** V.S.A. Kumar & Sindhu Arya	22
इम्पेशिएन्स लॉन्गिकॉडा हर्ष सिंह व आशीष कुमार	**Impatiens longecauda** Harsh Singh & Aashish Kumar	22
इम्पेशिएन्स मिन्नमपाराएन्सिस सिंधु आर्य, अंबिका, एलेन एलेक्स, वी. सुरेश, सोजन व वी.एस.ए. कुमार	**Impatiens minnamparaensis** Sindhu Arya, Ambika, Alen Alex, V. Suresh, Sojan & V.S.A. Kumar.	22
इम्पेशिएन्स नियो-अन्सिनेटा वी.एस.ए. कुमार व सिंधु आर्य	**Impatiens neo-uncinata** V.S.A. Kumar & Sindhu Arya	23
आइनोस्पर्मा पवित्रम के.पी.डी. लता व पी. हरिदेव	**Inosperma pavithrum** K.P.D. Latha & P. Haridev	106
आइरिस लीवीगाटा फिश.	**Iris laevigata** Fisch.	45
इस्काइमम प्रसन्नाइ नागराजू, पमार्थी व आर.कुमार सिंह	**Ischaemum prasannae** Nagaraju, Pamarthi & R.Kr. Singh	23
आइसोइटीज भीमियाइ एम. पटेल व एच.के. गोस्वामी	**Isoetes bhimii** M. Patel & H.K. Goswami	53
आइसोइटीज पंतियाइ प्रभेद **जयदीपियाइ** एम. पटेल, एम.एन. रेड्डी व एच.के. गोस्वामी	**Isoetes pantii** var. **jaideepii** M. Patel, M.N. Reddy & H.K. Goswami	54
आइसोप्टेरिकोला हैलोऑरिअस प्रथाबन, एम., प्रथ्वीराज, आर., रविचंद्रन, एम. व अन्य	**Isoptericola haloaureus** Prathaban, M., Prathiviraj, R., Ravichandran, M. & al.	146
जैस्मीनम एडेनोफ़ाईलम उपजाति **सपरलाएन्से** रसिंगम, रंजना व सुष्मिता	**Jasminum adenophyllum** subsp. **saparlaense** Rasingam, Ranjana & Susmitha	34
कांजीलालिया संजप्पा व पुषालकर	**Kanjilalia** Sanjappa & Pusalkar	3
किर्श्टीनियोथेलिया अगुम्बेन्सिस ओ.पी. श्रुति व राजेशके	**Kirschsteiniothelia agumbensis** O.P. Sruthi & Rajeshk.	106
कुर्शिया मैग्नार्गिलेसिया (बोइडिन व गिल्स) करासिंस्की	**Kurtia magnargillacea** (Boidin & Gilles) Karasiński	131
लैक्टेरियस बेडियोसेंगुइनिअस काइहनर व रोमैग.	**Lactarius badiosanguineus** Kiihner & Romagn.	132
लैक्टेरियस क्रैसोस्टाइपज के. वर्मा, उनियाल, एस. सिंह व वाई.पी. शर्मा	**Lactarius crassostipes** K. Verma, Uniyal, S. Singh & Y.P. Sharma	107
लैक्टेरियस फ्लेवोकॉर्पस के. वर्मा, उनियाल, महमूद व वाई.पी. शर्मा	**Lactarius flavocorpus** K. Verma, Uniyal, Mehmood & Y.P. Sharma	107
लैक्टेरियस इंडोहिर्टाइपीज के. वर्मा, उनियाल व महमूद	**Lactarius indohirtipes** K. Verma, Uniyal & Mehmood	107
लैक्टेरियस पर्पुरियोकैस्टेनिअस एक्स.एच. वांग	**Lactarius purpureocastaneus** X.H. Wang	132
लैक्टेरियस शर्माई के. वर्मा, उनियाल व महमूद	**Lactarius sharmai** K. Verma, Uniyal & Mehmood	107
लीटिपोरस जिनजियांगेन्सिस जे. सॉन्ग, वाई.सी. दाई व बी.के. कुई	**Laetiporus xinjiangensis** J. Song, Y.C. Dai & B.K. Cui	132
लैम्बर्टेला डिप्टेरोकार्पेसिएरम पी.एन. सिंह, एस.के. सिंह व ए.सी. लागाशेट्टी	**Lambertella dipterocarpacearum** P.N. Singh, S.K. Singh & A.C. Lagashetti	108
लैक्सिटेक्सटम सबरुब्रम आर. साहा, ए. के दत्ता व के. आचार्य	**Laxitextum subrubrum** R. Saha, A.K. Dutta & K. Acharya	108
लेडेबोरिया हायासिन्थिना एफ. **रिकर्वटा** एस. दत्ता, के. चक्राल व एच. रोड्रिग्स	**Ledebouria hyacinthina** f. **recurvata** S. Dutta, K. Chakral & H. Rodrigues	38
लेडेबोरिया हायासिन्थिना प्रभेद **ऑबट्यूसेटा** एस. दत्ता, चकराल व एच. रोड्रिग्स	**Ledebouria hyacinthina** var. **obtusata** S. Dutta, Chakral & H. Rodrigues	37
लेपियोटा रुफोब्रुनिया एम. अहमद, ए.के. दत्ता, के. वर्मा व वाई.पी. शर्मा	**Lepiota rufobrunnea** M. Ahamed, A.K. Dutta, K. Verma & Y.P. Sharma	108
ल्यूकोएगैरिकस कर्जतिकस पी.बी. पाटिल, एन.पी. पाटिल, एस. चहर व एस. मौर्य	**Leucoagaricus karjaticus** P.B. Patil, N.P. Patil, S. Chahar & S. Maurya	109
लाइकेनोकोरा सोलेनोप्सोराइ वाइ. जोशी	**Lichenochora solenopsorae** Y. Joshi	109
लाइकेनोपेल्टेला लेप्टोजियाइ डियेडरिच	**Lichenopeltella leptogii** Diederich	132
लाइकेनोस्टिग्मा डाइमेलिनाइ कैलट. व हाफेलनर	**Lichenostigma dimelaenae** Calat. & Hafellner	133
लिपिंगझंगेला रावलियाइ नम्रता जिया, स्वपनिल कजाले, अंजली काळदाते, वर्मिरिन खुदई, भावुक गुप्ता, युक्ति ओजा व अविनाश शर्मा	**Lipingzhangella rawalii** Namrata Jiya, Swapnil Kajale, Anjali Kaldate, Wormirin Khudai, Bhavuk Gupta, Yukti Oza & Avinash Sharma	146
लिटसिया वागामोनिका रोबी व रेवथि वी.	**Litsea vagamonica** Robi & Revathy V.	23

मैल्मीडिया बेसिडिनोइडीज (ल्यूकिंग) काल्ब व ल्यूकिंग	**Malmidea bacidinoides** (Lücking) Kalb & Lücking	77
माल्मिडिया फेनिसिस (वैन.) काल्ब, रिवस प्लाटा व लुम्बश	**Malmidea fenicis** (Vain.) Kalb, Rivas Plata & Lumbsch	77
माल्मिडिया ग्लैब्रोमार्जिनेटा आर. अधिकारी, एस. जोसेफ व नायक	**Malmidea glabromarginata** R. Adhikari, S. Joseph & Nayaka	109
माल्मिडिया ग्लोबोसा आर. अधिकारी व नायक	**Malmidea globosa** R. Adhikari & Nayaka	66
मैल्मीडिया गाइएलेक्टोइडीज (वैन.) काल्ब व ल्यूकिंग	**Malmidea gyalectoides** (Vain.) Kalb & Lücking	77
माल्मिडिया इनक्रैस्टिस्पोरा आर. अधिकारी, एस. जोसेफ व नायक	**Malmidea incrassatispora** R. Adhikari, S. Joseph & Nayaka	66
माल्मिडिया कल्बियाइ आर. अधिकारी व नायक	**Malmidea kalbii** R. Adhikari &Nayaka	66
माल्मिडिया लेप्टोलोमा (मुल. आर्ग.) कल्ब व ल्यूकिंग	**Malmidea leptoloma** (Müll. Arg.) Kalb & Lücking	77
माल्मिडिया ल्यूटिया आर. अधिकारी, इंग्ले व नायक	**Malmidea lutea** R. Adhikari, Ingle & Nayaka	67
माल्मिडिया पालघाटेन्सिस आर. अधिकारी व नायक	**Malmidea palghatensis** R. Adhikari & Nayaka	67
माल्मिडिया पाइयाइ (काल्ब) काल्ब	**Malmidea piae** (Kalb) Kalb	78
माल्मिडिया पाइपेरिना (ज़हलब्र.) एप्टरूट व ब्रूस	**Malmidea piperina** (Zahlbr.) Aptroot & Breuss	78
माल्मिडिया रियूनियोनिस काल्ब	**Malmidea reunionis** Kalb	78
माल्मिडिया रूब्रा आर. अधिकारी व नायक	**Malmidea rubra** R. Adhikari & Nayaka	67
माल्मिडिया सबइंडिका आर. अधिकारी व नायक	**Malmidea subindica** R. Adhikari & Nayaka	68
माल्मिडिया सल्फ्यूरियोसोरेडिएटा एम. कैसरेस, डी.ए. मोटा व एप्टरूट	**Malmidea sulphureosorediata** M. Cáceres, D.A. Mota & Aptroot	79
माल्मिडिया उप्रेतियाइ आर. अधिकारी, इंग्ले व नायक	**Malmidea upretii** R. Adhikari, Ingle & Nayaka	68
माल्मिडिया वेरुकोसा आर. अधिकारी, आर. नगांगोम व नायक	**Malmidea verrucosa** R. Adhikari, R. Ngangom & Nayaka	68
माल्मिडिया वाइनोसा (एस्चव.) काल्ब, रिवास प्लेटा व लुम्बश	**Malmidea vinosa** (Eschw.) Kalb, Rivas Plata & Lumbsch	79
मैटिरोलोमाइसिस स्पाइनोसस (हार्कन.) कोवाक्स, ट्रैपी व अलशेख	**Mattirolomyces spinosus** (Harkn.) Kovács, Trappe & Alsheikh	133
मैजीडियोथीसियम केयबुलेन्से नुसरत व पिनोकियो	**Mazaediothecium keibulense** Nusrat & Pinokiyo	69
मैजस मोटुओएन्सिस डब्ल्यू.बी. जू, बो जू बिस व एक्स.एफ. गाओ	**Mazus motuoensis** W.B. Ju, Bo Xu bis & X.F. Gao	45
मेगाकैपिटुलेसी राजेशक., श्रुति ओपी, होंगसनान, जीवोन, करुणा व हरिक	**Megacapitulaceae** Rajeshk., Sruthi OP, Hongsanan, Jeewon, Karuna, Harik	97
मेगास्पोरोपोरिया तमिलनाडुएन्सिस के. केजो, एम. कलियापेरूमल, एस. गुणसीलन, ज़्यू डब्ल्यू. वांग व एल.डब्ल्यू. झाउ	**Megasporoporia tamilnaduensis** K. Kezo, M. Kaliyaperumal, S. Gunaseelan, Xue W. Wang & L.W. Zhou.	109
मेलियोला होलैरीनिकोला डेइटन	**Meliola holarrhenicola** Deighton	133
मेनोइडियम ट्रेमूलम स्क्वॉर्टजोव	**Menoidium tremulum** Skvortzov	91
मेन्था चौजूनेन्सिस ए.एच. गनी, तजामुल इस्लाम व ए.ए. खुरू	**Mentha choujunensis** A.H. Ganie, Tajamul Islam & A.A. Khuroo	24
मेटुलोइडिया इम्ब्रीकेटा आर. साहा, ए.के. दत्ता व के. आचार्य	**Metuloidea imbricata** R. Saha, A.K. Dutta & K. Acharya	110
माइक्रोकाइरिटा काराकेटी डी.जे. मिडलटन व ट्राइबॉन	**Microchirita karaketii** D.J. Middleton & Triboun	46
म्यूक्यूना चैम्पियनियाइ बेन्थ.	**Mucuna championii** Benth.	46
मर्डानिया स्पाइरेटा उपजाति **नेग्लेक्टा** नंदीकर	**Murdannia spirata** subsp. **neglecta** Nandikar	34
म्यूजा ब्रैक्टिएटा एस.एस. सिंह, गजूरेल व टैड	**Musa bracteata** S.S. Singh, Gajurel & Taid	24
म्यूजा सियांगेन्सिस टैड, एस.एस. सिंह व गजुरेल	**Musa siangensis** Taid, S.S. Singh & Gajurel	24
मिरियोलेसिस डिस्पर्सा (पर्स.) स्लिवा, झाओ जिन व लमबश	**Myriolecis dispersa** (Pers.) Śliwa, Zhao Xin & Lumbsch	79
मिरियोट्रेमा क्लासिकम ल्यूकिंग	**Myriotrema classicum** Lücking	79
नीमैटेलिया एन्सेफ्लोइडिया ए. थॉमस व टी.के.ए. कुमार	**Naematelia encephaloidea** A. Thomas & T.K.A. Kumar	110
नियोट्रॉपिकोम्स इंडिकस एस. नानू व टी.के.ए. कुमार	**Neotropicomus indicus** S. Nanu & T.K.A. Kumar	110
निओटिया बाइकैलोसा एक्स. एच. जिन	**Neottia bicallosa** X.H. Jin	46

नर्विलिया सिम्प्लेक्स प्रभेद **हिमाचलेन्सिस** रिमझिम सी. व के. गोगोई	**Nervilia simplex** var. **himachalensis** Rimjhim C. & K. Gogoi	37
निग्रोहिर्शिओपोरस वायलेसीरूलिअम आर. साहा, ए. के. दत्ता व के. आचार्य	**Nigrohirschioporus violacaeruleum** R. Saha, A.K. Dutta & K. Acharya	110
नॉस्टोक ब्रेवी नरेश कुमार व प्रश. सिंह	**Nostoc breve** Naresh Kumar & Pras. Singh	89
नॉस्टोक कोरिऐसियम नरेश कुमार व प्रश. सिंह	**Nostoc coriaceum** Naresh Kumar & Pras. Singh	89
नॉस्टोक ग्लोबोसम नरेश कुमार व प्रश. सिंह	**Nostoc globosum** Naresh Kumar & Pras. Singh	89
नॉस्टोक जम्मूएन्स नरेश कुमार व प्रश. सिंह	**Nostoc jammuense** Naresh Kumar & Pras. Singh	89
ओबेरोनिया मर्णकुलीएन्सिस श्रेयस व कोत्रेशा	**Oberonia marnkuliensis** Shreyas & Kotresha	24
ओक्राडेनस लखपतेन्सिस पटेल आर.एम. व प्रजापति एस.आर.	**Ochradenus lakhpatensis** Patel RM & Prajapati SR	25
ईडोक्लेडियम सह्याद्रिकम जी.जे. मेरिन, वी.पी. थॉमस व टी.टी.बिनॉय	**Oedocladium sahyadricum** G.J. Merin, V.P. Thomas & T.T. Binoy	89
इडोगोनियम साऐथिजेरम रुप **ओर्नेटम** हिर्न	**Oedogonium cyathigerum** f. **ornatum** Hirn	94
ईडोगोनियम मिरैन्ड्रियम स्कूजा	**Oedogonium mirandrium** Skuja	91
ऊकार्डियम कॉर्बेटेन्सिस शर्मा, टोप्पो, राठा व गुप्ता	**Oocardium corbettensis** Sharma, Toppo, Ratha & Gupta	90
ओफियोकॉर्डिसेप्स मेलोलॉन्थाइ (तुल. व सी.तुल.) जी.एच. सुंग, जे.एम.सुंग, ह्यवेल-जोन्स व स्पैटाफोरा	**Ophiocordyceps melolonthae** (Tul. & C. Tul.) G.H. Sung, J.M. Sung, Hywel-Jones & Spatafora	133
ओटेलिया अल्विफोलिया (प्लैंचोन) वाल्पर्स	**Ottelia ulvifolia** (Planchon) Walpers	46
ऑक्सिट्रॉपिस गुन्टेन्सिस बी. फेडत्स.	**Oxytropis guntensis** B. Fedtsch.	47
ऑक्सिट्रॉपिस कांसुएन्सिस बंज	**Oxytropis kansuensis** Bunge	47
ऑक्सिट्रॉपिस मैलोर्याना डन	**Oxytropis malloryana** Dunn	47
ऑक्सिट्रॉपिस मेलेनोकैलिक्स बंज	**Oxytropis melanocalyx** Bunge	47
पैलिडोहिर्शिओपोरस ब्रास्टागियाइ (कॉर्नर) वाई.सी. दाई, युआन युआन व मेंग झोउ	**Pallidohirschioporus brastagii** (Corner) Y.C. Dai, Yuan Yuan & Meng Zhou	134
पैराहेलेनिया मिज़ोरमेन्सिस लालफाक्वामा, एस.डी. खोमद्रम व एस.डी. यमखाम	**Parahellenia mizoramensis** Lalfakawma, S.D. Khomdram & S.D. Yumkham	25
पैराहेलेनिया एन.एच. ज़िया, जुआन चेन, एल.वाई. ज़ेंग व एस. जिन ज़ेंग	**Parahellenia** N.H. Xia, Juan Chen, L.Y. Zeng & S. Jin Zeng	38
पार्नेशिया तीस्ता डी. मैती, एस. साहा, ए. बनर्जी, ए. के. हलदर, जे. घोष, मिड्डे, मानसी मंडल व एम. डी. द्विवेदी	**Parnassia teesta** D.Maity, S.Saha, A.Banerjee, A.K.Halder, J.Ghosh, Midday, Manasi Mandal & M.D.Dwivedi	25
पार्थेनोसिसस शशियाइ एंटो व निम्मी	**Parthenocissus sasii** Anto & Nimmi	26
पेलियोसेन्थीज महेश्वरियाना डी.बोरा, एन.तनाका व ताराम	**Peliosanthes maheswariana** D.Borah, N.Tanaka & Taram	26
पेल्टुला बोलेन्डरी (टक.) वेटमोर	**Peltula bolanderi** (Tuck.) Wetmore	80
पेल्टुला ब्राजीलिएन्सिस (जाहलब्र.) ब्यूडेल, कौफ व बचरन	**Peltula brasiliensis** (Zahlbr.) Büdel, Kauff & Bachran	80
पेल्टुला कैटैरैक्टिआइ (ब्यूडेल व सेरुसिऑक्स) ब्यूडेल, कौफ व बचरन	**Peltula cataractae** (Büdel & Sérusiaux) Büdel, Kauff & Bachran	80
पेल्टुला पॉलीफाइला क्यू.एक्स. यांग व एक्स.एल. वी	**Peltula polyphylla** Q.X. Yang & X.L. Wei	80
पेल्टुला शेलियाइ कुमार, भंडारी व फलसवाल	**Peltula shalae** Kumar, Bhandari & Falswal	69
पेल्टुला सोनोरेन्सिस ब्यूडेल व टी.एच. नाश	**Peltula sonorensis** Büdel & T.H. Nash	80
पेट्रोकॉस्मिया अरुणाचलेन्से चाउलू व ए. शेनॉय	**Petrocosmea arunachalense** Chowlu & A. Shenoy	26
पेउसिडेनम वसुदेवनियाइ के.एम.पी. कुमार, रामप्रदीप, हरीश, जबीना व माया	**Peucedanum vasudevanii** K.M.P.Kumar, Rampradeep, Hareesh, Jabeena & Maya	27
फैकस कोरकुलम पोकमैन	**Phacus corculum** Pochmann	92
फियोफाइसिया हिर्टुओसा (क्रेम्प) एशल.	**Phaeophyscia hirtuosa** (Kremp.) Essl.	81
फियोफाइसिआ इनसिग्निस (मेरेश्क.) मोबर्ग	**Phaeophyscia insignis** (Mereschk.) Moberg	81

फियोफाइसिया लेसिनिएटा एशल.	**Phaeophyscia laciniata** Essl.	81
फियोफाइसिया नाशियाइ एशल.	**Phaeophyscia nashii** Essl.	82
फियोफाइसिया रुब्रोपुलक्रा (डीगेल.) एशल.	**Phaeophyscia rubropulchra** (Degel.) Essl.	82
फ्लेबिया विरिडेसेलेब्रोसम जे.एरिक्स. व हॉर्टस्टैम	**Phlebia viridesalebrosum** J. Erikss. & Hjortstam	134
फ्लेबियॉप्सिस ग्राइसियोफस्केसेन्स (रिचड्ट) नकसोने व एस.एच. हे	**Phlebiopsis griseofuscescens** (Reichardt) Nakasone & S.H. He	134
फ्लेगमेसिअम बाल्टिएटोक्यूमेटाइल (रॉब. हेनरी के बाद पी.डी. ओर्टन) निस्कानेन व लीमट.	**Phlegmacium balteatocumatile** (Rob. Henry ex P.D. Orton) Niskanen & Liimat.	134
फ्लोगेकैंथस सुधांशुशेखरियाइ आर.मैती व एस.गोस्वामी	**Phlogacanthus sudhansusekharii** R. Maity & S. Goswami	27
फ्थिरोस्पर्मम लुशाईयोरम आर.सेनगुप्ता व एस.एस. दास	**Phtheirospermum lushaiorum** R. Sengupta & S.S. Dash	27
फाइलोपोरिया पर्वतेया एम. कलियापेरुमल व एस. गुणसीलन	**Phylloporia parvateya** M. Kaliyaperumal & S. Gunaseelan	111
फाइलोस्पोरा फियोफाइसिआई पी. मौर्य, जी.के. मिश्र व डी.के. उप्रेती	**Phyllopsora phaeophysciae** P. Maurya, G.K. Mishra & D.K. Upreti	69
फाइसेलिस प्यूबीसेन्स एल.	**Physalis pubescens** L.	48
फाइजोडोन्शिया लुंडेलियाइ राइवार्डन व एच.सोलहेम	**Physodontia lundellii** Ryvarden & H.Solheim	135
प्लैजिओचीला पोनमुडियाना ए.ई.डी. डेनियल्स व एस.आर. ऐश्वर्या	**Plagiochila ponmudiana** A.E.D. Daniels & S.R. Aishwarya	57
प्लैजिओचीला सिरुमलाईयाना ए.ई.डी. डेनियल्स व जेड एच विलियम्स	**Plagiochila sirumalaiana** A.E.D. Daniels & Z.H. Williams	57
प्लैजिओचीला स्क्वैमुलोस्स उपजाति **टैमास-पॉक्सियाइ** सजिथा, मंजू व रावत	**Plagiochila squamulosa** subsp. **tamas-pocsii** Sajitha, Manju & Rawat	58
प्लूटिअस चिम्मिनिएन्सिस वी. कीर्ति व सी.के. प्रदीप	**Pluteus chimminiensis** V. Keerthi & C.K. Pradeep	111
प्लूटिअस फस्किप्रूइनेटस वी. कीर्ति व सी.के. प्रदीप	**Pluteus fuscipruinatus** V. Keerthi & C.K. Pradeep	111
प्लूटिअस पारवुलस वी. कीर्थि, सेवसिकोवा व सी. के. प्रदीप	**Pluteus parvulus** V. Keerthi, Ševčíková & C.K. Pradeep	112
प्लूटिअस पॉक्सिलस वी. कीर्थि व सी.के. प्रदीप	**Pluteus pauxillus** V. Keerthi & C.K. Pradeep	112
पोआ डायफोरा प्रभेद **ऐल्पाइना** (बोइश.) सोरेंज, कैबी व एल.जी. गिलेस्पी	**Poa diaphora** var. **alpina** (Boiss.) Soreng, Cabi & L.J. Gillespie	50
पोआ साचेन्सिस पी. अग्निहोत्री, संगम शर्मा व डी. प्रसाद	**Poa sachensis** P. Agnihotri, Sangam Sharma & D. Prasad	28
पोगोनेटम कैपेन्से (हैम्पे) ई. जईगर	**Pogonatum capense** (Hampe) A. Jaeger	59
पॉलीकॉकम अकसोयी हलीसी व वी. एटिएन्ज़ा	**Polycoccum aksoyi** Halıcı & V. Atienza	135
पॉलीकॉकम इवाइ कैलट. व वी.जे. रिको	**Polycoccum evae** Calat. & V.J. Rico	135
पॉलीकॉकम करनेरी जे. स्टीनर	**Polycoccum kerneri** J. Steiner	136
पॉलीगोनम चतुर्भुजेनम के.सी. मोहन	**Polygonum chaturbhujanum** K.C. Mohan	28
पोराइना एहलेसियान (कोर्ब.) जाहल्ब्र.	**Porina ahlesiana** (Körb.) Zahlbr.	82
पॉज़ोल्ज़िया फ्रीसियाइ ए. गुप्ता व वी. वाघ	**Pouzolzia friisii** A. Gupta & V. Wagh	28
सैमोगिटॉन हिर्सुटस भेल्लम व मगोत्रा	**Psammogeton hirsutus** Bhellum & Magotra	28
सैमोगिटॉन रानियाइ-मगोत्राइ भेल्लम	**Psammogeton raniae-magotrae** Bhellum	29
स्यूडोफोमिटॉप्सिस फस्का आर. साहा, ए.के. दत्ता व के. आचार्य	**Pseudofomitopsis fusca** R. Saha, A.K. Dutta & K. Acharya	112
स्यूडोपाइरेनुला हिमालयाना इंग्ले, नायक व उप्रेती	**Pseudopyrenula himalayana** Ingle, Nayaka & Upreti	70
स्यूडोपाइरेनुला मेगास्पोरा इंग्ले, नायक व उप्रेती	**Pseudopyrenula megaspora** Ingle, Nayaka & Upreti	70
सोरा क्रेनेटा (टेयलर) रींके	**Psora crenata** (Taylor) Reinke	83
टेरोब्रायोप्सिस सिहेइयाना ए.ई.डी. डेनियल्स व एस. अथिरा	**Pterobryopsis siheiana** A.E.D. Daniels & S. Athira	57
पाइरीनूला ऐल्बोथैलाइना (वैन.)	**Pyrenula albothallina** Vain.	83
रैमेरिया स्यूडोविनोसिमैकुलेन्स पी.आर. विश्वास एवं ए.के. दत्ता	**Ramaria pseudovinosimaculans** P.R. Biswas & A.K. Dutta	112
रेटिबोलेटस फस्कस (होंगो) एन.के. ज़ेंग व झू एल. यांग	**Retiboletus fuscus** (Hongo) N.K. Zeng & Zhu L. Yang.	136

राइजोकीट सल्फयूरिना (पी. कार्स्ट.) के.एच. लार्श.	**Rhizochaete sulphurina** (P. Karst.) K.H. Larss.	136
राइजोचैट वायोलासेंस (फ्रायस) के. एच. लैरस	**Rhizochaete violascens** (Fr.) K.H. Larss.	137
रोडोपाइरेलुला हैलोड्यूलाइ श्रेया व अन्य	**Rhodopirellula halodulae** Sreya & al.	147
रिक्सिया एट्रोमार्जिनेटा लेवियर	**Riccia atromarginata** levier	60
रोमजूलेरिया ल्यूरिडा (ऐक.) टिम्डल	**Romjularia lurida** (Ach.) Timdal	83
रोमजूलेरिया टिम्डल	**Romjularia** Timdal	71
रोजा अहरबलेन्सिस आई.ए. वानी, के. सिंह व गैरोला	**Rosa aharbalensis** I.A. Wani, K. Singh & Gairola	29
रोजेलिनुला हैप्लोस्पोरा (नाइल.) आर. सेंट	**Rosellinula haplospora** (Nyl.) R. Sant.	137
रोटेला कोंकणेन्सिस अरुण प्र., चंदोरे व सरदेसाई	**Rotala konkanensis** Arun Pr., Chandore & Sardesai	29
रुब्रोबोलेटस कुआन झाओ व झु एल.यांग	**Rubroboletus** Kuan Zhao & Zhu L. Yang	120
रसुला औरेन्शियोक्यूटिस मिशेलिन व ई. कैम्पो	**Russula aurantiocutis** Michelin & E. Campo	137
रसुला ब्रुनियोऔरेन्टिएका ए.के. दत्ता, एन. रॉय व वेपीह	**Russula brunneoaurantiaca** A.K. Dutta, N. Roy & Beypih	113
रसुला वाइनोसोब्रुन्नियोला जी.जे. ली व आर.एल. झाओ	**Russula vinosobrunneola** G.J. Li. & R. L. Zhao	137
सागिना नीलगिरिका ए. सुब्रम. व माया	**Sagina nilagirica** A. Subram. & Maya	29
स्कैपेनिया भूटानेन्सिस अमाक.	**Scapania bhutanensis** Amak.	60
स्कैपेनिया कार्ल–म्यूलेरी ग्रोल्ल, एर्गबन, फोर्श.	**Scapania karl-muelleri** Grolle, Ergebn, Forsch.	60
स्क्लेरोडर्मा यून्नानेन्से वाई.वांग	**Scleroderma yunnanense** Y. Wang	138
स्कूटुला मिलिऐरिस (वालर.) ट्रेविस.	**Scutula milliaris** (Wallr.) Trevis.	138
सेबेसिना स्पॉन्जीकार्पा ए. थॉमस व टी.के.ए. कुमार	**Sebacina spongicarp**a A. Thomas & T.K.A. Kumar	113
सीमेटोफाइलम सबस्ट्रुमुलोसम (हैम्पे) ई. ब्रिटॉन	**Sematophyllum substrumulosum** (Hampe) E. Britton	61
सेनेसियो अंजनेरिकस जेसवानी, एस.आर.यादव व लेखक	**Senecio anjanericus** Jeswani, S.R.Yadav & Lekhak	30
सेनेसियो सिस्पारेन्सिस पी. मुरुगन, बी. कार्तिक, मुरुग. व मुरुगन	**Senecio sisparensis** P. Murugan, B. Karthik, Murug. & Murugan	30
सेनेगैलिया अजया आलम व लोखो	**Senegalia ajaya** Alam & Lokho	30
सिलीन होल्स्टीफोलिआ बोक्केट व केटर	**Silene holosteifolia** Bocquet & Chater	48
सिंगेरोसाइब ऐल्बोइनफंडिबुलिफॉर्मिस (श्योक, यांग एस. किम, के.एम. पार्क, डब्ल्यू.जी. किम, के.एच. यू व आई.सी. पार्क) झू एल. यांग, जे. किन व हर.तकह.	**Singerocybe alboinfundibuliformis** (Seok, Yang S. Kim, K.M. Park, W.G. Kim, K.H. Yoo & I.C. Park) Zhu L. Yang, J. Qin & Har. Takah.	138
सिंगेरोसाइब हर्मजा	**Singerocybe** Harmaja	120
सिस्टोट्रेमा कोरोनिफेरम (होहन. और लिश्च.) डी.पी. रोजर्स व एच.एस. जैक	**Sistotrema coroniferum** (Höhn. & Litsch.) D.P. Rogers & H.S. Jacks	139
स्माइलेक्स बोर्नीन्सिस ए.डी.सी.	**Smilax borneensis** A.DC.	48
सोलेनोस्पोरा राइजोमॉर्फा ए. क्राइस्टी, सेक्युएरा व एस. जोसेफ	**Solenopsora rhizomorpha** A. Christy, Sequiera & S. Joseph	70
सोनचस पैलूस्ट्रिस लिनिअस	**Sonchus palustris** Linnaeus	48
सोनेरिला अंचुरुलिका जे. मैथ्यू	**Sonerila anchurulica** J. Mathew	31
स्फीरेलोथिसिअम पेराइटिनेरिअम (लिंड्स.) हाफेलनर व वोल्क. जॉन	**Sphaerellothecium parietinarium** (Linds.) Hafellner & Volk. John	139
स्फीरेलोथेसियम पार्मोट्रिमैटिस वान डेन बूम	**Sphaerellothecium parmotrematis** van den Boom	139
स्फीरोप्लिया विलमैनिआइ फ्रित्श व रिच	**Sphaeroplea wilmanii** Fritsch & Rich	92
स्प्यूमेला ब्यूचैम्पिआइ (होवासे) पी.सी. सिल्वा	**Spumella beauchampii** (Hovasse) P.C. Silva	92
स्टीलारिया बेंगालेन्सिस सिंधु आर्य व हर्ष सिंह	**Stellaria bengalensis** Sindhu Arya & Harsh Singh	31
स्टीलारिया मैक्लिन्टॉकियाइ वी.एस.ए. कुमार, सिंधु आर्य, वी. सुरेश, सोजन व एलेन एलेक्स	**Stellaria mcclintockiae** V.S.A. Kumar, Sindhu Arya, V. Suresh, Sojan & Alen Ale	31

स्टिग्मिडिअम बुईलियाइ प्रभेद **थैलाइनम** वाइ. जोशी	**Stigmidium buelliae** var. **thallinum** Y. Joshi	118
स्टिग्मिडियम रमलिनाइ (मुल. आर्ग.) एटेयो और डियेडरिच	**Stigmidium ramalinae** (Müll. Arg.) Etayo & Diederich	140
स्टिग्मिडिअम सोलेनोप्सोरिकोला प्रभेद **एपोथीसियोरम** वाइ. जोशी	**Stigmidium solenopsoricola** var. **apotheciorum** Y. Joshi	119
स्ट्रिएटिकोनिडियम केफ्रिएन्स राजेश के., ओ.पी. श्रुति, एस.के. अष्टमूर्थी व के.वी. शंकरन	**Striaticonidium kfriense** Rajeshk., O.P. Sruthi, S.K. Ashtamoorthy & K.V. Sankaran	113
स्ट्रोबिलेन्थीज सियांगेंसिस जे.आर.आई.वुड, गामी व डी.बोरा	**Strobilanthes siangensis** J.R.I.Wood, Gammi & D. Borah	32
स्टाइपोपोडियम कुट्ज	**Stypopodium** Kütz.	90
स्टाइपोपोडियम जोनेल (जे.वी.लेमॉर.) पापेन एफ.	**Stypopodium zonale** (J.V. Lamour.) Papen f.	92
सुटोरिअस एप्लयूरोसिस्टिडिएटस के. दास, सु. दत्ता, ए. घोष व विज़िनी	**Sutorius apleurocystidiatus** K. Das, Su. Datta, A. Ghosh & Vizzini	114
स्वर्शिया जयंतियाइ अंबेर श्रीवास्त. व खुराईजाम	**Swertia jayantii** Amber Srivast. & Khuraijam	32
स्वर्शिया काश्मीरेन्सिस उपजाति **डारियाइ** तजामुल इस्लाम, बिलाल ए. रसरे व अंजार ए. खुर	**Swertia kashmirensis** subsp. **darii** Tajamul Islam, Bilal A. Rasray & Anzar A. Khuroo	35
स्वर्शिया स्यूडोहूकरी हैरी स्मि.	**Swertia pseudohookeri** Harry Sm.	49
साइनेमेलिसिया पुणेन्सिस के.एस. पवार, पी.एन. सिंह, एस.के. सिंह	**Synnemellisia punensis** K.S. Pawar, P.N. Singh, S.K. Singh	114
टैरैक्सेकम इंटेग्रिफोलिअम समीर पाटिल व सुशील के. सिंह	**Taraxacum integrifolium** Sameer Patil & Sushil K.Singh	32
टैरैक्सेकम नीलगिरिकम समीर पाटिल व सुशील के. सिंह	**Taraxacum nilgiricum** Sameer Patil & Sushil K. Singh	33
टेरेना चार्ल्सियाइ एस. माया व सुनीलक	**Tarenna charlesii** S. Maya & Sunilk.	33
टेरेना इडुक्कियाना रॉबी व बालन	**Tarenna idukkiana** Robi & Balan	33
टेलोस्मा प्रोकम्बेन्स (ब्लैंको) मेर.	**Telosma procumbens** (Blanco) Merr.	49
थलाशोस्पाइरोकीटा प्रज्ञा व अन्य	**Thalassospirochaeta** Pragya and al.	145
थलाशोस्पाइरोकीटा सारगैसी प्रज्ञा व अन्य	**Thalassospirochaeta sargassi** Pragya and al.	147
टोमेन्टेला एलुटेसियोअम्ब्रिना (बर्स.) बॉर्डोट व गाल्ज़िन	**Tomentella alutaceoumbrina** (Bers.) Bourdot & Galzin	140
टोमेन्टेला फस्कोसिनेरिया (पर्स.:फ्र.) डोन्क	**Tomentella fuscocinerea** (Pers.: Fr.) Donk	140
टोमेन्टेला पिलाटियाइ लिट्श	**Tomentella pilatii** Litsch.	141
टोमेन्टेलोप्सिस इकाइनोस्पोरा (एलिस) हजोर्टस्टैम	**Tomentellopsis echinospora** (Ellis) Hjortstam	141
टोमेन्टेलोप्सिस प्यूसिला हजोर्टस्टैम	**Tomentellopsis pusilla** Hjortstam	141
टोरुला कण्वाइ जी. गोरे, आर. अवचर, डी. शेल्के, एच. सोनावने व डी. धोत्रे	**Torula kanvae** G. Gore, R. Avchar, D. Shelke, H. Sonawane & D. Dhotre	114
ट्रेकोलोमोनास कॉर्निफॉर्मिस वाइ. वी. रोल	**Trachelomonas corniformis** Y.V. Roll	93
ट्रेकोलोमोनास क्रिस्पा बलेच	**Trachelomonas crispa** Balech	93
ट्रेकोलोमोनास हिर्टा प्रभेद **डुप्लेक्स** डिफ्लैंड्रे	**Trachelomonas hirta** var. **duplex** Deflandre	94
ट्रेकोलोमोनास नैडसनिआइ स्क्वॉर्तजोव	**Trachelomonas nadsonii** Skvortzov	93
ट्रेकोलोमोनास पुल्चेला ड्रेजेपॉल्सकि	**Trachelomonas pulchella** Drezepolski	93
ट्रेकोलोमोनास रुगुलोसा प्रभेद **ऑब्लिकुआ** बॉरेली	**Trachelomonas rugulosa** var. **obliqua** Bourrelly	94
ट्रेकिपोडॉप्सिस फॉर्मोसेना नोग.	**Trachypodopsis formosana** Nog.	61
ट्रेकिपोडॉप्सिस नॉरमैंडियाइ (ब्रोथ. व पैरिस) एम. फ्लीश.	**Trachypodopsis normandii** (Broth. & Paris) M. Fleisch.	61
ट्रेमेला सैरंध्रियाना ए. थॉमस व टी.के.ए. कुमार	**Tremella sairandhriana** A. Thomas & T.K.A. Kumar	115
ट्राइकोलोमा ओलिवेसिअम रेश्के, पोपा, झू एल. यांग व जी. कोस्ट	**Tricholoma olivaceum** Reschke, Popa, Zhu L. Yang & G. Kost	142
ट्राइकोसेन्थीज स्कैब्रा लौर.	**Trichosanthes scabra** Lour.	49
ट्राइपोगोन सालुंखेइ गोसावी, माधव व चंदोर	**Tripogon salunkhei** Gosavi, Madhav & Chandore	33
ट्रॉपिकोपोरस क्लाइस्टेन्थिकोला एस. गुणसीलन व एम. कलियापेरुमल	**Tropicoporus cleistanthicola** S. Gunaseelan & M. Kaliyaperumal	115

ट्रॉपिकोपोरस मैरिटाइमस एन. चेल्लपन, वी. वासन व एम. कलियापेरुमल	**Tropicoporus maritimus** N. Chellapan, V. Vasan & M. Kaliyaperumal	115
ट्रॉपिकोपोरस नटराजनियाइ एम. कलियापेरुमल, एस. गुणसीलन, के. केजो, ज्यू डब्ल्यू. वांग व एल.डब्ल्यू. झौ	**Tropicoporus natarajaniae** M. Kaliyaperumal, S. Gunaseelan, K. Kezo, Xue W. Wang & L.W. Zhou	116
ट्रॉकिकोपोरस पेन्नईन्सिस एस. गुणसीलन व एम. कलियापेरुमल	**Tropicoporus pannaensis** S. Gunaseelan & M. Kaliyaperumal	116
ट्रॉपिकोपोरस सुब्रमणियाइ एस. गुणसीलन, एम. कलियापेरुमल, के. केजो, ज्यू डब्ल्यू. वांग व एल.डब्ल्यू. झौ	**Tropicoporus subramaniae** S. Gunaseelan, M. Kaliyaperumal, K. Kezo, Xue W. Wang & L.W. Zhou.	116
ट्यूबेरिया आर्मीनिआका चौधरी, उनियाल व वाई.पी. शर्मा	**Tubaria armeniaca** Choudhary, Uniyal & Y.P. Sharma	117
ट्यूबुलिक्रिनिस सिंक्टस जी. कन.	**Tubulicrinis cinctus** G. Cunn.	142
टाइलोपाइलस एट्रोवायोलेसियोब्रुनेनस यान सी. ली व झू एल. यांग	**Tylopilus atroviolaceobrunneus** Yan C. Li & Zhu L. Yang	142
टाइलोपाइलस परप्यूरियस एस. नानू व टी.के.ए. कुमार	**Tylopilus purpureus** S. Nanu & T.K.A. Kumar	117
यूरिबैसिलस ऐक्यूएडल्सिस अमित यादव, रूची तेवरे, अग्रिमा भट्ट, यश भावसर, आकांक्षा मौर्य, विपूल थोरट, वेंकट रमन वेमुलुरी व किरण किर्डट	**Ureibacillus aquaedulcis** Amit Yadav, Ruchi Teware, Agrima Bhatt, Yash Bhavsar, Akanksha Maurya, Vipool Thorat, Venkata Ramana Vemuluri & Kiran Kirdat	147
वैन्डा लॉन्गिटेपाला डी.एल. रॉबर्ट्स, एल.एम. गार्डिनर व मोट्स	**Vanda longitepala** D.L. Roberts, L.M. Gardiner & Motes	50
विन्सेटॉक्सिकम हुकरियनम प्रभेद **सुनीलाइ** डी. वीरंजनेयुलु, एम. राम मोहन व जी. रवि	**Vincetoxicum hookerianum** var. **suneelae** D. Veeranjaneyulu, M. Ram Mohan & G. Ravi	37
वीशिया केरलेन्सिस ए.ई.डी. डेनियल्स व एस. अथिरा	**Weissia keralensis** A.E.D. Daniels & S. Athira	58
विकरहैमिएला लैकेन्सी एफ.ए. रामेश्वर अवचर, गार्गी गिरि, लकी ठक्कर, अविनाश शर्मा व जोस पॉलो सैम्पाइयो	**Wickerhamiella lachancei** f.a. Rameshwar Avchar., Gargi Giri, Lucky Thakkar, Avinash Sharma & José Paulo Sampaio	117
जिउगुओझांगिया मैक्रोस्पोरा रश्मि दूबे व एस. जैश	**Xiuguozhangia macrospora** Rashmi Dubey & S. Jash	118
जाइलेरिया बाइफिडा डबल्यू.एस. मलिक, ए.एच. वानी	**Xylaria bifida** W.S. Malik & A.H. Wani	118
यूशानिया बोमडिलाइना एच.बी. नैथानी	**Yushania bomdilaena** H.B.Naithani	34

F. No.26-15/2007-CSC
Government of India
Ministry of Environment and Forests

Paryavaran Bhawan,
CGO Complex, Lodhi Road,
New Delhi – 110 003.

Dated the 12th September, 2012

ORDER

Subject :- Designation of repositories under the Biological Diversity Act, 2002

In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of Section 39 of the Biological Diversity Act, 2002, read with sections 6 and 12 of Notification S.O. 1911(E), dated 8th November, 2006, and in continuation of this Ministry's Order dated 28th August, 2008, the Ministry of Environment & Forests, Government of India, hereby designates the National Bureau of Agriculturally Important Insects as the repository under the Act for agriculturally important insects, mites and spiders.

2. In accordance with sub-section (2) of Section 39 of the Act, the designated repository shall also keep in safe custody the representative samples, as voucher specimens of the biological material accessed in accordance with the provisions of Section 19 of the Act, alongwith relevant information related to the material, such as DNA fingerprints, if so required by the National Biodiversity Authority (NBA).

3. The designated repository shall also keep in safe custody the type specimen deposited by any person who discovers a new taxon, in accordance with sub-section (3) of Section 39 of the Act.

4. This order issues with the approval of the competent authority.

(Hem Pande)
Joint Secretary to the Government of India

To

1. The Director, National Bureau of Agriculturally Important Insects (NBAII), P.O. No. 2491, H.A. Farm Post, Bellary Road, Bangalore-560 024
2. Directors of institutions designated as repositories vide order dated 28.8.12:

    i. The Director, Botanical Survey of India, CGO Complex, 3rd MSO Building, Block F, DL Block, Sector 1, Salt Lake City, Kolkata – 700 064.
    ii. The Director, Zoological Survey of India (ZSI), Prani Vigyan Bhawan, M- Block, New Alipore, Kolkata - 700 053.
    iii. The Director, National Bureau of Plant Genetic Resources, Pusa Campus, New Delhi-110 012.
    iv. The Director, National Botanical Research Institute, Rana Pratap Marg, P. B. No. 436, Lucknow – 226 001, U.P.

v. The Director General, Indian Council of Forestry Research & Education, P. O. New Forests, Dehradun – 248 006, Uttarakhand.
vi. The Director, National Bureau of Animal Genetic Resources, Makrampur Campus, G.T. Road Bye Pass, Near Basant Vihar, P.O. Box 129, Karnal (Haryana)-132001.
vii. The Director, National Bureau of Fish Genetic Resources, Canal Ring Road, P.O. Dilkusha, Telibagh, Lucknow- 226 002, Uttar Pradesh.
viii. The Director, National Institute of Oceanography, Dona Paula – 403 004, Goa.
ix. The Director, Wildlife Institute of India, P.B. No. 18, Chandrabani, Dehradun –248 001, Uttarakhand.
x. The Director, National Bureau of Agriculturally Important Micro-ogranisms, Kusmaur (Post Bag Kaithauli), Post Box. No. 6, Mau Nath Bhanjan, Uttar Pradesh- 275 101.
xi. The Director, Institute of Microbial Technology, Sector 39-A, Chandigarh – 160 036.
xii. The Director, National Institute of Virology, 20-A, Dr. Ambedkar Road, P.B.No.11, Pune- 411 001.
xiii. The Director, Indian Agricultural Research Institute, Pusa Road, New Delhi-110012.

<u>Copy to:</u>

i. The Chairman, National Biodiversity Authority, Chennai
ii. The Secretary, National Biodiversity Authority, Chennai

No.26-15/2007-CSC
Government of India
Ministry of Environment and Forests

Paryavaran Bhawan,
CGO Complex, Lodhi Road,
New Delhi – 110 003.

Dated the 28th August, 2008

ORDER

Subject :- Designation of repositories under the Biological Diversity Act, 2002

In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of Section 39 of the Biological Diversity Act, 2002, read with sections 6 and 12 of Notification S.O. 1911(E), dated 8th November, 2006, the Ministry of Environment and Forests, Govt. of India, hereby designates the following institutions to act as repositories under the Act for different categories of biological resources:

S.No.	Name of the Institution	Category of biological resource
1.	Botanical Survey of India, Kolkata	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteriodophytes, Bryophytes, Lichens, Macrofungi, Macroalgae)
2.	National Bureau of Plant Genetic Resources, New Delhi	Plant genetic resources
3.	National Botanical Research Institute, Lucknow	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteriodophytes, Bryophytes, Lichens, Macrofungi, Macroalgae)
4.	Indian Council of Forestry Research and Education, Dehradun (Forest Research Institute, Dehra Dun; Institute of Forest Genetics and Tree Breeding, Coimbatore; and Tropical Forest Research Institute, Jabalpur)	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteriodophytes, Bryophytes, Lichens, Macrofungi, Macroalgae). For TFRI only - Fauna (termites, butterflies, moths)
5.	Zoological Survey of India, Kolkata	Fauna
6.	National Bureau of Animal Genetic Resources, Karnal, Haryana	Genetic resources of domestic animals
7.	National Bureau of Fish Genetic Resources, Lucknow, U.P.	Fish genetic resources
8.	National Institute of Oceanography, Goa	Marine flora and fauna
9.	Wildlife Institute of India, Dehradun	Faunal resources in Protected Areas
10.	National Bureau of Agriculturally Important Micro-organisms, Mau Nath Bhanjan, U.P.	Agriculturally important micro-organisms
11.	Institute of Microbial Technology, Chandigarh	Microorganisms
12.	National Institute of Virology, Pune	Viruses
13.	Indian Agricultural Research Institute, New Delhi	Microbes/Fungi

2. In accordance with sub-section (2) of Section 39 of the Act, the designated repositories shall also keep in safe custody the representative samples, as voucher specimens of the biological material accessed in accordance with the provisions of Section 19 of the Act, alongwith relevant information related to the material, such as DNA fingerprints, if so required by the National Biodiversity Authority (NBA).

3. The designated repositories at serial No.1,3,4,5,10,11,12 and 13 shall also keep in safe custody the type specimen deposited by any person who discovers a new taxon, in accordance with sub-section (3) of Section 39 of the Act.

4. This order issues with the approval of the competent authority.

28.08.08

(A.K. Goyal)
Joint Secretary to the Government of India

To

1. Director, Botanical Survey of India, CGO Complex, 3rd MSO Building, Block F, DL Block, Sector 1, Salt Lake City, Kolkata – 700 064.
2. Director, Zoological Survey of India (ZSI), Prani Vigyan Bhawan, M- Block, New Alipore, Kolkata - 700 053.
3. Director, National Bureau of Plant Genetic Resources, Pusa Campus, New Delhi-110 012.
4. Director, National Botanical Research Institute, Rana Pratap Marg, P. B. No. 436, Lucknow – 226 001, U.P.
5. Director General, Indian Council of Forestry Research & Education, P. O. New Forests, Dehradun – 248 006, Uttarakhand.
6. Director, National Bureau of Animal Genetic Resources, Makrampur Campus, G.T. Road Bye Pass, Near Basant Vihar, P.O. Box 129, Karnal (Haryana)-132001.
7. Director, National Bureau of Fish Genetic Resources, Canal Ring Road, P.O. Dilkusha, Telibagh, Lucknow- 226 002, Uttar Pradesh.
8. Director, National Institute of Oceanography, Dona Paula – 403 004, Goa.
9. Director, Wildlife Institute of India, P.B. No. 18, Chandrabani, Dehradun –248 001, Uttarakhand.
10. Director, National Bureau of Agriculturally Important Micro-ogranisms, Kusmaur (Post Bag Kaithauli), Post Box. No. 6, Mau Nath Bhanjan, Uttar Pradesh- 275 101.
11. Director, Institute of Microbial Technology, Sector 39-A, Chandigarh – 160 036.
12. Director, National Institute of Virology, 20-A, Dr. Ambedkar Road, P.B.No.11, Pune- 411 001.
13. Director, Indian Agricultural Research Institute, Pusa Road, New Delhi.

Copy to the Chairman, National Biodiversity Authority, 475, 9th South Cross Street, Kapaleeswarar Nagar, Nelankarai, Chennai-600 04.

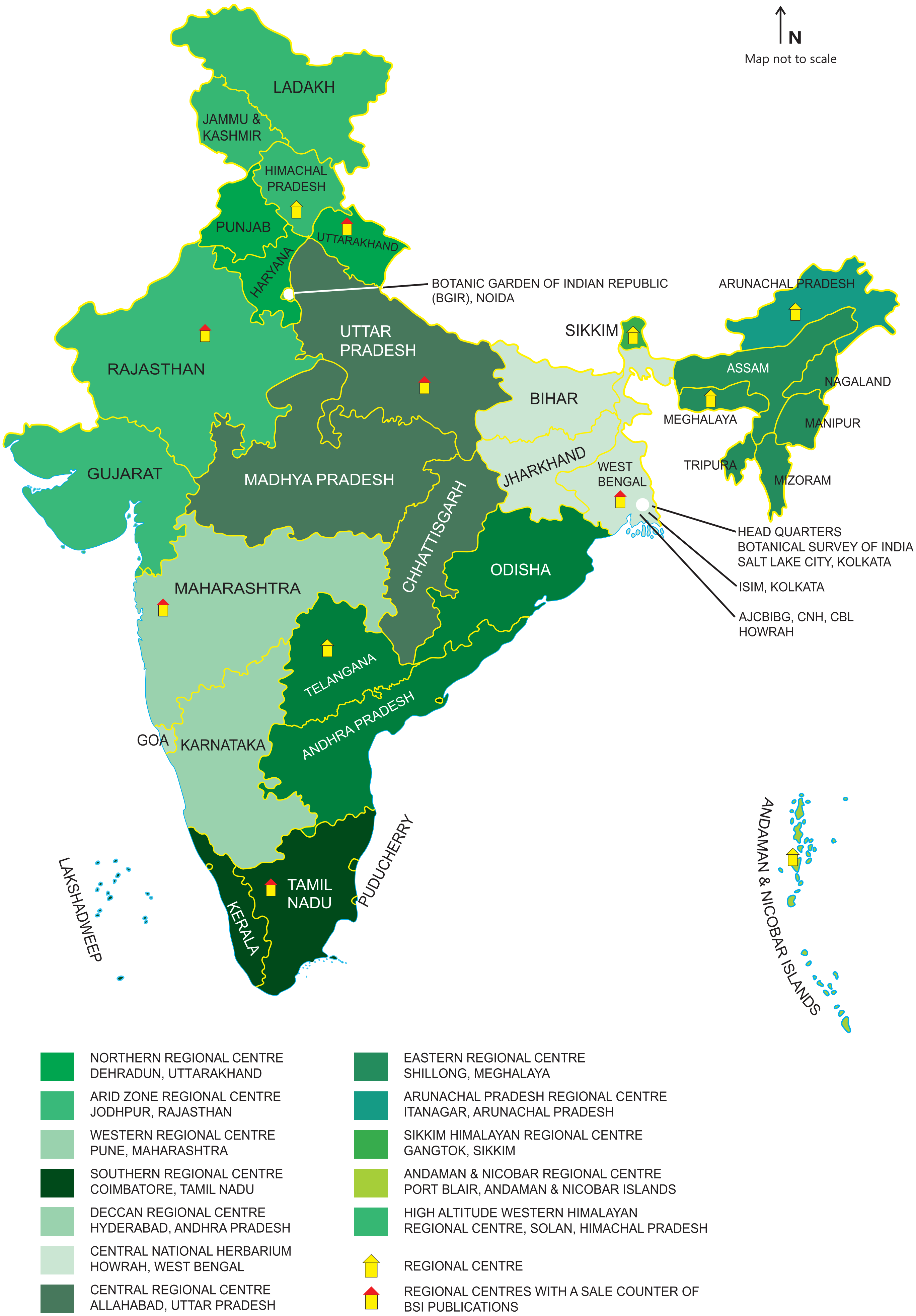
N
Map not to scale
LADAKH
JAMMU & KASHMIR
HIMACHAL PRADESH
PUNJAB
UTTARAKHAND
HARYANA
BOTANIC GARDEN OF INDIAN REPUBLIC (BGIR), NOIDA
RAJASTHAN
UTTAR PRADESH
SIKKIM
ARUNACHAL PRADESH
ASSAM
NAGALAND
MEGHALAYA
MANIPUR
BIHAR
TRIPURA
MIZORAM
GUJARAT
MADHYA PRADESH
JHARKHAND
WEST BENGAL
HEAD QUARTERS BOTANICAL SURVEY OF INDIA SALT LAKE CITY, KOLKATA
ISIM, KOLKATA
AJCBIBG, CNH, CBL HOWRAH
CHHATTISGARH
ODISHA
MAHARASHTRA
TELANGANA
ANDHRA PRADESH
GOA
KARNATAKA
PUDUCHERRY
TAMIL NADU
KERALA
LAKSHADWEEP
ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS
NORTHERN REGIONAL CENTRE DEHRADUN, UTTARAKHAND
ARID ZONE REGIONAL CENTRE JODHPUR, RAJASTHAN
WESTERN REGIONAL CENTRE PUNE, MAHARASHTRA
SOUTHERN REGIONAL CENTRE COIMBATORE, TAMIL NADU
DECCAN REGIONAL CENTRE HYDERABAD, ANDHRA PRADESH
CENTRAL NATIONAL HERBARIUM HOWRAH, WEST BENGAL
CENTRAL REGIONAL CENTRE ALLAHABAD, UTTAR PRADESH
EASTERN REGIONAL CENTRE SHILLONG, MEGHALAYA
ARUNACHAL PRADESH REGIONAL CENTRE ITANAGAR, ARUNACHAL PRADESH
SIKKIM HIMALAYAN REGIONAL CENTRE GANGTOK, SIKKIM
ANDAMAN & NICOBAR REGIONAL CENTRE PORT BLAIR, ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS
HIGH ALTITUDE WESTERN HIMALAYAN REGIONAL CENTRE, SOLAN, HIMACHAL PRADESH
REGIONAL CENTRE
REGIONAL CENTRES WITH A SALE COUNTER OF BSI PUBLICATIONS